# সাহিত্য-পরিষৎ-পঞ্জিকা

8

#### বঙ্গীয়-সাহিত্য-পরিষদের

## চতুৰ্দ্দশ সাংবৎসরিক কার্য্য-বিবরণী

১৩৭৷১ কর্ণওয়াণিস্ ষ্ট্রীট,
বঙ্গায়-সাহিত্য-পরিষৎ কার্য্যালয় হইতে
সম্পাদক কর্ত্বক প্রকাশিত

কৃলিকাতা
কলেজারার, উইলকিল-প্রেসে
জে, এন, বস্থ বারা মুদ্রিড,

# সাহিত্য-পরিষৎ-পঞ্জিকা।

### পঞ্চদশ বৰ্ষ

১৩১৫ বঙ্গাব্দ, ১৮৩০ শকাব্দ, ১৯০৮-৯ খ্রুকীব্দ

### দিন-পঞ্জিকা

#### পর্ববদিন

প্রতি সপ্তাহে বৃহস্পতিবার এবং নিম্নোক্ত প্রপদিন বাতীত প্রভাহ সম্পাদক-কর্তৃ
নিদ্ধারিত সময়ে (বেলা ২টা হইতে রাজি ৮টা প্রায়)

#### माञ्चि अतिष्ठा कः गामिश्व (थाना शास्त्र ।

,		
১ বৈশাৰ	<b>डे प</b> न किंदब्	১২ কাত্তিক
১৬ স্থাবঢ়	वर्जान	-> - পৌৰ
: ভা <b>ত্ৰ</b>	মহরম	২০ মাম
১৬ ছাখিন-৩০ আদি	ান। প্রডফাইডে	8 देवमाच )
৩০ আছিন		२१ देहला
৮.কাত্তিক		
১১ কাত্তিক		
১৭ কাৰিক		Ć
৩• কান্তিক		
১৩ মাধ		
त्रर कांच्य		
	১৬ আবাঢ়  ভাজ  ১৬ আখিন-৩০ আদি  ৩০ আখিন  ৮ কান্তিক  ১১ কান্তিক  ১৭ কান্তিক  ৩০ কান্তিক	১৬ সাধার বড়দিন  তড়াজ মহরম  ১৬ সাধিন-৩০ কাখিন। গুডফাইডে  ৩০ সাখিন  ৮ কান্তিক  ১১ কান্তিক  ১৭ কান্তিক  ৩০ কান্তিক  ৩০ কান্তিক

देवः	गाव			देकार्व		*		
>	>8	এগ্রিল ম	त्रक्षणांच बरक्यांचायार	( FF	>8	CŦ	ৰু	<b>क्टलव ब्टबानावाटवव</b>
ર	>6	ৰু	ৰুত্য [১লা বৈশাৰ ১২১	8, ₹	>6		*	ब्ज़ा [ > देवार्ड ३००১,
9	>•	- ৰূ	১৩ এপ্রেল ১৮৮৭ ]	•	56		뻑	) 8 (4 ) B (
8	>1	9	<b>৺ড্</b> ক্সাইডে	8	> 9		ब्र	' माथवी পূर्विमा
e	24	*		•	74		সো	० देवार्ड, क्लरनान ।
•	>>	র	द्बरुक्क वटन्ग्राशास्त्र	<b>7</b>	66		य	
1	₹•	বেশ	ৰূম ৬ <b>বৈ</b> শাথ ১২৪¢	٩	₹•		ৰু	
V	\$>	ষ	[ ১৮৩৮ এশ্রেল ]	ь	<b>?</b> >		বৃ	বিহারীলাল চক্রবর্তীর
>	२३	ৰু		৯	> ?		9	क्स [ ৮ देवाई ५२८२ ]
٥.	२७	ৰূ		>•	20		4	८२मध्य वटनगां भागात्त्रत्र
>>	₹8	**		>>	₹8		7	ৰুত্য [১০ জৈচি ১৩১০,
								২৪(ৠ ১৯৹৩]
১২	ર¢	*		25	२৫		শো	বিহারীলাল চক্রবর্তীর
>0	₹•	7		20	5.9		ন	মৃত্যু ১১ জৈছি ১৩০১
>8	२१	লো		>8	> 9		ৰু	অক্ষরকুমার দভের স্ত্য
>6	₹₩	ম		36	२৮		ৰূ	[ ১৪ देवार्ड ১२৯०,
>•	₹ 5	<b>ब</b> ्		>4	<b>२</b> ৯		•	২৭ মে ১৮৮ <del>৬</del> ]
59	•	ৰূ	বঙ্গীন-সাহিত্য-পরিবচন	9 6 1	٥.		. ¥	
21	>	८म 🦁	পুনৰ্গঠনান্তঃ প্ৰতিষ্ঠা	24	9>		Ť	
>>	2	*	১৭ বৈশাৰ ১৩•১,	25	> :	क्र	CMI	
₹•	•	<b>ब</b>	১৯ এবিশ ১৮৯৪ )	<b>२</b> •	2		¥	
\$2	8	শো		52	•		ৰু	
२२	¢	` ম		<b>२२</b>	8		ৰূ	
२७	•	4		5 3	•		*	•
48	•	ৰূ		> 8	•		*	
₹€	•			₹€	٩	•	<b>Ā</b>	
2 6	*	*		२७	٦		শো	
29	>•	র		<b>૨</b> ૧	৯		শ	मणस्त्रा
21	>>	শো		ર⊁	>•		₹.	
<b>4&gt;</b>	36	म्		२≽	>>		ৰু	
9.	>9	3		9.	>\$		9	রঙ্গনীকান্ত ভবেদ্ধ সৃত্যু
				95	25		*	[ ७० देवार्ड ५८०१,
				<b>~9</b> 2	>8		7	>२ क्य >> >>∙ ]

## সাহিত্য-**পরিবৎ-পঞ্জি**

नाव	٠ و		্ৰ	144		
>	>¢	चून (त	٠ ، ١	>=	क्नाहे ह	जनवङ्गात मरखन जन
2	>0	ৰ		>1	-	্ৰুগলা আৰণ ১২২৭,
•	>9	₹		) >F	*	् ১৮२० ज्नारे ।]
8	<b>2F</b>	র	8	>>	<b>4</b>	•
•	>>	9	•	•		
••	₹•	*	•	•	<b>4</b>	
9	<b>२</b> ५ २२	ब्र स्थ	1		<u>ৰু</u>	Bengal Academy of
					•	
>	२७	ম	•	₹8		Literature প্ৰতিষ্ঠা [৮২া
		•				১৩০০,২৩ জুলা <sup>৩</sup> ১৮৯০ ]
>•	₹8	ৰু	> 0	₹ €	**	भाती हान भिटला अना
•						[>२२) ४ आवन २४) ८।१
>>	₹€	ৰূ	2,	2 9	র	রাক্তেলাল নিজের সৃত্য
> 2	₹•	•	>:	२ २१	<b>ে</b> শ	[ ১১ শ্রা <sup>০</sup> ১২৯৮,২৬
20	२१	4	>4	o <b>₹</b> ►	- ম	कुगा <sup>0</sup> ১৮৯১ ] नेपत्रहक्त
28	24	ক্স		8 २ ह	ৰু	বিভাসাগরের মৃত্যু [১৩
>€	43	নো	>	£ 0	• ৰূ	आद्य २२३४, २४ जुनारे
25	٥.	ষ	महित्कन मधुत्रमन मटकत >	• •	, ,	2692 ]
>9	>		মৃত্যু [১৬ আবাঢ় ১২৮ <b>০</b> , ১		ু আগে <b>ট</b> শ	-
74	ર	वृ	_		২ স্থ	
>>	9	•	,	٠ ه١	০ সে	1
₹•	8	*	*	. 1	8 य	
<b>\$</b> >	¢	7	*	5 (	<b>ध</b> वू	
२२	•	শো	•	१२	<b>৬</b> বু	
२७	7	ৰ	2			
₹8	۳	ৰু	•	8 8	ъ <b>ч</b>	
₹€	\$	ৰূ		2.4	৯ র	
२७	>•	•	•	<b>(5)</b>	• সে	1
२१	>>	=	•	9 >	১ ম	
২৮	>5	র	*	b >	२ वू	
45	20	শে	١ .	ر <b>د</b>	৩ ৰূ	V
••	>=	7	•	)• <u> </u>	• 4	
9>	>¢	· •	૭	) ) )	e শ	
			•	ا <b>د ب</b>	• 1	

<b>312</b>			ye Jari	"আণি	a		
<b>3</b> Mi	*	আগষ্ট- 678		>		সেপ্টেম্বর বৃ	William Tolking
₹.	34	****	<b>म्याहरी</b>	4	34	•	
	44	· •		9	; 2	107	
8	₹•	<b>ब</b>		8	₹•	্ব	•
¢	२५	**	•	¢	52	হেশ	
.8	२२	*		•	२२	ন	•
٩	२७	র		ą	ર૭	₹.	
<b>\</b>	₹8	· শে	দারকানাথ বিভাভূষণে	<b>! b</b>	২১	<b>₫</b>	
<u>ن</u> ھ	ર≰	ষ্	মৃত্যু [৮ ভাজ ১২৯৩,	۶	> <b>c</b>	**	মহালয়া
>•	ž <b>6</b>	্ বু	২৩ আগষ্ট ১৮৮৬	> 0	>6	Jeg.	
>>	<b>२</b> १	৴ - বৃ		٠.	२१	র	
\$5	२৮	. 9		>5	÷ br	শো	রামমোহন রাজের মৃত্যু
50	\$2	**		>0	২৯	şį	[১২ অ'খিন ১>৪১,
28	ಲಿಕ	র		>8	o Cr	বূ	২৭ দেকেট্রর ১৮ <b>৩</b> ৩ ]
>6	৩১	<b>ে</b> না		> @	> 4	<b>অক্টো</b> বর বৃ	ঈশ্বরচ <u>ক</u> বিভঃসাগরের
٠.		•	•				क्या -> <b>व्याधिन</b> >२२१
							৮২০ সেপ্টেম্বর
>4	٥ د	সংগ্ৰন্থ ম		36	÷	<b>₹</b>	মপ্তমী পূঞা
> 1	₹	ৰু		>9	೨	*	
>>	9	ৰূ	,	74	8	র	•
>>	8	*		**	^	Chi	<b>বৈজ্ঞা</b>
ર•	æ	**		२०	•	ম্	
२५	•	স্থ		٥,	٩	ৰু	
<b>૨</b> ૨	9	সো		\$ \$	L	₹.	
ર૭	۲	ম		২ ৩	5	•	কোজাগরী
₹8	>	ৰু	ভক্তা পূৰ্ণিমা	₹8	> 0	, 🧃	
₹€	>•	· 3		۵ 🛎	**	র	ताङक्क भूट्वानाधा <b>रस</b>
. 26	>>	9	<b>শ্ৰেবর</b> াভ	<b>&gt; 5</b>	8.5	লো	মৃত্যু[>৫ অাখিন ১২৯৩
२१	><	mļ.		5 9	% 161	শ	১০ অক্টোবর ১৮৮৬]
24	>0	র		२৮	38	ৰু	
		carl	রক্ষীকাম ওপ্রের	२२	36	যু	
<b>&lt;</b> >	>8	CTI	HAMILLIA ACON	4 84	34	5	- N.

কাৰি	軍	100	ji ji Dina			23	্ পঞ	€1¶	<b>4</b> %. •		
, 5	>1	অক্টোবর	4				>	>6	নবেশ্বর	গো	
2	<b>&gt;</b> b'		র	r	2.2		2	>9		म	
ಲ	>>		টৈশা				•	>6		ৰু	
8	२०	,	ষ '	•			8	58		র্	
6.	45		ৰু			**	æ	~ •		. 19	
4	२२		রু			•	<b>'</b>	२५		*[	
9	२७		*				9	<b>२</b> ३		3	
<b>b</b> "	₹8		শ ৰ	গ্ৰাণ	<b>ৰূ</b>		<b>b</b>	२७		4েশ	
۵	२६		র				હ	₹8		뒥	
>•	50		সো				20	ર∉		ৰু	
>>	२१				ভীয়া		>>	२७		ৰু প্যা	রাচাদ মিতের মৃত্যু
>5	54		বু ই	দলহ	<b>ে</b> র		د <sub>د</sub>	> q	,	<b>*</b> [ ) :	সভাহায়ণ ১২৮৭,
20	२३		বু				20	२৮		শ ২৫	भ सरवश्व ১৮৮° ]
28	೨೦		Э				>8.	÷ "		র	
>¢	22	•	.শ			•	> ₡	ಿ		ርዋነ	•
24	2	নবেশ্বর				ত্র মূর্		if	উদেশ্ব	Ä,	
>9	2			_		क ३२४	•	ş		4	
74	ల	•	শ	৩১ ক	एक्ट्राइ	রে ১৮৭৩	1 24	5	ı	বু	
45	8		ৰু				29	8		**	
२०	œ		ৰ				₹.ø	¢		*4	
52	9		•				२১	•	•	র	
<b>ર</b> ર	•			রাস্য	141		<b>२</b> २	٩		বেশ	হেমস্ত-পূর্ণিমা
২৩	5		র			_	২৩	ь	۲	Z	
₹8	>		দো	রা	क क	प्रिन	₹8	2		3	
ર∉	20	*	ম				₹ &	20		<u> বৃ</u>	
२७	.>>		ৰু		-		२७	>>		<b>63</b>	
২৭	> <b>?</b>	. 4	বৃ				২৭	25		<b>.</b> #4	·
ર⊮	50	<i>l</i> »	•				२४	24		র	
२৯	28	•	w				₹ ત	28		গো	
•	>€		র :	ক†ভি:	ক পূৰ	<b>\$</b> 1	٥٠	>	¢	Ħ	

শৌৰ ১	> ভিদেশ্য		্নাশ			
12	59	₹ ,	>	)8 <b>4</b>	।क्षांत्रि ह	
	<b>5</b>	•	ર	>¢		
8		<b>મ</b>	ی	<b>5</b> ·	<b>*</b>	
	₹•	् व	8	>1	#	
	२५	শে!	¢	>>	<b>শো</b>	দেবেজনাথ ঠাকুরের
•	२२	4	49	> 7		মৃত্যু (৬ নাৰ ১৩১১,
_		<b>4</b>	٩	₹•	ৰু	>> जाल्याति >>-६]
4	<b>२</b> 8	* *	•	٤5	7	
5.	₹€ .	७ वफ्निन	7	२२		विषयकत्थव मृज्
>>	₹ <b>७</b>	Ħ	>•	<b>२</b>	*	[ ३० मांच ३२७८ ]
A	29	<b>Ā</b>	>>	₹8	3	রা <b>ন্ধো</b> ৎসব
>0	20	নো <u> </u>	۶२	₹@	শে	माहेरकन मधुक्तम
•						पटखत <b>जना</b> ३२ <b>३ नाथ</b>
		·			>	২০ <b>-,</b> ১৮২ <b>৩ আছ্</b> ৰারী
>8	23	<b>ৰ</b>	১৩	₹ 5	म	<b>শ্রীপঞ্</b> মী
Se 🦠	•	ৰু	26	२०	<b>₹</b>	
> >	9>	ৰ্	>€	२४	<b>ब</b>	
29	ু শাহরারি	•	>6	२३	4	
7	3	4	>1	ூ•	**	
\$8	9	4	24	92	4	
२•	8	<b>শো</b>	>>	> (4	ক্ৰেৰাৰি সো	•
45	<b>②</b>	ৰ <b>ইছ্জোহা</b>	२०	(2	सम	হরম
રર	•	<b>4</b>	२ऽ	•	ৰু	
. 20	9	ৰ্	२२	8	बृ	
₹8 .		ও কেশৰচন্ত্ৰ সেনের সৃত্যু		¢	4	মাৰী-পূৰ্বিমা
y 30	<b>»</b> ,	শ [২৫৫শ পৌৰ ১২৯•,		•	**	
50	>•	त ৮ काङ्गति २৮৮८ ]	२६	٩		গারীশহর ভট্টাচার্য্যের
41	>>	শে '	₹ <b>७</b>	•	হেগ!	मृङ्ग (२¢ नांच ১२७¢)
₹₩	52	ম	২৭	*	व	
<b>4</b> 5	>0	<b>4</b>	₹ <b>₽</b> -	>.	4	
* *		•	२≽	>>	₹	
		•	٠.	ંડર	. 💌	

কাৰ্ড	<b>7</b>		· 5	546		3
•	১৩ কেজৰা	i w.	۵	>8	नार्क क्र	
ર	>8	त्र ज्रहम्य प्रशानागारम	<b>ન</b> ર	۶¢	Ç	<b>7</b> 1
•	>4	সো ৰক্ষ ২বা কান্তন	9	36	ষ	
8	>4	म ५१७२, ५२४६,८ (क्ट	<b>F</b> 8	>1	ब्	
t,	>1	বু রাজা রাজেজগাল	•	7	ৰূ	
•	১৮ শিবরাত্তি	्वृ भिष्मत्र अन्त्र ६२ सः। सः	ন ৬	>>	9	
•	>>	७ ३२२४	9	₹•	*	
•	२०	¥	۲	२३	3	
۵	<b>2</b> 5	व	۵	२२	শে	ĭ
5•	२२	শো -	٠٠	२७	ষ	
>>	২৩	<b>4</b>	>>	₹8	<b>ब</b> ू	
১২	₹8	<b>₹</b> .	১২	₹\$	ৰূ	_
20	₹€	ৰূ	<b>2</b>	२७	*	
>8	<b>२</b> %	9.	28	<b>२</b> ¶	M	
24	<b>₹9</b>	.м	24	ર⊌	3	বাস <b>ভীপূৰ</b> ণ
2.0	₹₩	ब	20	23	গে	1
>1	> मार्क	<b>লা</b>	>1	•	শ	<b>औन्नामनवभी</b> ।
>>	ર	ম	24	9)	<b>ब</b>	
29	૭	<b>4</b>	ä	<b>&gt;</b> (	এপ্রেল বু	শ্ৰীরাম নৰমী
₹•	8	ৰূ	٠ \$	<b>ર</b>	4	
۲۶	•	4	<b>?</b> >	•	*	রামনিধি অংখর মৃত্যু
२२	<b>(3</b>	न मानगजा	२२	8	<b>ਕ</b>	[२ टेंड्स ३२८८]
२७ ।	6	4	२०	t	শে	l
₹8	<b>v</b>	<b>শো</b>	₹8	•	ষ	
ર∉	৯	य जेपेत्रध्य ७८थेत् वय	₹¢	9	ৰু	
રક :	•	व् २ <b>०कास</b> न् १२२४,३४३३	२७	<b>b</b>	ৰূ	বন্ধিনচজ চট্টোপাথ্যাব্যে
<b>ર</b> ૧ :	>>	বু জাতীয় শিক্ষা-পদ্দিৰৎ	२१	>	•	मृङ्ग [२ <b>७ टेव्स ১७</b> ००
<b>২৮</b> ১			٦Þ	5.	4	
د <u>چ</u> ه		শ [১৩১৩,১১মার্চ ১৯٠৬]	<b>{</b> }	>>	3	-
	,		9.	>2	লো	
			92	100	ৰ	নহাবিবৃধ-সংক্রার্ডি

## अंशिक्षांनिक चर्रेनाशकी।

नवांव निवास-উत्मोनांव रङाः	3964	बुडाक
<b>ভারতচ্জ রামের মৃত্যু</b>	` <b>&gt;</b> 9%•	
त्रामः अभागः (मरभन्न मृज्)	১৭৬২	39
কোম্পানির দেওয়ানি প্রাপ্তি	>948	10
द्राभरमाह्म द्रारत्रद्र क्या	3998	17
ছগলিতে প্রথম মুক্তাযন্ত্র প্রতিষ্ঠা	<b>39</b> 36	•
প্রথম বাঙ্গালা মুদ্রিত পুত্তক — হালহেড সাহেবর ব্যাক্বণ	>996	ee
কলিকাভায় প্রাপম মুজায়ন্ত্র প্রিং ছা	১৭৮০	m
কলিকাত। মাল্রাসা প্রতিষ্ঠা	>96>	32
महातांक क्षाठटल मृङ्	> <b>9b</b> ->	33
এসিয়াটক সোসাইটি প্রতিষ্ঠা	३१७8	20
শ্রীরামপুরে মুক্রাদন্ত (মিসন প্রেস) প্রতিষ্ঠা	: 952	ø
বাইবেলের ও আইনের বাঙ্গাল অনুবাদ	১৭৯৩	22
প্রথম বাঙ্গালা ইংরাজি অভিধান ফরেষ্টার কত	>95.	27
কোর্ট উইলিয়ম কালেজ প্রকিষ্ঠা	240e	*
প্রথম বাঙ্গালা গন্ধগ্রর মবাম বস্তুর প্রতাপাদিত্য	>40>	,10
ৰাঙ্গালায় প্ৰথম নাভিপুঞ্ক গোলকনাথকত হিতোপদেশের অসুবাদ	<b>&gt;</b> b-0>	,,
<b>শ্রীরামপ্রের</b> য <b>ন্থে</b> কাশিদাসী নহাভারত <b>প্রকাশ</b>	2002	29
মালদহে এলারটন কর্তৃক প্রথম বালালা বিভালয় প্রতিষ্ঠ	७७०२	27
<b>শ্রীরামপুরের যন্ত্র</b> ক্তিবাদী রামায়ণ প্রকংশ	74.5	29
বাঙ্গালায় প্রথম ইতিহাস্থাত্ত—মুক্তারানক্ত রাজাবলী	76.02	jı
প্রথম বাঙ্গালা অভিধান —পীতাম্বর মূখোপাধ্যাদের শব্দসিকু ( অমরকোষের		
<b>बङ्</b> राप ) .	76.9	20
পুরুষপরীকার অন্ত্রাদ	36.78	20
মুমেমে হন রাম ক্ত বেদাত্তের অফ্বাদ	. שנשנ	,
বাৰালীকৰ্ত্ক প্ৰথম বাৰালা বিভালন প্ৰতিষ্ঠা	36.46	,
নিকালা প্রথম সংবাদ পত্ত গঙ্গাধর ভট্টাচার্য্যের 'বেঙ্গল গেজেট'	<b>3</b> F36	<b>39</b>
দাকালা প্রথম ক্যোতিষ গ্রন্থ	)P)&*	<b>n</b> , , , ,
্লবুক <b>লো</b> লাইটি প্ৰতিষ্ঠা	\$ <b>\$</b> \$9	10
नर्वसन्। व ठाक्रवत्र स्वा	3539	
মাৰ্থ বাৰাণা অন্ব পুত্তক—'ক্ষানাত্তি হিসাব'	3639 ·	
সদীত পুত্তক	Subali	

প্রথম বাঙ্গালা জীশিকাবিষয়ক প্রতক—গৌরখোইন ক্রত	चंदच.	पृष्ठीय
জীরাসপুরে রামহরি প্রকাশিত প্রথম বাঙ্গালা পঞ্জিক।	: P2P	-
কেরী সাহেবের 'সমাচান্ন-দর্পণ' প্রকাশ	7424	, 30
রামুনোহন রায় সম্পাদিত 'সংবাদ-কৌমুদী' প্রকাশ	פנפנ	, F
কেরী সাহেবের 'অস্থিবিত্যা' বিষয়ক গ্রন্থ	) b b	, "
ভবানীচরণ বন্দোপাধ্যায়-সম্পাদিত 'সমাচার-চক্তিকা' প্রকাশ	; <del>}</del> }	, ,,
প্রথম বাঙ্গালা ভূগোল-গ্রন্থ	:6:3	, ,
মধুরামোহন দত্ত-ক্লত মুগ্ধবোধের বঙ্গাহ্রাদ	१४१४	) <sup>ps</sup>
কেরী সাহেবক্কত গোল্ড্সিথের ইংলণ্ডের ইভিহাসের বদাস্বাদ	7479	
গঙ্গাকিশোর ভট্টাচার্য্য কৃত বাঙ্গাগায় ইংরাজি-ব্যাকরণ	১৮২ •	39
গীতগোবিদের প্রথম মূক্র । 🙆	> <b>&gt;</b> 2	29
কবিকঃগ চণ্ডীর ঐ এ	78.50	n
অন্ত্রদাসস্পরে ঐ ঐ	>P3 .	*
চৈতন্ত্রিতামৃভেন্ন ঐ	<b>३</b> ४२०	37
গঙ্গ ভিক্তি ভরঞ্জিণীর ঐ	<b>:</b> b२•	n
ৰাঙ্গালায় প্ৰথম মুদ্ৰিত নাটক 'প্ৰেম নাটক" ( পঞ্চানন বন্দ্যোপাধ্যায় ক্লত )	<b>३</b> ४२०	
কালীনাথ কর্তৃক বাঙ্গালা অক্ষরে খোদিত ভূমগুলের মানচিত্র	1452	10
চর্চ-মিশন সোদাইটির কুক্ সাহেবের স্থাপিত প্রথম বালিকা-বিভালয়	2452	39
বাঙ্গালা নাটকের প্রথম অভিনয়—"কলিরাজার যাৃত্তা" নৃতন নাট্যাভিনয়	2452	
রাজা রাধাকান্ত দেবের শক্ষক মুক্তম প্রথম থণ্ড	ऽ४२२	.10
বালালার জাতিতত্ববিষয়ক প্রথম গ্রন্থ ( হেম5ক্রকত )	১৮২৩	, "
বাঙ্গালীকর্ত্ক প্রথম মৃদ্রাযন্ত্র ( অগ্রহীপ-কাল্না )	<b>&gt;</b> ४२१	
विश्वांश्चन्यदवव ध्वेश्य मूजन >৮২%	)- <b>&gt;</b> ৮২৬	, "
শং <b>ত্বত কালেন্দ</b> প্ৰতিষ্ঠা	> <b>&gt;</b> 28	
প্ৰথম বাহ্মালা পদাৰ্থবিস্তা গ্ৰন্থ—"পদাৰ্থবিস্তাসার"	> <b>⊳</b> ₹€	
" নীচিবিষয়ক কবিতা পুস্তক "কবিতামৃত-কুণ"	) ५२७	· .m
রামমোহন রার কর্তৃক বাজালা ব্যাকরণের ইংরাজি অমুবাদ	<b>৽</b> ৽৮২৬	
রামমোহন রাজের উপাসনা-সভা	ントイト	
রামনোহন রাজের ব্রাক্ষ্মাজ-প্রতিষ্ঠা	ントそか	<b></b>
	2000	<b></b>
	1604	
শ্টন সাহের কর্মক ব্যক্তালা-প্রবাদ-সম্বলন	25/42	94

74.0	ष्टाक
222	19
१४०८	•
<b>३५०</b> ८	19
>6-06	93
3505	<i>p</i>
7200	22
7404	37
১৮৩৮	¢.
<b>५७७</b>	29
ঃ৮৩৯	*7
228°	"
>p-8 o	<b>"</b>
:480	27
>P8•	99
7289	27
; <b>&gt;</b> 80	99
१८८२	.00
<b>389</b>	gn .
7846	29
2 <b>F8</b> >	39
>>60	39
:565	19
2562	29
>>45	20
3540	*
:>40	
3548	*
3F18	. #
3346	
2566	29
stee	
	7468 7468 7468 7468 7469

		,
কাৰীপ্ৰসন্ন সিংহের মহাভারত — মাদিকাও	>>44	39
এড়বেশন গেৰেট	>,69	<i>p</i> 3
ক্ৰিকাতা বিশ্বিভালৰ প্ৰতিষ্ঠা	2769	
माभविध वारत्रत मृह्	३४६१	30 .
महाँबाणित (चाचना-পঞ	7664	<b>a</b> )
<b>ৰারকানাণ বিভাভ্</b> ২শের "সোমপ্রকাশ"	Sper	10
গৌরীশঙ্কর ভট্টাচার্য্যের মৃত্যু	2762	39
क्षेत्र भारत्व मृत्	5065	w
তিৰোত্তমা-সম্ভব কাৰ্য	১৮৬৽	N
"নীলদৰ্শণ" ( ঢাকায় ছাপ। ও বাঙ্গালী কর্তৃক অভিনয় )	८ धन्यद	
ঢাকায় পূর্ব-বঙ্গ-রঙ্গুমি ( প্রথম বাঙ্গালা সাধারণ নাট্যশালা স্থাপন )	१५७१	"
লং সাহেত্বের কার্যবাদ	2662	35
ভারতব্যীয় ব্রাহ্মসমাজ	<b>७७</b> ५८	22
রাজা রাধাকাস্ত দেবের মৃত্যু	ファチル	N .
স্থাত সমাচার প্রকাশ	>990	25
বঙ্গদৰ্শন প্ৰকাশ	<b>১৮</b> ৭২	p)
ক্লিকাভার প্রথম সাধারণ বাঙ্গাল নাট্যশালা স্থাপন 'স্থাসন্তাল থিয়েটার'	<b>३</b> १४८	29
[ এই তালিকায় শ্রম থাকিলে, পাঠকগণ তাহা সংশোধন করিয়া দিলে ও	ভাগিকা	পুরণ
করিবার জন্ত অন্তান্ত শ্বরণীয় ঘটনার তারিথ পরিষ্থ সম্পাদককে নিলি	ধরা পাঠ	ाहरन
স্থাগামী বংগর তাহা প্রকাশিত হইবে। ]	•	

## পরিষৎ-রেজেফারীর নিদর্শন-পত্র

( ১৮৯৯ সালের ৩০ নং সার্টিফিকেটের নকল 🔻 )

Registered under Act XXI of 1830.

In the Office of the Registrar of Companies
Under Act VI of 1882.

In the Matter of Bangiya Sahitya Parisad

I do hereby Certify that pursuant to Act. xxi of 1860, of the Legislative Council of India, Memorandum of Association and Certified Copies of Rules (annexed) have been this day filed and registered in My Office, and that the said Society has been duly Incorporated pursuant to the provisions of the said Act. Dated this Fourteenth day of April, One Thousand Eight Hundred and Ninetynine.



(Sd) Pratapachandra Ghosha Registrar of Companies Under Act vi of 1882. 15-4-99.

## বন্ধীয়-সাহিত্য-পরিষদের নিয়মাবলী।

#### সভার উদ্দেশ্য ও নাম।

- ১। বিধিধ উপাল্পে বাঙ্গালা-ভাষা ও সাহিত্যের অনুশীলন ও উন্নতি সাধনই পরিষদের উদ্দেশ্য। সভার নাম—বঙ্গীয়-সাহিত্য-পরিষ্ণ ।
- ৈ ২। এই উদ্দেশ্য-সাধনার্থ:নিম্নলিখিত ও আবশ্যক হইলে, তদতিরিক উপায়সমূহ স্কলিত হইবে; যথা,—
  - (क) বঙ্গভাষার ব্যাকরণ ও অভিধান-সকলন।
  - (थ) देवळानिक ७ मार्गनिक भरकत পরিভাষা-সঞ্চলন।
  - (গ) প্রাচীন বাঙ্গালা-কাব্যাদির সংগ্রহ ও প্রকাশ।
  - (খ) ভাষাত্তর হইতে উংক্রপ্ত গ্রন্থানির অনুবাদ **প্রা**কাশ।
- (ঙ) দর্শন, বিজ্ঞান, ইতিহাদ, কাব্য প্রভৃতি সকল প্রকার সাহিত্যের আলোচনা ও সেই সেই বিষয়ে উৎকৃষ্ট প্রস্থাদির প্রকাশ।
- (5) "সাহিত্য-পরিষং-পত্রিকা" নামে বাঙ্গালা ভাষায় একথানি সাময়িক পত্রিকা-প্রচার। পত্রিকাথানি আবশ্রকমত মাসিক বা ত্রৈমাসিক হইবে।

উপরোক্ত বিষয়-সমূহ সম্বন্ধে যথন বাহা সংগৃহীত হইবে, তাহা পরিষৎ-পত্রিকায় প্রকাশিত হইবে; কিন্তু আবস্তক বোধ হইলে, সংগৃহীত বিষয় সকল পত্রিকায় প্রকাশিত না হইয়া শুভন্ন প্রাহারে প্রকাশিত হইতে পারিবে । কার্য্য-নির্বাহক-সমিতির সম্বতি ভিন্ন, কোন জীবিত প্রস্থানের গ্রন্থানির আলোচনা বা সমালোচনা হইবে না।

- ছে) পরিষদের উদ্দেশ্যের অন্তর্গত (গ) ধারার কার্য্য-সম্পাদনের নিমিত্ত "প্রাচীন-বালালা-গ্রন্থাবদী" নামে একথানি বৈমাসিক পর প্রকাশিত হইবে। উহাতে অনুজ্ঞিত ও মপ্রকাশিত প্রাচীন,বালালা-গ্রন্থাবদী খণ্ডশঃ প্রকাশিত হুইবে।
  - (व) भावक्रमक आठीम-वाकाना-अधावनी मण्णूर्व अध्काद्य अ अवाभिक हरेदा ।

#### **পরিবদের অধিবেশন** ।

- ৩। কলিকাতার শ্রামপুকুর ১০৭।১ নং কর্পন্তরালিস্ ব্রীটে সাহিত্য-পরিবং-কার্যালরে প্রতিমানের শেষ সপ্তাত্তের রবিবারে বা প্ররোজন হইলে অন্তবারেও অন্তব্য অপরাক্তে সম্পাদকের আহ্বানে পরিবদের সাধারণ অধ্বেশন হইবে। তারির কোন বিশেষ প্রয়োজন উপস্থিত হইলে, মধ্বা অন্ততঃ দশজন দত্য হেতুনির্দেশপূর্বক পরহারা অভিপ্রায় প্রকাশ করিলে, সম্পাদকের আহ্বানে বিশেষ সাধারণ সভা আহ্বত হইবে। অনিবার্য কারণে কোন মাসিক অধিবেশন স্থগিত থাকিতে পারিবে।
  - शतिष्ठात्र कार्या-विवत्रण छेक शतिष्ठ-शिक्षकाम श्रकाणिक इटेटव ।
  - वानम कन मछा উপञ्चित इट्टें भ तिब्द्व कार्यात्र इटेंट्व ।
  - मानिक अधिद्यम्दन अधान छः "माहिजािन" मध्दस आत्माहना इटेट्च।
- প'। সভাপতি পরিষদের কংগাগিছের অনুমতি প্রদান কংরণে, নিম্নলিখিত প্রকারে কার্যা মারস্ক হইবে।
  - (ক) পূর্বে অধিবেশনের কার্যা-বিবরণ পাঠ ও অনুমোদন:
  - (थ) मङा-निर्वाहन।
  - ব্য, সভার বিজ্ঞাপিত কার্য।
- ্থ) কার্য্য-নির্মাহক-সমিতি কিংবা সভাপতিকর্ত্তক নির্মারিত কোন বক্তা বা প্রাক্ষপাঠ।
- ৮। কোন বিষয়ের বিচার বা আলোচনার সমধ্যে কোন সভা দেই বিষয় সহচ্চে একনার এবং প্রস্তাবক তৃইবারের অধিক বক্রব্য প্রকাশ করিঁতে পারিবেন না; তবে অধিকাংশ সভাের মত বা সভাপতির অনুমতি পাইলে, এই নির্মের বাতিক্রন হইতে পারিবে।

#### সভা।

- ১। বাঙ্গালা সাহিত্যালুরাগী, শিক্ষিত বা সাহিত্য সংসাবে লক্ষ প্রতিষ্ঠ, ব্যক্তিমাত্রই পরিবদের 'সাধারণ সভা' নির্কাচিত হইতে পারিবেন। নির্কাচনের প্রণালী এইরপ হইবে;—পরিবদের সাধারণ অধিবেশনে একজন সভাকর্তৃক তাঁহার নির্কাচন প্রস্তাবিত, অপর সভাকর্তৃক সমর্থিত এবং সভাকর্তৃক অমুমোদিত হইলে, তিনি সাধারণ সভারপে গণ। হইবেন।
- (ক) যথারীতি নির্বাচনের পর সম্পাদক নির্বাচিত ব্যক্তির নিকট তাঁহার নির্বাচন-সংবাদ ও তৎসহ সেই সমরে প্রচলিত নিম্মাবলী একথও পাঠাইবেন।
- (খ) উক্ত ব্যক্তি তাঁহার নির্মাচন-সাবাদ প্রার্থির একবাস মধ্যে প্রবেশিকা ১ এক টাকা প্রদান না করিলে, সভ্যশ্রেণীভূক হইবেন না এবং সভ্যের কোন অধিকার প্রাপ্ত হইবেন না।

- > । পরিবদের বায়নির্কাহার্থ প্রত্যেক সাধারণ সভ্যকে প্রবেশিকা ১ এক টাকা এবং অস্ততঃ॥ আট জানা করিয়া চাঁদা মাসিক দিতে হইবে।
- ১১। থ্যাতনামা লেথকগণ বস্নীয়-সাহিত্য-পরিষদের "বিশিষ্ট-সভ্য" নির্বাচিত হইতে পারিবেন। নির্বাচনের প্রণালী এই রূপ হইবে;—অনুন পাঁচজন সভ্য কোন ব্যক্তিকে বিশিষ্ট সভ্য করিবার প্রতিবিধ পর্বারা জানাইলে, পরিষদের সাধারণ অধিবেশনে ঐ প্রপ্তাব "ব্যালট" ছারা বিবেচিত হইবে। যদি সভা ঐ প্রস্তাবের অন্ত্যেদেন করেন, তবে প্রপ্তাবিত সভ্যের নাম প্রধারণ সমন্ত সভ্যের নিকট প্রেরিত হইবে। তাঁহুদের নিকট হইতে বে সকল পত্র পাওয়া ঘাইবে, তাহার ত্রি-চতুর্থাংশের সম্বৃত্তি-অন্সারে সেই সভ্যকে বিশিষ্ট-সভ্যরূপে নির্বাচিত করা হইবে।
  - (क) विभिन्ने मर्जाद मरशा ३२ करनत अधिक हरेरव ना।
- খে) যাঁহারা পরিষদে অর্থসাহায্য ভিন্ন অন্ত উপারে বিশেষভাবে পরিষদের উপকার কবেন বা বাহাদের নিকট পরিষং ঐরণ কোন উপকারের আশা করেন, তাঁহারা সাধারণ সম্ভারণে নির্বাচিত হইতে অক্ষম হইবে, তাঁহাদিগকে "বিশেষ সভ্য" রূপে নির্বাচন করা হইবে।
- (গ) বিশেষ সভাগণ পরিষদের উদ্দেশ্ত সম্পূরণজন্ত পরিষদের কোন না কোন কার্যো নিযুক্ত থাকিবেন।
- ১২। সাধারণ সভা, বিশিষ্ট সভা ও বিশেষ সভা ভিন্ন "ছাত্র-সভা" নামে পরিষদের আর এক শ্রেণীর সভা থাকিবেন।

( ছা এসভ্য-সংক্রান্ত বিশেষ নির্মাদি এই নির্মাবলীর শেষাংশে র্প্তব্য )
সভ্যের অধিকার।

- ১৩। পরিষংকর্ত্ক যাহা কিছু মুদ্রিত ও প্রকাশিত হইবে, প্রত্যেক সভা হাহার এক এক থণ্ড বিনামূলো প্রাপ্ত হইবেন; কিন্তু সাহিত্যাদি বিষয়ে যাহা স্বতন্ত্র পুত্তকালারে প্রকাশিত হইবে, তাহা এ নিয়মের স্বন্ধ্যত নহে।
- (ক) "সাহিত্য-পরিবং-পত্রিকা" এবং 'প্রাচীন-বাঙ্গালা-গ্রন্থাবণী" স্থাত্রসভ্যগণ ব্যতীত্ত সকল সভাই বিনামূল্যে এবং বিনাব্যন্তে পাইবেন।
- (খ) কোন সভোর পণিকার পুরাতন থগু বা সংখ্যা প্রয়োগন হইলে, তাঁহাকে তাহা অর্জ্মপুরো ক্রে করিতে হইবে।
  - (भ) अञ्चावनीत मःथा। व्यक्तम्रता द्वलका इहेटव ना।
- ১৪। সম্পাদকের নিকট পত্র লিখিয়া বা মৌধিক প্রস্নাধা সভার অবস্থা, বিধি ব্যবস্থা ও অপ্তাক্ত সংবাদ জ্ঞাত হইবার এবং সভার কার্য্যালরে স্বয়ং আসিরা সম্পাদকের সম্বতিক্রমে হিসাব ও গ্রন্থাদি দেখিবার অধিকার সকল সভ্যেরই রহিবে।

- ১৫। তকান গভোর দেয় টাকা ছয় মাস কাল আগত থাকিলে, তীহার নাম কার্য্য-নির্মাহক-সমিতির সম্মতিক্রমে সভার ভালিকা হইতে উঠাইরা দেওরা বাইবে।
- (क) वाहारमञ्जलक निकास का निवासिक करण व्यामात्र ना इटेरव, जाहामिशरक विनामरमा "आहीन वालाना-अहावनी" (मध्या इटेरव ना ।
- ্ৰ) যে সভোৱ চাঁদা ছয়মাস কাল বাকী থাকিবে, তিনি কাৰ্যা-নিৰ্বাহক সমিতির সভা হইতে পারিবেন না।
- ্গ্র) কার্য্য-নির্কাহক সমিতির কোন নির্কাচিত বা মনোনীত সভ্য যদি ছয় মাস পর্যান্ত চাদা বাকী রাখেন, তবে কার্য্য-নির্কাহক সমিতি তাঁহার স্থানে অপর একজন সভ্য মনোনীত করিতে পারিবেন।
- ১৬। পরিষদের ন্তন সভ্যগণ নির্বাচন-সময়ের পর হইতে কর্ধাং যিনি যে সময়ে সভ্য হইবেন, সেই সময়ের পরবর্তী সংখ্যা হইতে পত্তিকা ও গ্রন্থা পাইবেন। তং-পূর্ববর্তী সংখ্যা বা খণ্ড লইতে হইলে, তাহা অদ্বসূল্যে ক্রের করিতে হইবে। গ্রন্থানী অদ্ধন্ল্য দেওরা হইবেনা।
- > । পরিষদের উন্নতিকরে বাঁহারা পরিষদের সাধারণ তহবিলে এককালে ৫০০ বা তদভিরিক্ত টাকা দান করিবেন, তাঁহারা আজীবনকাল পরিষদের সভ্য বলিয়া গ্ণা হইবেন।
- (ক) বিশেষ বিশেষ কার্য্যের জন্ত পরিরদের যে সকল স্বতন্ত্র তহবিল আছে অর্থাৎ গ্রন্থকাশ তহবিল, গৃহনির্মাণ-তহবিল, ব্যক্তিবিশেষের স্থৃতিচিক্স্থাপন-তহবিল বা প্রস্কার-প্রবন্ধের তহবিল,—এই সকল তহবিলে ৫০০ টাকা পরিমাণ দান ১৭ নিম্নের অন্তর্গত বলিধা গণ্য হইবে না।

#### পরিষদের পরিপোষক

১৮। পরিষৎ ইচ্ছা করিলে, এক বা একাধিক ব্যক্তিকে পরিপোষক মনোনীত করিতে পারিবেন।

#### গরিষদের কর্মচারী

১৯। পরিষদের কার্য্য স্চাকরণে নির্বাহার্থ সাধারণ-সভাকর্ত্ক সভ্যশ্রেণী হইতে নির্বাহিত কর্মচারিগণ এক বংস্বের নিমিত্ত নিযুক্ত হইবেন।

<b>সভাপতি</b>	***	***	• • •	***	> जन
সহকারি-স্ভাপতি		484	•••	***	० वन
সম্পাদক	en grande de la companya de la comp La companya de la co	* 6 *	T	•	> জন

সহকারি-সপ্ণাদক	***		***		৩ জন
পঞ্জিকা-সম্পাদক	***	***		••	्र चन
थनदृष्क क	. 4.0 5		,		. > भन
গ্রহরক্ত	•••	•••	***	•••	> सन
ছাত্র-সূভাগণের পরিদ	र्गक "	•••	***	~	১ জন
কাৰ্য্য-নিৰ্বাহক-সমি	ভর সভ্য	•••	•••	٠.,	>२ कन
আয়-ব্যয়-পরীক্ষক	• • • •	•••			२ अन

এই নিরোগ-কার্য্য সাধারণতঃ বার্ষিক অধিবেশনে সম্পন্ন হইবে। কেবল কোন কর্মন চারীর পদ বংগনের মধ্যে শৃশু হইলে, অন্ত মাসিক অধিবেশনেও সেই পদে কর্মচারী নির্ক্ত ইইতে পারিবে।

- নত। কার্য্য-নির্কাইক-সমিতির বারজন সদস্ত এইরূপে নিযুক্ত হইবেন ;—কার্য্য-নির্কাহক সমিতির সভ্যেরা, আপনাদিগের মধ্য হইতে চারি জনকে মনোনীত করিবেন।
  বিদিউ জ চারিজনের মধ্যে এক বা একাধিক ব্যক্তি কোন কারণে পদ গ্রহণ করিতে না
  পারেন, তবে কার্য্য-নির্কাহক-সমিতি পুনত্মনোনরন দারা সেই সংখ্যা পুরণ করিবেন।
  - (ক) জবশিষ্ট আটজনের সহন্ধে নিম্নলিখিত প্রণালী অবলম্বিত হইবে ;---

কান্তনমাসের প্রথমার্কের মধ্যে সম্পাদক, পরিষ দর প্রত্যেক সভ্যকে পত্রহার জিজ্ঞাসা করিবেন যে, তিনি এই সমিতির সদস্য হইতে সন্মত আছেন কি না ও সন্মত থাকিলে ছই সপ্তাহ মধ্যে পত্রহারা তাঁহাকে সন্মতি জ্ঞাপন করিবেন। যাহারা সন্মত বনিয়া উত্তর দিবেন, তাঁহাদের নামের একথানি তালিকা মুদ্রিত করিয়া, চৈত্রের প্রথম সপ্তাহ-মধ্যে প্রতি সভ্যের নিক্ট এই প্রার্থনাসহকারে প্রেরিত হইবে বে, প্রত্যেক সভ্য ঐ তালিকার মধ্যে নিজ মনোনীত লাটজনের নামের পার্শ্বে নিজ নিজ নাম স্বাক্ষর করিয়া চৈত্রের দ্বিতীয় সপ্তাহ মধ্যে বেন সভাপতির নামে পাঠাইরা দেন ; অথবা বার্ষিক অধিবেশনে স্বয়ং উপস্থিত হইয়া, সভাপতির হত্তে অর্পন করেন। যে আটজনের নামে অধিকাংশ সভ্যের মত পাওয়া যাইবে, তাঁহারাই নির্বাচিত হইবেন। যদি উক্ত আটজনের মধ্যে এক বা একাধিক ব্যক্তি কোন কারণে এই সমিতির সদস্য-পদ গ্রহণ করিছে না পারেন, তবে নির্বাচনে যিন নবম অথবা যাহালা নমম দশমাদি স্থান অধিকার করিয়াছেন, তাঁহারা ষথাজনে নির্বাচিত হইবেন।

- (খ) বর্ধারন্তের পর বলি কোন কারণে কার্যা নির্কাহক-সমিতির সলভ-পদ শৃদ্ধ হর তবে পরিষদের পরবর্তী সাধারণ অধিবেশনে ঐ পদ পুরগুঞ্জীরতে হইবে।
- ২১। কার্য-নির্কাহক সমিভির মনোনীত ও নির্কাচিত সভাগণের মধ্যে বে কেই বলি জমাবরে চারিয়াস কাল অধিবেশনে অনুপত্তিত হন, তবে তাঁহার পদ শুক্ত হইরে।
  - २२। পরিবদের সভাপতি, সহকারি সভাপতিত্তর, সম্পাদক, সহকারি-সম্পাদকত্তর,

পজিকা-সম্পাদক, ধনরক্ষক, গ্রন্থরক্ষক এবং ছাজ-সভাদিগের পরিদর্শক কার্য্য-নির্মান্ত্র-স্মিতির সভ্যরূপে গণ্য হউবেন।

২৩। পরিষদের সভাপতি, সহকারি সভাপতিজ্ঞর, সম্পাদক এবং সহকারি-সম্পাদকজ্ঞর
কার্যা-নির্কাহক সমিতির সেই সেই পদে নিযুক্ত থাকিবেন। তাঁহাদ্ধের অন্তপন্থিতিতে
উপস্থিত সভামগুলী হইতে মনোনীত হইয়া সেই দিবসের অধিবেশনের নিমিত্ত একজ্ঞন
সভাপতি হইবেন ও একজন সম্পাদকের কার্যা করিবেন।

#### সভাপতির অধিকার

২ ঃ । কোন বিষয়ের মত গ্রহণ কালে হই পক্ষে সভ্য-সংখ্যা সমান হইলে, সভাপতির একটি অতিরিক্ত মত দিবার ক্ষয়তা থাকিবে।

#### সম্পাদকের কার্য্য ও অধিকার

- ২৫: সম্পাদক প্রত্যেক অধিবেশনের সময় নির্দারণপূর্বক **অন্তভঃ চারি দিন পূর্বে** প্রান্তারণক জ্ঞাপন করিবেন।
- ২৬। সম্পাদক, পরিষদের সভা বা অস্তের প্রেরিত প্রাদি প্রাপ্ত হ**ইলে, তৎসম্বন্ধে** আপন বিবেচনাত্সারে বা কার্য্য-নির্বাহক-সমিতির মতাত্সারে কার্য্য করিয়া তাহার হল প্র-প্রেককে জানাইবেন।
- কে) স্থান দশজন সভ্য উক্ত পত্রাদি সাধারণ অধিবেশনে উপস্থিত করিবার স্থান্য প্রস্থারা অন্তরোধ করিলে, সম্পাদক কার্যা-নির্কাহক-সমিতির মন্তব্য-সহ তাহা সাধারণ অধিবেশনে উপস্থিত করিবেন।
- ২৭। সম্পাদক প্রতিমাসে পরিষদের আন্ন-ব্যয়-বিবরণী প্রস্তুত করিয়া কার্য্য-নির্কাছক শ্মিতিতে অর্পণ করিবেন।
- ২৮। সম্পাদক কার্য্য-নির্ব্বাহক-সমিতির নির্দ্ধেশাসুযায়ী নির্মিত ব্যর ব্যতীত ১০ টাকা পর্যান্ত ব্যর নিজে করিতে পারিবেন; কিন্ত উক্ত সমিতির পরবর্ত্তী অধিবেশনে ঐ ব্যর অস্থ্যাদিত করাইরা সইবেন।
- ২৯। বদি কোন অনিবার্য কারণে কার্য্য-নির্বাহক সমিতির মত না লইয়া সম্পাদককে কোন কার্য্য করিতে হয়, তাহা হুইলে, তিনি ভত্রপ করিয়া পরে কার্য্য-নির্বাহক-সমিতি বারা ঐ কার্য্য অনুযোগিত করাইয়া লইবেন।
- ৩০। সম্পাদক চৈত্র মাসের সাধারণ অধিবেশনের পূর্ব্বে, পরিষদের বাৎসন্ধিক আর-ব্যর-তালিকা প্রস্তুত করিরা নিজের ও কার্য্য-নির্বাহক-সমিতির সভাপতির সাক্ষর এবং আর-ব্যর পরীক্ষকদিগের মন্তব্যসহ তাহা ঐ অধিবেশনে উপস্থিত করিবেন। সেই সক্ষে কার্য্য-নির্বাহক-সমিতির অঞ্চুযোদিত বার্ষিক কার্য্য-বিবরণীও দিবেন।
  - ৩১। পরিবদের নিমিত অভিপ্রেত অর্থাদি সম্পাদকের নামে প্রাঠাইতে হইবে।

#### ধন রক্ষকের কার্য্য ও অধিকার

- ७२। পরিষদের আথে অর্থ বে স্ত্রেষণা হইতে আক্ষক, সমস্তই ধনরক্ষকের নিকট পরিষদের তহবিলে জমা হইবে। মাসিক থরচ বাদে ২০০, ছই শৃত টাকা উদ্বৃত্ত হইলে, ভাগ জিনি নিজ নামে বেজল ব্যাক্ষে জমা রাধিবেন।
- ৩০। পরিষদের সম্পাদকের স্বাক্ষরত নিদর্শন পত্ত (ভাউটার) ভিন্ন ধনরক্ষক কাহাকেও কিছু দিবেন না এবং কোনরূপ ব্যয় করিবেন না।

#### আন্ন-বার পরীক্ষকের কাল্য ও অধিকার

- ৩৪। পরিষদের টেত মাসের অধিবেশনে আয় ব্যর-পরীক্ষক নহাশর্মর সাধংসরিক আর-বায়-হিসাবের পরিদশন করিয়া তৎসম্বন্ধে মন্তব্য লিথিয়া দিবেন। উক্ত মন্তব্য বাষিক কার্য বিবরণীতে প্রকাশিত হইবে।
- (ক) প্রতি তিনমাস অস্তর আয়-ব্যয়-বিবরণী পরিদর্শন করিয়া তৎসম্বন্ধে মস্তব্য লিখিয়া দিবেন, উহা কার্য্য-নির্কাহক-সমিতিতে উপস্থাপিত করা হইবে।

#### পত্রিকা সম্পাদকের কাষ্য ও অধিকার

৩৫। পত্তিকা-সম্পাদক, পরিষৎ-পত্তিকার উক্ষেপ্ত ও বিতীর নিষমান্তগত বিভাগাদি শ্বন রাধিয়া ২য় নির্মের বিধানান্ত্সারে যাবতীয় কায়া নির্বাহ কবিনে। পত্তিকার মুদ্রান্তন কার্য্যের সমস্ত ভার পত্তিকা-সম্পাদকের উপর অর্পিত থাকিবে। সভাপতি ও সম্পাদকের সহিত পরামশ করিয়া তিনি উৎকৃত্ত প্রবদ্ধ-লেখকদিগকে পারিশ্রমিক শ্বকপ অর্থ দান করিতে পারিবেন।

#### কাষা-নিকাছক সমিতি

- ৩**৬। পরিষদের সমস্ত কা**র্যাই কার্যা-নির্কাহক সমিতির নিন্দেশ ও কর্তৃত্বে নির্কাহিত ক্টবে।
- ৩৭। পরিষদের পুত্কালয়ের জন্ত কার্য্য-নিকা৽ক-সমিতি আবশ্রক্ষত সমস্ত বিধি অবশ্রন করিতে পারিবেন।
- ৩৮। পরিষৎ যে গ্রন্থের সম্পাদন-ভার যে সভ্যের বা যে শাখা-সমিতির উপর অর্গণ ক্রিবেন, সেই সভ্য বা সমিতি, কার্য্য-নির্কাহক-সমিতির সহিত পরামশ করিয়া তাহা সম্পন্ন করিবেন।
- ৩৯। প্রতি মাসে অন্ততঃ একবার কার্য্য-নির্কাহক-সমিতির অধিবেশন হইবে। ভঙ্কির প্রোক্ষন হইলে, কিংবা গৃইজন মাত্র সভ্য হেতু-নির্দেশপূর্কক প্রছারা প্রার্থনা করিলে, ইহার অভিরিক্ত অধিবেশন হইতে পারিবে।
  - ্রঃ। পাঁচজন সভ্য উপস্থিত হইলে, সমিতির কার্যারম্ভ হইবে।
- ৪১। পরিষদের কার্য্য স্থচাক্তরপে নির্কাহার্থ কার্য্য-নির্কাহক-সমিতি প্রয়োজনাতুসারে উপযুক্ত বেতনে কর্মচারী ও ভ্ত্যাদি নিযুক্ত করিতে পারিবেন।

#### শাখা-দমিতি

- ৪২। বিশেষ বিশেষ উদ্দেশ্য-সাধনার্থ পরিষৎ সময়ে সময়ে অগারী "লাখাসমিডি" গঠন করিবেন বা ব্যক্তিবিশেষের উপর উদ্দেশ্য সাধনের ভার অর্পণ করিবেন। শাখা-সমিডিতে পরিষদের সভ্য ব্যক্তীত অপর অভিজ্ঞ ব্যক্তির সাংখ্যা গ্রহণপক্ষে কোন বাধা থাকিবে না।
- ৪৩। প্রত্যৈক শাখা-সমিতির অধিবেশনে পরিষদের কার্গ্যালয়ে বা আবিশ্রক্ষত অক্সতা হইবে।
- 88। প্রত্যেক শাধা-সমিতির কার্য্যকল ও প্রয়োজনামুরূপ কার্যাবিবরণ প্রকাশিত হইবে এবং তিন মাস অন্তর সাধারণ অধিবেশনে উপস্থিত করা হইবে।
- ৪৫। প্রত্যেক শাধা-সমিতির জাবস্তুক্ষত স্বতন্ত্র সভাপতি ও সম্পাদক পরিষদের সাধারণ অধিবেশনে নিম্নোজিত হইবেন।

## ছাত্র-সভ্য সংক্রান্ত নিয়মাবলী।

#### সাধারণ নিয়ম

- ১। বিশিষ্ট সভ্য, সাধারণ সভ্য ও বিশেষ সভ্য ভিন্ন 'ছাত্র-সভ্য' নামে পরিবদের আবার এক শ্রেণীর সভ্য থাকিবে।
- ২। যে কলেজের যে কোন ছাত্র পত্রবারা সম্পাদকের নিকট কলেজ ও ক্লাসের নাম এবং 
  ঠিকানাসহ আবেদন করিলে, কার্যা-নির্দাহক স্থিতিকর্তৃক অনুসন্ধানের পর, 
  উংহাদের নাম পরিষদের মাসিক অধিবেশনে নির্দাচনার্থ উপস্থিত করা হইবে।
- হাজ-সভাগণের প্রতি কার্য্যের ভারার্পণ ও তাঁহাদের কার্যের নির্দ্ধারণ এবং পরিদর্শন করিবার ভার পরিবদের এক উপস্ক্র সভোর হত্তে ক্তন্ত থাকিবে।
- ৪। ছাল্ল-সভ্যপণ কিরপ কার্য্য করিতেছেন, তাহার একটি বিবরণ অস্ততঃ তিনমাস অস্তর পরিদর্শক মহাশয় কার্য্য-নির্কাহক-সমিতির সমক্ষে উপস্থিত করিবেন। কোন ছাল্ল-সভ্য ভারপ্রাপ্ত কার্য্যে ক্রমায়রে অবহেলা করিতেছেন বলিয়া বোধ হইলে, কার্য্য-নির্কাহক-সমিতি তাঁহাকে সভ্যপদ হইতে অপস্ত করিতে পারিবেন।
- ৫। ছাজ-সভ্যগ্রের পরিষদের কার্যো "ভোট" দিবার অধিকার থাকিবে না।
  ভাত্ত-সভ্যগণের কর্মবা।
- ব ব প্রাম, মহকুমা ও জিলার প্রচলিত শক্ষ ও শব্দের ব্যুৎপত্তি সংগ্রহ;—
   (ক) সম্বর্গাচক শক্ষ। (খ)। গৃহ্বাবহার্য্য প্রবাদির নাম। (গ) অল-প্রত্যলাদি
  বাচক শক্ষ। (ব) শিল্প-বাশিজ্যাদিবিষরক শক্ষ। (ও) পশু-পক্ষি-মৎস্তাদির নাম।
   (5) ক্ল-মূল-গাছ-পালাদির নাম।

#### সাহিত্য-পরিষৎ-পঞ্জিকা

- ২। সর্বনাদ, ক্রিয়া প্রভৃতি পদের রূপ, কারক ও ক্রিয়ার বিভক্তির রূপ এবং কং ও ভন্তিকের প্রভাৱ প্রভৃতির সংগ্রহ।
- ৩। চলিত ও গ্রাম্যকথা এবং তাহাদের উৎপত্তির বিবরণ সংগ্রহ।
- इ.। इ.ज., ट्रेंबानी, প্রবাদ, ব্রতক্থা, উপক্থা, কিংবদস্তী ও তাহাদের উৎপদ্ধির বিবরণ-সংগ্রহ।
- ে। প্রচশিত ক্রীড়া ও উৎসবাদির বিবরণ সংগ্রহ।
- । সামাজিক রীতিনীতির বিবরণ সংগ্রহ :
- ৭। ধর্মসম্প্রদারগণের বিবরণ সংগ্রহ।

20

- ৮। ভৌগোলিক নাম সম্বন্ধে ঐতিহাসিক ও কিংবদন্তীর বিবরণ সংগ্রহ।
- ৯। পুরাতন অট্টালিকাদির ঐতিহাসিক ও কিংবদস্তীমূলক বিবরণ সংগ্রহ।
- ১ । श्रुतांकन वा वर्खमान ब्रामाकवित्तत्र त्राह्मा ७ शान-शृत्रवानि भःश्रह।
- ১১। পুরাতন পুঁথি ও পুরাতন পুঁথির বিষরণ সংগ্রহ।
- পরিবৎ হইতে প্রকাশিত প্রাচীন গ্রন্থাবলীর নির্ঘণ্টাদির সঙ্কলন।
- ১৩। পরিষৎ কার্যালয়ে সংগৃহীত উপরি উক্ত বিবরণ সমূহের নির্ঘণ্ট সঙ্কলন।
- >৪। পরিষ**্তর্ভক নির্দিষ্ট পুরাণ-ইতিহা**সাদি পুস্তকের নির্ঘণ্ট সঞ্জন : ইত্যাদি।

#### পুরস্কারাদির ব্বাসা

- >। ছाज-त्रजार्गन होना वां अविनिका निरंक हरेव ना ।
- ২। **তাঁহারা পরিষদের** মাসিক বা বিশেষ অধিবেশনমাত্তেই উপস্থিত থাকিতে **পারিবেন** ও তজ্জা নিমন্তি হইবেন।
- তত্তির কেবল তাঁহাদের জয় পরিষৎ আবশ্রকমত কতক গুলি বিশেষ অধিবেশন ও
  সাক্ষ্য-সন্মিলনের ব্যবস্থা করিবেন।
- ৪। নির্দিষ্ট টাকা জ্বমা দিলে, তাঁহারা চাঁদা না দিয়াও পরিষৎ-পুস্তকালরের পুত্তক বাবহার করিতে পারিবেন।
- হাত্র সভাগণ পরিবৎ-পথিকা ও পরিবৎ হইতে প্রকাশিত গ্রন্থাবলী অর্দ্ধ মূল্যে পাইবেন। বিশেষ কারণে কার্য্য-নির্ব্বাহক-সমিতি কোন ছাত্রসভ্যকে পত্রিকা ও গ্রন্থাবলী বিনা মূল্যে দিতে পারিবেন বা উহা অর্দ্ধ মূল্যে পাইবার অধিকার হইতে বিচাত করিতে পারিবেন।
- প্রতি বর্ষের শেবে ছাজ-সভ্যগণের কার্য্যের উৎকর্য বিচার করিয়া, অন্ততঃ স্থুইটি
  পারিভোবিক দেওয়ার ব্যবস্থা কয়া হইবে। প্রস্থার প্রাপ্তির বোগ্যতা পরিবদের
  কার্য্য নির্বাহক-সমিতি স্থির করিবেন এবং বাবিক অধিবেশনে প্রস্থাস্থাভাবে ঐ
  পুরস্থার প্রদত্ত হইবে।

হাজ-সভ্যের নাৰস্থানিত কার্য্য-বিবরণ বার্ষিক কার্য্য-বিবরণীতে ও আবশ্রক্ষত মাসিক কার্য্যবিবরণীতে মুক্তিত হইবে। বাঁহারা উৎসাহের সহিত কার্য্য করিবেন, কার্য্য-বিবরণীতে, তাঁহালের কার্য্যের বিশেষভাবে উল্লেখ থাকিবে এবং কোন সংগ্রহ উপযুক্ত বিবেচিত হইলে পজিকার সম্পূর্ণ মুক্তিত হইতে পারিবে।

### কার্য্যালয় সংক্রোন্ত নিয়মাবলী

১। নিরোক্ত দিন পরিষৎ-কার্য্যালয় বন্ধ থাকিবে। বৎসরারস্তের পূর্ব্বে সম্পাদক বন্ধের দিন পঞ্জিকা দেখিয়া নির্দিষ্ট করিয়া দিবেন।

রথবাত্তা > দিন, জন্মাষ্টমী > দিন, ছর্গোৎসব >৪ দিন, রাথী সংক্রান্তি > দিন, স্থামাপুজা > দিন, আতৃষিতীরা > দিন, জগদাত্তীপুজা > দিন, কার্তিকেরপুজা > দিন, সরহতীপুজা > দিন, দোলবাত্তা > দিন, বৈত্তমংক্রান্তি > দিন, নববর্বারস্ত > দিন, মহরম > দিন, ইদ > দিন, খুইমাস > দিন, শুড্ফাইডে > দিন, মোট ৩০ দিন।

- ২। প্রতিসপ্তাহে বৃহস্পতিবার কার্য্যালয় বন্ধ থাকিবে। বিশেষ কারণে কোন সপ্তাহে বৃহস্পতিবারের পরিবর্ত্তে অঞ্চলিন বন্ধের ব্যবস্থা হইতে পারিবে।
  - ৩। উল্লিখিত ৰন্ধের দিন ব্যতীত কন্মচারিগণ কার্যালয়ে থাকিতে বাধ্য থাকিবেন।
- ৪। বজের দিন বা তীত অন্তদিনে অনুপত্তিত হইলে কর্মচারিগণ সম্পাদককে জানাইয়া ছুটা লইবেন। বৎসরের মধ্যে ১৫ দিন পর্যান্ত এরপে অনুপত্তিতির জন্ত কোন কর্মচারীর বেজন বা পারিশ্রমিক কাটা বাইবে না। তদভিরিক্ত দিনের জন্ত ছুটি আবশ্রক হইলে কর্মচারীরা অনুপত্তিতির হেতু দেখাইয়া সম্পাদকের নিকট ছুটির জন্ত পত্রহারা আবদেন করিবেন। হেতু সক্ষত বোধ করিলে, সম্পাদক বৎসর মধ্যে একমাস পর্যান্ত আর্দ্ধ বেজন তদধিক দিনের জন্য বিনা বেজনে ছুটি মঞ্জুর করিতে পারিবেন। হেতুর সক্ষতি সম্বন্ধে সম্পাদক বাহা নির্দেশ করিবেন, তাহাতে কোন কর্মচারীর আপত্তি থাকিলে, কার্য্যনির্দাহক-সমিতির নিকট আপীল চলিবে। সম্পাদকের বিনা অনুমতিতে অনুপত্তির জন্য প্রা বেজন কাটা যাইবে।
- ে। কর্ম্মচারীদিগের অনুপস্থিতি কালে সম্পাদক উপযুক্ত প্রতিনিধি দারা কর্ম্ম চালাইতে পারিবেন। কর্ম্মচারী নিজে প্রতিনিধি দিলে তাঁহার পারিশ্রমিকের বন্দোবস্ত কর্মচারী স্বরং করিবেন। পরিবদের উপর ঐরূপ প্রতিনিধি-কর্মচারীর কোন দাবী থাকিবে না।
- ৬। পরিবদের পূর্ব বেভনভোগী কর্মচারী প্রতিদিন ন্যুনকরে ৬খণ্টা, জন্য কর্মচারীয়া ন্যুনকলে ৪ ঘণ্টা কার্যালয়ে উপস্থিত থাকিয়া কার্যা ক্রিতে বাধ্য থাকিবেন। সম্পাদক

আন্ত্যেকের উপস্থিতির সময় নির্দেশ করিয়া দিবেন। সেই নির্দিষ্ট সময়ে উপস্থিত না হইলে, সে দিনের উপস্থিতি গণ্য হইবে না।

- १। অধিবেশন উপলক্ষে বা অন্য কারণে অধিক সময় আবয়েক হইলে কর্মাচারীয়া
   সেই সময় পয়িবলের কার্য্যে নিয়োগে বাধ্য থাকিবেন।
- ৮। পরিবদের পূর্ণ বেতনভোগী কর্মচারী কার্যালয়ে উপস্থিতির জনা নিরূপিত সঁমর ব্যতীত অন্য সময়ে চাঁলার তাগাদা প্রভৃতি প্রয়োজনীয় কর্ম করিবেন।
- । কর্মচারীরা প্রতিদিন যাতারাতের সমর হাজিয়া বহিতে লিখিয়া স্বাকর
  করিবেন।
  - ১०। कर्माठातीका देवनिक कर्त्यंत्र मःकिश्च छाराति वाश्विरवन।
- ১১। সম্পাদক বিবেচনা মত তাঁহার ক্ষমতার অংশবিশেষ অবৈতনিক ও বৈডনিক সহকারী সম্পাদকের হত্তে নাজ করিতে পারিবেন।

## পরিষদের কর্মচারিগণের আদ্যন্ত তালিকা।

#### সভাপতি।

>0.>	শ্রীযুক্ত রমেশচন্ত্র দক্ত, সি, এস্; সি, আমাই, ই,
>002	"রমেশচ <b>ল দভ, সি, এস্; সি, আ</b> ই, ই,
	"চক্ৰনাথ বস্থ, এম্ এ, বি এল্,
>৩•৩	" চন্দ্ৰনাথ বস্থ, এম্ এ, বি এল্,
<b>&gt;⊘•</b> 8	" বিজেন্ত্রনাথ ঠাকুর
>0∘€	" বিজেজনাপ ঠাকুর
>0.0	" বিজেজনাথ ঠাকুর
५७० १	<b>"</b> সভো <del>ত্</del> রনাথ ঠাকুর
70.4	° সভো <del>ৱা</del> নাথ ঠাকুর
>9.3	" त्रामिक्क गख, नि, धन्; नि, चारे, हे,
<b>&gt;</b> 0>•	শ সভোজনাৰ ঠাকুর
2022	" সভোজনাগ ঠাকুর
ऽ७ <b>ऽ</b> २	মাননীয় বিচারণতি শ্রীযুক্ত সারদাচরণ মিজ, এম এ, বি এল,
2020	" " শারদাচরণ মিত এম্ এ, বি এল্,
2028	"" " সাৰ্যাচৰণ মিল এম এ বি এস

#### সহকারী সভাপতি।

- ১৩•১ শ্রীবৃক্ত নবীনচন্ত্র সেন, বি এ,
  - " ববীজনাথ ঠাকুর
- ১৩•্২ " চক্তনাথ বস্থু, এম এ, বি এল্,
  - " नवीनहस्र (त्रन, वि•०),
    - " রবীক্রনাথ ঠাকুর
- ১৩০০ "নবীনচন্ত্ৰ সেন, বি এ,
  - " রবীজনাথ ঠাকুর
  - " মনোমোহন বস্থ
- ১৩-৪ শ্রীযুক্ত রাম কালী প্রসন্ন খোষ বাহাছর
  - " অক্রচন্দ্র সরকার, বি এল্,

মহামহোপাধ্যার প্রীযুক্ত হরপ্রসাদ শাল্লী, এম্ এ,

- ১৩•৫ খ্রীযুক্ত রার কালীপ্রসর ছোব বাহাতুর
  - " অক্সমতক্র সরকার, বি এল্,

यहां महां भाषा विष्युक इत्र अनाम भावी, अम् अ,

১৩০৬ " হরপ্রসাদ শান্ত্রী, এম্ এ,

শ্ৰীযুক্ত যোগেন্দ্ৰনাথ বিদ্যাভূষণ, এম্ এ; বি এশ্.

- " अक्तरस वटकारिशधात्र
- ১৩০৭ " রার কালীপ্রসর বোষ বাহাত্র
  মহামহোপাধ্যার শ্রীষ্ক্ত হরপ্রসাদ শাল্লী, এম্ এ,
  ডাক্তার শ্রীষ্ক্ত জগদীশচক্র বস্থু, এম্ এ; ভি, এস্ সি
- २० । अयुक्त महामरहानाशाय हत्रश्रमान नाखी अम् अ,
  - " রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর
  - " ডাক্তার প্রকৃষ্টক্র রার, ডি, এস্ সি
- ১৩০৯ মহামহোপাধ্যার শ্রীযুক্ত হরপ্রসাদ শাস্ত্রী, এম্ এ, মাননীয় বিচারপতি শ্রীযুক্ত সারদাচরণ মিত্র, এম্ এ, বি এল্, শ্রীযুক্ত জ্যোতিরিক্সনাথ ঠাকুর
- ১৩১০ মাননীর বিচারপতি ঐযুক্ত সারদাচরণ মিজ, এম্ এ, বি এল্, শীযুক্ত ভাক্তার প্রফুরচক্র রার, ডি, এস্সি
  - " পণ্ডিত শিবনাথ শাল্লী, এম্ এ,
- ১৩১১ সাদনীয় বিচারপতি শ্রীযুক্ত সারদাচরণ মিজ, এম্ এ, বি এস্,

মাননীর বিচারপতি প্রীযুক্ত আঞ্ডেবে মুখোপাধ্যার,এন্ এ,ডি এল্,এক্ সার এস্ ই মহামহোপাধ্যার প্রীযুক্ত চক্তকান্ত ভর্কালয়র

১৩১২ শ্রীযুক্ত রবীজনাধ ঠাকুর
নহানহোপাধ্যার শ্রীযুক্ত চক্রকান্ত তর্কালভার
মাননীর বিচারপতি শ্রীযুক্ত আঞ্চতোর মুধোপাধ্যার

এম্ এ, ডি এল্, এফ, আর এঁশ্, ই

#### ১৩১৩ - ত্রীবৃক্ত রবীজনাথ ঠাকুর

- " ইন্দ্ৰনাথ বন্যোপাধ্যার, বি এল,
- শালনীয় বিচারপভি ঐাবুক আওতোর মুধোপাধাার সরখতী

এম্ এ, ডি এল্; এফ, আর এস্, ই

১৩১৪ শ্রীযুক্ত রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর

মাননীয় বিচারপতি 🕮 যুক্ত আশুতোৰ মুখোপাধাায় সরস্বতী,

এম্এ, ডি এক্; ডি, এক্ সি; এক, আবার এস্, ই আঁযুক্ত রার ষতীক্তনাথ চৌধুরী এম্এ, বি এল্,

#### সম্পাদক

১৩০১ শ্রীযুক্ত এল্ লিওটার্ড এবং শ্রীযুক্ত দেবেক্সনাথ মুথোপাধ্যার

" রামে<del>জ্রস্থল</del>র জিবেদী, এম এ এবং শ্রীযুক্ত দেবেজ্রনাথ মুখোপাধ্যার

১৩০২ "দেবেজনাথ মুখোপাধ্যায়

"বাজেজচজ শাস্ত্রী, এম্ এ

১৩-৩ " রাজেন্তক্র শাস্ত্রী, এম্ এ

১৩.8 " हौरतक्तनाथ पछ, अम् अ, वि अन्

১৩ • হীরেক্রনাগ দত্ত, এম্ এ, বি এশ্,

১০০৬ " রায় যতীক্রনাথ চৌধুরী, এম্ এ, বি এল্

১৩-৭ "রাম ঘতীক্রনাথ চৌধুরী, এমৃ, এ, বি এল্

১৩০৮ " রার বতীক্রনাথ চৌধুরী, এম্ এ, বি এল্,

১৩০৯ " রাম যতীক্রনাথ চৌধুরী, এমৃ এ, বি এল্

১৩১ " রাম বতীজনাথ চৌধুরী, এম্ এ, বি এল্

১৩১১ " त्रारमञ्जूनत विद्यमी, अम् अ

১৩১২ " द्रारमक्टरमद जिर्दिनो, अम् अ

১৩১७ 🧖 त्रारमखञ्चलत्र बिरवती, এम् এ

১৩১৪ " बारमळाच्याच बारवणी, अम् अ

	•
<b>५७</b> ०२	গ্ৰীযুক্ত মহেজনাথ বিশ্বানিধি
20.0	" মহেক্রনাথ বিভানিধি
3.008	" কুশ্বহিগনী বস্থ, বি এ 🗸
	" ठाक्रठल (चार्य
>9.0	তণ্ডীচরণ বন্দ্যোপাধ্যাৰ
	" প্রতৃগ <b>চন্দ্র বস্থ</b>
2006	"হেমেন্দ্রপ্রসাদ বোষ, বি এ
	" ব্যোমকেশ মৃস্তফী
>७.१	" হেমেক্র শ্রসাদ খোষ, বি এ
	" ব্যোদকেশ মৃন্তকী
<b>১৩</b> ০৮	" হেমেক্সপ্রসাদ ঘোষ, বি এ
	" ব্যোমকেশ মৃস্তফী
6000	" মন্ম <b>ধমোছন বস্থ</b> , বি এ
	" ব্যোমকেশ মৃন্তফী
1010	" मन्त्रभरमाहन वस्र, वि এ
	" ব্যো <b>ষকেশ মুন্তকী</b>
2022	* মন্নথমোহন ৰহু, বি এ
	<ul> <li>ব্যাদকেশ মৃস্তকী</li> </ul>
	<ul> <li>নিত্যগোপাল বস্থ ( শ্রাবণ পর্যান্ত )</li> </ul>
<b>३</b> ७ऽ२	" <b>মশ্বথমোহন বস্থ,</b> বি এ
	" ব্যোষকেশ মৃস্তঞ্চী
	" কিশোরীমোহন সিংছ
>0> <b>0</b>	<ul> <li>মন্মথমোহন ৰস্ক, বি, এ</li> </ul>
	" ব্যোমকেশ মৃস্তকী
7078	" ম <b>ন্নথ</b> মোহন বস্থ, বি এ
	"হেষ্চ <del>ত্ৰ</del> দাস <b>খণ্ড</b> , এষ্ এ
	" ব্যো <b>ষকেশ সৃত্তকী</b>
	পত্ৰিকা–সম্পাদক
>00>	ত্রীবৃক্ত রলনীকান্ত ভগু
2002	* amiliaria met

5006

2078 2078

70.0	<b>डी</b> यूक	রন্ধান্ত ওপ্ত
	19	নগেন্দ্ৰনাথ বস্থ
<b>&gt;0•</b> 8	29	নগেন্ত্ৰনাথ বস্থ
>00€	20	नरशक्रनाथ वर्ष
2000	10	द्रारम <del>खन्न के ब</del> िरवणी, अम् अ
১৩∙৭	33	त्रारमक्तऋगत्र जिरवनी, अम् अ
2004	,10	त्रारमञ्जूमत जिरवणी, अम् अ
2002	**	রাদেজকেনর ভিবেদী, এম্ এ
>9>0	**	त्रारम <b>लक्ष्य</b> न्तत्र जिरवनी, अम् अ
2022	33	নগেন্দ্ৰনাথ বস্থ

" নগেন্তৰনাথ বস্থ

নগেজনাথ বহু নগেজনাথ বহু

মহারাজ প্রীযুক্ত মণীক্রচক্স নন্দী বাহাছর কর্তৃক প্রদন্ত ভূমিদানপত্তে নির্দিষ্ট ১৩০৭ সালে নিযুক্ত ভূমি-সম্পজিরক্ষক টুষ্টি বা ফ্রাসরক্ষকগণ—

স্থা সরক্ষক

কুমার ত্রীবৃক্ত শরৎকুমার রায় এম্ এ, ( দীঘাপতিয়া )

- " রাদ্ধ প্রমধনাথ চৌধুরী, ( সন্তোষ )
- " " यडीक्षमाथ (**ठोधूबी धम् ध, वि धन्, (** ठाकी)
- ু রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর, (কলিকাতা)
- হীরেন্দ্রনাথ দন্ত এমৃ এ, বি এল্. (কলিকাতা)

#### দলিল-রক্ষক

विदेश की देश के कि विदेश के वि

গৃহনির্মাণ-তহবিল-রক্ষক

প্রীষ্ক হীরেজনাথ দত্ত এম্ এ, বি, এশ্।

সাধারণ তহবিল রক্ষক

শ্ৰীযুক্ত রার যতীক্রনাৰ চৌধুরী এম্ এ, বি এল্। (১:১১-১২-১৩) শ্ৰীযুক্ত হীরেক্রনাৰ দক্ত এম্ এ বি এল। (১৩১৪)

#### বর্ষশেষে সভ্যসংখ্যা

>9•5 \$8> >9•0 \$

	_	-	
100	r offer	e-Mar	-
שאווי	1-711110		ъŧ
and a state of the	/ 1141	8 and 1, 84 (4004)	1

• 8
৩৪২
<b>৩</b> 8 <b>७</b>
<b>৩€</b> ૨
<b>৫</b> २७
694
<del>৬</del> ৩¢
७9 •
9>•
168
<b>1</b> ৮২
p.5

#### বাষিক আয়

সাল '	শ্বাৰ
>00>	<b>હ</b> ંગર <b>મ</b> •
>505	
2000	>80> 0
<b>&gt;</b> 0.8	>0>>  •
>0.6	>8 (8 8 kg/) •
2008	: eb ehe/-
<b>&gt;७</b> • <b>१</b>	2096h/•
700.2	<b>₹ね•ね/•</b>
>9.9	₹ ಕ್ಷಾತ್ರಿಕ
>0>•	৩০৪৭৫০
> 0,2 >	٠٩ ٤/٠
>9>5	৩২ ৪৮ <sup>।</sup> <sub>প</sub> /•
<b>&gt;0</b> >0	৽৸৵৽
<b>&gt;&gt;&gt;</b> 8	•   < 8 8 8
-	

এই হিদাবে কেবল মাদিক চাঁদা, প্রবেশিকা ও পুতক বিক্রয়ের আর ধরা হইরাছে। বিশেষ কারণে প্রাপ্ত দানাদি বা অনাবিধ আর ধরা হয় নাই।

24

#### পুস্তকালয়

,			
<b>গ্রহসং</b> ধ্যা	•••		>> •
29		***	'₹€8
20		***	৩১৬
»	• • •	•••	8 वर
30	•••	•••	425
20	•••	•••	464
*	•••	•••	2569
•	•••		२२१०
39	•••	•••	২৮৩৬
23	•••	•••	• <b>6</b> •C
<b>.</b>	•••	••	७७२२
20	•••	•••	৩৭৮৯
v	•••	•••	8 <i>0</i> 84
29 .	***		8669
	29 29 29 29 20 29 29 20	29 **** 29 **** 29 **** 29 **** 20 **** 20 **** 21 **** 22 **** 23 **** 24 **** 25 **** 26 **** 27 **** 28 **** 29 **** 20 **** 20 **** 21 **** 22 **** 23 **** 24 **** 25 **** 26 **** 27 **** 28 **** 29 **** 20 **** 20 **** 21 **** 22 **** 23 **** 24 **** 25 *** 26 *** 27 *** 28 *** 29 *** 20 *** 20 *** 20 *** 21 *** 22 *** 23 *** 24 *** 25 *** 26 *** 27 ** 28 *** 29 *** 20 *** 20 *** 20 *** 20 *** 21 ** 22 ** 23 ** 24 ** 25 ** 26 ** 27 ** 28 ** 29 ** 20 *	29

এই হিনাবে হাতে লেখা পুঁথির সংখ্যা ধরা হয় নাই। বাষিক-কার্য্য-বিবরণীতে অকাশ বে চতুর্দশ বর্ধের শেষে ৫৩৫ থানি পুঁথি পরিষৎ-পুস্তকালয়ে রক্ষিত ছিল।

#### দান

)
٠٠٠,
۶¢۰,
e• ,
>6-1
> 0 0
> • •
> • • /
> 0 0

#### সাহিত্য-পরিষৎ-পঞ্জিকা 33 হীরেন্তনাথ দত্ত হেষ্টক্র গোবামী শ্রীমতী রাণী মুণালিনী कारूवी टोधुतानी এীযুক্ত রাজা বনবিহারী কপুর কানাইলাল খাঁ ননীমোহন বন্যোপাধ্যায় नक्वाम (श्राचार्यो ্শীযুক্ত রাজা রাজেন্ত্রনারায়ণ রায় রাম যতীক্রনাথ চৌধুরী (১০•৭ সাল) গ্রন্থাবলী মুক্তপার্থ সাহায়া রাজা বোগেল্রনারায়ণ রায় : লাগগোলা ) (১৩,০) গ্রন্থপ্রকাশার্থ ১ম দান ৩০০১ (১৩১১) গ্রন্থপ্রকাশার্থ ২য় দান ৩০০১ (১৩১২) গ্ৰন্থ প্ৰকাশাৰ্থ ৩ম দান ৩০০১ ১৩১৩) গ্ৰন্থ প্ৰকাশাৰ্থ ৪ৰ্থ দান ৩০০১ (১৩১৪) গ্রন্থপ্রকাশার্থ ৫ম দান ৩০০১ धननिज्ञाहन वत्नापाधात्र । श्रुनिम इन्त्र्यक्रेत्र, ठाकुत भा, पिनास्त्र्युत ) ১৩১১ সালে সাধারণ তহবিলে দান ১০০১ গৃহনিৰ্মাণ-তহৰিলে দান। ⊌কালীকৃষ্ণ ঠাকুর∗ 5000 🖺 যু জ কুমার শরৎকুমার রায় ও ভ্রাতৃগণ ( দীঘাপ তয়া ) 🛊 শ্রীষুক্ত রাজা শ্রীনাথ রাম ও জ্ঞাতিবর্গ (ভাগ্যকুল) ण नात्र महात्राक गठौळाटमाइन ठाकुत वाहाकृत दक. ति. ८म, व्याहे. ∗ শীষুক্ত রাম্ন যভীন্তনাপ চৌধুরী এম্, এ, বি, এল্, 🧭 টাকী 🔾 ময়রভঞ্জাধিপতি মহারাজ রামচক্র ভঞ্জ দেব • মহারাজ সূর্য্যকান্ত জাচার্য্য, মন্ত্রমনসিংহ গগনেম্রনাথ ঠাকুর, কলিকাতা \* প্রথমনাথ রায় চৌধুরী, সস্তোষ হীরেজনাথ দত্ত এম্ এ, বি এল্, কলিকাতা, \* রমানাথ ঘোৰ, কলিকাডা শ্রীৰুক্ত কুমার অক্লণচন্দ্র সিংহ, পাইকপাড়া 6000 রাজা রণজিৎ সিংহ বাহাত্তর, নশীপুর প্রথম দান \* বিভীয় দান 200

29	হ্বশহাটীর কুমারগণ, রাজসাহী		:
*9	কুমার,শরদিকুরার, বলিহার		٥٠٠,
	রায় কেদারপ্রসয় লাহিড়ী বাহাছর, কাশিমপুর	•	٠.٠٠
. ,	ষন্মধনাথ রায় চৌধুরী, সম্ভোষ	• ,	٠.٠٠
39	ললিতমোহন মৈ এ, রাজসাগী *	•	3
⊌∕	কুমার রাধাপ্রদাদ রার, কলিকাতা		२८•५
শ্ৰীধুৰ	F রাজা প্রভাতচক্র বড়ুরা বাহাগ্র, গৌরীপুর *		۲۰۰۱
⊌⁄		প্ৰথম দান )	२००५
29	কুমার রমণীকান্ত রার, বি এ, চৌগা		٠٠٠,
	রাজা নরেক্রলাল খাঁ, নাড়াজোল * (	প্রথম দান )	२००
19	কুঞ্জাহন মৈত, ভাললা *	•	> 0 • \
<b>শহার</b>	জাধিরাজ শ্রীযুক্ত বিজয়চাঁদ মহাভাপ বাহাছর *		> • • (
6	' রাজা আশুতোৰ নাথ রায়, কাশীমবাজার *		, ,
,13	<b>লন্ধীনারায়ণ</b> দন্ত, ক <b>লি</b> কাতা *		> • •
	নগেব্ৰনারারণ স্বাচার্যা চৌধুরী, মরমনসিংহ		>••
99	প্রমধনাথ মল্লিক, কলিকাতা *		٠٠٠,
10	মাণিকৰাৰ শীৰ, কলিকাতা *		
20	ভূপেক্সনাথ দত্ত, মজিলপুর		601
	•		•

প্রছপ্রকাশ তহবিল মধ্যে # চিহ্নিত দানের টাকা ১৩১৪ সালের শেব পর্যান্ত জাদার হইরাছে। এই দানের তালিকার পরিষদের বিবিধ কার্যোর জন্তু গঠিত কুদ্র তহবিলগুলিতে প্রাপ্ত দান ধরা হয় নাই।

# সাহিত্য-পরিষদ্-গ্রন্থাবলী

১। কৃত্তিবাসী রামায়ণ— শ্রীযুক্ত হীরেন্দ্রনাথ দন্ত এদ্ এ, বি এল্ সম্পাদক।
বঙ্গীর-সাহিত্য-পরিবৎ কৃত্তিবাসী রামারণের পাঠ উদ্ধার করিয়া অভিনব সংস্কার প্রকাশে
সঙ্কর করিয়াছেন। বছদিনের প্রাচীন হন্তনিথিত পুথিবাতীত মূল কৃত্তিবাসী রামারণের
পাঠোদ্ধারের সন্তাবনা নাই। সেরুপ পুথি এপর্যান্ত সংগ্রহ করিতে না পারার,
অবোধাকাণ্ড ও উত্তরকাণ্ড বাতীত অক্তাক্ত কাণ্ডের প্রকাশ এপর্যান্ত ঘটিরা উঠে নাই।
কৃত্তিবাসের কীর্তিরক্ষাই বাদ্ধালীর পৌরব। আশা করা বার, মকংবলবাসীরা প্রাচীন ক্রান্তর
অনুসন্ধান পাইলে, অন্তাহপূর্কক পরিবৎ-কার্যাল্যরে ভাষা কেরণ করিবেন।

- (ক) আবোধাকাও ভূমিকা ও এরহ শব্দের অর্থসংবলিত ৫০ পৃষ্ঠার সম্পূর্ণ। মুল্য • চারি আনা।
- (খ) উত্তরকাশু—ভূমিকা ও তৃক্ত শব্দের অর্থসংবলিত ১৯৮ পৃষ্ঠার সম্পূর্ব। মূল্য ১ এক টাকা। পরিষদের সভাগণের পক্ষে উভর খণ্ড একত্ত ১, এক টাকা।
- ২। পীতাম্ব দাসের রসমঞ্জরী—শ্রীযুক্ত নগেন্দ্রনাথ বস্তু সম্পাদক। এই রসমঞ্জরীতে নামক-নামিকার বর্ণনচ্ছলে রাগাহুগা ভক্তি উপদেশ দেওয়া হইয়াছে এবং প্রাচীন গ্রন্থ হইতে প্রাচীন পদকর্তাদের পদ উচ্চ করিয়া বিবিধ রসের উদাহরণ দেওয়া হইরাছে। পীতাম্বর দাস অতি প্রাচীন গ্রন্থকার। মূল্য।৮/০ আনা; পরিষদের সভাগনের পক্ষে।০ চারি আনা মাজা।
- ৩। বিজয় পণ্ডিতের মহাভারত গ্রীবৃক্ত নগেজনাথ বহু সম্পাদিত।
  অরদিন পূর্বে কাশীদাসী মহাভারতই বাঙ্গালার পরিচিত ছিল। প্রধানত: সাহিত্য-পরিষদের
  বদ্ধে এ পর্যান্ত বাইশ জন বাঙ্গালী মহাভারতকারের অভিত্ব আবিষ্কৃত হইরাছে। তক্মধ্যে
  অনেকেই কাশীদাস অপেকা প্রাচীন। বিজয় পণ্ডিতের রচিত মহাভারত গ্রন্থ তদ্মধ্যে
  আবার সর্বাপেকা প্রাচীন। গাচীন বাঙ্গালা সাহিত্যে অনুরাগী সকলেরই এই অভি
  প্রাচীন প্রন্থ পাঠ করা উচিত। এই বৃহৎ গ্রন্থ তৃই বণ্ডে ৬৪০ পৃষ্ঠার সম্পূর্ণ। সম্পাদক
  বিশেষ পরিশ্রম করিরা প্রাচীন মহাভারতগুলির পরিচরসহ অভি মূল বান্ দীর্ঘ ভূমিকা
  লিখিয়াছেন। ঐ ভূমিকা পাঠ করিলে বঙ্গদেশে মহাভারতের কিরপ আদর ছিল বুরা
  বাইবে। মূল্য ১৪০ দেড় টাকা; সভ্যগণের পক্ষে ১০ পাঁচ সিকা।
- ৪। শক্ষর ও শাক্যমুনি—বিখ্যাত বেদান্তবিৎ পণ্ডিত শ্রীযুক্ত কালীবর বেদান্তবাগীশ মহাশলের লিখিত প্রবন্ধ। মূলা ৵৽ ছই আনা।
- ে। বৌদ্ধধর্ম-পরিষদের সভাপতি শ্রীযুক্ত সভ্যেন্দ্রনাথ ঠাকুর রচিত গবেষণাপূর্ব প্রবন্ধ। মূল্য ে ছই আনা।
- ৬। রামায়ণ তত্ত্ব—এই গ্রন্থের অপ্রকাশিতনামা সঙ্কলনকর্ত্তা প্রভ্রমদারা বাল্মীকি-রচিত মূল রাশারণের মধ্যে বাহা কিছু জ্ঞাতব্য আছে, তাহার সম্পূর্ণ নির্থন্ট (complete descriptive index) প্রস্তুত করিরাছেন। রামারণের নারক-নারিকা, দেবদেবী, নর-বানর, বক্ষ-রাক্ষস, নননদী, গ্রাম, পর্বত প্রভৃতি বাবতীর-নাবের রামারণ-বর্ণিত পরিচয় সহ স্ফটীপত্র ইহাতে লিখিত আছে। কোন নাম বাদ পড়ে নাই। তত্তির রামারণে বর্ণিত রীভি-নীতি, আচার ব্যবহার, অল্প্রশন্ত, বাস্থ-বজ্ঞ, শাল্প-রংজ্ঞ, প্রভৃতি বিবরের বিবরণ এই পৃত্তকে সঙ্কলিত হইলাছে। বস্তুত্ত এই পৃত্তক নিকটে থাকিলে, পৌরাধিক ভশাবেরীর সমগ্র মূল রামারণ পাঠের কল হইবে এবং রামারণের মধ্যে কোথার কি কলা আছে, এই নির্মণ্ট মেধিলেই পাওয়া বাইবে। এইরপ্রাপ্ত বাজালা-সাহিত্যে আর

নাই। ইউরোপে প্রকাশিত হইলে গ্রন্থকর্তা বংগাচিত খ্যাতিলাভ করিতেন। প্রাচীন ঐতিহাসিক ও পৌরাণিক ভরাবেষীর পক্ষে এই গ্রন্থ মহামূল্য:—মূল্য প্রথম ভাগ ৮০ আনা, তিতীয় ভাগ ৮০ আনা, সভাগণের পক্ষে হুই ভাগ একত্তে ১০ পাঁচ সিকা।

- 9 । বনমালী দাসের জয়দেব চরিত—বাঙ্গালা পছে জয়দেবের জীবনচরিত.
  প্রাচীন গ্রন্থ—পণ্ডিত অতুলক্ষ্ণ গোষানী কর্ত্ব সম্পাদিত ও নহামগোপাধ্যার হরপ্রসাদ
  শাল্লীকর্ত্ব নিষিত ভূমিকা সমেত। প্রাক্ত ৩৪। মূল্য। চারি আনা।
- ৮। ছুটিখানের মহাভারত —এই বিখ্যাত মহাভারত চট্টগ্রামের প্রাচীন মুস্লমান শাসনকর্ত্তা পরাগল থানের পুত্র ছুটিখানের আদেশে ঐকরনন্দী কর্তৃক বিরচিত হইরাছিল। সাহিত্য-পরিষৎ এই মহাভারত উদ্ধার কবিয়া ষশসী হইরাছেন। সম্পাদক পশ্চিত বিনোদবিহারী কাব্যতীর্থ এবং শীবৃক্ত দীনেশচক্র সেন, বি এ। বৃহৎ গ্রন্থ; পঞ্জার ১৮; মূল্য ১০ এক টাকা।
- ৯। জয়ানন্দের চৈতন্যমঙ্গল—চৈতন্তদেবের এই জীবনচরিতে অনেক নৃতন ঐতিহাসিক তথা পাওয়াবার। চৈতন্তদেবের তিরোভাবের বিবরণ অন্ত কোথাওপাওয়াবার না; এই প্রন্থে উহার বিস্তৃত বিবরণ আছে। প্রীবৃক্ত নগেন্দ্রনাথ বন্ধ পরিবৎ-পত্রিকার এই প্রন্থের বিবরণ প্রথমে প্রকাশ করেন। তৎপরে এই গ্রন্থের বহু আলোচনা হইরাছে। সম্পাদক প্রীযুক্ত নগেন্দ্রনাথ বন্ধ ও ৮কালিদাস নাগ। পত্রসংখ্যা ১৫২; মূল্য ৮০ বার আনা।
- ১০। মাণিক গাঙ্গুলির ধর্মমঙ্গল—ধর্মপূজা সহকে যে করেকথানি গ্রন্থ আবিদ্ধৃত হইরাছে, তন্মধ্যে ইহা অত্যন্ত প্রাচীন। মহামহোপাধ্যার হর প্রসাদ শালী বঙ্গদেশে ধর্মপূজার ইতিহাস সহলন করিরা ও তাহার সহিত বৌদ্ধর্মের সম্পর্ক আবিদ্ধার করিরা যশবী হইরাছেন; তিনি অরং এই গ্রন্থের সম্পাদকতার ভার গ্রহণ করিরাছিলেন। প্রীযুক্ত দীনেশচন্ত্র সেন "ভারতী" পজিকার পরিষৎ-প্রকাশিত এই গ্রন্থের পরিচর প্রদান করিরা-ছেন। পজার ২২৮, ররাল কর্মা; মূল্য ১॥• দেড় টাকা মাজ:
- ১১। নরোজ্যমের রাধিকার মানভঙ্গ—্রৈক্ষবসাহিত্যে স্থবিগাত নরোজম ঠাকুরের এই নবাবিদ্ধত দধুর কবিতাবলীর স্থাবিহ্যারক চট্টগ্রামনিবাসী মুন্সী নাবহুল করিম। ভিনিই ইহার সম্পাদন করিয়াছেন ও মহামহোপাধ্যার হরপ্রসাদ শাল্লী ইহার ভূমিকা লিখিরাছেন। পঞ্জাক ২৬; মৃল্য ১০ তিন আনা।
- ১২। কৃষ্ণরাম দত্তের রাধিকামঙ্গল রাধারুক্তের দীণাবিষরক কাব্য— সম্পাদক চট্টগ্রামবাসী শ্রীবৃক্ত রাজ্চক্র দস্ত প্রাক্ত ৩০ ; মৃশা। ব্যানা।
- ১৩। গৌর-পাদ-ভরঙ্গিণী—- তীবৃক্ত লগবদু ভর সম্পাদিত-এই প্রকাপ প্রছে জীচৈতঞ্জনবন্ধে প্রার দেড় ছালার প্রাচীন পদ সম্বাদিত হইবাছে। এ সকল পদ বন্ধের

বিখ্যাত পদকর্তাদের রচিত। অনেক পদ নৃতন প্রকাশিত। পুস্তকের ১৯০ পৃষ্ঠাব্যাপী বৃহৎ ভূমিকার ঐ সকল পদকর্তাদের পরিচর প্রদত্ত ইইয়াছে। •ঐ ভূমিকার বৈষ্ণব সাহিত্যের ধারাবাহিক ইতিহাস পাওয়া বাইবে পরিশিষ্টে রপ্রচালত শব্দের অর্থসহ নির্ঘট আছে। পত্রাহ্ব সাড়ে আট শতের অধিক। মূল্য ২১ ছই টাকা মাত্র।

- \*১৪। কাশী-পরিক্রমা—সচিত্র। ভূকৈলাসের বিখ্যাত মহারাজ জরনারারণ খোষাল প্রণীত। এই প্রছে কাশীর অন্তর্গত সমুদর তার্থের ও দেবস্থানের পরিচর আছে। তথ্যতীত অষ্টাদশ শতাব্দীতে কাশীধামের ভৌগোলিক ও সামাজিক অবস্থার অতি উৎকৃষ্ট চিত্র এই প্রছে পাওয়া বাইবে। বালালা ভাষার এই প্রছের ছিতার নাই। সম্পাদক শ্রীবৃক্ত নগেন্দ্রনাথ বহু যেরূপ পারশ্রম ও অধ্যবসায় সহকারে এই প্রছের টীকা প্রস্তুত করিয়াছেন, তাহা বিশ্বয়জনক এত পৌরাশিক ও ঐতিহাসিক তথ্যের একাধারে সংগ্রহ অক্সজ হুর্ন ভ। লালগোলার বিজ্ঞোৎসাহী রাজা শ্রীবৃক্ত বোগেন্দ্রনারাল রায় বাহাত্রর এই পুস্তকের সম্পূর্ণ বায়ভার গ্রহণ করিয়া পরিষংকে ঋণী করিয়াছেন। ৩১২ প্রাক্ষ; মূল্য ৮০ বার আনা।
- ১৫। ভাগবতাচার্য্যের কৃষ্ণপ্রেমতরঙ্গিনী—ভাগৰত অবশয়নে ক্লানীলা-বিষয়ক বৃহৎ কাব্য-সম্পাদক শ্রীযুক্ত নগেজনাথ বস্থা। পত্রসংখ্যা ৪১৯; মূল্য চুই টাকা।
- ১৬। বাস্তদেব ঘোষের পদাবলী শ্রীমৃণালকান্তি খোন সম্পাদিত—প্রার সম্পূর্ণ। মূল্য ১০ আনা।
- ১৭। নরহরি চক্রবর্ত্তী-প্রণীত ব্রজপরিক্রম। চিত্র ও মানচিত্র সহিত।
  ইহাতে মথুরা-মণ্ডলের ভৌগোলিক সম্পূর্ণ বিবরণ-সহ বৈষ্ণবিপ্র রন্দাবন-রহন্ত লিপিবদ্ধ
  ইইয়াছে। সম্পাদক শ্রীযুক্ত নগেন্তনাথ বস্থ বছ পরিপ্রমে বহুমূল্য ভূমিকা, নির্মণট ও
  টাকাসংযোগ করিয়াছেন। লালগোলার রাজা গোগেন্তনারায়ণ রায় বাহাত্রের অর্থসাহাব্যে প্রকাশিত। প্রাক্ত ৩৪৬, মূল্য ১ এক নিকা।
- ১৮। গীতায় ঈশ্ববাদ সমুদর দর্শনের সারসংগ্রহ সমেত গীতার ঈশ্বরতন্ত্র— শ্রীযুক্ত হীরেক্তনাথ দত্ত এম্ এ, বি এল্ প্রণীত। প্রক্রাক ৪০০; মুল্য ১. এক টাকা।
- ১৯। নব্য-রসায়নী বিভা ও তহার উৎপত্তি—সচিত্ত-জগিৰখ্যত বৈজ্ঞানিক শ্রীযুক্ত অধ্যাপক প্রভুল্লচন্দ্র রায় ডি, এস্সি প্রণীত। পত্তাত ৮; মূল্য ৮/০।
- ২০। রামরামবস্থর প্রতাপাদিত্যচরিত টাকা ও ভূমিকা সহিত ঐতি-হাসিক শীহুক্ত নিধিলনাথ রায় বি, এল্ কর্তৃক সম্পাদিত। মূল্য ২॥• টাকা।
- ২১। শূন্যপুরাণ—রামাই পশ্তিত প্রণিত ও শ্রীযুক্ত নগেন্তানাথ বন্ধ প্রাত্মতন্দ্রনিথি সম্পাদক। এই গ্রন্থথানি বালালার প্রচন্ধ বৌদ্ধধর্মের অবশেষ "ধর্মপূলার" আদি প্রছ এবং বালালা সাহিত্যের প্রাচীনতম প্রছ। লেখক রামাই পশ্তিত ধর্মপালের সময়ে জীবিভ

ছিলেন এই এপ কিংবৰজী আছে। খননাম, নানিক গাছুলি, সহদেব চক্রবর্ত্তী প্রকৃতি সকল ধর্মনালন প্রণেডার গ্রন্থ হইতে ইহা বিভিন্ন ইহাতে লাউনেনের পাণাই নাই। ইহাতে হাজার বংসর পূর্বকার বালালা পদ্ধ ও গভেৱও নমুনা আছে। বৃহৎ ভূমিকা সহিত পুতক্ষানি প্রায় আড়াইনত পূচা; মূল্য ৮০ আনা।

২২ ৷ অন্ধকৰি ভবানীপ্ৰসাদ বিরচিত তুর্গামঙ্গল ৷ সম্পাদক শুৰুক ব্যোমকেশ মুক্তকী ৷ আগামী বংসর সম্পূর্ণ ক্টবে ৷

উল্লিখিত পুত্তক ব্যত্তীত নিম্নলিখিত পুত্তকগুলি প্রকাশের জন্ধ প্রস্তুত হইতেছে। কোন কোন পুত্তকের মুল্লাছন ইতিমধ্যেই আরক্ত হইয়াছে।

- ২৩। নরহরি চক্রবর্তী প্রণীত নবদ্বীপ পরিক্রমা—শ্রীটেডভের পন্যভূমি ও শীশাস্থানের বিশেষ বিবরণ। এই গ্রন্থে তৎসময়ের বালাগার সনেক ঐতিহাদিক কথা কানা যাইবে।—সম্পাদক শ্রীনগেন্দ্রনাথ বন্ধ প্রস্তুতন্ত্রনিথি।
- ২৪। বিভাপতির পদাবলী। সম্পাদক শ্রীর্জ নগেজনাও গুপ্ত। মাননীয় বিচারপতি শ্রীর্জ সারদাচরণ মিত্র এম্ এ, বি এল্, বিভাপতির পদাবলী ত্রিশবংসর পূর্বে প্রথমে প্রচার করেন। পত বংসর দারবঙ্গাধিপ বহুসংখ্যক নৃত্রন পদ সারদা বাব্র নিকট পাঠাইরা দেন। তংপরে সম্পাদক নগেজ বাব্ বিভাপতি সগলে আরও জ্রীতব্য সংগ্রহের ক্ষা মিবিলার গিয়া বিত্তর নৃত্রন পদ ও কবিতা সংগ্রহ করিয়া আনিয়াছেন ও কবির শীবনচরিত সবদে নানা তথা জানিয়া আমিরাছেন। নগেজ বাব্ অভূত পরিশ্রম করিয়া বিভাপতির প্রাতন পদগুলির গাঠ সংশোধনে কৃতকার্য্য হইয়াছেন। এই গ্রন্থ মাননীয় বিচারপতির প্রাতন পদগুলির গাঠ সংশোধনে কৃতকার্য্য হইয়াছেন। এই গ্রন্থ মাননীয় বিচারপতির থই নৃত্রন সংশ্বরণের ক্ষা বঙ্গবাসার ঔংস্ক্য থাক। উচিত।
- ২৫। কাশীদাসী মহাভারত সম্পাদক মাননীয় বিচারপতি শ্রীযুক্ত আগত-তোৰ মুখোপাখ্যার সরপতা এম এ, ডি এল; ডি, এস্ সি; এফ্, আর, এ, এস্; এফ্ আর, এস্, ই। তিনি পরং ইহার প্রকাশের ব্যয়ভার গ্রহণ করিয়াছেন। বলা বাছল্য, তাহার বাবে ও তাঁহার সম্পাদনে প্রকাশের এই গ্রহ বালালা-সাহিত্যের গৌরবস্বরূপ হবৈ। বিচারপতি আওতোৰ মুখোপাখ্যার সাহিত্যের আলোচনায় প্রবৃত্ত হইয়া পরিবদের জ্ঞা, করিয়ালী মহাভারতের সম্পাদনভার প্রীকার করিয়াছেন, বালালীয় নিকট এই সংবাদ বহন করিয়া পরিবহ গ্রিক্ত প্রবিদ্ধ স্থানেন।
- ২৬। কবিকল্প-জন্তী এই স্থাসিক প্রছের বিশুক্ত পাঠ ও অপ্রচলিত নামের অর্থ সহ সম্পূর্ণ নির্মণ্ড সহিত নৃতন সংকরণ প্রকাশার্থ দীবাপতিয়ার স্থান্তবংশীর ক্লার প্রস্তুত্ব সংকরণ প্রকাশার্থ দীবাপতিয়ার স্থান্তবংশীর ক্লার সম্পূর্ণ ব্যবভার প্রহণ করিয়াছেন এবং বলসাহিত্যের ইতিহাসলেন্তব্য ক্লিক্সক বীনেশচক্র সেন ইয়ার সম্পাদকভাভার প্রহণ করিয়াছেন। সম্ভাই কবিক্সদের

বংশধরের নিকট দাখুলা প্রাথে রক্ষিত ও পুজিত কবির সহস্ত লিখিত স্লপুঁথি পাওরা গিরাতে, ভাষার পজের কটোপ্রাক নহ উৎকট্ট সংসরণ প্রকাশিত করিরা পরিবৎ অতৃত্ব কীর্ত্তি

- ২৭। খাখেদান্তর্গত ঐতেরেয় ব্রাহ্মণ —এই বেদ-গ্রন্থ বৃহৎ ভূমিকা ও প্রচ্ন —

  টীকাদি সহিত বাঙ্গালার অন্দিত হইতেছে। প্রায় সহল পৃষ্ঠার গ্রন্থ সমাপ্ত হইবে। কুমার
  প্রীবৃক্ত শরংকুমার রায় এম্ এ, এই গ্রন্থ প্রকাশেরও ব্যরভার গ্রহণ করিবাছেন। অন্ধবাদাংশের মুদ্রাহণ সম্পন্ন হইরাছে। ভূমিকা শেষ হইবেই আগামী বংসর উহা বাহির

  হইবে। অনুবাদক প্রীবৃক্ত রামেক্রন্থনর নিবেদী, এম্ এ।
- ২৮। অশ্বয়ের প্রণীত বুদ্ধচরিতের বঙ্গানুবাদ শীর্ক রবীজনাথ ঠাকুরের পুত্র শ্রীমান্ রথীজনাথ ঠাক্র এই প্রদিদ্ধ প্রকের অমুবাদ করিয়াছেন। প্রাণামী বংসরে প্রকাশ ।
- ২৯। ফরিদপুরের ইতিহাস- শ্রীযুক্ত আনন্দলাথ রা**র প্রণীত। ইহাতে**।

  ভাদশ ভৌমিকের ইতিহাস এবং বাস্থলার ইতিহাসের অনেক নৃতন তথা থাকিবে।

  ভাগামী বংসর প্রকাশিত হইবে।
- ৩০। শতপথ ব্রাহ্মণ—এই বেদ-গ্রন্থ বাকালার অন্দিত হইতেছে। অম্বাদক—পণ্ডিত প্রায়্ক বিধুদেশ র শালী। দীত্মপতিয়ার বিভোগনাহী কুমার প্রীয়ক্ত শরৎ-কুমার রাম্ব এম্ এ, এই গ্রন্থ প্রকাশের বাস্থভার গ্রহণ করিয়াছেন। ইহার অম্বাদ আরম্ভ হইয়াছে।
- ৩১। রামানুজাচার্য্যের জ্রীভাষ্য— বন্ধহতের এই বিখ্যাত ভাষ্থানি খতি বিশুব গ্রছ। লালগোলার বিজ্ঞাৎগালী রাজা জ্রীয়ক যোগেরনারারণ রার বাহাছরের ব্যক্তির ইহারও বলাত্বাদ প্রচার হইবে। সন্ত্বদেক—পণ্ডিত জ্রীযুক্ত ত্র্গাচরণ সাংখ্য-বেদাস্করীর্থ।

# পত্রিকায় প্রকাশিত প্রবন্ধ

আধুনিক শাহিত্য ৷

 श्रीवासम्बद्धाः एक भ तमनीकास सर्व प्रवनीकास सर्व श्रीवीद्वस्थत नीएए

প্রাচীন সাহিত্যালোচনা ১ম।
ক্তিবাস ১ম।
মুকুন্দরাম ও ভারতচক্র ১ম।
রাসনোহনের রামায়ণ ২র।
মুকুন্দরামের কবিক্রণ ২য়।

প্রাচীন কবিসঙ্গীত ২য় বর্ণ।
জীশান নাগরের অবৈতপ্রকাশ ৩য় :
কবি উদ্ধবানন্দ ৩য় ।
ককারামের রারমঙ্গল ৩য় ।
গৌরীমঙ্গল ৩য় ।

জগৎরাম রাষ্মের রামারণ ২র।

कविब्रधन बांम श्रेमां एतन २व ।

ভূগাপঞ্চরাত্ত ৩র। অন্ধকবি ভবানীপ্রসাদ ৩র।

বিশ্বর পণ্ডিতের মহাভারত ৩র।

বিজয় শুপ্তের মনসার পাঁচালি ৩র।

হরিচরণ দাসের অবৈভ্যক্ত ৩র।

उद्भवानत्मत्र त्राधिकाम्बन ७ जाहात्र नमात्नाहमा ८४।

ক্বন্ধিবাস পণ্ডিত ৪র্থ।

कृष्टिवान नवस्त मखदा वर्ष ।

सदानम ७ हिड्डमन्त १४।

৺ রজনীকান্ত ভণ্ড

্ৰ রজনীকান্ত গুপ্ত

ু, রজনীকান্ত শুপ্ত

" রজনীকান্ত শুপ্ত

**औ(গাবিশলাল দত**"

৮ রজনীকান্ত গুপ্ত

**बीत्रारमञ्जञ्जनत जिर्दा**नी

" মহেন্দ্ৰনাথ বিস্থানিধি

" त्रारमञ्जूष्मत्र जिर्दानी

" রামেক্সস্কর ত্রিবেদী

**बीशीरबन्धनाथ पख** 

" शेटब्रक्कनाथ দञ्ज

, রমেশচন্দ্র দত্ত

ু নীলরতন সুখোপাধ্যার

" मरहक्तनाथ विश्वानिधि

ু পাঁচকড়ি খোৰ

" দীননাথ গঙ্গোপাধ্যায়

🗸 রজনীকান্ত শুগু

শ্রীঅচ্যতচরণ চৌধুরী

ু মহেন্দ্রনাপ বিস্থানিধি

,, ব্যোসকেশ সুস্তফী

্ল রামেক্সপ্রন্দর তিবেদী

"বশীক্রসিংছ দেব

ু রসিকচন্দ্র বস্থ

" নগেন্ত্ৰনাথ বস্থ

" নিবার**ণ**চক্র ভট্টাচার্য্য

" রসিকচন্দ্র বস্থ

, মৃগালকান্তি বোষ

, अक्षठक वत्नाभागाव

ু নগেজনাথ বহু

ু নগেজনাথ বস্থ

তুৰ্গামকল ও কৰি ক্লপনারাত্বণ ৪র্থ। নরে ভ্রমের দেহ-কড়চ ৪র্থ। नातासम ठाकूत वर्ष । ভারতচন্দ্রের আদি বিস্তান্থনর ৪র্থ। রমাই পণ্ডিতের ধর্মকল ৪র্থ। ধর্মকলের পরিশিই ৪র্থ। লোকনাথ দাসের সীভাচৰিত্র ৪র্থ। সহদেব চক্রবতীর ধর্মকল ৪০: চণ্ডীদাসের অপ্রকাশিত পদাবলী ৫ম। छश्चीनादमत ठ कृष्ण भाषावनी ( छ्हे सका ) दथ। दमः अञ्चानत्त्व आत এक हे श्रीत्रहय स्म। विक वामन्द्रस्य इर्गाम्कन-कावा दमः ছিল বাহচলের প্রকৃত কালনির্বর ৫ম। পাঁচালীকার ঠাকুরদায ৫ম। देशका कवि संग्रेमानम स्म। त्रचुनात्थत अर्थामय-प्रकाशिका दम। गोखनाभक्रन (रेगरकी नमन ६ निजानमक्र ५) ১४। ক্লীকবি মাধবী ৫ম। कामीवाम मारमत वरमाश्रीत्रहत्र ও कामनिर्गत अर्थ वर्ष । কবিবঞ্জন বামপ্রেসাদ দেন ৬। ঠাকুর নরহরি সরকার ও রখুনদান ঠাকুর ৬। পীতাম্বর মাসের রসমগ্রহী ৬% ভবানী দাস বিবৃচিত বামবুদুগীতা ৬। শুদ্র পণ্ডিত ও কাশীখণ্ড ৬ঠ। ताककवि कवनावाद्य १म। বিশ্বাপতি ও তৎদামন্ত্রিক বৃত্তান্ত ৭ম। চম্পক কলিক। ৭ম। চম্পক্ক লিকা সংক্রে মন্তব্য ৭ম। कवि माम अवनाताव १म । संग्रापिक्ष ७ कवि मुक्त १म। ঐ সম্বন্ধে মতামত ৭ম : কাশীদাসাগ্রক ক্লঞ্চাস ৭ম।

গ্রীরসিকচন্দ্র বন্ধ

- " नैरशक्ताथ वस्र
- " অচ্যুতচন্ত্ৰণ চৌধুন্ত্ৰী
- " রসিকচন্দ্র বস্থ
- ু হরপ্রসাদ শান্ত্রী
- " বিনোদবিহারী কাবাতী**র্ব**
- " অচ্যুত্তচরণ চৌধুরী
- , অধিকাচৰণ গুপ্ত
- " নীলয়ভন মুখোপাথাায়
- ু নগেন্দ্রনাগ বস্থ
- , नरशक्तनाथ वश्
- \_ শরচক্র শান্তী
- ুরমেশচন্ত্র বস্ত
- ু বোগকেশ সুন্তকী
- ু কালিদাস নাথ
- ,, রঞ্জনীকান্ত চক্রবর্ত্তী
- ,, (बा। यदक्ष मुखकी
- ু অচ্যতচরণ চৌধুরী
- ু রামেক্সফুন্দর ত্রিবেদী
- , আনন্দনাৰ বায়
- ু আনন্দনাথ রায়
- " নগেজনাথ বস্থ
- ্ৰ রজনীকান্ত চক্ৰবন্তী
- "রসিকচন্দ্র বন্ধু
- , (बागिक्य मुख्यी
- ু বিনে:দবিহারী কাবাতীর্থ
- ्र त्रारम<del>काञ्चल</del>त्र जित्वनी क्षे
- , আনন্দনাৰ বার
- ুর্গিক চন্দ্র বন্ধ
- ু নগেজনাথ বস্থ
- ্ৰ রাধানদাস কাবাতীর্ব

কাশীরাম দাস ৮ম। অৰ্জুন সংবাদ পুকুন্দনিন্দ ক্লত ) ৮ম। কবিবরভের রদক্দর'ঃম। থনা ১০ম ৷ বৈষ্ণবদাস ও উদ্ধানদাস ১১ শ । রামারণ (কুত্তিবাস ) ১১শ। মাণিক গাঙ্গুলি ও ধর্মফল ১২শ। टेवकावनाम । छेक्रवनाम ३२म । অন্তভাচার্যোর রামায়ণ ১ গশ। কবিকন্ধণ ও তাঁচার চণ্ডীকাবা ১৩শ। কবি গঙ্গারাম ও মহারাষ্ট্র পুরাণ ১৩শ। कांब्रङ ठाकानाम, हेक्नाम ও ভূবনাকর শর্মা ধর্মসঙ্গল রমাই পণ্ডিত ও ময়নাপুরের বাত্তাসিছি ১৩শ। সুক্ৰি বল্লভাদি রচিত পদাপুরাণ ১৩শ। সুর্য্যের পাঁচালী कवि अञ्चलका मात्र ১৪म ।

থ্রাম্য দাহিত্য।

ছেলে ভ্লান ছড়া ১ম।
ছড়া (সংগ্রহ ) ২য়। ২য়।
ঐ—বাঁকুড়া ও মেদিনীপর
ঐ—সাঁওতাল পরগণা
ঐ—কলিকাতা
ছড়া ৩য়।
ছড়া ৩য়।
য়াধিকামঙ্গল (উন্ধবানন্দরুত) ৩য়।
বোবিন্দ্রক্রের গীত ৬৯।
আবোধাারামের সত্যনারায়ণ ৮ম।
রামভন্তের সভ্যনারায়ণ পাঁচালি ৮ম।
বুন্দাবনদাসের গোলকসংহিতা

श्रीदारमञ्जूष्य कर जित्यमी রজনীকান্ত চক্রবর্তী ভারকেশ্বর ভট্টাচার্য্য ্যাগেশচক্র রায় কেত্ৰগোপাল সেনগুপ্ত ्र द!रम<del>ख्यश्र</del>मत्र खिर्रिनी ব্রহ্মসুন্দর সংগ্রাস ক্ষেত্ৰগোপাল সেনগুপ্ত রজনীকান্ত চক্রবর্ত্তী অম্বিকাচরণ গুপ্ত ় ব্যোমকেশ মুস্ডফী মহামতোপাধাাম শ্রীযুক্ত সতীশচন্দ্ৰ বিস্তাভূষণ .. मीरनमहक्त रमन ু বিনোদবিহারী **কাবাতীর্থ** " দক্ষিণারঞ্জন মিত্র মজুমদার

গ্রীরবীক্সনাথ ঠাকুর

় জীবেন্দ্রকার দত্ত

ু অন্বিকাচরণ গুপ্ত

শ্রীবসক্ষরঞ্জন রাম্ব

ত্রীরবীজনাথ ঠাকুর

" কুঞ্জলাল রার

" অধিকাচয়ণ শুপ্ত

শ্ৰীশিবচন্ত্ৰ শীল ,, ৰ্যোমকেশ মুক্তফী

" ব্যোমকেশ মুন্তঞ্চী

় ব্ৰুত্নৰ সাভাগ

ু ভারকেশ্বর ভট্টাচার্য

জ্ঞানদাদের নিকুঞ্চসাজান ৮ম বর্ষ। মঙ্গলচণ্ডীর পাঁচালি ৮ম ৷ শর্ৎকাণী ১০ম। ছেলেভুলান ছড়া ( > চট্টগ্রাম ) ৮ম। (२) के ३०म। ক্বন্তিবাস প্রণীত রামরাদ ১১শ। মাণিক দত্তের চললচ্ণী ১১শ নিরক্ষ কবি ও গ্রাম্যকবিতা ১১শ। 6 ঐ >२म ।

গ্রামা গীতি ১৩শ। চট্গ্রামী ছেলে ভুলান ছড়। ১৩শ। বাঙ্গালীর মেয়ের এতকণা ১৩শ। বরিশালের গ্রামাগীতি ১৪শ।

শ্রীতারকেশ্বর ভট্টাচার্য্য

- ভারকেশ্বর ভট্টাচার্য্য
- ত্রজন্তুদর সান্তাল
- আবিছল ক্রিম
- আবহুদ করিম
- নগেজনাথ বস্ত্
- রজনীশাস্ত চক্রবন্তী
- " মোক্ষদাচরণ ভট্টাচার্যং

3

6

শ্রীদক্ষিণারঞ্জন মিত্র মজুমদার

- আবহুল করিম
- অসম্মচন্দ্র সরকার
- রাজেক্রকুমার মজুমদার

পুস্তক ও পুঁথির বিবরণ।

মুদ্রিত বাঙ্গলা পুতকের তালিকা (লং সাহেবে সঙ্গলিত ) ১ম। প্রথম প্রবন্ধ -- ব্যাকরণ, কোষ গ্রন্থ ১ন। ১৮২। ছিতীয় প্রবন্ধ -ইতিঃস ও জীবনচরিত, ভূগোল ২য়। তৃতীয় প্রবন্ধ - ধর্মনীতি, নীতিক্রথা ২য়। চতুর্থ প্রবন্ধ -- কুবিতা ও নাটক ২য়। সাময়িক পত্র : তালিকা বঙ্গীয় সংবাদপত্ত ( তালিক। ) ৪খ। वाकाना भूँ थित मः किथ विवतन ( >--२>७) हर्ष। বাঙ্গালা পুঁথির সংক্ষিপ্ত বিবরণ (১-৩৩) ৫ম। বাঙ্গালা পুঁথির সংক্ষিপ্ত বিবরণ (১-৩৩) ৫ম। ( 08--- 00 ) (N . বাঙ্গালা পুঁথির সংক্ষিপ্ত বিবরণ (২১৪—৩৫৯) ৬ট। (>---00) 68 বাঙ্গালা পুঁথির সংক্ষিপ্ত বিবিরণ ( ১-- ১২ ) ৭ম। প্রাচীন পুঁথির বিবরণ ( her ( ac-c) ( २७---७७ ) १म ।

শ্রীরাজবিহারী দাস

ই,নগেন্দ্রনাথ বস্থ ,, बारमक्क्यक्तव विर्वशी

" অধিকাচরণ গুপ্ত 3

- ,, নগেজনাথ বস্থ
- " মৃণালকান্তি বে<sub>।</sub>য
- त्रारमञ्जूमत जिर्वती
- আবহুল করিম
- ; আবছল করিম

<b>&amp;</b>	( >08 ) 64 (	শ্রীতারকেশর ভট্টাচার্য্য
્રં <b>વ</b> '	( S S ) FA (	" ताबीवरमाठन भाग
<b>D</b>	序((せーC)	ু, রামে <del>ত্রস্থল</del> র তিবেদী
鱼	( ५ ८४ ) ४म ।	<b>a</b>
উ	( ১—२८ ) ५म ।	"শিবচন্ত্ৰ শীল
ঐ	(১ 🜓 ৯ম ৷	" অভুলচক্র চৌধুরী
<b>₫</b> •	( ১- ৮৭ ) ৯ম জা+	"আবিত্ল ক্রিম
আচীন পুঁথির বিষয়ণ	( ১—৩০ ) ১০ম বর্ষ।	" চিত্ত <b>হ</b> ্থ সাক্তাল
<b>A</b>	· F•¢ ( •ć—¢ )	" ব্ৰহ্মন্ত্ৰ সাঞ্চাল
প্রাচীন পুঁথির বিবরণ	#G ( POO- 44 )	" আবিছল করিম
<b></b>	( 3°F899 )	" আবহল করিম
বাখালা প্রাচীন পুথির বিবঃ	ণ ১৩শ ৷	" হরগোপাল দাস কুও

#### ভাষাতত্ত্ব ৷

উড়িয়া ভাষা ৪র। "মধুস্দার রাও মহারাষ্ট্র ভাষা ৩র। ,, मीननाथ शक्षाभाशांत्र শব্দ-ব্ৰহন্ত তয়। " বিশ্বেশ্বর চক্রবর্ত্তী " বিশ্বেশ্বর চক্রবর্ত্তী শক্ষে কবিছ ৩য়। উপদর্গের অর্থ বিচার ৪র্থ। " হিজেজনাথ ঠাকুর হরিনামের শব্দতত্ব ৪র্থ উমেশচক্র বটবাাল উপদর্গের অর্থবিচার ( দ্বিতীয় প্রবঞ্চ ধন। ,, খিজেজনাথ ঠাকুর উপসর্গের অর্থবিচার নামক প্রবন্ধের সমালোচনা ৫ম। রাজেন্দ্রচন্দ্র শাস্ত্রী ছরি ও সোম ৫ম। রসিকলাল ঘোষ আল্কার শাস্ত্র ৬ঠ। ,, শরচ্চন্দ্র শাস্ত্রী বাঙ্গালা শক্তৰত ৭ম। "রবীজ্রনাথ ঠাকুর ললিতকুমান্ন বন্দেগপাধ্যান্ন ভাষাত্ত গ্ম বাঙ্গালার ধ্বন্যাত্মশব্দ ৭ম। ু রবীজ্রনাণ ঠাকুব বিস্তাপতি ( শব্দ সংগ্রহ ) প্রথম প্রবন্ধ ২য়। ञ्जे-- (मव ছিতীয় প্ৰবন্ধ ৩য়। ক্র \$ তৃতীয় প্ৰেবন্ধ ৩য়। \$ **6** वाकामा वर्गकत्रम प्रमा क्षेत्रेक् नश्रक करत्रकी कथा प्रमा ললিভকুষার বন্যোপাধার

'বাজাল: শক্তত্ত ৮ম। ২৩ শক্-সংগ্রহ ( প্রার ৭০০ ) ৮ম। ৭৩ বাঙ্গালা রুৎ ও তদ্ধিত ৮ম। ২০১ वाकाना देवरमिक भक्त (बाबवी, शावमी, डेर्फ्) ५म । ১७२ বাঙ্গলা ব্যাক্রণ ৮ম। ২০১ বাঙ্গালা কং ও ভদ্ধিত ৮ম। ২২৯ বাঙ্গালার সহিত প্রাকৃতের সাদৃশ্র ৮ম। ২৫৪ मक-नमार्लाहना ( > ` > म। বালালা কর্মকারক ১ম। ৩৬ প্রাধ্য শব্দ-সংগ্রহ ৯ম। वाक्राना कर्यकातक २०म वर्ष । मक-नमां (२) > भा (मनी नक >>म। পদ্ধার ছন্দের উৎপত্তি ১১ । বাঙ্গালা কারক প্রকরণ ১১খা 52 PF 1 চাক্মাদিগের ভাষাতথ্য ১৩শ। বাঙ্গালা নাম রহস্ত ১৩শ। मानप्रदेश श्रीमाभक >8भ । ध्वनि विठाव > 8 भ ।

জ্ঞীজ্ঞানেজ্রমোহন দাস ৺ঈখরচক্র বিদ্যাসাগর

- ্ল রবীজনাথ ঠাকুর
- ,, राज्ञांगिठसः वरमगोभाषात्र
- , त्रारमक्करून्द जिर्दिनी
- ,, ব্যোসকেশ সুগুফী
- , कालिमान नाथ
- ু মেঘনাদ ভট্টাচার্য্য
- ্ল ললিভকুমার বন্ধোপাধ্যার
- " সতীশচক্ৰ ৰোৰ
- , जीनियांत्र वत्नाांशांशांश
- ু মেশনাথ ভট্টাচার্য্য
- ,, বিজয়চন্দ্র মজুমদার ৺রমেশচন্দ্র বস্থ
- ु त्रारमञ्जरमञ्जल विरवि
- ু রামেক্সস্থলর ত্রিবেদী
- ,, সভীশচন্ত্ৰ ঘোষ
- ,, ব্যোমকেশ মুন্তকী
- ,, রজনীকাস্ত চক্রবর্ত্তী
- , রাষে<u>জ</u>ञ्चन विदिवनी

### বৈজ্ঞানিক পরিভাষা।

ক্র	2 <u>4</u>	
ঐ	>ম ।	
<u> </u>	२म् ।	
<u> ত্র</u>	२इ.।	
<b>্র</b>	(জ্যোভিষ) ২য়।	
ৰাসাৰনিক পরিভাষা ২য় ৷		
বৈক্ষানিক পরিভাষা ( ক্যোতির ) ২র।		
স্যোতিবিক পরিভাষা ২ম।		
বৈজ্ঞানিক পরিভাষা ( জ্যোডিব ) ০র।		
ভৌগোলিক পরিভাষা ৩ন্ন		

বৈজ্ঞানিক পরিভাষা ১ম

वीवारमञ्जूनमंत्र किरवमी
"व्यश्क्तिन्त मञ्ज "वारमञ्जूनमंत्र किरवमी
"माधवतन हरहोशीधाव "व्यश्कित्य मञ्ज "वारमहत्य वाव "वारमहत्य वाव "वारमञ्जूनमंत्र किरवमी "वारमञ्जूनमंत्र किरवमी "वारमञ्जूनमंत्र किरवमी "वारमञ्जूनमंत्र किरवमी "वारमञ्जूनमंत्र वाव "वारमञ्जूनमंत्र वाव "वारमञ्जूनमंत्र वाव "वारमञ्जूनमंत्र वाव "वारमञ्जूनमंत्र मञ्जूनमंत्री

রাসায়নিক পরিভাষা ৩য়। একার্নিদাস মল্লিক "যোগেশচন রায় ভৌগোলিক ও ঐতিহাসিক নামের উচ্চারণগত প্রস্তাব ৩য় "স্থারাম গ্রেশ দেউম্বর জোরার ভাটা ৩র। "মাধবচক্র চট্টোপাধ্যায় ভৌগোলিক পরিভাষা ৩য়। "মণীক্রসিংহ দেব **@** 8र्था "গোগেশচক্র রায় জ্যোতিষিক পরিভাষা ৬ঠ। "হারাণচক্র বন্দ্যোপাধ্যায় বৈজ্ঞানিক পরিভাষা ( ব্রেঠন সাহেব ক্লুত Vocabulary of Medical Terms ) & "রামেক্তস্থেনর ত্রিবেদী ভৌগোলিক পরিভাষা ( বিতীয় সংকরণ ) ৬ঠ। "রামেক্সসুন্দর ত্রিবেদী ক্র সমালোচনা ৭ম ৷ °বে†গেশচনত রায় জীববিজ্ঞান পরিভাষা ১০ম। 10 উদ্ভিদ্-বিজ্ঞা পরিভাষা ১০ম। à উদ্ভিদ্ বিষ্ঠার উপক্রমণিকা ১১শ। কবিরাজ শ্রীতুর্গানারায়ণ দেন শাস্ত্রী জীববিজ্ঞান পরিভাষা ১১শ। কবিরাজ শ্রীবিরজাচরণ কবিভূষণ বৈজ্ঞানিক পরিভাষ। ১৩শ। "হেমচন্দ্ৰাস অধ কবিরাজ শীত্র্গানারায়ণ দেন শাস্ত্রী व्यायुदर्वरम अञ्चितिका ১৪५। বাঙ্গালার ভূমিকম্প ১৪শ। জীহেমচত্র দাস ভপ্ত

## ইতিহাস ও ভূগোল।

নাগরাক্ষরের উৎপত্তি ২য় : শ্রীনগেন্দ্রনাথ বস্থ "নগেজনাথ বস্থ মহারাজ চন্দ্রবর্ণ্যা ৩য়। কাটোয়ার নিকট প্রাপ্ত হৈন পিত্রক্লক ৪। "হর প্রদাদ শাস্ত্রী ছাতনার ইপ্তকলিপি ধর্থ। "নগেন্দ্রনাথ বস্থ "প্রকৃলচক্ত বন্দ্যোপাধাার। বাঙ্গালার প্রত্তত্তত্ত ৪র্থ। বাঙ্গালার প্রাচীন ভূতত্ব ৪র্থ। "প্রফুলচক্র বন্দ্যোপাধ্যায়। গৌডাধিপ মদনপালের তান্তাশাসন ৫ম। "নগেন্দ্রনাথ বস্থ গৌডাধিপ মহীপাল দেবের তাত্রশাসন ৫ম। "নগেন্দ্রনাথ বস্থ একথানি প্রাচীন দৰিল ৬ছ। "त्रारमञ्जरनत्र जिरवनी গোপীনাথপুরের প্রাচীন শিলালিপি ৬। "নগেরুনাথ বস্থ देवन श्रुवाकाहिनी १म। "নগেলুনাথ বস্ত वृक्षामत्वत्र कीवन हतिछः १म। "সতীশচন্ত্ৰ বিস্থাভূষণ

শঙ্কর ও শাক্যমুনি ৭ম। ( অতিরিক্ত ) বৌদ্ধর্মণম। (অতিরিক্ত) বুদ্দদেবের মহাপরিনির্বাগ ৭ম। (অভিরিক্ত) শ্রীকমলাকর ভট্ট ৭ম। রালীমাটি বা কর্ণস্থর্ব ৭ম। ঐ সম্বন্ধে মতামত ৭ম। আর একথানি প্রাচীন দলিল ৮ম। লালা উদয়নারায়ণ ৮ম। ত্ৰদুক ৯ম। ত্রপুষ ও ভল্লিক ১০ম। মহারাজ নক্কুমারের পুত্র ১০ম। রাঙ্গপুতানার গৌড়ীয় বৈষ্ণবসম্প্রদায় ১০ম। त्रयूनाण भिर्दशभगि >>भ। কাণভট্ট শিরোমণি ১১ল। গোত্তমের প্রতিভা ১১শ। ঐ সম্বন্ধে মন্তব্য ১১শ। करनारकत्र आयू ४ त्राक्ष वरम : > भ। ভারতে লিপির উৎপত্তি ১১শ। विश्वांधत ১১ म। জরপুরের জ্যোতিষিক যন্ত্রালয় ( সচিত্র ) ১২শ। कश्रभूदतत (क्रांकिंगिक वञ्जानव ১०म। পিপ্রাবার প্রাচীন লিপি ১৩শ। পুঁড়ো জাতির বিবরণ ১৩শ। মুণ্ডেশ্বরীর থোদিত লিপি ১৩শ। বঙ্গীর পুরাবৃত্তের উপকরণ ১৪শ। গ্ৰাম দেৰতা ১৪শ। 5 mm 1 38 m 1 यत्मारुदात्र नृत्रज्ञा थाँ ७ गीर्ब्जानश्र ১८। রাঢ় ভ্রমণ ১৪। শকাধিকার কাল ও কণিষ ১৪শ। সংস্কৃত সাহিত্য।

ধোষী কবির প্রন-দূত ৫ম।

একালীবর বেদান্তবাগীশ "দত্যেন্দ্রনাথ ঠাকুর "সতীশচক্র বিস্থাভূষণ "ত্রৈলোক্যনাথ ভট্টাচার্য্য "নিখিলনাথ রায় "রামেক্সফুন্দর জ্বিবেদী "রামেক্রস্থলর জিবেদী "হুগাদাস রার "শ্ৰীশচন্ত্ৰ ঘোষ "শিবচন্দ্ৰ শীল "নিখিলনাথ রায় "মেঘনাথ ভট্টাচার্য্য "অচ্যুত্তরণ চৌধুরী তত্তনিধি "পূর্ণচন্দ্র দে উদ্ভটদাগর "গঙ্গাচরণ বেদাস্তবিত্যাসাগর "নগেজনাথ বস্থ "নগেন্দ্রনাথ বস্থ "অমূল্যচরণ বেষে বিষ্ণাভূষণ "নেখনাথ ভট্টাচার্য্য। "মেঘনাথ ভট্টাচার্য্য "মেঘনাথ ভট্টাচার্য্য "বিনোদবিহারী কাব্যতীর্থ "নোক্ষণাচরণ ভটাচার্য্য "রাপালদাস বল্যোপাধ্যায় "নগেন্দ্রনাথ বস্থ "त्रारमङक्ष्मत्र व्हिर्यमी "নরেশচক্র সিংহ "অখিনীকুমার দেন "भक्षानन वटन्ताभाषाम् "রাখালদাস বল্যোপাধ্যার

"হরপ্রসাদ শাস্ত্রী

ভবভূতি ৬ঠ।
ক্ষণিক বিজ্ঞানবাদ ৭ম।
বৈদিক সমালোচনা ৭ন।
চরক ও স্ক্রুভের ক.ল নিরূপণ ৯ম।
কৌবীতকী উপনিষং ৮ম।
রামারণতত্ব প্রথমভাগ ( স্বতর খণ্ড, ৯ম )
রামারণতত্ব বিতীয়ভাগ ( ঐ ১১শ)
আয়ুর্বেদের প্রাচীনত্ব

বিবিধ।

আমাদের বিশ্ববিন্তালয় ১ম।

আতীর সাহিত্যের আবস্তকতা কি ? ১ম।
বাদালা-রচনা ১ম।
সামরিক প্রসঙ্গ ১ম ৪ ২র।
জোরার ভাটা
বিবিধ-প্রসঙ্গ ৪৩।
ইতিহাস-রচনার প্রণালী ৫ম।
সভাপতির অভিভাবণ ৮৪।
গ্রন্থরচনা-সম্বন্ধে প্রস্তাব ৬৪।
ব্রত্তবিবরণ ৮ম।
মহারাণী ভিক্টোরিয়ার মৃত্যু-উপলক্ষে
সভাপতির অভিভাবণ ৭ম। (অভিরিক্ত)
পরীক্ষা ১২৮।
বিপালী ও প্রাত্থীতিয়া পর্ব্ধ ১৪শ।

ত্রীসতীশচন্দ্র বিস্তাভ্যণ

"রায় শরচন্দ্র দাস বাহাত্র

"হারাণচন্দ্র বন্দ্যোপাধ্যার

( "প্রকৃলচন্দ্র রায়

"নবকান্ত কবিভূষণ

"প্রকৃলচন্দ্র রায়

শনবকান্ত কবিভূষণ

"অফ্লচন্দ্র রায়

শনবকান্ত কবিভূষণ

"অফ্লচন্দ্র রায়

"দত্যেন্দ্ৰনাথ ঠাকুর "বতীক্ৰমোহন বাগচী "শিবচক্ৰ শীল

# পরিষদের অধিবেশনে পঠিত প্রবন্ধের তালিকা।

সাকেতিক শব্দ,—সা, প, প, —গাঁহিত্য-পরিবৎ-পত্রিকা। সা, —সাহিত্য ভা, —ভারতী। ব, ভা — বঙ্গভার। নব্যভারত। পু, — পুণা। প্র, — প্রধানী। ব, দ বঙ্গদর্শন। ব — বাণী। জা = জাহনী।

### প্রাচান বাঙ্গালা সাহিত্য।

বিষয় পণ্ডিতের মহাভারত	সা, প, প	. শ্রীনগেন্দ্রনাথ বস্থ
বিজয় পণ্ডিত ও কবীক্স পরমেশ্বর	ঐ	"নগে <del>ল</del> নোগ <b>বস্থ</b>
মনসার পাচালী	ক .	"নিবারণচ <b>ন্ত্র ভটাচা</b> যা
অন্ধকবি ভবানীপ্রসাদ	ঐ	"রসিকলাল বস্থ
উদ্ধবানন্দের রাধিকামঙ্গল .	ঐ	"मरहत्तनाथ दिश्वानिधि
ক্ষজনমের রাম্মশ্রল	ঐ	"रवाभरकम मूखकौ
পাচালীকার ঠাকুর্দাস দত্ত	. ক্র	"ব্যোমকেশ মুক্তফী
শিতলামঙ্গল	উ	ক্র
রাজকবি জন্মনারামণ	ক্র	
<b>নিৰুদ্বিজ্</b> কৃত কৃষ্ণমঞ্জ	ঐ	"হারাধন ভত্তনিধি
রযুনাথের অশ্বমধ-পঞ্চালিকা	ট্র	"রসিকচন্দ্র বহু
দ্বিপ্রামচক্রের তুর্গামঙ্গল	<u></u>	"শরচ্চন্দ্র শাস্ত্রী
क्वीक्वि माधवी	উ	"অচ্যতচরণ চৌধুরী
রমাই পণ্ডিতের ধর্মকল	দা, প, প	শ্রীহরপ্রসাদ শান্ত্রী
ক্বতিবাস	ঐ	अञ्चल्लक्क वरनग्रावाधाध
मूक्नरमरत्व अभन्नाथ-विक्ष	ঐ	শ্ৰীরসি কচন্দ্র বস্থ
महरमरवन्न धर्यमङ्गल	ঐ	শ্রীসন্বিকাচরণ গুপ্ত
অভুতাচার্য্যের রামারণ		<b>এীরজনীকান্ত চক্রবন্ত</b> া
হর্ণভ মল্লিকের গোবিন্দচক্র-গীত	ট্র	শ্ৰীশিবচন্দ্ৰ শীল
ক্ৰিরঞ্জন রামপ্রসাদ সেন	ঐ	শ্রীমানদনাথ রায়
রঘুনন্দন ও নরহরি ঠাকুর	ঠ	শ্রীশানন্দনাথ রায়
লালা জন্মারারণ	উ	শ্রীআনন্দনাথ রার
গোবিন্দদাসের কড়চা		শ্ৰীদীনেশচন্ত্ৰ সেন
क्कमान क्रककिकत्वत्र क्रकविमान		শ্ৰীরাধালদাস কাব্যতীর্থ

স্থ্য পাঁচালি কবিবলভের রদকদম্মা, প, প, বাল্মীকি ও ক্তিবাদ ভা, খনা দা, প, প,

বিস্তাপতির প্রকাশিত ও অপ্রকাশিত পদাবলী

ব, ভা ২য়:

বৈক্ষবকাব্যে মিথিলার অংশ ব, ভা, ২র। বিভাপতি-প্রসঙ্গ " ২র। গোবিন্দদাস ব, ভা,

গোবিন্দাস ব, ভা,
মাণিক গাঙ্গুলির ধর্মমঙ্গল সা, প, প,
মহারাষ্ট্রীয় পুরাণ ও কবি গঞারাম সা, প, প,

শ্রীতারকেশ্বর ভট্টাচার্য্য শ্রীদীনেশচক্র সেন শ্রীযোগেশচক্র রায়

শ্রীভারকেশর ভটাচার্যা

শ্রীনগেন্দ্রনাথ গুপ্ত শ্রীনগেন্দ্রনাথ গুপ্ত শ্রীনগেন্দ্রনাথ গুপ্ত শ্রীনগেন্দ্রনাথ গুপ্ত শ্রীদীনেশচক্র দেন শ্রীবোদকেশ মৃস্তফী

#### ভাষাতত্ত্ব ৷

मा, भ, भ,

হরিনামের শব্দতত্ত্ব সা, প, প, উপদর্গ বিচার (১) (\$) ভরতকৃত উপদর্গ-বৃত্তির আলোচনা উপসর্গবিচারের সমালোচনা সা, প, প, অলঙার শাস্ত্র বাঙ্গালা ব্যাক্রণ বাঙ্গালা কং ও তদ্ধিত বাঙ্গালা রুৎ ও শুদ্ধিত বাসালার সহিত প্রাক্তের সাদৃখ্য সা, প, প বাঙ্গালা ভাষা ও ব্যাকরণ, ତୀ. ব্যাকরণ ও বাঙ্গালী ভাষা. ভা, বাঙ্গালা ভাষার উচ্চারণ বালালা ব্যাকরণের ইতিহাসের একাংশ ব. ভা. জীব-বিদ্যাবিষয়ক পরিভাষা मा, भ, भ, গ্রিম-প্রদার্শন্ত বর্ণব্যত্যন্ত্রবিধি, ভা. ভাষার ইঞ্চিত ତୀ, পয়ারচন্দের উৎপত্তি সা, প, প,

বালালা নাম-রহজ ১ম

 उदिम्बाहित वहेवााल
 उदिमाल
 শ্রীদিজেন্দ্রনাথ ঠাকুর শীদিজেন্দ্রনাথ ঠাকর শ্ৰীবিহারীলাল সবকার প্রীরা**জেন**চন শারী শ্রীশরচ্চন্দ্র শাঙ্কী ত্রী হরপ্রসাদ শাস্ত্রী শ্ৰীরবীক্সনাথ ঠাকুর ঐীব্যোদকেশ মুন্তফী क्रिकांनिमान नाथ শ্ৰীরবীন্দ্রনাথ ঠাকুর শ্রীশরচন্তে শাস্ত্রী শীরার বছনাথ মজুমদার বাহাছর শ্ৰী অমূল্যচরণ ঘোষ বিত্যাভূষণ **এবোগেশচন্দ্র বার এীসতীশচন্দ্ৰ বিস্থাভূ**ষণ শ্ৰীরবীন্ত্রনাথ ঠাকুর WATHER 45 **এীব্যোষকেশ মৃস্তফী** 

বাকালা বৰ্ণমালা ও বাকালা ভাষা	(অপ্রকাশিত)	<b>बिह्यनाथ वरन्याभाषाष</b>
সাৰ্কজনীন ভাষা ও লিপি	39	<b>এনরেশচক্র সেন শুপ্ত</b>
বাঙ্গালা বিভক্তি	र म ১৩১৩	শ্ৰীশ্ৰীনাথ সেন
বৈজ্ঞানিক পরিভাষা	<b>ગા, ૧,</b> ૧,	<b>बी</b> ्ट्यहळ मान <b>७</b> १
वाकामात्र देवरम्भिक मक श्राद्यम (	(অপ্রকাশিত)	শ্রিহুর্গানারায়ণ সেন শাস্ত্রী
বাঙ্গালা নাম-রহস্ত ২য়	æ	শ্ৰীব্যোদকেশ মৃস্তফী
সন্ধি	10	শ্ৰীশ্ৰীনাথ সেন
মোসলমান নাম তত্ত্ব	cc	শ্ৰীপশ্বনাথ ভট্টাচাৰ্য্য বিদ্যাবিনোদ
বাঙ্গালার আদিগ্রন্থ	çe	শ্ৰীনগেন্দ্ৰনাথ বস্থ
দমন্বস্তীর চৌতিশা	a	শ্রীকীবেক্রকুমার দত্ত

# সংস্কৃত সাহিত্য

ধোষী কবির পবন দৃত	সা, প, প,	শ্রীহর প্রসাদ শাস্ত্রী
ভবভৃতি	>>	≗ীসতীশচক্র বিভাতৃষণ
হিন্দু ও বৌদ্ধ তন্ত্ৰশাস্ত	•	শ্ৰীহরপ্রসাদ শাস্ত্রী
তেবিজ্ঞ স্থম্ভ		শ্রীসভোক্তনাথ ঠাকুর
পুরাণতত্ত্ব (বিশ্বকোষ, পুরাণ শব্দ )		" নগেন্দ্ৰনাথ বস্থ
কৌষীতকি-ভ্রান্ধণোপনিষৎ	স, প, প,	" ব্ৰঙ্গলাল মূপোপাধ্যায়
সাংখাদশন ও গীত।		" शैदब्रक्तमाथ प्रख
ভারতে নাটোর উৎপত্তি,	ভা,	" ক্যোতিরিন্দ্রনাথ ঠাকুর
ক্রোপদী-সভ্যভাষা সংবাদ	ব, ভা	" নগেন্দ্রনাথ গুপ্ত
জ্যামিতির ইতিহাস ও সংস্কৃত জ্যামি	ভি	" পঞ্চানন বন্দ্যোপ্ধ্যায়

# দর্শন ও বিজ্ঞান।

শাধ্যাস্মিক বিজ্ঞান	<b>৺ক্ষেত্র</b> পাল চক্রবন্তী
मरनाविकान (>)	<i>৺ক্ষে</i> ৰপাল চক্ৰবৰ্ত্তী
मत्नोविक्डान (२)	৺ক্ষেত্ৰপাশ চক্ৰবৰী
मटनाविकान,	<b>⊌কেঅপা</b> ণ চক্ৰবৰ্ত্তী
মেঘ ও বৃষ্টি	শ্ৰীহেমচক্ৰ দেব কবিরাজ
একালের দর্শন (১)	ু বিজেজনাথ ঠাকুর
ঐ (২)	<b>a</b>
<b>(a)</b>	- <b>tr</b>

ক্ষণিক বিজ্ঞান বাদ	मा, भ, भ	ু রার শরতক্র দাস বাহাছর	
শঙ্কর ও শাক্যমূনি '	<b>স</b> া, প, প,	" কালীবর বেদাস্তবাগীশ	
স্তাম-দর্শনের সংক্ষিপ্ত ইতি	বুত (বিশ্বকোষ স্তাহদর্শন শব্দ)	,, नर्शक्ताथ वञ्	
অবৈতবাদ		" কৃষ্ণচরণ পাশ	
বৌদ্ধর্ম—জ্ঞান, নীভি, প	রকাল ও মৃত্তি		
	সা, প, প,	" সত্যেন্দ্রনাথ ঠাকুর	
গীতার দর্শন, ধর্ম ও নীতি		" সভ্যেন্দ্রনাথ ঠাকুর	
গোত্ৰমুনি ও ভারদশ্ন		ু কালীবর বেদাস্তবাগীশ	
সাংখ্যদৰ্শন ও গীতা (গীতায়	। <b>ঈশ্বর</b> বাদ গ্রন্থের :একাংশ)	" शैरबक्तनाथ पञ्ज	
গৌতমের প্রতিভা ও ত্রেত	ার ভারদশন		
	<b>সা, প, প</b> ,	" গঙ্গাচরণ বেদাস্কবিস্থাসাগর	
বেদাস্তদর্শন (১. অপরা প্রর	চ্ভি সা, ১১শ	" शैरतक्रनाथ मख	
ঐ (২) পরা প্রকৃতি	न1,	<u>ক্র</u>	
গীতা ও বেদান্ত দর্শনমতে ব	াক্ষতত্ত্ব (গীতার ঈশরবাদগ্রন্থের এ:	काःम),,शीरबल्पनाथ मख	
সাংখেত্র লোকাস্তরবাদ		" তারকচন্দ্র সাংখ্যসাগর	
খাত্মা ও কর্ম		<b>A</b>	
<b>পদার্থবা</b> দ ও <b>স্থান</b> রীব		ঐ	
वपृष्ठे ७ श्रूक्यकात		<b>A</b>	
বৃত্তির উৎকর্ষ ও মুক্তি		ট্র	
<b>मृ</b> ज्य ७ श्रमकीयम्ब मशुक्त	ৰী অবস্থা <b>সম্বন্ধে তি</b> কাতীয় মত	শীসতীশচক্র বিস্তাভ্ষণ	
আয়ুৰ্কেদে অস্থি গণনা	সা, প, প,	" ত্র্গানারারণ দেন শাল্লী	
আয়ুৰ্বেদে অস্থি সন্ধি	( অপ্রকাশিত )	" হুৰ্গানাৱাম্বণ সেন শান্ত্ৰী	
বেল্চিন্তানের ভৃতত্ব	•	" হেমচক্র দাস ৩প্ত	
ইতিহাদ ও পুরাতত্ত্ব।			
ছাতনার ইষ্টকলিপি	সা <b>, প</b> . প,	শ্ৰীনগেক্তনাথ ৰস্থ	
থোদিত কৈনলিপি	সা, প, প,	" হরপ্রসাদ শান্ত্রী	
গৌড়াধিপ মদনপাল ও মহীপাল দেবের ভাত্রশাসন			
	<b>সা, প, প</b> ,	,, নগেন্তনাথ বস্থ	
প্রাচীন সংবাদ পত্ত	সা, প, প,	" মহেক্তনাথ বিস্থানিধি	
পরীগ্রামের পুরাতত্ব		" অধিকাচরণ শুপ্ত	
সেকালের কলিকাতার ইংর	াজসমাত্র		
	সা, ১•মা	" (मरवक्क ध्वमान चार	

আদিশ্র ও জরস্ত
ব্রুদেবের জীবনী সা, প, প,
রাঙ্গামাটি ও কর্ণস্থবর্ণ সা, প, প,
ব্রুদেবের মহাপরিনির্বাণ সা, প, প,
চরক ও স্থশ্রুতের সময়নিরূপণ (১) সা, প, প,
নবাবী আমদের বিধি-ব্যবস্থা

(১৮শ শতাকীর বাঙ্গালার ইতিহাসের একাংশ) জগন্নাপতীর্থে গুরুনানক ও জগন্নাথের আরতি ইশা খাঁ মসনদ-ই-আলি, নব্যভারত ত্ত্যলুকের ইতিহাস সা, প, প, অজাতশক্র-সংবাদ গোড়ের পালরাজগণ সা. বঙ্গে নীল সা. প্রাচীন কলিকাতা शु हर्य। কবি মাঘের সংক্ষিপ্ত জীবনী ভা. ত্রপুষ ও ভল্লিক জয়পুরের শিলাদেবীর বাঙ্গালী পরোহিত

বিভাধরের বৃত্তান্ত সা. প. প. জয়পুরের জ্যোতিষিক যন্ত্রালয় ঐ চরক ও সুশ্রুতের কালনির্পণ (২) প্রাচীন কলিকাভার আচার ব্যবহার, নব্যভারত ভারতে লিপির উৎপত্তি দা, প, প, বারভূঁ ইয়া সা, বিস্থাপতি ও চণ্ডীদাদের সময়ের বঙ্গীয় আচার বাবহার প্রাচীন মিশরে আর্যাসভাতার প্রভাব লাশা নগর ও তিব্বতে বৌদ্ধর্ম-প্রচার শ্রীচৈতনোর উৎকল যাতা প্র: ৪র্থ ভারতচন্দ্রীয় যুগের রাজনৈতিক অবস্থা সা, ১৫শ। देवभागी ভা. কনোজের আয়ুধ রাজবংশ সা, প, প, বীরকাহিনী বা ফরিদপুরের ইভিহাসের একাংশ

শ্ৰীব্যোদকেশ মৃত্তফী

- ু সতীশচন্দ্র বিম্বাভূষণ
- , নিধিলনাথ রায়
- " সতীশচন্দ্র বিস্তাভূষণ
- " ध्येक्सठक त्राप्त
- ,, कानी अमन वरनग्राभाषात्र
- " গভেক্রনাথ ঠাকুর
- , আনন্দনাথ রায়
- ু শ্ৰীশচন্দ্ৰ খোষ
- .. भौरनभठऋ रमन
- .. রাধেশচন্ত্র শেঠ
- " দেবেক্রপ্রসাদ ঘোষ
- ,, ঋতেজ্রনার্থ ঠাকুর
- ু শরচ্চক্র শাস্ত্রী
- ু শিবচন্দ্ৰ শীল
- " মেঘনাথ ভট্টাচার্য্য ক্র
- " ডাক্তার প্রকুলচন্দ্র রায়
- ু প্রাণক্ষ দত্ত
- " অমূল্যচরণ ঘোষ বিস্তাভূষণ
- ,, নিখিলনাপ রার
- " রমেশচন্দ্র বস্তু
- ,, পঞ্চানন বন্দ্যোপাধ্যায়
- " রায় শরচ্চক্র দাস বাহাত্র
- গ্রীসারদাচরণ মিত্র
- ু হেমেক্সপ্রসাদ ঘোষ
- ु जाशांमामा वटनगोशांधां व
- ू नरशक्तनाच वस्र
- ,, জানন্দনাথ রাষ

( বারভূঁয়ার ইতিহাসের একাংশ )

প্রাচীন পার্মিক ও প্রাচীন হিন্দুর আচার ব্যবহার (बोक्सवाज्ञानमी সা, প, প, পালি ও সংস্কৃত গ্রন্থে রোমসগরের উল্লেখ কুকুটপাদগিরি वानी ১৩১৩ কবিদগুী তিব্বতের লামা ও তাঁহাদের ধর্ম মুভেশ্বরীর-খোদিত লিপি মা, প, প, লুচিত রকারী প্রতাপাদিত্যের কামানের কারথানা ( অপ্রকাশিত ) চীন-পরিব্রাজকগণের বন্ধ বিবরণ কায়স্থ চাকাদাস, টঙ্গদাস ও ভুবনাকর শর্মা সা, প, প, ভারতে শকাধিকার কাল ও কণিদ্দ সা, প, প, 'রাঢ় ভ্রমণ' অথবা "বঙ্গীয় ইতিহাসের উপকরণ সংগ্রহে হাঢ়ে ১৫দিন" ("প্রদর্শনীতে পরিষং" প্রবন্ধভূক। মহারাজ শিবরাজের তামুশাদন बानम উপदीत्भ मृथा मृत्रा ভক্ষশিলার ভাগ্রশাসন দশহরার উৎপত্তি হন্তালিশ্বন রাচ্দেশের হুই প্রাচীন রাজবংশ (স্বপ্রকাশিত) **সপ্র**গাম विक्रमभूरत्रत हाँ पतात्र ७ क्या ततात्र देखन जायमर्गन ( অপ্রকাশিত) প্রদর্শনীতে পরিষৎ ক্র বঙ্গীর পুরাবৃত্তের উপকরণ সা, প, প, কৈনধৰ্মের ইতিহাস ( অপ্রকাশিত) यामारावव क्लोकनाव कुकलावी अ भीक्जानगर मा, भ, भ, শঙ্কবাচার্য্য ও তৎসম্বন্ধে যাবতীয় জ্ঞাতব্য বিবরণ অপ্রকাশিত B ঠ २म

শ্রীপঞ্চানন বন্দে;।পাধ্যায় ,, রাধালদাস বন্দ্যোপাধ্যার ু সভীশচার বিস্তাভ্যণ রাথালদাস বন্দ্যোপাধ্যায় শরচন্দ্র শান্ত্রী রায় শরচন্দ্র দাস বাহাগ্র वाथानमात्र वरन्माशाय খতেজনাথ ঠাকুর शकानन वटन्माः शामा ,, অমূলাচরণ ছোষ বিদ্যাভূষণ " সতীশচন্দ্ৰ বিস্থাভূষণ , वांशांनमात्र वटनगांशांधांत्र পঞ্চানন বন্দে । পাধ্যায় वाशानपान वरनगानाभाष ,, শিবচক্র শীল "শিবচত্ত শীল , श्रांशानाम वत्नताभाषाय ,, र्गाराज्यमाण ७श ্ল'সভীশচন্দ্ৰ বিদ্যাভূষণ , शकानन वस्माशाशाय " নগেজনাথ বস্থ " **অমূল্যচরণ খোষ** বিজ্ঞা ভূষণ ু অখিনীকুমার সেন

" অমূলাচরণ ঘোষ বিস্তাভূষণ

,, অমূলাচরণ বোষ বিস্তাভূষণ

#### বিবিধ।

মহাভারতের গঠন ্ অপ্রকাশিত । বান্ধালা জাতীয় সাহিত্য, ভা, ইতিহাস রচনার প্রশালী সা, প, প, জীবমচরিত রচনার প্রণালী সভাপতির অভিভাষণ সা, প, প, বর্ত্তমান বাঙ্গালা সাহিত্যের প্রকৃতি कवि विश्वाज्ञीनान अञ्चलकाना अविश्वाधन अभवर्ष দাক্ষিণাতোর পূজা ও ব্রত সা, প, প, মহারাণী ভিক্টোরিয়ার মৃত্যু উপলক্ষে সভাপতির অভিভাষণ সা, প, প, অধ্যাপক মক্ষমুলর ভা. প্রাচীন গ্রীস, রোম ও ভারতের দৌন্দর্যা-কল্পনা ব, দ ৰাঙ্গালাভাষা ও সাহিত্যে ইংরেজির প্রভাব সা, গত বর্ষের (১৩০৯) সালের বাঙ্গালা সাহিত্য সা. (>0>0) " সা. বঙ্গভাষার ক্রমোর্গত কাবুলী ওয়ালা ৶মহিষ দেবেক্রনাথ ঠাকুর ছাৰগণের প্রতি সম্ভাবণ **4, ۴.** গতবর্ষের (১০ ১ সালের) বাঙ্গালা সাহিত্য (অপ্রকাশিত) অক্ষরকুমার দত্তের কথা ৰ, দ, বান্ধাচার্য্য প্রতাপচক্র মজুমদার · সা, প, গ্রঁ, পদ্মীকথা দীনবৰু মিত্ৰ ₹, ₩ প্রস্তাবিত জাতীয় শিক্ষায় জাতীয় ভাষা ও জাতীয় সাহিত্যের স্থান ১০১২ সালের বাঙ্গালা সাহিত্যের বিবরণ বাণী ১০১৩ বাঙ্গালায় ভূমিকস্প সা, প, প, সাৰ্বজনীন ভাষা ও লিপি ( অপ্রকাশিত ) প্রদর্শনীতে পরিষৎ সা, প, প,

ত্রীব্যাদকৈশ মুন্তকী
ত্রীর বীক্তনাথ ঠাকুর
ত্রীরজনীকান্ত শুপ্ত
ত্রীচন্ত্রীচরণ বন্দ্যোপাধ্যার
ত্রীচিক্তনাথ ঠাকুর
ত্রীচন্দ্রনাথ বস্ত্র
ত্রীকিরণচক্ত দক্ত
ত্রীদীননাথ গলোপাধ্যার

শ্রীসত্যেন্দ্রনাথ ঠাকুর

শ্রীরামেক্রস্কর জিবেদী
শ্রীহেমেক্রপ্রসাদ ঘোষ
শ্রীহেমেক্রপ্রসাদ ঘোষ
শ্রীব্যোমকেশ মৃন্তকী
ক্রীদীনেশচক্র সেন
শ্রীবামেক্রপ্রকর জিবেদী
শ্রীরবীক্রনাথ ঠাকুর
শ্রীবোসকেশ মৃন্তকী
শ্রীবাদিনচক্র পাল
শ্রীযতীক্রমোহন বাগচী
শ্রীমারদাচরণ মিত্র

শ্রীগণিতকুমার বন্যোপাধ্যার
শ্রীক্ষমূল্যচরণ ঘোষ বিস্তাভূবণ।
শ্রীহেমচক্র দাসঞ্চপ্ত।
শ্রীনরেশচক্র সেনগুপ্ত।
শ্রীপঞ্চানন বন্যোপাধ্যার।

ঋথেদ ও ঋথেদী ধর্ম ( অপ্রকাশিত ) শ্রীঅধিকাচরণ সেন
১৩১৩ সালের বাঙ্গালা,সাহিত্যের বিবরণ, বাণী ১৩১৪
১৩১৪ সালের , শ্রীঅম্ল্যচরণ ঘোষ বিভাভ্ষণ
বোড়শ শতাকীতে আদি গঙ্গাতীরে
বাঙ্গালার সভ্যতা (অপ্রকাশিত) শ্রীপঞ্চানন বন্দ্যোপাধ্যায়
বিক্রমপুর সঞ্চলে প্রচলিত খেলা সা, প, প, শ্রীবিনোদেশ্বর দাস শুপ্ত
মহারাজ যতীন্রমোহন ও বঙ্গাহিত্য (অপ্রকাশিত) শ্রীব্যোমকেশ মৃত্তফী

# পরিষদের শাখাসমিতি

পরিষদের বিভিন্ন কার্যা নির্বাহের জন্ত কতিপন্ন শাথা সমিতি আছে, ঐ সকল সমিতির সম্পাদকেরা সমিতির কার্যা নির্বাহ করেন। সম্প্রতি গ্রন্থ-প্রকাশ সমিতি শব্দ-সমিতি ও গৃহ-নিম্মাণ সমিতি এই তিন সমিতি বর্ত্তমান।

### (১) গ্রন্থ-প্রকাশ সমিতির সভ্যগণ-

শ্রীযুক্ত সারদাচরণ মিত্র

- " **আগুতোৰ মুখো**পাধ্যা**র**
- "রবীক্রনাধ ঠাকুর
- " রায় যতীক্রনাথ চৌধুরী
- <sub>,,</sub> বামে<u>জ</u> স্থলর জিবেদী
- " ব্যোমকেশ মুন্তফী
- ু বাণীনাথ নন্দী
- ্ল রসিকমোহন চক্রবর্ত্তী
- ্ৰ হীরেন্দ্রনাথ দ**ন্ত** বেদান্তরত্ব
- , মন্মথমোহন বস্থ
- " শরৎকুমার রায়
- " স্থরেশচন্দ্র সমাজপতি
- " ক্ষীরোদ্রপ্রসাদ বিভাবিনোদ

#### শ্রীযুক্ত অমূল্যচরণ খোষ বিস্তাভূষণ

- " সতীশচক্র বিদ্যাভূষণ
- ,, শরচক্র চক্রবর্ত্তী
- "নগেন্দ্রনাথ বস্থ প্রত্তত্ত্ত্তিষ্টি (সম্পাদক)

#### (২) শব্দ সমিতির সভ্যগণ—

#### গ্রীযুক্ত এঞ্জদাস বন্দ্যোপাধ্যায়

- " রবীক্রনাথ ঠাকুর
- , চজ্ৰনাথ বস্থ
- , ইন্দ্ৰাথ বন্দ্যোপাশ্যায়
- ু হেমেক্র**প্রসাদ ঘো**ষ
- ্ল রায় যতীক্রনাথ চৌধুরী
- "বামেক্সস্কর তিবেদী
- , ব্যোদকেশ মুক্তফী
- , ্নৰাথনোহন বস্থ
- " হারেজনাথ দত্ত বেদান্তরঞ্জ
- ু অমৃণ্যচরণ খোষ বিদ্যাভূষণ
- " সভীশচন্দ্র বি<mark>ত্তাভূষ</mark>ণ
- " শরচন্দ্র শান্ত্রী
- , नरशक्तनाथ वस्र श्रद्धक्रविधि
- " খগেক্তনাথ মিতা
- "হেমচক্র দাস গুপ্ত (সম্পাদক)

এই সঙ্গে উক্ত এই সমিতির কার্যা-পরিচালন স্বরে নিমোক্ত নিয়ম ক্ষটিও গৃহীত হইবাছে।

- ১। উভয় সমিতি আপন আপন সভাপতি নির্বাচন করিয়া লইবেন।
- २। " जाभन जाभन कार्या अंगानी निज्ञभन कि त्रिश नहेरवन।
- ৩। শক্ষ-সমিতি আবিশ্রকমত সভ্যসংখ্যা বৃদ্ধি করিশ্বা লইবেন বা সভ্যেতর অভিজ্ঞ ব্যক্তিদিগের সাহায্য গ্রহণ করিবেন।
- ৪। উভন্ন সমিতির সম্পাদক উভয় সমিতির অধিবেশনাদির ব্যবস্থা করিবেন এবং কার্য্যবিবরণ লিপিবদ্ধ করিয়া বার্ষিক অধিবেশনে উপস্থিত করিবেন।

## (৩) গৃহনির্মাণ-সমিতি।

১৩০৭ সালে কাশিমবাজারের মহারাজ এীফুক মণীক্রচক্র নন্দী বাহাছর বন্দীয় সাহিত্য-

পরিষদের গৃহনিশ্বানার্থ সাত কাঠা ভূমি দান করিলে পর নিম্নলিখিত ব্যক্তিবর্গকে স্ট্রা গৃহনিশ্বাণ সমিতি গঠিত হয়,---

মাননীয় বিচারপতি শ্রীবৃক্ত সারদাচরণ মিত্র, এম্ এ, বি এল্, ( সভাপতি )

- ু ু আন্ততোৰ মুখোপাধ্যার সরস্বতী, এম্এ,ডি এল্ ; ডি.এস্ সি । শ্রীফুক্ত রবীক্তনাণ ঠাকুর।
- " রায় ষতীক্রনাথ চৌধুরী, এম্ এ, বি এল্ ( সহকারী সভাপতি :
  মহারাক্স শ্রীযুক্ত জগদিক্রনাথ রায় বাহাতুর ( নাটোর•)
  - ্ৰ সুৰ্য্যকান্ত আচাৰ্য্য চৌধুৰী বাহাছৰ ( মন্নমনসিংহ )
  - ; "মণীক্রচক্র নন্দী বাহাত্র (কাশিমবাজার)
  - কুমার " শরৎকুমার রার এম্ এ, (দীঘাপতিয়া)
    - ু প্রমথনাথ রার চৌধুরী (সংস্তাষ)
    - ু হীরেজনাথ দক্ত এম্ এ, বি এল্
    - " যত্নাপ বরাট।
    - ু সভ্যেক্তনাণ ঠাকুর।
    - ্লু রায় প্রাণশক্ষর চৌধুরী (ভেওভা)
    - ্ৰ মতিলাল বেংষ।
    - , রাজে<u>জ</u>নাথ মুখোপাধ্যার।
- কুমার " অরুণচক্র সিংহ (পাইকপাড়া)
  - ্ল অমৃতকৃষ্ণ মল্লিক, বি, এশ।
  - ু হুরেশচক্ত সমাত্রপতি।
  - ্ৰ মুণালকান্তি ঘোষ।
  - ্ল নগেন্দ্ৰনাথ শুপ্ত।
  - ্ৰ বিহারীলাল সরকার।
  - ু জলধর সেন।
  - "রাষেক্রস্থলর তিবেদী এম্, এ, (সম্পাদক)
  - " मन्त्रशंदमां इन वन्त्र वि, এ,
  - ্ল হেমচক্র দাস গুপ্ত এম্, এ, সহকারী সম্পাদৰ ্ল ব্যোমকেশ মুস্তফী।

# বঙ্গীয়-সাহিত্য-পরিষদের সভ্যগণ।

### বিশিষ্ট সভ্য।

- ১। ু ত্রীযুক্ত বিজেজনাথ ঠাকুর, শান্ধিনিকেতন, গোলপুর।
- ২। "চস্ত্রনাথ বস্থ, এম্, এ; বি, এল্, ৫ রঘুনাথ চটোপাধ্যাথের লেন, কলিকাতা।
- ৩। রায় শ্রীযুক্ত কালী প্রসন্ন খোষ বাহাছর, বান্ধবকুটীর ঢাকা।
- ৪। শীবৃক্ত নবীনচক্র নেন, বি, এ, ভৃতপূর্ব ডেপুটী ম্যাজিট্রেট, ১০ ইম্বর্কস্কীট, রেকুন।
- मात्र छेटेनियम अट्यक्षात्रवार्ग, नश्चन ।
- ৬। " সার জর্জ বার্ডিড্, লগুন।
- ৭ , রমেশচন্দ্র দত্ত, পি, আই, ই, ৮া২ লাউডন ষ্ট্রীট।
- ৮। মহামহোপাধ্যার খ্রীবৃক্ত চন্দ্রকান্ত তর্কালভার, ১০৯ মুক্তারামবাবুর ট্রীট।
- ১। ভাভার জীযুক্ত জগদীশচন্দ্র বস্তু, এম, এ; ডি, এসসি, সি, আই, ই,

৯৩ আপার সারকিউলার রোড, কলিকাতা।

>•। ডাক্তার· , প্রকুলচক্ত রায় ডি, এদ্ সি, পি, এইচ্, ডি ; ৯১ আপার

সারকিউলার রোড কলিকাতা।

#### আজীবন সভা।

১১। মহারাজ শীয়ুক নূপেক্সনারায়ণ ভূপ বাহাত্বর জি, সি, আই, ট ; সি, বি ; কুচবিহারাধিপতি, কুচবিহার।

#### বিশেষ সভ্য।

- ১২: পণ্ডিত জীযুক্ত শরচক্রে শাস্ত্রী, ১১ গোবিন্দচক্র দেনের লেন, টাপাতকা, কলিকাতা।
- ২৩। মুন্দী , আবছল করিম, চট্টগ্রামের কুল ইন্স্পেক্টাকের আফিল, চট্ট্রাম।
- ১৪। পণ্ডিত ু অতুলক্ষ গোৰামী ১: মহেক্স গোদামীর লেন, দিমলা, কলিকাতা।
- ১৫। " , রাজকুমার বেদতীর্থ স্থতিতীর্থ-কাবাভূষণ, কৈকালা, ছগণী।
- ১७। " , शकानन रत्नुग्राभाष वि, এ, ৩० वीर्डन् (बा, कनिकांछा।
- ১१। " बागीनाथ नन्ती, ১१ त्रिकनात्र वाजान हीते।

#### সাধারণ সভ্য।

## ক । কলিকাতা।

- ১। শ্রীযুক্ত অক্ষরকালী কোঙার, ২২ রাজাবাগান জংসন রোড, হাতীবাগান।
- ২। 🔭 অক্ষকুমার ঘোষ ব্যারিস্তার, ৩ র বুনার্ব চার্ট্রের দ্বীট।
- 😕। " अक्ष्वकृभाव हर्षेशभाषात्र, ১১२ खामहार्ष्ट द्वीछे।

```
৪। ৢ অকরকুমার ঠাকুর, এম্, এ, ২৭ দর্যাহাটা খ্রীট, কলিকাতা।
```

- ৫। " ডাঃ অকরকুমার দত্ত, এল্ এম্ এম্, ৪৩।১ হারিসন রোড।
- ৬। ু অক্সরকুমার দত্ত গুপ্ত এম, এ, ৩৬ বেচু চাটুর্যোর খ্রীট।
- ৭। " অক্ষরকুমার বড়াল, ১৬ শ্রীনাথ রাষ্ট্রের লেন, চোরবাগান, কলিকাতা।
- ৮। ু অতুলচন্দ্র মিত্র, ৫২।২ বীডন খ্রীট, হেতুয়া কলিকাতা।
- ১। " অধরচক্র মুখোপাধ্যার, এম, এ, বি, এল, ৫১ বীডন রো, দর্জ্জিপাড়া।
- ১০। 🦼 অনঙ্গমোহন পাল, ৫৮।৫৯ বলরাম দের খ্রীট, যোড়াসাঁকো, কলিকাতা।
- ১১। " অনন্তনারায়ণ দেন, ২১ কাঁদারীপাড়া রোড।
- ১২। " অনাথনাথ পালিত, এম, এ, ৬৬ তুর্গাচরণ মিত্রের ষ্ট্রীট, দর্জ্জিপাড়া, কলিকাতা।
- ১৩। , অনাথনাথ মল্লিক, ২১ মুক্তারাম বাবুর খ্রীট, চোরবাগান কলিকাতা।
- ১৪। ্ল অমুকৃণচন্দ্ৰ বহু, ৩৫।২ বীডন খ্লীট, পোলাবাগান কলিকাতা।
- ১৫। কবিরাজ শ্রীযুক্ত অন্নদাপ্রসন্ন রাম্ব বিভাভ্যণ, ২০২ কর্ণ প্রমালিস ষ্ট্রীট, সিমলা কলিকাতা
- ১৬। প্রীযুক্ত অল্পা প্রসাদ খোষ, বি, এল, ৫ শঙ্কর খোষের লেন বাহির সিগলা কলিকাতা।
- ১৭। কবিরাজ প্রীযুক্ত অপূর্বাকৃষ্ণ খণ্ড বিজ্ঞানিধি, ৭ শান্তিরাম ঘোষের লেন, বাগবাজার।
- ১৮। শ্রীবৃক্ত অপুর্বাক্তক্ত ঘোষ ৬২।২ বীতন ষ্ট্রীট দিমলা কলিকাতা।
- ১৯। 🦼 **অবনীন্দ্রনাথ ঠাকুর, ৬ দারকানাথ ঠাকুরের বেন,** যোড়াসাঁকো কলিকাতা।
- ২•। " অবিনাশচক্র ঘোষ, এম্, এ, বি, এল্, ৮/১ কাশীঘোষের লেন, সিমলা, কলিকাতা
- ২১। " অবিনাশচক্র বন্দ্যোপাধ্যায়, এম্, এ; এম্ এল্ লায়েক এবং ব্যানার্জ্জি কোং

৭ সোয়ালো লেন, চিনাবাজার।

- ২২। **, অমরকৃষ্ণ দত্ত, ৩**৩ হরিঘোষের খ্রীট, ক**্লিকাতা** ।
- ২৩। পণ্ডিত শ্রীযুক্ত অমরনাথ বিদ্যাবিনোদ, ৪১ বাগবাজার ষ্ট্রীট।
- ২৪। শ্রীযুক্ত অমরাপতি বল্যোপাধ্যায়, ৪৩ হালদারপাড়া রোড কাণীঘাট কলিকাতা।
- ২€। ৢ অমরেক্রনাথ চক্রবন্তী, দেন এণ্ড কোং; ৩৭৪ আপার চিৎপুর রোড।
- ২৬। ু অমরেন্দ্রনারায়ণ দত্ত, মুরারিপুকুর রোড কলিকাতা।
- ২৭। 🍃 অমূলাচরণ খোষ বিস্তাভ্যণ, ৬৬ মাণিকতলা খ্রীট, হেছয়া, কলিকাভা।
- ২৮। " অমৃতকৃষ্ণ মলিক, বি, এল, ২ শিবশঙ্কর সলিকের লেন, স্থামপুকুর, কলিকাতা।
- ২৯। 🦼 অমৃতলাল চক্র, এম্, এ, ১০ নিমু গোলামীর লেন।
- ৩ । " অমৃতলাল বস্থ, ৯ েরামচক্র মৈত্রের লেন, কম্লিয়াটোলা, কলিকাতা।
- ৩১। 🦼 अप्रुजनान पूरभाशाशा এম্, এ, বি, এল্, ৬৭ খোষের লেন।
- ৩২। ছাক্তার প্রীযুক্ত অমৃতলাল সরকার, এল, এম্, এস্, এফ, সি, এস্,
  - e> भाषात्रीरहाना तनन, कनिकाछा।
- ৩০। 🦼 অধিকাচরণ ঋথ, ১২।২ বীডন দ্রীট।

```
৩৪। শ্রীযুক্ত অধিকাচরণ দেন, এম এ, বি এল,এম্, আর, এ, দি; ৫৭ ন্যালডাউন রোড।
          অযুক্তনাথ মুখোপাধাার, ১২ আপার সাকু লার রোড।
৩৬। কুমার শীবুক অকগচল সিংহ বাহাত্র, ১ ছারিংটন খ্লীট।
৩৭। প্রীযুক্ত অর্দ্ধেন্দুকুমার গঙ্গোপাধ্যায় বি, এ, এটর্ণী, ১২। গাঙ্গুলীর গলি, বড়বাঞ্চার।
৩৮। " অশোকচন্দ্র রক্ষিত, ৩ আছিরীটোলা খ্রীট।
৩৯। , অধিনীকুমার বন্দোপাধাার, বাারিষ্টার, ৪৪ বেশেপুকুর রোড।
801 , अधिनीकुमार वस्तु १ त्रामण ही छ।
৪১। " অসিতকুমার মুধোপাধারে, ৪৯ মুক্তারাম বাবুর দ্রীট।
৪২। ু আনিন্দগোপাল হোষ, ৭ রামত মুবস্থর লেন, কাঁসারিপাড়া।
80। ्र जानमारशहन गाहा, c> मुक्तातीय वावुत होते, कानकाछ।।
৪৪। " আশুতোষ চৌধুরী, এম্ এ, বণ রিষ্টার, ৩৯ ওক্ত বালিগঞ্রোড।
৪৫। ু আশুতোষ বড়াল, ৩০/১ ভূবনমোহন বানাৰ্জ্জিব লেন, চোরবাগান।
৪৬। মাননীর বিচারপতি প্রীযুক্ত ডাকার আশুতোষ মুধোপাধ্যার সরস্বতী.
                এম, এ; ডি এল, ডি, এসসি; ৭৭ রসারোড, ভবানীপুর।
89 । मुन्ती टीवर्क जानाम जानी. ১१ करज्वारताछ ।
৪৮। ডাক্তার শ্রীগুক্ত ইন্দুমাধন মল্লিক, এম্ণ, বি এল; এম্ডি, ১০ স্থামাচরণ দের ট্রীট।
৪৯। শ্রীযুক্ত ঈশানচক্র যোষ, এম, এ, ২৭।৩ ওল্ড বৈঠকথানা বাজার রোভ, কলিকাতা।
৫०। " উ'পল্রচন্ত ঘোষ এম এ, अशांशक, মেট্পলিটান ইন্ষ্টিটিউশন
                                                     ২ গুরুপ্রসাদ চৌধরীর লেন।
      প্রীযুক্ত উপেক্রনাথ বর্গী, বি, এ, শিক্ষক, হিন্দুস্কুন, ৫২ গুরু প্রসাদ চৌধুরীর লেন,
            উপেক্রনাথ বন্দ্যোপাধায়, জি. এফ্, কেল্নার এণ্ড কোম্পানীর স্থাপিস,
€2 1
                                                             ८२ (ठोत्रकी (ताफ।
     কৰিবান্ধ শ্রীযুক্ত উপেক্সনাথ দেন, ক) ২৯ কলুটোলা খ্রীট, কলিকাতা।
      প্রীবৃক্ক উপেক্সনাথ দেন, (খ) ৬৯ নিমুগোগামীর লেন।
481
            উমাপতি দত্তজী পাড়ে, বি, এ. উইলকিন্স প্রেস্, কলেন্স স্বোরার।
441
            উদেশচন্দ্র হোষ, এম, এ, বি, এল ১৪ বছবান্ধার খ্রীট।
461
           শতেজনাথ ঠাকুর, ৬ ছারকানাথ ঠাকুরের লেন, যোড়াসাঁকো।
691
            कमनकुक नाहा, ১৮ हुर्गाहत्रव मूर्यानाशास्त्रत द्वीहे, वानवाबात ।
C+1
      পত্তিত শ্রীবৃক্ত কালীকৃষ্ণ ভট্টাচার্যা ৬৮ ১ দীতারাম ঘোষের ষ্ট্রীট।
1 63
      শ্রীযক্ত কালিদাস রায় চৌধুরী, ৫৬ পদাপুকুর রোড, ভবানীপুর।
%• |
            कानीमात्राह्म माह्मान, २० त्राह्मवाना ही।
45 I
```

ু কালী প্রসন্ন চটুরাজ, এম, এ, ৩৪ আগুতোষ দের লেন।

**65** |

## দাহিত্য-পরিষৎ-পঞ্জিকা

èb.

```
এছক কালীপ্রসন্ন বন্দ্যোপাধ্যান, বি, এ, ৬১ সার্পেন্টাইন লেন।
40 |
             কিরণচন্দ্র দত্ত, ১ রামকান্ত বহুর ১ম লেন, বাগবাজার।
68 I
             किल्मात्रीत्माहन हर्ष्ट्राभाधात्र, २ देकनाम नात्मत्र तनन ।
40 1
             কুঞ্বিহারী সেন, ২৮ তারাটাদ দত্তের স্লীট, সিন্দুরিয়াপটী।
401
             কুমারক্লফ দত্ত, ৩২ ৩৩ শিবনারায়ণ দাসের লেন।
69 1
          ু কুমুদনাথ গজোপাধ্যায় ।বं, এ, এটণী, ৮৯ বলরাম দের ব্লীট, বোড়াসাঁকে।
6b 1
             कुनम्किइत त्राव, वि, धन, ६२ कामहार्ट द्वीं ।
431
          ু कुलकुष्ठव बत्नाशिक्षाक्ष, ६৮ मौथात्रीरहाला त्लन, वहवाकात।
90 1
             কৃষ্ণকিশোর শুপ্ত, বি, এ, ২১ গ্রে খ্রীট।
95 1
৭২। ডাকার শ্রীয়ক রুফকুমার হোষ, এল, এম, এম, ও রামরুফদাসের লেন।
       শ্রীযুক্ত রুঞ্চদান বসাক, ৩১ নীলমণি মিত্রের হাট, কলিকার্তা।
901
             ক্লফ প্রদাদ সর্বাধিকারী, এমএ, বিএল, ১৩ ক্লেলেপাড়া লেন, বছবাকার।
98 1
            কেদারনাথ মিত্র, ১৫ কালী প্রদাদ দত্তের খ্রীট, দর্জ্জিপাড়া।
98 1
            ৈশ্বাসচন্দ্ৰ স্ব্যোতিধাৰ্থব, ২০।২ গ্ৰে ষ্ট্ৰীট।
901
             কৈলাসচক্র বহু, বি, এল, (ক) ৫৭ খ্রামপুকুর খ্রীট।
99 1
       ডাকার এযুক কৈলাসচল বস্থা, রার বাহাতুর, সি. আই. ই. (খ) ১ স্থাকিয়া হীট।
95 1
       শ্রীষক্ত কিতীক্রনাগঠাকুর তত্তনিধি, বি, এ, ৬ বাংকানাথ ঠাকুবের লেন।
92 1
             कि ौन (वाष, छुटेकलाम बाकवाजी, शिनिब्रभूत।
b . 1
             कि ठीमाञ्च ठक्कव दी वि. अल, ৮ वालाशमा द्वीरे, स्थानायामा त्र।
P3 1
         ু কিতীশচক্র সেন, এম্, এ, ১১ রাধানাথ মলিকের কেন।
F2 1
             कौद्रामश्रमाम विश्ववित्नाम अम, अ, २७ इत्रमान मिख्यत होते, वाश्याकात ।
104
         ু কীরোদবিহারী পাল, ৩৪৪ আপার চিৎপুর রোভ।
P8 1
            ক্ষেত্ৰমোহন সেন, বি. এল. ৩৭ গোৰাল্টলি রোড, ভবানীপুর।
12 I
             थरशक्तनाथ हाहोशाधात वि. এ. এটবী ७ महनत्यादन हाहोशाधात्त्रत्र तन.
b & 1
                                                                      বোডাগাঁকে।।
           খগেন্দ্রনাথ দে, বি. এ, এটগী, ২৮ কর্ণওয়ালিস ষ্ট্রীট।
         े चरशक्तनाथ मिज, अम, अ, १८। । भामहार्हे द्वीछे।
befor 1
```

- ৮৯। " গগনেজনাথ ঠাকুর, ৬ দারকানাথ ঠাকুরের লেন, যোড়াগাকো।
- ৯ । কবিরাল ত্রীবৃক্ত গণনাথ সেন বিভানিধি কবিভূষণ এল্ এম্ এম্, ১৪ বাশতলা ব্রীট।
- ৯১। ভাক্তার " গিরীজনাথ মুখোপাধ্যার; বি, এ, এম্ বি, ৮০ রদারোড ভবানীপুর।
- ৯২। শ্রীবৃক্ত গিরিশচক্র ঘোষ, ১৩ বন্থপাড়া লেন, বাগবাঞ্চার কলিকাভা।
- ৯৩। ডাঃ , গিরিশচক্র দে, এল্ এম্ এস্, ২াং দক্ষিণ চক্রবৈড়ে রোড, ভবানীপুর।

```
৯९। জীবুক গিরিশচন্ত বন্ধু, এম্ এ, এফ আর এ সি, ( লণ্ডন ) এফ্. সি, এস্।
                                                    ৩৮ অপার-সাকু লার রোড।
          ু গিরিশচন্দ্র রায়, ৮ হোগলকুড়িয়া লেন।
            खर्गळ्यार्थ वस्र मझिक, ১৫।১७ हत्रित्वात्वत्र द्वीठे, विक्रिशाज्य ।
» । नाब श्रीवृक अक्रमान वत्मानीधाव, नारेंहे, अम अ, छि, अन, नि, अहेह छि।
                                                ১৯ বটিতলা রোড, নারিকেলডালা।
        শ্ৰীবৃত গোপালচক্র ৩থ, ৫ মীড্ল্টন বীট।
>1 4K
              (शांभागहता हरहाभाशाम २० (माइनवांभान (मा)
791
          , शानाननाम होधूती, ७२ वीखन हा, निक्तिनाड़ा।
> . . I
              গোবিন্দলাল দভ, ১৮।৩ অক্র দত্তের লেন, বছবাঞ্চার।
3031
              পোলাপচন্দ্র সরকার শান্ত্রী, এম এ ; বি, এল ২০ শাঁথারিটোলা লেন।
>02 1
              গোষ্ঠবিহারী আঢ়া, ১৭ গোবিন্দর্চাদ ধরের লেন, আমডাভলা।
1006
          ু সৌরভূষণ চট্টোপাধ্যায়, ৪৫।৩ সিমলা খ্রীট।
3 .8 1
          " शोतीभक्षत (म, এम এ. वि এन, एकार मीनमणि मिरखत होते।
3 . C 1
          ু - চ্স্রভেষণ মৈত্র, এম এ, ১০৫ প্রে ইটি।
1606
        मात्र औतुक हत्समाधः (धार्य, नाहेते, ৮ हक्षनाथ हत्तिभागात्त्रत्र तम अवामायुर ।
1 6.6
        ডাঃ শ্রীযুক্ত চক্রশেধর কালী, এল্, এম্, এল্, ১৫০ কর্ণ ম্যালিস্ ব্লীট্, হাতীবাগান।
>-11
        এষুক্ত চাক্ষচন্ত্র বস্থু, ২৮ কাণী প্রসাদ দত্তের দ্রীট।
16.6
              ठाक्टल ভট्টाচার্য্য জ্যোতিষী, e শ্রীনাথ দাসের লেন।
33 · 1
          " ठाक्ठक महिक, ১৮ রাধানাথ মলিকের লেন, পটগভালা।
2221
          ্ৰ চাক্ষচন্ত্ৰ মিত্ৰ এম এ, (ক) ভেপুটা ম্যাজিপ্টেট, ৫৩ মসজিদ বাড়ী ষ্টাট.
1566
                                                                      मर्क्किशाका ।
              চাক্চক मिख अम् अ, वि अन्, (४) ৮ हत्रित्यादवत ही।
220 I
          ু চিত্তরঞ্জন দাস এম, এ, ব্যারিষ্টার, ১৪৯ রসা রোভ।
228 I
          ্র চিভকুৎ সাল্লাক, ৭ স্তারবদ্ধের লেন, কলিকাতা।
35¢ I
              চিন্তাহরণ ঘটক, শুক বধির বিভালর, ২৯৩ আপার সার্কুলার রোড।
1066
       রার জীযুক্ত চুনিলাল বস্থ বাহাছর, এম বি, এফ্ সি, এস ;
1866
                                                  ২৫ মহেন্দ্রবস্থার লেন, স্থামবান্ধার।
        ত্রীযুক্ত চুনিলাল রায়, ২৯ শিবনারায়ণ দাসের লেন, বাহির সিমলা।°
>>> 1
          ্ব ছন্নাল রাম, ১২ জীনাথ রামের লেন, চোরবাগান।
>>> 1
          , कशरशन हानमात, २> होना वाशान तनन, कानीशृत (त्राः)
1 . 56
              ব্দগদিজ্ঞনাথ ঠাকুর, ৫১ রতন সরকারের গার্ডেন ব্লীট।
1656
```

```
৬০
```

340 I

```
মহারাজ শ্রীবুক জগদিজনাপ রায় বাহাতুর, ৬ ল্যান্সভাটন রোড, কলিকাতা।
255
        শ্রীবৃক্ত জগর্ম্ব মোদক, ২০ রামকাস্ত বহুর খ্রীট, কাঁটাপুকুর, বাগবাঞ্চার।
1056
        ডाঃ " हर्तनान (म, वि এ, এम वि, ১১ मानिक ठना द्वीछे।
1856
        এর ক জানকী নাথ ঋথ, এম, এ, : ৪ সিক্লারবাগান খ্রীট।
326 1
              জিতেন্দ্রলাল রায়, বি এ, জমিদার, ২ বারাকপুর ট্রান্ক বোড, টালা।
>261
              ভিতেজনাল বন্দ্যোপাধ্যার এম এ, বি এল, ১৪ ছারিসন রোড।
7591
              स्क्यां कि: श्रमान मर्साधिकाती अम अ वि अन, १० माँ थाती हो ना तन ।
324 I
              स्वााजिकतः वत्नाभाषाय, >२ नावित्कन्छका (मन (वाछ।
             ব্যোতিরিন্দ্রনাথ ঠাকুর. ১৯ টোর রোড, বালিগঞ্জ।
             জ্ঞানচক্ষ ঘোষ এম্ এ, ৩ মোহনবাগান ো।
202 1
             জ্ঞানেজনাপ ঘোষ, ৫২ খ্রাগবাজার খ্রীট।
705 1
              জ্ঞানেজনাণ দাস, এম্ এ, বি এল্ ৪ উইলিয়মল লেন ৷
1000
              জ্ঞানেজনাথ বস্থ, বি এল, ৭৮ রসারেছে, ভবানাপুর।
1 80%
              कारनताथ बरन्ताभाधाय वि अन, २३ मनका तनम।
1006
        डाङाद , छात्मक्रमाताद्वन वागठी, अन अम् अम्, >> भिमना है। ।
2001
        শীবুক জানেজনাথ রায়, ব্যারিষ্টার, ৫না৪ পাক খ্রীটা
1 906
              ভারকচক চক্রবন্ধী এমএ, বিএল, ৫২।৫ কাঁসারিপাড়া রে:ড, ভবানীপুর।
70F 1
             তারকনাথ বিশ্বাস, ৪ ডিহি ইটালী রোড।
1 606
              তারকেশ্বর ভট্টাচ ব্যা এম এ, ২০০ হারিসন রোড, কলিকাতা।
58 · I
              ভারকেশর পাল চৌধুরী বি, এল, ১৯ নয়নচাদ দত্তের খ্রীট, দক্জিপাড়া।
1 686
              ভারানাথ রায় চৌধুরী, २०२ কর্ণ এয়: লিস্ ষ্ট্রীট,
382 I
              देवलाकानाथ हट्डोशाधाय, ৮ क्लायनाथ वस्त्र लन।
1 086
              एकिनातक्षन भिक्त भक्त्रभाव, ०७ वनभानी मदकारत्रत द्वींछे।
1884
             नित्नक्ष नाथ ठीकुत्र. ७ चात्र कानाथ ठीकुद्रत (नन, रशाज्। मीटका।
58€ 1
             मीननाथ प्रख अम् अ, >> চোরবাগান বেন।
1486
              ত্র্যাদাস লাহিড়ী, ৩৮।২ ভবানীচরণ দত্তের খ্রীট, সানকীভাঙ্গা কলিকাতা।
1 684
        ক্ৰিরাজ শ্রীযুক্ত তুর্গানারায়ণ দেন শান্ত্রী, ৭০ বেণেটোলা ষ্ট্রীট, শোভাবাজার।
1 486
             দেবেজ্রচন্ত্র মল্লিক, এম এ, বি, এল, ৬৯ সার্পেন্টাইন লেন, বছবাজার।
1 484
             দেবেজনাথ পাল বি এল, ২৩২।২ আপার চিৎপুর রোড।
>4. 1
             দেবেজনাথ বস্থু, ২০ রামকান্ত বত্তর ছীট।
2621
             (मरवस्त्राथ उद्घाठाया, ७० करनजडीरे।
265 1
             (मरवस्त्रनांत्रात्रण मिळ, ee १ ८ठा हीछे।
```

```
১৫৪। और क (मराज अमाम व्याव, > अर जामवाकात होते।
১৫৫ - 🚆 ছারকানাথ চক্রবর্তী এম এ, বি, এলা ৭২ রসারোড, ভরানীপুর।
          ছিজেব্রুনাপ বাক্টী এম্ এ, ১১ সিমলা খ্রীট কলিকাতা।
>691 ...
           ছার কানাথ মিত্র এম্ এ, বি এল্, ২৫ নলরাম সেনের লেন, শোভাবাঞ্র।
5691 ...
          विक्यानाथ मलिक, ১७৪ नातांगनी (वारवत्र हीते।
>661 ...
          ডাঃ বিজেক্তনাথ নৈত্ৰ, এম বি, মেও হাঁসপাতাল, ষ্ট্ৰাণ্ডরোড।
>t>: "
          ় ধনেক্রনাথ মিঞা, এল্ আর সি পি (লওন) ২০ এো খ্রীট।
>901 ..
১৬১। , अञ्जान व्याशत अशना, वि, ब, बहेनी, 8 महनत्माहन हरहोत्रासारत दनन।
১৬২। _ बीরেক্সনাপ দত্ত, ১৩৯ কর্ণ ওয়ালিস খ্রীট।
১৮৩। পশ্তিত শ্রীযুক্ত নকুলেশ্বর বিষ্ঠাভূষণ, ৩০ নকুলেশ্বর ভট্টাচার্য্যের লেন, কালীঘাট।
১৬৪। শ্রীযুক্ত নগেক্সচক্র বস্থ মল্লিক, লোয়ার সাকু লার রোড।
          নগেক্সনাথ রমু পাচ্যবিত্যামহানির, (বিশ্বকোষ সম্পাদক) ২০ কাঁটাপুকুর লেন।
১৬৬। "নগেলনাথ থিতা এম এ বি এল্. ৫৭৩ আপার সারকুলার রোড।
১৬१। ... नाशकानांश बार्श, ६ मरहस वस्त्र रनन।
১৬৮। পণ্ডিত শ্রীযুক্ত নন্দলাল বিভাবিনোদ, ১২ কাশী ঘোষের লেন, কলিকাজা।
১৬৯। ভীযুক্ত নফরচন্দ্র বন্দ্যোপাধার্য ১২ মীর্জাপুর দ্বীট ।
       ্লনরেন্দ্রক্ষার বহু বি এল :৮ বেপেটোলা লেন, পটলভাঙ্গা।
5901
১৭১। "নবেজনাথ ঘোষ, ৭২ বাডন দ্রীট।
১৭২। ু নরেন্দ্রনাথ দত্ত, ৪ ঈশ্বর মিলের লেন, কলিকাতা।
          নরেজনাথ নিজ বি. এল, ৩৪ তেলিপাড়া লেন, খ্রামপুকুর, কলিকাডা।
১৭৪। কুমার শ্রীযুক্ত নরেন্দ্রনাথ মিত্র বাহাছর, ১ ঝামাপুকুর লেন, কলিকাভা।
      ু নরেজনাথ রায় ৩১:১ চুর্গাচরণ ব্যানাজ্জির খ্রীট, তালভলা।
3961
       ু নরেন্দ্রনাথ শেঠ, এম এ, বি এল, ৭৮।৭৯ বীডন ষ্ট্রীট
3991
১৭৭। শ্রীষুক্ত নরেশচক্র সেন শুপ্তা, এম্, এ, বি, এল্, ৬৯,১ সার্পেন্টাইন লেন।
১৭৮। ু নলিনক্ষ সরকার, ১৪ গোয়ালপাড়া লেন, গোয়াবাগান।
১৭৯। "নলিনীকান্ত চট্টোপাধ্যায়, ১ তুর্গাচরণ পিতৃড়ীর পলি, বছবালার।
১৮०। 🚆 निव्नी जूरन श्वर, २ (ठोत्रक्षी (त्राष्ठ, कविकाला।
১৮১। , निनीदक्षन চট্টোপাধ্যाর, এম্ এ, वि এল, ৩০ চুণাপুকুর লেন।
১৮২। " নলিনীরঞ্জন পণ্ডিত, ২ শঙ্কর ঘোষের লেন।
১৮৩। মাননীয় और्क रेमग्रम नवाव बालि छोधुती, ७> कथानी छोला रनन-।
                ু নিবারণচন্দ্র দত্ত, ৮৩ ১ মৃক্তারাম বাবুর ষ্ট্রাট, চোরবাগান।
35-8 I
                ु निवात्रनुख (होधुत्री, २१।) वामाशुक्त (नन ।
366 I
```

```
১৮৬। শ্রীবৃক্ত নিশিকান্ত মুখোপাধান ১২৬ লোমার সারকুলার রোড, টাউন সাইম।
১৮৭। 🕮 वृक्त निनिकास रमन, ७।> त्राक्षनात्रात्रण विश्रारमत रमन।
১৮৮। तात्र शिवुक नोत्रमञ्जूक मन्त्र, ०२ वाशवाकात्र द्वीते।
১৮৯। ডাক্তার শ্রীযুক্ত নীলরতন সরকার এম,এ; এম,ডি, ৬১ হারিসন রোড।
১৯ । जीवृक नृत्वका वत्नात्रात्रांवात्र, अम् अ, > जननाथ नरस्त्र रनन।
           পঞ্চানন মুৰোপাধ্যার ৪৬ বেচ্চাট্র্যের ব্রীট, ঝামাপুকুর।
>>> 1
           পশ্चिमीरमाइन निर्द्यांशी अम्, अ, १५१० क्यांबिष्ट्रांन मिमन लिन।
) NS 1 ...
          পরেশচন্ত্র সোম, ৭৬ অপার সারকুলার রোড।
>>0| "
১৯৪। 🦼 शींठकिष् तम्, ८ खूदन बत्न्हाशीशाद्यत तमन।
১৯৫। , शांबालान वक्, अम, अ, २७ नवाव मि अखागर्य लन।
১৯৬ ৷ " পুরেমুক্তদার বন্দ্যোপাধ্যার এম্, এ, ৫ প্রতাপচন্দ্র চট্টোপাধ্যারের বেন :
>>। , शूर्विक शाश्रामी, अम्, अ, २८ त्राव्रवाशांन हीते।
      ু, প্রকাশচস্ত্র দন্ত, ৭ রামমোহন সাহার লেন।
১৯৯। মহারাজ সার ত্রীযুক্ত প্রভোতকুমার ঠাকুর নাইট,
                                    প্রাসাদ, প্রসন্নকুমার ঠাকুরের খ্রীট, পাণুরেষাটা।
२००। श्रीवृक्त व्यक्तनाथ ठाकूत, > पर्यनातात्रण ठाकूद्वत द्वीर, पाश्रत्वपारा।
২০১। ু প্রবোধচন্ত্র ঘোষ, ২০১১ নয়নটাদ দত্তের খ্রীট।
२०२। कवितास श्रीयुक्त व्यावाधिक विश्वानिधि, ১৫৫ कर्न छत्रानिम् ही है।
                      প্রবোধচন্দ্র হালদার, ৩০ কলেজ ব্লীট।
2001
২০৪। শ্রীযুক্ত প্রমধনাথ চৌধুরী, এম, এ, ব্যারিষ্টার, ২৫ শ্যাব্দডাউন রোড।
२०६। कविशास जीवुक धामधनाथ मात्र श्रेश, ३० श्रतागहाणे हीए।
२०७। डांकांत्र बीवृक्त व्यमधनाथ नन्ती, वन, वम, वम्, ১२ वीखन द्वीछ।
```

२•१ : बीयुक्ट ध्यमधनाथ बरन्याशाधात्र, धम, ध, ४२ ऋकिता हो।

২১০। রার ত্রীবৃক্ত প্রমণনাথ মিজ, ২২৬ আপার সারকুলার রোড। ২১১। ত্রীবৃক্ত প্রমণনাথ মিজ ব্যারিষ্ঠার, ২০৯ লোরার সারকুলার রোড।

२>७। 🦼 व्यवनाथ চট्টোপাধ্যার, ७ महमत्याहम চট্টোপাধ্যারের লেন।

২১৩। কুমার শ্রীযুক্ত প্রমধনাধ রারচৌধুরী, ৩৫।২ বীজন ব্রীট, গোরাবাগান কলিকাতা। ২১৪। ভাক্তার শ্রীযুক্ত প্রসরকুমার রাম, এম, এ, ডি, এসসি, ৭ বালীগঞ্জ সাকুলার রোড ২১৫। শ্রীযুক্ত প্রাণকৃষ্ণ দত্ত, কলিকাতা অনাধ আশ্রম, ১২।১ বলরাম বোবের ব্রীট।

२>२। 🦼 व्यवस्थाय बूटबानाधाव, ५८ कानान द्वीर, हेरानी।

২০ন। " প্রমধনাথ মলিক, ৭ প্রসরকুমার ঠাকুরের দ্রীট।

২০৮। " প্রমথনাথ বিখাস, ৩৪ বীভন ষ্ট্রীট।

```
२>१। " व्यवनाथ बृत्योशीशाव (क) बृतिशाका थाना, वहवास्रात ।
       ু প্রিরনাথ মুখোপাধ্যার, এম, এ; বি, এন, ( খ ) সেক্টোরী, কলিকাতা
                                 क्त्रालाद्रम्म, क्त्रालाद्रम्म विन्धिःम, क्निकाछा ।
      ু ফণীব্রনাথ রায়, ৪৯ বারাণসী ঘোষের ষ্টাট।
२२० । मर्शित्यनाम श्रामाशाम धम, ध, चशानक (श्रीतासनी करनक।
२२)। त्रात्र विवृक्त विविष्ठक मञ्जूनमात्र गारहत, ८० वर्ग ध्यानिम द्वीछे।
२२२। बीवुक विषय हता (प्रमा, अप. अ. वि. अन. २० मीथातीमाछा (ताछ. छवानीभूत)
          वनमानी एड, ७ निवक्क मात्र त्नन, वाजागातका।
२२७।
২২৪। ু বরদাকান্ত ছোষ, ১০ বকুলবাগান রোভ, ভবানীপুর।
২২৫। " বরদাকান্ত মিত্র, ১৮৭ দর্যাহাটা খ্রীট।
२२७। ... वदमामान वस्त, (छश्टी माक्षित्थेहे, ৩৭ निकमात्र वांशान हीहे।
       ্র বর্ষাপ্রসাদ বস্তু, ৭৯ হ্রারিসন রোড।
1955
           बरब्रक्तनान मूर्याभाषात्र, "हेन्निवा" मन्नानक, ४२।> निक्नावभाषा (बाष,
2261 ...
                                                                    ভবানীপুর ৷
        ু বসন্তকুমার বহু (ক), ২৪ ভালপুক্র রোড, ভাঁড়া :
२२३।
        ু বসন্তকুমার বহু (খ) ২৪ রামবাগান ছীট।
२७० |
           বসম্বকুমার বস্থ (গ), এম, এ; বি, এল, ৩২।২ কাঁসারীপাড়া রোড, ভবানীপুর
1605
२७२। " बामाहबन हाह्यापासास, ১৪० कर्न अमानिम हीहे।
         বিজয়চক্র সিংহ, ১৪৭ বার্পেসী খোবের খ্রীট।
२७७।
           বিজরক্ষ রাম, ৯ জগমোহন সাহার লেন. চোরবাগান।
1 805
२७६। कविताक व्यव्यक विकवत्र प्रात कवितक्षत, ६ कृमात्रऐति हीए ।
২৩৬। প্রীযুক্ত বিষয়লাল দত্ত, ২৩:৬ চক্রবেড়ে রোড, দক্ষিণ ভবানীপুর।
        ু বিধুক্তবণ সেন শুপ্ত এম, এ ; শিক্ষক, হিন্দুসূত্র, কলেজ স্বোগার।
२७१।
२०४। .. विनदब्बनांव रान अम्, अ, ४> स्ब्रुश वामात ही।
२०১। " विस्तानविहांत्री वस्न, वि, ज्, ७६२ वांशवानात द्वीरे, कनिकांछा।
२६ • । , विशिवहत्त महिक अम्, अ, वि, अन्, ১৫ जीनाथ मारमत राग वहबाकात
२८)। , विशिमविशाती खर्थ, अम्, अ, ७० निमलना हीते।
२६२। _ विभिनिवहाती निर्वाणी धम,ध, धर्रेणी, ७२ त्रांका बाक्यतहरूत हैिए।
२८७। .. विभिनविशाती वस्त, ७० २ वाशवायात होते।
२८८। तात औयुक विभिनविशाती मिख, २२७ जानात नाक नात त्वाछ।
२८८। व्यक्त विभिनविशाती राम धम, ध, वि, धम्, ৮१ जामशर्ह ही ।
२८७। " वित्यंत्र मृत्यांगांशात्र, ००।>० कानी अनाव वृत्यंत्र है। ।
```

२८१। बीयुक विराध्यत्र माञ्चाम ७ (होधुती तमन, अभिवास्तात ।

२८৮। माननीत औयुर्क विदाविनान ७४, नि, এन, २०१ लामात नाक्नांत साछ।

२८३। श्रीयुक्कविशातिनान वरनगांशाधात्र, धम, ध,

कित् ठाटकिन् करनक, कर्न १ शालिन रकामातः

২৫০। 🕛 বিহারিলাল পাল, বি, এল, ১০৯০১ গ্রে খ্রীট।

२৫)। " विश्वितान मदकात, > ब्रामहान ननीत तना

२०२। ु बीरतसमाथ (बाय, > का निमान निःरहर तन।

२००। " वीद्यश्व द्यात्रामी ७० हानमात्रभाष्ठा द्याष, द्याष्ट्रावाष्ट्री कालीबाउँ।

২৫৪। 🦼 বীরেশর পাঁড়ে, ১৯ বীডন খ্রীট হেত্যা।

২৫৫। রাম শ্রীযুক্ত বৈকৃষ্ঠনাথ বহু বাহাতুর, ১৬৭ নাশিক তলা খ্রীট হেতুরা।

२६७। और्क देवश्रनाथ त्यांष, >२ त्रामकृष्ण भारतत्र त्यन, वाञ्ड्वाशान ।

২৫৭। " ব্যোষকেশ চক্রবর্ত্তী ব্যারিপ্তার, ২৩ পাক খ্রীট, কলিকাতা।

২৫৮। "ব্যোষকেশ মুন্তফী, ১১ থেলাত বাবুর লেন, টাল: কানীপুর পোঃ।

২৫৯। " ব্ৰদ্দাপ চক্ৰ, ২২৪ কৰ্ণ প্ৰয়ালিদ দ্বীট।

২**৬**। 🦼 ব্র**জনান মুখো**পাধ্যার এম, এ, এটর্ণি, নাট্য-মন্দির, হরীতকীবাগান লেন,

২৬১। 🦼 ব্রেক্সেক্সার শীল এম, এ, বি, এল, ৫৩ হারিদন রোড।

২৬২। " **রজেক্রলাল মিজ, এম**, ০, বি, এল, ব্যারিষ্টার, হালধীবাগান রোড।

২৬০। 🦼 ব্রহ্মকিশোর মুখোপাধ্যায়, বি. এ, শিক্ষণ হিন্দুগুল কলেজ স্কোয়ার।

२७८। " ভवानी हत्र वाय, ७ अतिश्म् वन्।

২৬৫। " ভাগবভকুমার গোষামী শাস্ত্রী এম, এ, ২৮ বনসালী সরকারের ষ্ট্রাট।

२७७। " ভূতনার্থ মিক ১৫৯ আহিরীটোলা খ্রীট।

२६१। , जुल्लक्मात वस्, वर वृन्तावन वनारकत त्वन, आहिबीतिना।

২৬৮। 🦼 মণীক্রপ্রসাদ সর্বাধিকারী, ১৩।১৭ জেলেপাড়া লেন, বছবালার।

২৬৯। " মভিলাল ঘোষ, ২ আনন্দ চাটুর্য্যের লেন।

-২৭০। 🔐 **মধুরানাথ মহুমদার** কাব্যতীর্থ কবিচিন্তামণি, ১৮০ মাণিকতলা খ্রীট।

২৭:। **ু মনোক্ষোহন বস্থ,** বি, এল, ৪ গোকুল মিত্রের লেন, বাগবালার।

**२९२। भीवृक्ट मन्नधनाथ एछ, अम, अ, ८० नम्रान**हान परखन ही है।

२१७। क्मांत श्रीमुक मनाधनाथ मिख वाराष्ट्र अधिवात, ७३ श्रामशुक्त हीए।

२१८। और्क मन्नधनाथ मृत्था नाथाम, अम्, अ, ति, अन् ८६ मी कार्भ व हीए।

২৭৫। 🔒 শশ্বশাপ কজ, এম্, এ, ২১ রামকান্ত বস্তুর ষ্ট্রীট, বাগবাজার।

২९७। " यन्त्रपरमाहन वस्, वि, এ, 8 शांकून मिटबन्न त्नन, वानवाकान

२११। , नरस्क कृषांत्र मिखा धम, ध, वि, धन, ४८।> मन्तिनवाड़ी होते।

```
२१४। जीवूक बरहस्त्रनाच रम, धम, ध, वि, धमनि, वहवालात हैिहे।
 ২৭৯। ভাক্তার ত্রীযুক্ত সহেজনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়, বি, এ; এম, আর সি, এস, ( লওন)
                                                                🕒 वीखन होहे।
 २४०। और्क महरूनाथ बुर्थाणाशात्र, ७ मननत्मारुन हर्ष्ट्वाणाशास्त्रत्न त्नाज्ञानारका ।
 २৮> । , बरहज्जान मिळ, २ हाननीयाशान त्राष्ठ, कनिकाछ।।
 ২৮২। 🦼 মুকুন্দলাল লাএক, ৭ সোৱালো লেন।
 २৮७। 🦼 मुकूलनान वसू, ८৮ मीर्ज्जानूत द्वीरे, कनिकाछा।
২৮৪। 💂 সুরলীধর রাম, ১৬ বনমালী সরকারের ফ্রীট, কুমারটুলি কলিকাতা।
২৮৫: ু মুণালকান্তি খোষ, ২ আনন্দ চাটুর্য্যের লেন, কলিকাতা।
২৮৬। পণ্ডিত প্রীযুক্ত মোকদাচরণ সামাধ্যায়ী, ১৬৬ বছবালার ট্রীট ।
২৮৭। প্রীবৃক্ত মোহিনীমোহন চক্রবন্তী এম, এ, বি, এল, ৩১ সীতারাম বোবের ব্লীট।
२৮৮। ... (माहिनीरंगाहन ठट्डांशांशांत्र अम, अ, (क) अहेर्नि, अ तात्रवांशान हैहि, कनिकाछा
२৮ । .. माहिनीरमाहन हाडीभाषाम अभ, अ, वि अन, (४)
                                                    ৫ বেশভলা রোড, কালীঘাট।
२৯ । _ यटंख्यंत्र बल्लाशीयात्र ১०१> कानाहेलाल स्टत्रत त्लन।
२>>। , तात्र यजीक्षनाथ (होध्ती, अम, अ ; वि, अन्, अभिनात्र, वत्राह्मश्रत, कनिकांछा।
২৯২। 🦼 বভীক্রনাথ বহু (ক) এম, এ, এটর্ণি ১৪ বলরাম ঘোরের ব্রীট, কলিকান্তা।
২৯৩। ু বভীজনাথ বস্থ (খ), ১১৪ আপার সারকুলার রোড।
২৯৪। " ষভীশচন্ত্ৰ বস্থু এম, এ, ৩৫।১ বীডন খ্ৰীট, গোৱাবাগান কলিকাডা।
२>६। , यक्नाथ वदांहै. ७० निवनादांद्रण नारमद रनन।
२৯७। , यञ्जाध काञ्चिनान अप, अ ; वि. अन, ४१३ ७८ देवर्रकथाना वाखात कार्ड (स्ता)
২৯৭। রাম ত্রীবৃক্ত বাদবচক্র চক্রবর্তী বাহাছর, ২৩ ফর্ডাইস লেন, কলিকাতা।
২৯৮। প্রীযুক্ত বোগীক্রনাথ বস্থ বি, এ, ১ দর্পনারায়ণ ঠাকুরের লেন, কলিকাতা।
২৯৯। " বোগীজনাথ সৰকার, সিটিবক সোসাইটি, ৩৪ কলেজ ট্রাট।
७००। _ वानीक्षात्राम देशक, अअर मध्वादवत त्नन।
৩০১। " বোগেল্ডচন্ত দন্ত, এম, এ; বি, এল, এটর্ণি, ১৭১ মাণিকতলা ব্রীট, কলিকাজা।
৩০২। " বোগেজচজ বস্থ বি, এ, ৬৩ বেচুচাটুর্ব্যের ষ্ট্রীট।
७.७। , বোপেलनाथ नाम खर्श वि, এ, ( जन्नन ) २० भाक है है, इननी करनालन
                                                               व्यशक, हैं हुछ।।
৩-৪। ু বোগেরনাথ নিজ এন, এ, (ক) ৩৯।১ সিমলা ট্রাট, কলিকান্তা।
৩-৫। , বোগেজনাথ মিল ( থ ), ৪৮ বীভন খ্রীট।
```

৩-৬। কৰিবাৰ ত্ৰীযুক্ত বোগেল্ডনাথ সেন বিভাভূবণ, এন, এ, ৪১ প্ৰাণয়কুমার ঠাতুরের ট্রাট

```
৩০৭। শ্রীৰুক্ক বোগেশচক্র ঘোৰ, ১৩৪ কর্ণওয়ালিস খ্রীট কলিকাতা।
            वसनीत्याहन हर्ष्ट्राभाषात्र, वि, ब, बहेनी, ১१०२ लाबात मार्क् नाव त्वाछ ।
 ৩০৯। , व्यक्तिमाथ ठीकुव, ७ वांत्रकामाथ ठीकुरवद (लग ।
  ७১०। , वदीखनावावन वाव, वम, व, अन्य भिवनावावन नारमव लान ।
         ু বুমাকান্ত ভট্টাচার্য্য, এম. এ : বি. এল. ৬ ল্যান্সভাউন ব্লোড।
  9221
             রুমেশচন্দ্র ভট্টাচার্য্য, ১৬৬ বছবান্ধার খ্রীট।
  1500
         ভাক্তার শ্রীযুক্ত রবেশচক্র রাম এল এম্ এম্, ৩৬।৩৭ ৩৮ আমহার্চ ব্রীট।
 9701
         শ্রীযুক্ত সুসময় মিজ, এম, এ, হিন্দুস্থলের প্রধান শিক্ষক, কলেজ স্বোরার।
  928 1
               बाहेडबन मृत्थानाथााम, ३६ कात्रवाना छ। स तना
  936 1
            ু রাইমোহন বন্দ্যোপাধ্যাম, ৩৫ কলেজ খ্রীট।
  974
            ু রাখালদাস বন্দ্যোপাধ্যার, বি, এ, ৪৫।৪ সিমলা ষ্ট্রীট।
 1 PCO
            ু রাখালদাস মজুমদার, ৭৩ গড়পার রোড।
  9741
            ু রাজকুমার চক্রবন্তী, ৩৪।১ কলেক খ্রীট।
 1 600
            ্লু রাজকৃষ্ণ দন্ত, ৭৬৷২ কর্ণওয়ালিস দ্রীট।
  1 +50
            ু রাজেজনাথ ঘোষ, ১২।৪ বাবুরাম ঘোষের লেন, আহিরীটোলা।
 1 650
              ব্যক্তেরাথ মুখোপাধ্যায়, ২০ বীডন ষ্ট্রীট।
  955 1
         कवित्राच जीवृक द्रारकस्मनादाद्रण रामन, २० वादानती त्यारवद्र हीते।
  ७२७ ।
          এবুক রাজেন্দ্রলাল মুধোপাধ্যার, এম, এ; বি, এল; ১৩ ব্রজলাল মিত্রের লেন।
  1 250
         ডাক্তার প্রীযুক্ত রাধাগোবিন্দ কর, এল, আর, সি, পি: এল, এম, এস্
  02¢ |
                                                              ১০৭ স্থামবাজার ষ্টাট।
  ৩২৬। - ত্রীয়ক্ত রাধাগোবিদ্দ নাথ এম এ, ১১ জহরলাল দত্তের লেন, উণ্টাডিছি।
                রামচন্দ্র মজুমদার, এম্, এ. বি, এল্, ৩৯।৪ স্থকিয়া দ্রীট।
  1 $ 50'
                রামচন্দ্র মিজ বি এ, ১৬ টালা বাগান লেন, কাশীপুর পো:।
  427 I
                রামচরণ মিজ, এম, এ; বি, এশ, ২৩ বেচ্চাটুর্যোর খ্রীট, ঝামাপুকুর।
  1 650
            ্র রামদাস মুখোপাধ্যার, রাজা সিউবক্স বগলার লেন, টালা।
  99. 1
            ু বামলাল ৰন্দ্যোপাধ্যার, ১৪ রামধন নিজের লেন, ভামপুকুর।
 9931
            ু রামহরি ভড়, বি, এল, ২৩ রামমোহন সাহার লেন, ভাঁড়ীপাড়া।
  1 500
                ब्राट्सल्ख्यमञ्ज ब्रिटवरी, अम, अ, ४ मध्यमन अरथेत रजन।
  9991
          माननीत जाकात जीवक तानविहाती द्याव, वम, व ; जि, वन ; मि, जाहे, हे,
  998 1
                                                                8७ विद्वितेष द्वीछ ।
```

শ্রীবৃক্ত ক্লড্মল গোরেন্কা, ৫৭ বড়তলা ট্রাট, রড়বাজার।

ললিভকুষার বল্যোপাধ্যার, এম, এ, ৭০ অথিল মিল্লীর লেন। 906

```
প্রীবৃক্ত ললিডচক্র মিজ, এম্ এ, দীনধাম, ৩১।৩ মদনবিজের লেন্।
 1 PCC
               ললিতমোহন বোষাৰ, ২০৫ আপার সারকুলার রোড়।
 30b 1
               ললিতমোহন চট্টোপাধ্যায়, ৪ নীলমণি সরকারের লেন।
 1 600
               ननिउद्गाहन मिक्रक, २० नानवाजात ही है।
 980 |
              ললিতমোহন রক্ষিত, ১৪ খ্রামপুকুর লেন।
 985 1
               শরচন্দ্র খাঁ এম্ এ; বি এল্, ২৩ গোরাবাগান লেন।
 985 1
               भव्रक्रक्ट र्याय स्मिनिक, २२ मीव्रक्षांकर्न (नन।
 1 686
              শরচন্দ্র মজুমদার, এম, এ, ৫০ কর্ণপ্রালিস ব্রীট।
 988 1
               শরচন্দ্র মলিক, ৪৩ ক্যাথিড়াল মিশন লেন।
 98€ 1
              শরচন্দ্র রায় এম্বি, এইচ্ এস্ ৫৭ আপার সারকুলার রোড।
 385 I
              भवकक्त बाब कोधुद्री, अम. a : वि. अम. > वक्नवांभान द्वांफ, कानीचांहै।
989 1
              मिनियम वत्नागीयाम्, २००१०२ कर्ववमानित्र हीते।
08F |
              শশিভূষণ চক্রবর্ত্তী, ৭৩ মাণিকতলা খ্রীট।
98≥ 1
        ডাক্তার শ্রীযুক্ত শশিভূষণ মিত্র, এম বি ; বি, এস্ সি, (লণ্ডন) ৩৬ ওয়েলিংটন ব্রীট।
OC . |
        শ্রীযুক্ত শশিভূষণ সরকার, এম্, এ, ৩০ পটুয়াটোলা লেন।
9651
               শশিভূষণ স্থর, ১৪।১ ডফ খ্রীট।
965 1
             শিবচন্দ্র দেব, বি, এল্, ৭৮ মনসাতলা লেন, থিদিরপুর।
9691
              শিवनाथ वन्न, १२।२ मुक्ताताम वावृत शिष्ठ।
9281
        পণ্ডিত শ্রীযুক্ত শিবনাথ শাস্ত্রী, এম্, এ, ৯২।৩ আপার সারকুলার রোড,ভবানীপুর।
OCC |
        প্রীযুক্ত শিবাপ্রসন্ন ভট্টাচার্ঘ্য, বি এল্. ৫ রামকান্ত মিস্ত্রীর লেন।
9491
              শৈলেজনাথ বহু, ১৪ বল্লাম ঘোষের দ্রীট।
9691
              देनरमान्य मञ्ज्ञमात्र, २० कर्व अत्रामित द्वीछे।
OCF !
৩১৯। ডাক্তার ত্রীবৃক্ত ভাষণকৃষ্ণ বদাক, এল, এম, এদ, ৪১ রতন সরকারের গার্ডেন লেন।
           ্র স্থামলাল দাস, ২৪ সাউথ রোড, ইটালী।
960 I
           ্ৰ স্থামলাল বস্থ, ৮২ স্থামবালার ব্লীট।
0621
          ্র স্থামাচরণ গঙ্গোপাধ্যার, বি, এ; ১৩৬ কর্ণওয়ালিস ব্রীট।
985 |
          ্র স্থামাচরণ পাল, ১৫ ছিদামমুদির লেন।
960
           ু ভাষাপ্রসন্ন মজুমদার, এম্, এ, বি ; এল, ১৯ শাঁধারীপাড়া রোড, ভবানীপুর
0681
        রাম শ্রীমুক্ত শ্রীনাথ পাল বাহাতুর, ৫৩ মীর্ক্তাপুর ষ্ট্রীট
966 |
               ু বোড়শীচরণ মিজ, এম, এ; বি, এল, ৮৫ গ্রে খ্রীট।
900
        শ্ৰীৰুক্ত সভীক্ৰসেবক নন্দী, ১৭ সিকদারবাগান ষ্টাট।
949 1
              সভীশচন্ত্ৰ বোৰ, বি, এল্, (ক) ৮ চক্ৰনাথ চাটুৰ্বোর ব্ৰীট, ভবানীপুর।
946 I
```

460

```
শীবুক সতীশচন্ত্র বোষ, বি, এ, (খ) ১ নিমকসহল রোড, থিদিরপুর।
৩৭০। ভাকার শীবুক সহীশচক্ত দত্ত, এল, এন, এন, ২ কলেজ ট্রীট।
        প্রীযুক্ত সভীশচন্ত্র পালচৌধুরী, বি, এ, এটপী, ১১৩ রো ব্রীট।
           ু 🖣তীশচন্দ্র বন্ধু, ২৬।১ নিউরোড, ভবানীপুর।
        মহামহোপাধ্যার ডা: প্রীযুক্ত সতীশচক্র বিশ্বাভ্বণ এম্, এ, পি, এইচ্ ডি,
999
                                                        >> शांविक्का त्रात्मत (ग्राम)
        প্রীবৃক্ত সতীশচন্দ্র মুখোপাধ্যার, ১০ জানন্দ চাটুর্য্যের গলি, বাগবান্ধার।
998 1
               मञीनहत्व मृत्थाभाषात्र, वम, व, वि, वन, अ। शनवनात्रात्रन नारमत्र तनन ।
994 1
               সত্য চরণ গুহ, ৬৬।১ মস্কীদবাড়ী খ্রীট।
496 I
              সভ্যপ্রসর মজুমদার, এম্ এ, বি এল্, ১১।৪ গোবিন্দচক্র সেনের লেন।
9991
              সত্যভ্ৰণ বন্দ্যোপাধ্যাম, ১৫।২ রঘুনাথ চাটুর্যোর ব্লীট।
997
        कुमात्र औरुक मठाहर्स रवायान वाराछत, ज़रेकनाम ताकवाती, थिनित्रभूत ।
1 600
        শ্ৰীযুক্ত সত্যেন্দ্ৰনাথ ঠাকুর, ১৯ ষ্টোর রোড, বালীগঞ্জ।
               সমরেজনাথ ঠাকুর, ৬ ছারকানাথ ঠাকুরের লেন।
9 1
        ডাঃ ত্রীযুক্ত সরসীলাল সরকার এম্ এ ; এল্ এম্ এস্ ১২১ কর্ণভয়ালিস্ ষ্ট্রাট।
9
        শ্রীবৃক্ত সাতকড়ি চটোপাধ্যার সিদ্ধান্তভূষণ, ২৫ আহিরাটোলা ব্রীট।
OF 0
        মাননীয় বিচারপতি ত্রীযুক্ত দারদাচরণ মিত্র, এম্, এ ; বি, এল্, ৮৫ প্রে ব্রীট।
Ob 8 |
        শ্রীযুক্ত সারদা প্রসাদ সেন, ৪৯ কাঁসারীপাড়া রোভ, ভবানীপুর।
৩৮৮। পণ্ডিত ু সীতানাথ কাব্যরত্ব, ২২ বিস্থাসাগর খ্রীট।
           ু স্থাীজনাথ ঠাকুর, বি, এল, ও ছারকানাথ ঠাকুরের লেন.।
             স্থবোধচক্র মহলানবিশ বি, এস্ সি ; এফ, আর, এস, এস,
9
                                                              ২> কর্ণপ্রালিস ব্রীট।
        বীবৃক্ত স্থরেন্দ্রনাথ অধিকারী, ৩৩ বস্থপাড়া লেন, বাগবান্ধার। .
               च्रातकार्थ (म, वि, এ, ৩৮।> नीममनि मिराबद्ध होते।
        ভাক্তার " स्ट्राञ्चनाथ वस्, এन्, এम्, এम्, ১ नेथत्रठोकूत्त्रत तनन, मर्क्किशाए।।
             স্থরেক্তনাথ ঠাকুর, বি. এ, ১৯ ষ্টোর রোড, বালীগঞ্চ।
932 |
        षाकांत्रं बीवृक्त श्रात्र सनावं मूर्शिशास्त्रं, वन्, वम्, वम्, उर श्रीनक्क
1060
                                                         মুখোপাধ্যায়ের লেন, টালা।
        প্ৰীযুক্ত হুৱেন্দ্ৰনাথ সান্ধকী গোখামী, দক্ষিণসিঁতি
1 860
                                                    জানদারিনী চতুস্পাঠী, কাশীপুর।
        এবুক স্থারক্রনাথ সেন কবীক্র, ১৬ বাররারীতলা রোভ, বেলেঘাটা।
               क्षांक्रमात्रावर्ग मिक्र धव् ध, ১।० भवत्र शास्त्र (सन्।
```

```
বীবৃক হরেক্সনারারণ সিংহ চৌধুরী, বেক্সল সোপফ্যাক্টারী মেছুরাবাজার হীট।
                                 स्रात्रभव्य ७४, धम्, ध, १२ इन्तिमन् त्राष्ठ ।
460
                                 স্থরেশচন্ত্র বোৰ ১১৭।১ বছবাজার খ্রীট।
1 660
                                 স্থরেশচন্দ্র বিশ্বাস ব্যারিষ্টার, ৩৪ বীডন ষ্ট্রীট :
800 |
                                 স্থরেশচন্দ্র মুখোপাধ্যার, এম, এ, এটর্ণী > শ্রীনাথ দাসের লেন, বছবান্দার।
8 • 5 |
                                 হুরেশচন্দ্র সমাঞ্চপতি, ২।১ রামধন মিত্রের লেন, শ্রামপুকুর।
8 - 2 1
                                 र्थां भर वत्नाभाषां म, वि. अन्, २ । ) वनमानी महकारत्र होते ।
8.0
                                 হরপ্রসাদ চটোপাধ্যায়, এম্, এ, বি. এল: ১৯ তুর্গাচরণ পিভুরীয় লেন।
8 . 8 1
                  क्वित्राक औत्क रत्रनान ७४, 8 वाव्त्राम त्यारमत तनन, व्याहितीरिना ।
8 . ¢ 1
                                 হরিচরণ বস্থা, ৭১ পাথুরিরাবাটা খ্রীট।
 8 . 4 1
                                 হরিচরণ সর্থেল বি, এল, মাণিকতলা রোড।
8 . 9 |
                        " হরিপদ চট্টোপাধ্যার, ৮ হেরছচক্র দাসের লেন।
8.51
                        ু হরিভূষণ মুখোপাধ্যার, বি, এল্, ১ জেলেপাড়া লেন।
8.51
                        " হরিনাথ দে, এম. এ. ৩• বাহির মির্জাপুর রোড।
8>0 |
                        " হরিহর বন্দ্যোপাধ্যার বিষ্যাভ্যণ, এম এ,
1668
                                                                                                               থং পিয়ারী দাসের লেন, রামবাগান।
                                 श्रात्रां विकास विकासिक विकास कार्या 
8>21
                                                                                                                     ১৯ ষ্টাতলা রোড, নারিকেলডালা।
                        🍍 হরেক্তনাথ মুখোপাধাার এম্, এ, বি ; এল্, ১ হরীতকীবাগান লেন।
1068
                  শীবৃক্ত হিতেন্দ্রনাথ ঠাকুর, ও বারকানাথ ঠাকুরের লেন।
1868
                        " হীরেজনাথ দত্ত বেদাস্তরত্ব, এম্, এ, বি, এল্, এটণী, ১৩৯ কর্ণওয়ালিস ষ্টাট।
854 1
                  পশুত " হাবীকেশ শাস্ত্রী, ৯।৬ পটুয়াটোলা লেন।
834
                            হেমচক্র দাস ৩৪, এম, এ; এম, আর, এ, এস,
859 1
                                                                                                                              ৭১। হ ক্যাথিড । ব মিশন কেন।
                       " হেমচন্দ্র বস্থু, ১৮ কড়িরাপুকুর বেন।
871
                        " হেমচন্দ্র মিজ, ১৯ স্থামপুকুর লেন, ৷
8521
                        " द्राक्षनाथ रान, वि, धन, १७ मन्किमबां ही हैि।
82.
                        " (रतिस्थाना दाव, वि. এ, ১०७२ स्नामवाकात है। ।
84% |
```

## ( भ ) भक्षन ।

> 1	শ্রীযুক্ত	অক্ষকুষার চট্টোপাধ্যার, এম্ এ, হেডমাঠার, রিপণ কলিজিয়েট কুল,
		হাও <b>ড়া</b> ব্ৰাঞ্চ, হাওড়া।
२ ।	19	অক্সকুমার সেন, ডেপ্টা ম্যাজিট্রেট, চট্টগ্রাম।
91	,,,	অবিশকুমার চটোপাধাার বি এ, ডেপুটা কালেক্টর, চট্টগ্রাম।
8 1		অভুলচক্র খণ্ড, বি এ,চিফ্ সেক্রেটারীর আফিস, বর্গা-সেক্রেটেরিয়েট,রেশ্বন।
<b>e</b> .1	,	অধরচক্র মিত্র, বি, এস্সি, কর্ণেলগঞ্জ, এলাহাবাদ।
•1	39	অন্দ্ৰোহন লাহিড়ী, এল্, এল্, বি, আসিষ্টাণ্ট সেট্ল্মেণ্ট অফিসার,
		वनभारे खड़ी।
41	29	व्ययुक्तत्व हटहानाशाव, नव् द्विद्धाव, नाक्ष, हे, व्याहे, व्याव, न्ननाहेन।
١٦	n	अञ्क्षाठळ माञ्चाल, षाः वि, ति, मान्नाान आमिहा है मार्कातत्र वामा,
		ডিছি ক হাঁদপাভাল মথুরা, উত্তরপশ্চিম।
9	**	অরদাচরণ দাস ওপ্ত, হেড ্ক্লার্ক, জব্দ আদালত, রঙ্গপুর।
•	39	অরদাপ্রসাদ সেন, জমিদার, রাধাবলভ, রঙ্গপুর।
) (	19	অবিনাশচন্ত্র শুপু বি, এ, নারেব, জালালগঞ্জ কাছারী, দেউলপাড়া পোঃ
		त्र <b>ण</b> श्च ।
R 1	. 29	व्यविनामहत्त्व मात्र, अम्, अ, वि, अन्, व्याक्तिमशक्ष, मुत्रमिनावान।
9	29	ব্দবিনাশচন্ত্র বন্দু, সব-বেজিষ্ট্রার, পিকলা, মেদিনীপুর।
186	91	<b>অবিনাশচন্দ্র মিত্র, জিলোচনপুর, পোঃ বিপিননগর, যশোহর।</b>
<b>1 3 c</b>	29	चमद्रनाथ, मञ्ज, वि, এम, উकीन, वर्कमान।
1.	29	অমরেজনাথ পাল চৌধুরী, বি, এ, ডেপুটা কালেক্টর, বলোহর।
1 P	20	অম্লাচক্র গোবামী, বি, এ, শ্রীরামপুর, হগলী।
146	20	অমৃতলাল বস্থা, বহরমপুর, মুরলিলাবাদ।
۱ د		অমৃতলাল শীল, এম, এ, নিউ লেন, হায়দ্রাবাদ, দাক্ষিণাত্য।
<b>!</b> •!	10	অধিকাচরণ চৌধুরী, হরিপুর, বড়বাড়ী, পাবনা।
<b>1</b> < 5		অধিকাচরণ মজ্মদার এম্, এ, বি, এল্, উকীল, করিদপুর।
२ <b>२</b> ।		অভিকাচরণ মুখোপাধ্যার, বি, এল, সাবজজ, বর্দ্ধমান।
201	*	অধিকাচরণ রাম এম্, এ, বি, এল, উকীল, থাগড়া, বহরমপুর।
188		অবিনীকুষার সেন, সম্পাদক পীতাধর লাইবেরী, সেনহাটী, খুলনা।
<b>1</b>	दृन्गी	আক্তাবউদীন মণ্ডল, পূর্ণনগর, রকপুর।
<b>1 9 1</b>	39	व्याकान्छेत्रः कविवाल, गाहिशक, त्रकशूत ।

```
শ্রীযুক্ত আগুডোষ বস্থা, মোক্তার, যশোহর।
29 1
             আগুতোষ লাহিড়ী বি, নি, ই, ডিষ্ট্রিক্ট ইঞ্লিনীয়ার, রঙ্গপুর।
211
             हेळ्नाथ वत्नाभाशाम दि, धन, शमाहिकृती, वर्षमान ।
165
          " ইন্দ্রনারায়ণ চট্টোপাধ্যায়, মুলুটি রাজবাটী, সাঁওভাল পরগণা।
             উপেক্রচক্র খোষ, মাহিগঞ্জ, রঙ্গপুর।
       শ্রীবৃক্ত উপেক্ষচক্র চৌধুরী, সেরপুর, বস্তুড়া।
             উপেक्तनात्रात्रण वाशही, हाहेश्रीहे श्रामाधी, क्रक्षनशत ।
99 1
৩৪। রাম " উপেজনাথ কাঞ্চিলাল সাহেব এফ, এল, এস, এক্ট্রা ডেপুটী
                                         कनमात्ररू होत अव करत्रहे. निवमागत, आमाम।
       রার শ্রীযুক্ত উমাকান্ত দাস বাহাছর, আগরতলা, ত্রিপুরা।
             উমেশচल पाय वि, এन. डेकीन, ছाপর।।
961
             উমেশনারারণ চৌধুরী, জমিদার, পো: ভারেকা পাবনা।
99 1
           মুনশী এ, আই, সাবের, গাইবারা, রক্ষপুর। .
3b |
             মুন্শী এনায়েতৃলা মহামদ, বেতাগাড়ি, রলপুর।
02 1
             ककंगाक्यात एख खश धम ध, वि, हे, फिष्टिके हेक्किनीबात, पिनायमूत ।
8 . !
         " कक्रनामम हत्होत्राधाम, मन्त्राहक विश्वामांत्रत गाहेत्वत्री, वामिनाबाह, गरको।
851
         " কামিনীনাৰ রায়, থড়মপুর, পো: ভাণ্ডারডিহি, বর্দ্ধমান।
88 |

    कालिनाम ठळवर्खी, माव् द्रिकिक्षीत्र वासूत्रवाह, मिनासभूत्र ।

851
       त्राब औवुक कालिकानाम नख वांहाइत, वि, थ ; मि, बाहे, हे, रमखतान
88 |
                                                      কুচবিহার রাজবাটী, কুচবিহার।
         " কানীকান্ত বিশ্বাস, পুলিসের সাবইন্স্পেক্টর, পলাশবাড়ী, রঙ্গপুর।
84 1
          " কালীকৃষ্ণ ঘোষ, ভূতপূর্ম পুলিস ইন্স্পেক্টার, বালীগাঁও,
861
                                                             हिटलां हिन्ना, यत्रमनिश्ह।
         " কালীপদ বস্থ (ক) বি, এল, উকীল, মীরাট।
891
             কাদীপদ বস্থু, (ধ) এম, এ, ঢাকা কলেজের অধ্যাপক, ঢাকা।
84
             कानीत्मारून तात्र कोधुत्री, (शक्नन-धाश मूत्मक् रुतित्मवभूत्र, तक्षभूत्र।
821
             कानीत्रश्चन नाश्चिती, भानपर।
€ • 1
            কিরণচন্দ্র দে, সি, এস্, শিলং, আসাম।
431
            कित्नात्रीत्माह्न कोधूत्री वि, वन्, डेकीन, व्हाड्मात्रा, ताक्नाही।
CR!
         " কিশোরীমোহন সিংহ, বিখাসপাড়া, জেমো, কান্দী, মুরশিদাবাদ।
601
         " किट्मात्रीटमार्न रामगात, मास्थिक, त्रमभूत ।
€8 I
```

কুৰুদনাৰ চটোপাধাৰ ইছাপুর, ব্যাতোড়, হাওড়া।

CC 1

```
সাহিত্য-পরিষৎ-পঞ্জিকা
             কুষ্দনাথ চৌধুনী, সেরপুর, বগুড়া।
             কুসুৰদ্ধ বহু, উ রারী, ঢাকা।
491
         " क्रियूपतक्षम महिक वि, a, ह्छ्मांद्वीत, माथक्रण क्रुणः, देक्ठव (भः, वर्क्षमान।
eb |
      बाब जीवृक्त क्रमुमिनीकांख बरन्मांशांशांत्र बाहाछ्त, अम, अ, बासमाही
                                                        करमास्त्र अशक, द्वानिशा।
      প্রীযুক্ত কুলদা প্রসাদ মুখোপাধাার, বি, এল, উকীল, বাঁকুড়া।
             कृष्कतम छहे। हार्या, ध्रम, ध्र, हारू। करना करना अधारिक, हारू।
45 1
            কৃষ্ণনাথ দেন, জমীদার, কালীতলা, দিনাজপুর।
62 |
         " (क्लाबनाथ मक्स्माब, स्नाबिट छेट छे, नि, छव् नि छे, छि, क्ठविश्वा।
40 I
            (क्लाबनाथ रान, क्रमिलाब, राथाः माकबारेन, मग्रमनिश्रः।
48
      রার শ্রীবৃক্ত কেদার প্রসর লাহিড়ী বাহাত্র, জমিদার কাশিমপুর, রাজসাহী।
             क्भात औषुक क्वीकात्रीनाथ तात्र टिर्भूती वाश्वत, व्यवशाही, बाक्नाही।
661
           ক্ষেত্রনাথ ঘোষ, বরিশাল।
49 1
         " क्लांब व्यापिशांब, (भाः महात्त्वभूत, त्राक्ताही।
46
         " থগেজনারায়ণ দাস, ধাপ, রঙ্গপুর।
451
         " গঙ্গাপ্রসন্ন ঘোষ, পাচপুপী মুরশিলাবাদ।
90 1
             গণেজনাথ পণ্ডিত, মাহিগঞ্জ, রঙ্গপুর।
151
৭২। সাননীয় মহারাজ জীযুক্ত পিরিজানাথ বার বাহতের, দিনাজপুর।
             গিরীক্সমোহন মৈত্রেয়, শ্রীযুক্ত রূপাস্থকর চৌধুরীর বাড়ী, বপ্তড়া।
101
         " গিরিশচন্দ্র লাহিড়ী, এক্জিকিউটার নাটোর রাজ এটেট, ছোট তরক,
98 |
                                                               তাহিরপুর, রাজশাহী,
         " শুরুষাস সরকার এম্, এ, সাব্ডেপ্টা কালেক্টর, লালবাগ, মুরশিদাবাদ।
96 1
         " (शारमारकश्व व्यक्षिकाती, म्बर्भूत, वश्रुष्।
701
            গোপালচন্দ্র ঘোষ বি, এ, ভালহাট হাইস্কুলের প্রধান শিক্ষক,
991
                                                                  মাহিগঞ, রক্পুর।
         " গোপালচন্দ্র দত্ত, শান্তিকূটীর, বন্তীর, বর্দ্ধমান।
961
         " (शाहेविहात्री तम, बि, अन, मूत्मक वत्नामार्यानात्र, त्राहेशूत
101
                                                      ভায়া ভাটপাড়া, বি, এন্, আয়,
         " ठखीठत्रव वरन्गांशाधात्र वागांठ्या, माहिशूत, नमीत्राः
      कुषात श्रीकृत्क बननानाथ बाबराहेथुवी वाराहत, हवनहाति, बाबनाही।
            ठळकिरमात्र छत्रक्मात्र, वि, এ, ख्शाद्विरकेट अग्रे तामरगाभानभूत रहेते,
b3 |
                                                   (भाः बामरभागामभूकं, वक्रवनिरह।
```

```
🖄 যুক্ত চন্দ্রকার দরকার, এসিঃ ইঞ্চিনীয়ার, পি, ডব্রিউ, ডি, পেও, এন্ধ।
P3 1
             ठळरमा€न रमन, वात्मम (ऋष. ठछेश्राम।
8 1
             চারুচন্দ্র চট্টোপাধ্যার धৃষ্, এ : বি. এল, ডে: মা: বারাসভ, ২৪ পরগণা।
             हाक्ठिक द्वाव, वनशाम, गरभाइत।
b6 |
            চুণিলাল রাম, পোসিমাল এক্সাইজ ডেপুটা কালেক্টর মুক্তের।
691:
      ডাঙ্কার শ্রীযুক্ত জগচন্দ্র নাথ এন, এম্, এস্, কঞ্চনগর।
       শ্রীবৃক্ত জগদীশনাথ মুখোপাধ্যায়, মহাফেজ, জজ আদালত, রঙ্গপুর।
P > !
             कशनीयत तिरह, वाचडाका, त्याः टक्टमा, जामा काकी, मूर्तिनावान।
3 . 1
             मूनभी अभोककीन गारं।, (आठमात, (वठाश्रक्ति क्रम्पूत !
2) |
             জন্মগোপাল দে, স্বসমূহের ইন্স্টোর, ঢাকা।
25 |
             बिटबल्नाम वरन्ताभाषात्र, ०१० क्षत्रकृष्ण वरन्ताभाषार्वत भाग, हा अङ्ग
106
         " পিতেজালাৰ ক্ষ এম্, এ ; বি, এল, উকীল, বাঁচী :
28 1
            कौरवक्तक्मात पछ, "माथनाक्श्र", चाउँ कत्रहापरवन, ठाउँश्राम ।
94 1
             ক্ষোতিভূৰিণ ভাহড়ী এম্, এ, এফ্, সি, এস্, অধাপক, পাটনা কৰেজ,
391
                                                                         वंकिश्व।
        " জোাতীক্রমেহেন রার চৌধুরী, জমিদার, রাধাবরভ, রঙ্গপুর ।
291
            জ্যোতিশ্বর বন্দ্যোপাধ্যার, মধারাজার বাড়ী, ছারবঞ্চ।
71
         " জ্যোতিশ্চন্দ্র খোষাল, বি, এ, বালুগঞ্জ, আগ্রা।
166
            ক্যোতিশ্চন্ত চট্টোপাধ্যায়, কণ্ট্রাক্টর, বালেখর
> · · |
            জ্ঞানশঙ্কর দেন, ভৃতপূর্ব্ব ছেপুটা ম্যাক্সিট্রেট, ঢাকা।
3031
             জ্ঞানেজ্রনাথ খোষ, জলের কলের ইন্স্পেক্টার, দি মল, কাণপুর।
3.31
        কুমার শ্রীযুক্ত জ্ঞানেক্রচক্র পাঁড়ে "আলর" পাকুড়, সাঁ ওতাল পরগণা।
1006
        ভাক্তার ত্রীবৃক্ত জ্ঞানেজনাপ মিজ, এল্, এম্, এস্, মোরাদপুর কটেছ
> 8 1
                                                                (योतामभूद, भावेना।
        এবুক জানেন্দ্রনোহন দাস, 'প্রয়াগ সাহিত্য-মন্দির', সাহাগঞ্চ, এলাহাবাদ।
3.¢ |
               মহাশন ভারকনাথ ঘোষ, চম্পানগর, ভাগলপুর।
3041
              खातानम हर्ष्ट्री नांध्यात्र, मखनारे नाहिखा-मजात्र मन्नामक, हेनएहांवा
>-91
                                                   मधनाहे, (भः हेनस्थाना, हशनी।
              ভারা প্রন্ন মুখোপাধ্যার, ভদ্রকালী, পো: উত্তরপাড়া হুগলী।
>-11
              देवत्नाकानाथ भूरथानाथााव, अम्, अ, वि, अन्, २०० त्रामक्ष्मभूत रनन,
1606
                                                                          राडका।
              द्विरमाकां नाथ बक्षिक, ज्यामुक, (यमिनीभूत।
330 1
```

```
48
                                                      সাহিত্য-পরিষৎ-পঞ্জিক
                 জীয় के बागबर्गि সিংহ, হোমিওপ্যাথিক চিকিৎসক, দেবীপুর, বদ্ধমান।
                              দীননাথ গলোপাধ্যায়, ১৬ গণেশ মহলা, ব্রহ্মকুণ্ড, কাশী।
 225 1
                           ় ছর্মাদাস রাম, নবাব হাইস্কুলের শিক্ষক, মুশিদাবাদ।
 1066
                              क्र्यामान बाब (होधुबी, वाक्ट्रेश्चब, २८ প्रवर्गा।
 3341
                           ্দেবকুমার রাম্ব চৌধুরী, জমীদার, বরিশাল।
 1 366
                              দেবনারারণ বে।ব, পি, ডব্লিউ, ডি, বালেশর:
 3391
                             (परवक्षाठक बाब (ठथुवी, व्यरवाधााशूव, नामभूव, वक्षशूव।
 339 I
                             দেবেজনাথ দত, দেওৱান হাতোয়া রাজ, হাতোয়া।
 3361
                             দেবেজনাথ বস্ত্র, এমৃ, এ, কৃষ্ণনগর কলেজের অধ্যাপক, গোরাড়ী কৃষ্ণনগর।
 16.6
                             দেবেজ কুমার মিজ, ভেপুটী ম্যাজিপ্টেট, চট্টগ্রান।
 3:01
                             म्हिट क्रिक्ट कार्य क्रांब, जानुकमात्र, विज्ञान्त्र, हत्रभाष्ट्रा, अवस्मित्र, हिंदे क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक क्रिक्ट क्रिक क्र
252 1
                            (मरवस थनाम बाब, एअपूर्ण, माञ्जिट्डेरे, क्रांत्रभण्दा।
1 556
                             দেবেশচন্ত্র পাক্ডানী, হুল, পাবনা।
1056
                             चात्रकानाथ तात्र, वि, এन, क्रिमात, शीत्रशक्ष, तक्षश्रत।
>28 I
                             बिटममञ्च ठक्कवली, अम्, अ ; वि, अल, भोतीशून, जानाम।
3 2 C |
                             नरशक्तनाथ खश्चे. जनावावाम ।
32 W I
                             নগেজনাথ রাম, তালুকদার, থিতপুর, চরপাড়া পোঃ, মমমনসিংহ।
1 656
                            নপেজনাথ বর্ণার, এম, এ, বি, এল, অধ্যাপক দেওটজন্ম্ কলেজ, আগা।
>2F 1
                             নগেন্ত্রনাথ সেন, বি, এল, উকীল, খুলনা।
1656
                             নন্দকুমার চাকী, হরিপুর, পোঃ কালীরবাঞার, স্থন্রগঞ্জ, রঙ্গপুর।
300 1
                             नदीनहत्त मात्र कविश्वनाकत्र धम, ध, वि, धन, एप्रुही मार्गक्ट हेह, (नावाथानी।
1606
                             নরেন্দ্রনাথ রায়, এম, এ, তেজনারায়ণ জুবিলি কলেজের অধাক্ষ, ভাগলপুর।
705 1
                ब्रांका औषुक नरबक्तनान थान वाराइब्र, नाज़ारकान, रमिननीश्व।
1004
                প্রীযুক্ত নলিনীমোহন ঘোষ, বাড়িয়া-সন্মিলনীর তত্ত্বধারক, ভাওয়াল-
1 806
                                                                                                                         ব্রান্ধণগাঁ, পোঃ ঢাকা।
                             नावाबनहरू मान, त्मवभूत, वश्रा
556 1
                            निधिननाथ द्राव. वि. এन. এट्यांद्रा. द्रापीशक ।
1006
                            निवाबन्द्रस ভট्টाहार्या, मीनहाँही खून, कुहरिद्ध ।
1 90 6
                            निनिकार तन, धम, ध, तने शिरमम् करनरका अशानक, मिली।
                            नीनकाञ्च द्राव, अभिनात, त्थानवानभूत, त्शांकर्ग, पूर्णिनावान।
709 1
                            নীলব্ৰতন সুখোপাধ্যায়, শিবচক্ৰ হাইস্কুলের প্ৰধান শিক্ষক, কীৰ্ণহার,
380,1
```

বীরভূম।

ত্রীযুক্ত নেপালচন্দ্র চট্টোপাধাার, শিক্ষক,, পৌলতপুর, এচ্, ই কুল, মহেখরপাখা, 1686 পো: দৌলভপর, খলনা: পঞ্চানন খোষাল, এম্, এ, বি, এল, অধ্যাপক, হুগলী কলেজ, হুগলী। 582 I शकानन महकात, धम, ध, वि, धन, दक्षभूद वाकात, दक्षभूद। 1686 পদ্মনাথ ভট্টাচার্য্য বিস্তাবিনোদ এম, এ, অধ্যাপক, কটন কলেছ, গৌহাটী। 1884 পরেশচন্দ্র বন্দোপাধ্যার এম, এ, বি, এল, মুন্দেক, তুররাজপুর, বীরভূম। 38¢ I পরেশনাথ চৌধুরী, নাম্বের, বেতাগড়ি, রঙ্গপুর। 3861 মুন্সী পদর মহত্মদ মিঞা, পো: মাথাভাঙ্গা, রঙ্গপুর। 1884 পাঁচকড়ি খোষ, দাসপাড়া, চুঁচুড়া। 38b 1 পারালাল সিংহ নেহালিয়া, জিয়াগঞ্জ, মুর্শিদাবাদ। 1686 রাজা শ্রীযুক্ত পিয়ারামোংন মুখোপাধাায়, এম, এ, বি, এল, সি, এস, আই, >4.1 উত্তরপাড়া, হাওড়া। শ্রীযুক্ত পুলিনবিহারী রায়, দার্ভে অফ্ ইণ্ডিয়া অকিদ্, কোরেটা। 1696 পূর্ণচক্র রায় চৌধুরী, বড় তরফ, গোপালপুর, রঙ্গপুর। >021 " शृर्गानक (घाष ताय, अभिनात, शांत्र्भी, मूर्णिनादान। 7601 क्यात बीव्क शूर्वन्तातात्रव तात्र, त्करमा ताकवाण, त्याः त्करमा, 5481 ভারা কান্দি, সুর্শিদাবাদ। শ্ৰীবৃক্ত পূর্বেন্দুনারারণ সিংহ, এম্, এ, বি, এল, উকীল, বাঁকীপুর। 1236 পূর্বেন্দুমোহন দেহানবীশ, নাওডাঙ্গা, পোঃ রঙ্গপুর। 3661 মাননীয় বিচারপতি রায় শীযুক্ত প্রতুলচক্র চট্টোপাধ্যার বাহাত্র, এম, এ, ডি, এল >69 ति. चारे, हे, हीक्टकार्डे, नाट्शत्र, शाकाव। ত্রীযুক্ত প্রফুল্লচক্র ঘোষ, টাকী, ২৪ পরগণা। >441 প্রবোধচক্র মজুমদার, বি, ুএ, খাসমহল অফিসার, ডাল্টনগঞ্জ হাজানীবাগ। 202 1 প্রভাতকুশার মুখেলাধাার, ব্যারিষ্টার, র**কপ্**র। 340 I প্রভাতচক্র দোবে দেওয়ান সাহেব, মহিষাদল রাজটেট, মেদিনীপুর। >95 1 রাজা এবুক প্রভাতচক্র বড়ুরা বাহারর, গৌরীপুর, আসাম। 3621 - ীযুক্ত প্রভাসচক্র মিজ, ক্রিপার্স লেন, কোলগর, হুগ'ল। 1006 ১৩৪। कुमात श्रीयुक्त धामधनाच माणिया वाराष्ट्रत, भियात्रामाण तास्वाही, वर्षमान। শীষ্ক প্রমধনাথ মুন্নী, জমীদার শেরপুর, বগুড়া। 34¢ | ১৬৬। সাননীয় বিচারপতি শ্রীবৃক্ত প্রমদাচরণ বন্দ্যোপাধ্যার, বি, এল, এলাখাবাদ। শ্ৰীৰুক প্ৰসন্ত্ৰমান বাব, ভমিদাৰ, দেওৱানবাটা পৰৈকোড়া চটুগ্ৰীম। 5991 রায় এবৃক্ত প্রাণশহর চৌধুরী, তেওতা, ঢাকা।

1406

1 666

2 . . I

```
শ্রীবৃক্ত প্রিম্বনাথ বোষ, এম্, এ, কুচবিহার রাজবাটী, কুচবিহার।
1646
               প্রেমস্থলর বস্থু, প্রীবন্ধ ছরিম্থলর বস্থুর বাটী, আদমপুর, ভাগনপুর।
3901
              कि बहुक्त ह:होशाशांत्र १४ माउँव वंगहेता (ताछ, शांक्रा।
59-1
              ফণিভূষণ তৰ্কবাগীণ কাব্যতীর্থ, দর্শন টোল, পাৰনা।
1 586
              वक्षविशाती कुछ, वात्रवृत्ताती, त्मत्रभूत व छङ्।
              বঙ্গবিহারী দাস, পোঃ ক জলধারা, শ্রীহট্ট
1876
              বরবিহারী সাহা, মাহিগঞ্জ রক্ষপুর।
396 I
              विक्रमहश्च नाहा (होधुती, वानावावानात, एका ।
>981
        फाला स मीवृक्त वत्रमाकास त्राव शन, अम शन, अमिहा के मार्कन, वारमधा ।
399 1
        শ্রীযুক্ত বরদাকান্ত রাম চৌধুরী জমিদার, ভিতরবন্দ রাজবাটী, রঙ্গপুর।
396 I
              বরদাচরণ মিত্র, এম এ, দি, এস, জব্দ বাকুড়া।
1 606
              বরদাপ্রসন্ধ সোম বাহত্র, এম্, এ,বি এল্ ভূতপূর্বে সবজজ, চুঁচ্ছা।
১৮•। রার "
              বসম্বন্ধন রায়, বেলিয়াচোড়, বাঁকুড়া।
2621
          " ৰাণীশচন্ত্র চক্রবন্তী ভাষগ্রাম হাইছলের শিক্ষক, ত্রিপুরা।
225 I
              वानरवाधिनीमछात्र मन्नापक, त्याः, त्यांमारे ठाम्पूड्।, यश्यमनिग्रह।
340 I
              বাসস্কীচরণ সিংছ এম ০. বি. এল. উকীল, মঞ্চাফরপুর।
>F8 1
       মেজর প্রায়ক বামনদাস বস্থা আই. এম. এস বাহাচরগঞ্জ, এলাহাবাদ।
SPEI
        এবুক বিজয়চন্ত্র মজুমদার, বিএল ; এম্,আর, এ, এস, উকীল, সংলপুর, সি, পি।
SPEI
              विश्कृष्य वस्, विकृश्त, लाः हिक्निया बट्मारत।
1 146
           " বিধুরঞ্জন লাহিড়ী এমৃ. এ, মাহীগঞ্জ, রঙ্গপুর।
ו ששנ
১৮৯। छाः " विशिनाठळ नाम ७४, এन ४म, এम, "नि मन", निमना।
          " বিশিনবিহারী শুপ্ত এম, এ, রাভেন্সা কলেজের অধ্যক্ষ, কটক।
1 • 6 6
          ্" বিপিনবিচাতী চন্দ্ৰ, উলকুণ্ডা, পে😹 গস্থটিয়া, বীৰভূম।
1666
          " विभिन्नविशाती मात्र अम् अ, भिन्नभूत इंक्षिनीशातिः करनक, भिन्नभूत हां छहा ।
795 1
          " বিপেনবিহারী নন্দী, বি, এল উকীল, পটিয়া চটুগ্রাম।
1064
        ডাকার শ্রীযুক্ত বিভৃতিভূষণ চট্টোপাধ্যায়, এম. বি, দীঘাপতিয়া রাজসাহী
1866
        শ্ৰীষ্ক বিমানবিহারী বহু, এম বি, টেম্পুল মেডিক্যাল কুল, বাকিপুর।
1 36¢
              वित्यवत्र छष्ठां हार्याः, वि अन्, ८७ शृष्ठी माजिए हुँ है, नीनकामात्री त्रमश्रतः।
1966
              বিহারিলাল মুখোপাধ্যার, ৩০১ গ্র্যাপ্তট্রাক্ত রোজ, হাওড়া।
1 166
          " বিহারিলাল বন্দ্যোপাধাার, বি, এল, ভৃতপূর্বে সবন্ধন্ধ বৈভবাটী, হুগণী।
334 I
```

" विश्वतिमान तात्र कवित्रप्त वि, এ, वार्शतकां प्रमुना।

বীরচন্ত্র সিংহ, এম্ এ, তেজনারারণ কলেকের অধ্যাপক,বঞ্চরপুর,ভাগলপুর।

```
প্রীযুক্ত বীরেশচক্র দাস, বি এল, শ্রীবাসদত্তের গলি, পঞ্চাননতলা, হাওড় ।
2011
              বৈকৃষ্ঠচন্ত রার চৌধুরী এম, এ, অধ্যাপক, সেণ্টটিফেন্স কলেজ, দিলী।
₹•₹ |
              देवक्षेत्राच त्मन, वि, धन्, त्मावान, मूत्रमिनावान ।
2001
              বৈকুঠেশ্বর ভটাচার্য। মাহীগঞ্জ পো: রঙ্গপুর:
2 . 8 |
              (वाधिमञ्च (मन, अम्, कः, वहब्रम्भव, मृत्रमिनावान। 😁
₹•€ 6
              ব্ৰহ্মকান্ত শ্বতিপঞ্চানন, দাথুয়াই, মন্ত্ৰমনসিংহ।
1005
              ব্রকস্থলর দান্তাল, মোক্তার, পান্দীপাড়া, খোড়ামারা রাজসাহী।
1 9 . 4
           " ভবানী প্রসর লাহিড়ী রঙ্গপুর।
3 ob 1
           " ভূপেজনারায়ণ ঘোষ বি, এলু রায় স্থানারায়ণ সিংহ বাহাছুরের বাটি,
2 . D !
                                         ভিক্না পাহাড়ী, মোরাদপুর পোষ্ট, বাঁকীপুর।
              ভ্ৰণচন্দ্ৰ দাদ এম্. এ ক্ষানাথ কলেছের অধ্যাপক, বছরমপুর,
>>01
        শ্ৰীবৃক্ত ভূবণচন্দ্ৰ মুখোপাধ্যায়, বি, এল্, বনগ্ৰাম, ষশোহর।
1665
        রাওসাহেৰ প্রীযুক্ত ভোলানাথ চট্টোপাধাার, কেরোলী ষ্টেট কাউন্দিবের সভা,
225 1
                                                             क्टबोनी, त्रांबश्चाना।
        角 যুক্ত সুন্দী মঞ্রোল হাফেজ, সাবডিভিসনাল আফিস, নড়াইল, যশোহর।
2201
            মণিমোহন সেন, বহরমপুর, মুশিদাবাদ।
228 I
        भहात्राक वीयुक्त मनीक्षात्रक ननी वाहाइत, कानीमवाकात, मुत्रनिषावात ।
1365
        ত্রীযুক্ত মণীজনাথ চট্টোপাধ্যায় (ক), কৃঞ্চনগর।
२५७।
           " মণীক্রনাথ চট্টোপাধ্যাত্র (খ' পানিতর, ইটিগুা, ২৪ পরগণা।
1 PCS
           " সতিলাল চট্টোপাধ্যার, ট্রাক্ষিক স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের আহ্নিস,
3341
                                                              ব্ৰহ্ম রেল ওয়ে, রেছুন।
           " মথুরানাথ সিংহ, বি, এল্, উকীল, বাকিপুর।
1665
           " মধুস্থন ভট্টাচার্যা মোক্তার্ত্তাব্দাপগঞ্জ, মুরশিদাবাদ।
₹₹• 1
              अधुरुवन त्रिःह वि, এ, कान्ती बांखकूरणत अधान निकक, कान्ती, मूतनिवांवा ।
1656
           শুন্শী মানুষরহোদেন থান চৌধুরী, রহুলপুর, পো: বাগ্ডয়য়ৣয়, রমপুর ।
222 I
           " সনোরঞ্জন শুহ ঠাকুরভা, গিরিডি।
२२०।
           " মন্ত্রধনাথ ঘোষ, এম্. এ, অধ্যাপক, গ্রর্ণমেণ্ট কলেল, আজমীর,
228 |
                                                                       রাজপুতানা।
१२४ । मूननी " अम्, अ, अब्रिडे (क, रुक्. (म अशानश्रक्ष, मसमनिश्र ।
২২৬। কুষার ত্রীযুক্ত মহিষানিরগ্পন চক্রবর্তী, হেতমপুর রাজবাটা, বীরভূমু।
        ত্ৰীযুক্ত মহেন্দ্ৰনাৱাৰণ চৌধুৰী, নিমতিতা আৱালাবাদ, মুৰশিদাবাদ।
1 PFF
```

ত্ৰীবৃক্ত মহেজনাল চট্টোপাধ্যার, শানাপাড়া, শিবপুর হাওড়া।

```
প্রিত শীযুক্ত মহেশচক্র ভাররত্ব, নে ওরাশী পাররাডাক্রণ, বঙ্গপুর।
 1 6 5
         গ্রীযুক্ত মৃগাহনাথ রার, কালেক্টরী আফিস, মেদিনীপুর।
 290 |
               মুগেক্রকুমার দত্ত, সালিখা, হাওড়া।
 २७५।
               মৃত্যঞ্জ রার চাধুরা, দত্তপুছরিণী, শ্রামপুর পোঃ. রঙ্গপুর।
 202 |
               মেখনাথ ভটাচার্যা, বি, এ, জয়পুর মহারাজের কলেজ, রাজপুতানা।
 २०० ।
               মোহান্ত মহারাজ, সীতাকুও, চট্গ্রাম।
 ₹98 |
               (याहास महाताक स्रामक्तिति, क्रमीमात, त्रम्भूतः
 २७६।
               (साहिनीमाथ विनो, अधिमात्र, ১৩० (मानात्रभूत', कामीशाम।
 2061
               (माहिनीरमाह्म पछ वि अल् मावलक कतिप्र ।
 २७१ |
               (माहिनीरमाहन ४१, धम् धः राष्ट्रशान मशुत्र अ रहे है, वाजि भाग, मशुत्र अ ।
 > OF !
               মোহিনীমোহন মিজ, প্যারীটাদ মিত্রের গলি, বর্জমান।
 २७३।
               নোহিনীমোহন রাম্ব, এমৃ, এ, কুফানাথ কলেজের অধ্যাপক, বছরমপুর।
 280 |
               यजीखरमाहन वाशही वि. এ, अमरमत्रभूत, नमीता
 285
               যতীক্রমোহন রায়, একজিকিউটিব ইঞ্জিনিয়ার, পি, ডাব্রিউ ডি,
 ₹8₹ |
                                                 कार्छ बाम होडिन, देवक्रनाथ एए छवत ।
              यजीक्रामाहन जिश्ह, वि, ७, ८७१ ही माक्रिक्षेत्रे, मानजृम।
 1685
           " যতীশচন্ত্র বন্দ্যোপাধ্যার, জমিদার, গোপালপুর ছোটভরক,
 1885
                                                            ভামপুকুর পো:, রঙ্গপুর।
               ষভীশচক্র মুখোপাবাার, কুলীনপাড়া, স্থভর পোঃ, ২৪ পঃ।
 ₹8¢ |
               वक्रमाथ সরকার, এম এ. পাটনা কলেতের অধ্যাপক, মোরাদপুর, পাটনা।
 ₹89 |
               यक्रमाथ वत्नगाशाधात्र, प्रक्रिन ग्रिया, २८ श्रेश्रामा।
 ₹89 1
         রাম ত্রীযুক্ত বছনাথ মজুমদার বাহাতর, এম্. এ্. বি, এল, যশোহর।
 1 485
         শ্রীযুক্ত যাদবচন্দ্র মিজ "স্থাতি-পেহ," মধুপুর
 1 685
               যাদবানন গুপ্ত শান্ত্ৰী, মন্ত, মাণিকগঞ্জ, ঢাকা।
 240 1
           "ুৰুপ্ৰবিহারী মাকড় এম্ এ, বি, এল্, উকীল রামপুরহাট, খীরভূম।
 1635
               रवाशीखठख ठळवरखीं, अम्. अ. वि अन् डेकीन मिनाकश्रुत ।
 २६२ ।
               যোগীজনাথ সমাদার, বি এ, কচুবাড়িয়া, কাশীনগর পোঃ, যশোহর।
 2601
               বোগে अक्यात वस्, (छं भू ने या जिट हु है, क तिमभूत ।
 ₹48 |
               व्यारिक्षनाच मृत्याभाषाच, श्रीवावाकाव, वस्त्रमभूव, मृत्रामनावान .
 ₹€€ |
           " द्वारशक्रमात्रात्रन मूनी, क्ठविशत त्राक्षवाती, त्रानात्रभूता, कानी.।
 3661
              ত্বোবেজনারারণ রার চৌধুরী, হরিপুর বড়তরফ পোঃ জীবনপুর দিনাজপুর।
 269 1
               বোগেশচন্ত্র গলোপাধ্যার লালবাড়ী, ইছাপুরা, ঢাকা।
Rev !
```

```
শ্রীষ্ক্র যোগেশচক্র শুছ এম্ এ ; বি এল উকীল দিনাজপুর।
 2671
              र्यारामहत्त मञ्चालात, धम् ध, वि, धन, छेकीन, रमनशीड़ा, बन्द्रश्
 २७: 1
              ষোপেশচজু লাহিড়া, নবাবগঞ্রজপুর
 २७३।
               (यार्गमठस निःह, वि, এन, डेकीन, जक्षा
 २७२ ।
               যোগেশচন্ত্রার, এম্ এ, রাভেন্শা কলেঞ্রের অধ্যাপক, কটক।
 २७०।
               तारिश्नहत्रम (मन, वहत्रभूत, थागड़ा वहत्रभूत !
 ₹ 68 1
               असनीका छ ठळाव ही गर्जरमणे वक्षविष्ठा नारा अधान शांख छ, मानव ।
 ₹661
              अञ्जीकाञ्च िटवनी, बहुड़ा, कान्मी, मूर्णिनावान ।
 26 1
              2691
              রজনীকান্ত ভটাচার্যা, রঙ্গপুর।
 २७५ ।
              রজনীকান্ত মৈত্র, পুলিদ আফিদের হেডক্লাক, দেনপাড়া, নবাবগঞ্জ, রঙ্গপুঃ
 २७३।
              রঞ্জনবিলাস রায়চৌধুরী, পোষ্টমাষ্টার, ভাগলপুর।
 2967
              त्रविष्ठिक नाहिड़ी. १४. ७, वि, এन, डेकीन, नावना।
 29:1
        ब्राक्त और क त्रविष्ट शिश्ट वाहाइत सभीशूत, मूर्णिमावामः
 २१२ ।
            ্জীযুক্ত রমণীকান্ত রাষ্ট্র, বি, এ. চৌগা, রাজশাহী।
 २१७।
        খ্রীযুক্ত রমণীমোহন খোষ, বি, এল, ডাক্তর সমূহের স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট, বহরমপুর
₹98 |
                                                 ডিভিসন্, বহরসপুর ও রাণাঘাট।
              वाथानस्मार्क वस्त्रााशायात्र वम्, व, माव् छिविणनान अकिमात, विकृत्त,
2961
                                                                      বাকুড়া।
        শীযুক্ত রাজকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়, বি, এল্, উকীল, নড়াইল, ঘশোহর।
2961
              ताकक्मात (त्रन, धम्, এ, शाक्ष् गा, शामाहेल (भाः, ঢाका।
2991
              वाक्विहाती मान, महादम्य मर्ठ, नाष्ट्राहेश (पाः, वात्रतम ।
२१४।
২৭৯। কৰিবাৰ শ্ৰীযুক্ত রাজমোহন রায় কবীক্রা, নায়ুকোলাশ্রম,পোঃ নোরাদপুর, বাকাপুর।
        রায় এীযুক্ত রাধাবলভ চৌধুরী বাহাত্র, জমিদার, সেরপুর, বগুড়া।
२४०।
             রাধিকানাথ সাহা, শেরপুর, পোঃ বগুড়া।
2621
        শ্রীযুক্ত রাধেশচক্র শেঠ, বি, এল্, উকীল, গন্ধর্বপুর, মালদহ।
262 1
             बार्ट्स मिन खर्थ अर्ज्य प्रकार देन अरह प्राम्य बाह्य , देन पूर्व , देन पूर्व ।
5 PO 1
             बामरशालान निःह कोधुकी, ब्रामां लाः, जावा काना, ब्रामानाना ।
1845
             बामहत्त (होधुता अम् ब : वि अन्, (क) मूरणक, हाग्दाम, जानीशङ्।
3 FC 1
             2661
       রাজা ত্রীষ্ক্ত রামচন্দ্র রায় বীরবর, মনোহরপুর রাজবাটী, দাঁতন মেদিনীপুর।
2691
       শ্রীযুক্ত রামপ্রাণ ৩প্ত, কেলারপুর, টাঙ্গাইল, ময়মনসিংহ।
2661
```

```
बाब श्रेषुक बामवबू हरहे। शाबाब वाहाछब, ८कडका, कालीशाहाकी, हे, बाहे, दबनः
        এবুক্ত রাস্থিহারী বন্দ্যোণাধ্যার, সম্পাদক শান্তিকুটার লাইত্তেরী ও
                                              অকর দত্ত স্বভি সমিতি, বালী, হাওড়া।
            ্রেবতীকান্ত দাস গুপ্ত, খোড়াচরা, পোঃ ফুলকোচা, সিরাজগঞ্জ, পাবনা।
1665
          ু শক্ষণচন্দ্র রাষ, সাতকীরা, খুলনা।
5251
২৯৩। রাষ্ট্রশ্বীনারারণ আঢ়া, আরামবাগ, হুগলী।
            ্ললিভক্তফ বোষ, পুলিশ সব ইনস্পেক্টার, দিনাজপুর কোণোয়াণী।
२ २८ ।
        শীযুক্ত শলিতচক্র রায় চৌধুরী কবিরত্ব, পোঃ বোদরা, ২৪ পরগণা।
2 24 1
        ডাকার জীযুক্ত ললিতমোহন বন্দোপাধ্যায়, মহিষাদল, মেদিনীপুর।
12291
        প্রীবৃক্ত ললিভ্যমাহন মৈত্র, জামদার, ঘোড়ামারা, রাজশাহী।
२२१।
              লোকনাণ দত্ত, সাব্মানেজার, বামণডাঙ্গা বড় ভরফের কাছারী,
२ २४ ।
                                                                 मदादशक्ष, प्रमश्तुत ।
              শচীন্ত্রনাথ রায়, কাঞ্চনতলা, মুরশিদাবাদ।
1655
              महीनहत्क हटहे: शाक्षाव, वि, a, प्रवरत्ने होत, त्रयूनावशक, मूत्र महावाह ।
3.01
              শরচ্চক্র চৌধুরী, (ক) ৫ এল্গিন রোভ, এলাহাবাদ।
2007 1
              শরচজ চৌধুরা, (খ), 'সবিতা প্রেস' পুটিয়া পোঃ, রাজশাহী।
002 1
              শরচন্দ্র মজুমদার, রঙ্গপুর বাজার, রঙ্গপুর।
909 I
              भवक्तम अबकात, शिलारेकर काष्ट्रांत्री, भिलारेकर, नजीवा।
O.8 1
              শরচন্দ্র সিংহ রায়, গুমিদার, রায়পুর, পীরগঞ্জ পোঃ, রঙ্গপুর।
1 3 eC.
        कुमात्र औषुळ नत्रिन्त्रात्रात्रण तात्र, (क' क्यामा त्राक्षवाणि, ल्याः क्यामा
                                                          ভারা কান্দি, মুরশিদাবাদ।
                   শরদিন্দুনারায়ণ রায় প্রাক্ত এম্. ৩, (৭) দিন্দেপ্র।
9.91
                   ্শরৎকুমার রায়, এম্ এ, দয়ারামপুর পোঃ, ভাষা নাটোর রাজ্যাহী।
JOH !
        শ্রীযুক্ত শশধর রায়, এম্ এ, বি, এল্ খোড়ামাড়া, রাজসাহী।
1600
              শশিভূষণ খোষ, ঝাওরাকৃঠি, ভাগলপুর।
9>01
              শশিভূষণ চৌধুরী, ডি: এবং সেসন জল, বশোহর ও হাওড়া।
1660
              ममिज्यन रान्सानाशास, कःनना, वर्द्धमान ।
925 1
           ু শশিভূষণ বস্থু, এমৃ. এ, অধ্যাপক, কৃষ্ণনগর কলেজ, কৃষ্ণনগর।
1000
              ममिक्य बाब, इरक्शांहें, बाक-रहेर्हेब मारिन काब, बाक्यांही।
978 |
              শান্তসচরণ বিশ্বাস, হড়াঃ পোঃ ব্রাহ্মণপাড়া, হুগলী।
36 I
              শিবচন্ত্ৰ শীল, চুঁচুড়া, হুগলী :
196
              শিবনাৰ ওপ্ত বি, এ, হেড্ মাষ্টার, গোকর্ণ কুল, গোকর্ণ পোঃ, মুরশিদাবাদ।
७३१।
```

```
৩১৮। শ্রীষুক্ত শিবরতন মিজ, রতন লাইত্রেরী, সিউড়া।
               শৌরীক্তকিশোর রার চৌধুরী, অমীদার, রামগোপালপুর পোঃ, মন্তমনসিংহ।
 1 600
              শৌরীক্র্যোহন শুপ্ত, ডাক্তার শ্রীযুক্ত মনোমোহন শুপ্তের বাটী, মূদের।
 ७२० ।
               अभागतत्र ठळ वर्जी अम् अ, ভिक्लितिया करनत्कत्र व्यथाशक, कृष्ठविश्वा ।
७२५।
               খ্রামাচরণ রায়, সহকারী সম্পাদক, ভিক্টোরিয়া এড্বার্ড লাইবেরী,
७२२ ।
                                                                   ভিতরবন্দ, রঙ্গপুর।
               শ্রীনাথ দেন, ভূতপূর্ব ডেপুটী ম্যাজিষ্ট্রেট, কামারথারা,
७२७।
                                                                 পোঃ স্বৰ্থাম, ঢাকা।
               শ্রীমাধব চট্টরাজ, বি, এ, এড্বার্ড করোনেশন স্থুলের প্রধান শিক্ষক,
328 I
                                                               जित्रांशक, मुत्रमिनावान।
               শ্রীশচক বস্থ, বি, এল, সাবজজ, গাগাপুর।
७२६।
               শীশচন্দ্র মজুমদার, ডেপুটী কালেক্টর, গয়া।
७२ ७।
               দতী প্রসাদ দেনগুপ্ত, পোষ্টাল স্থপারিন্টেণ্ডেন্টের আন্ধিন, ঢাকা
O 29 1
               সভীশক্ষল সেন, রঙ্গপুর
७२४ ।
        णाः श्रीयुक्त मठीभाठक वरमग्राभागात्र, त्रा, त्र, कि, कल, ১০ এएमनरहोन
०२३।
                                                                  রোড, এলাহাবাদ।
        শ্রীষ্ক্ত সতীশচক্ত লা হড়ী, পুলিস সত্ইন্স্পেক্টার, মাহিগঞ্জ, রঙ্গপুর।
99.
               সভ্যেক্তক্ত মল্লিক, সি, এস্, ডিঃ এবং সেসন জজ, হুগলী।
997 1
               मरताककृष्क रचाव रमोलिक, वि, এ, क्रिमांत भारत्येशी, मृत्रामावान ।
৩৩২ |
               मरत्राकिनौनाथ वक्षन वि, এ, এन এम এम, ७८। । कात्रवान द्राष्ट्र
9991
                                                                           শিকাপুর।
               मठीभठक हट्ढेशभाशाम वि, हे, फिड्डीक्ट हेक्किनीमात्र, क्रक्षनशत्र।
998 |
               সাতকড়ি বন্যোপাধ্যায়, ভূতপুর্ঝ "সংসঙ্গ" সম্পাদক, স্থপারিন্টেণ্ডেন্ট,
30E |
                    व्यनाद्वतन बाब किटमाबीनान शाकाशी वाहाइदबब अट्हेंहे.
                                                                   এরামপুর, হুগলী।
              সারদাপ্রসাদ সর্কার, এম্ এ, সাব্ডিবিসনাল অফিসার, মাধেপুরা
000
                                                                          ভাগলপুর।
              स्राविष्ठ मञ्जूमनात्र, वि, এ, श्रावतारे जिना, जत्रश्रुत शाः, त्राकश्रुजाना ।
001
              স্থরেক্সকার বস্থা, এম্, এ, ২৭ শিবপুর রোড, হাওড়া।
30F |
          ু - স্বরেক্তকে রাম্ব চৌধুরী, জমিদার সম্বপুক্রিণী, পোঃ শ্রামপুর, রঙ্গপুর।
1 600
              স্থরেজনাথ বন্ধী, ইনাতপুর মহাদেবপুর, রাজসাহী।
98 · 1
              স্থারেজনাথ মজুমদার, বি, এ, ডেপুটী ম্যাজিষ্টেট, ভাগলপুর।
O83 1
```

```
সাহিত্য-পরিষৎ-পঞ্জিকা
 ۲ż
              स्र्विक्रमाथं बल्कााशाधाव अम्, ७, जीवृक्क महत्रक्रमाथं वह्नाशाधाव,
085 |
                                        कर्णे_ाक्टोरतत वामा, काशनगा, हे, चाहे, चात्र।
         ডাঃ শ্রীযুক্ত হুরেজ্রনাথ সেন, এল্, এম্, এস্, "দি মল", কাণপুর:
989 |
         শ্রীবৃক্ত স্বরেন্দ্রনাথ দেন, বি এল, উকীল, রঙ্গপুর।
988 1
               श्रुरतक्तनात्रायण काव, निनाकशूत त्राक्तवाठी, निनाकशूत।
984 1
              श्रुद्रमहस्र रमन, अम्, अ, ए पूर्वी माजिए हुँहै, निर्माल पृत्र ।
9841
              स्रात्र अनाम नाहि हो राधे हुती, अभिमात क्रक्ष श्व, राशः राशे ती श्व,
9891
                                                                        মন্ত্রমনসিংহ ৷
           " স্থরেশচন্দ্র সরকার, রঙ্গপুর।
985 1
           " সোমেশচন্দ্র গিংহ, চম্পানগর, ভাগলপুর।
1 680
              হরকুমার সরকার, জমিদার, ঘোড়ামারা, রাজসাহী
0001
              ছরগোপাল দাস কুণ্ডু, মারওয়ারীপটা, মাহিগঙ্গ, রঙ্গপুর।
OE> |
              হরগোবিন্দ লক্ষর চৌধুরী, জাসালপুর শেরপুর টাউন।
1 630
              হরিদাদ দাস, এম্ আর এ, এস্রঘুনাথগঞ্জ, মুরাশদাবাদ।
9691
              হরিদাস রাম চৌধুরী, বারুইপুর, ২৪ পরগণা।
JE8 1
              इतिनातात्रण मिख, कान्ती, मुद्रणिनावान।
964
              হরিপদ পাঁড়ে, এম্ এ, কুচবিহার কলেজর অধ্যাপক, কুচবিহার।
9641
              हित्रपाहन निःह, वि ७, पिनाक्षश्व वाक्षवाड़ी, पिनाकश्व ।
2491
              इरबक्क नाहिष्णै, नौनकामात्री, तक्षश्रद
OCT !
           " হরেন্দ্রনারায়ণ রায় মহাশয়, জমীদার, লক্ষণনাথ পো:, বালেশ্ব;
1630
              হরেखनान রায়, বি, এগ্, উকিল, ভাগলপুর।
050 |
              क्षीरकम तात्र हरहोत्रासात्र अस्वास करतारमम्ब हेन्द्रिकिन्दनत रह मिक्क
0531
                                                             क्यांशक, मूत्रभिनावानः
           " ধ্রবীকেশ লাহিড়ী, রঙ্গপুর।
७७२ ।
           " ধ্রীকেশ দেন, কোর্টস্ব-ইন্সপেক্টর, ভাগলপুর।
Sec. 1
           " হেমচজ্র সেন, শ্রীযুক্ত সভীশচক্র দান গুপ্ত মহাশয়ের বাসা,
O68 |
                                                                সেনপাড়া, বঙ্গপুর।
              হেমাকচজ বমু, বি, এল্, ভৃতপুর্ব সব্জজ, কোরাণীটোলা, মেদিনীপুর।
৩৬৬। কুমার " হেমেজকুমার রায়, দরারামপুর নাটোর, রাজশাহী।
          " दहरमञ्जिक्तमात्र चार्गाया होषुत्री, 'त्मवनिवाम' मन्नमनिश्ह । .
          " হেমেন্দ্রলাল কান্ডগির, এম, এ, ডেপ্টা ম্যাজিষ্ট্রেট, চম্পারণ।
```

৩৬.। বুলী " হেলাল ইদ্দীন থান, পোঃ পূর্ণনগর, রঙ্গপুর।

### ছাত্র সভ্যের নাম।

- ১। ছীযুক্ত প্রভাসচক্র দে (সম্পাদক) ১৫।১ গোবিন্দ সরকারের লেন।
- ২। " নিৰ্ম্মলচন্ত্ৰ ৰোষ, সেওড়াফুলি, ছগলী।
- ৩। " করুশামর গার, বি এ, দেরপুর, সাঁইথিয়া, বীরভূম।
- 🔹। কবিরাজ " রাখালদাস কাব্যতীর্থ, ৫২ শুরুপ্রসাদ চৌধুরীর লেন কলিকাতা।
- । এীযুক কুলদাপ্রসাদ মল্লিক, সিউড়ী।
- 🖢। 🧷 ফকিরচন্দ্রপাল ৭৮।১ নিমতলাঘাট্ট্রীট
- " অবিনাশচক্র দেন, ৪র্থ বার্ষিক শ্রেণী, ডফ কলেজ, কলিকাতা।
- ৮। " প্ৰজনাথ গুপ্ত, ৫ বুন্দাৰন বোষের লেন, কলিকাতা।
- ১। " রাজবলভ মুথোপাধ্যায়, ৪র্থ বার্ষিক শ্রেণী, বঙ্গবাসী কলেজ, কলিকাতা।
- ১০। " মন্মধনাথ স্থার, ১৬ শোভাবাজারষ্ট্রীট, কলিকাতা।
- ১১। " ক্লিভেন্দ্রগতি মুস্তফী, আচাচ ক্লেরাম বস্থর লেন, কলিকাতা।
- ১২। " হুবীকেশ মিত্র, 'স্থৃতিগেহ', মধুপুর।
- ১৩। " হেমচক্র সৈন গুপ্ত, এম্ এ, ২৭।২ মীর্জ্জাপুর ব্লীট, কলিকাতা।
- ১৪। " नार्शक्तनाथ मात्र श्रेश, १४। ১ ইডেন हिन्मू (हार्ष्ट्रेन किनकां छ।
- >e। "হারাণচন্দ্রত, ২৩ হাজরা রোড, কলিকাতা।
- ১৬। " সিদ্ধের হালদার, ৫ জরিকস্ লেন, কলিকাতা।
- ১৭। " প্রকৃত্নার সরকার বি, এ ৯১ কেদার বস্থর লেন, ভবানীপুর, কলিকাতা।
- ১৮। " স্থরেক্তনাথ রাম, সাড়ে চারি আনির কাছারী, ময়মনসিংহ।
- ১৯। " <del>আওতোৰ বাব, পাকু</del>ড়িয়া, নন্দনপুর, পাবনা।
- २ । " भद्रक्तक (म. काक्र्याकात, वनकाण, वर्क्षमान।
- ২১। "নিভাইহরি দে, খাঁটুরা, ২৪ পরপণা।
- ২২। " লালবিহারী লাস ঘোষ, ১৬ শ্রামবাজার খ্রীট, কলিকাতা।
- ২এ। " ষত্তনাৰ রায়, দক্ষিণগ্রাম, বীরভূম।
- ২**৪। "রাধাবলভ পাল, পশ্চিমদি,** ঢাকা।
- २६। " विভৃতিভৃষণ चात्र, পাচপুপী, মুर्निनातान।
- ২৩। " ভূপেন্দ্ৰনাৰ বস্থ, ৭১ পাথুৱেঘাটা ব্লীট, কলিকাতা।
- ২৭। " স্থানচন্দ্র মুখোপাধ্যার, ১৫প্রাণকৃষ্ণ মুখোপাধ্যারের লেন, টালা কলিকাডা।
- २৮। " मिटब्रायाहन गाहिड़ी, > कानी बाराद लन।
- ২৯। " শচীক্রবাল ভাছড়ী, কোড়কদি, করিদপুর।
- ৩০ ৷ " সীভেশচন্ত্র সেন, বি, এ, কালিয়া ৷

```
সাহিত্য-পরিষৎ-পঞ্জিকা
P-8
              তারা প্রসন্ন বাক্চী, মেড্ডলা, বর্দ্ধান।
93 1
             हेन्द्र्यं नाथ, আড़বাनिয়ा, २৪ পরগণ।
02 1
             অক্ষরকুমার ভট্টাচার্যা, কোড়কদি, ফরিদপুর।
CO 1
              श्रादांधहत्त मृत्थां शांधां म्र, ख्र्यहत्, २८ शत्रांगा।
O8 1
              विट्नाटमचत्र मान छश्र, ৮৮ भाष्याष्ट्री द्वीहे, कनिका छ।
SE 1
              নিকুঞ্জবিহারী পাল, শালিমপুর, দৌলতপুর, শ্রীযুক্ত ইমানালি পণ্ডিতের বা
96 |
              গোপেক্সফ চৌধুরী, দক্ষিণভূষী, পটীয়া, চট্টগ্রাম।
99 !
              স্থরেজনাথ মুখোপাধ্যার, দাটুই, শব্ধিপুর, মুরশিদাবাদ।
৩৮ ।
              উমেশচন্দ্র নাগ্ ২২৫ রজোর দেউরী, ঢাকা।
1 60
              বিরস্থাকান্ত ঘোষ, নবিগঞ্জ, শ্রীহট্ট!
              পরেশনাথ চক্র, রাজোইস্, সোনকা, মাণিকগঞ্জ, ঢাকা।
 85 1
              শ্রামাচরণ মাচার্যা, ৭১। ১ কর্ণ ওয়া লিস খ্রীট, কলিকাতা।
 82 1
                                                            ক্র
              भहीत्वनाथ शत्काशाधाय.
 891
                                       ē,
              স্থারেশচক্র বোষ,
 88 1
              অক্ষাকুমার বস্তু, ২৪ মহেক্স বস্তুর লেন,
 84 1
              হরিদাস মজুমদার, ১৪৪ আপার সাক্লার ঝেড,
 86 |
                                                             ক্র
               রবীক্রকুমার মিত্র, ৫০ গ্রে খ্রীট,
 89 1
               ट्रांबानांश दरक्ताभागात्र, ५० नाजानंत्री ट्वारमत द्वीरे, क विकासा
 87 I
               शीरब्रुक्तकात (मन, है। युक्त कामिशकमन समन छेकी त्वत्र वामा, मन्नभनामः इ
 168
               প্রভাসচন্দ্র ভট্টাচার্যা, কুচবিহার জেল, কুচবিহার।
 60 1
               সত্তাচরণ পাল, বি এ ৬৮ গৌরীবেড়ে লেন, কলিকাডা।
 451
               রোহিণীকুমার সেন গুপ্তা, ৩০ শোভাবাজার ষ্ট্রীট, কলিকাতা।
  42 1
                                             6
                                                               ক্র
               মাধ্বচল দাস গুপ্ত,
  201
               প্রফুল্লকুমার বন্দ্যোপাধ্যার, বি এ, প্রেলিডেন্সী কলেজ, কলিকাডা।
  481
               क्निरमाञ्च रमन, क्षित्रांशक, मत्रनितातान।
  @@ I
               भिरवसनात्राप्रण क्षिपुत्री, जे
  491
               শশিকান্ত সেনগুপ্ত, ৫ নরসিংহের লেন, কলিকাতা।
  411
               यरमानाक्रमात मानाकात, व जीमरपारवत रानन, कनिकाछ।
  421
               রাখালচন্দ্র চৌধুরী, ও নিমলা খ্রীট, কলিকাতা।
  421
               দেবেন্দ্রনাপ গোসামী,
                                       Ð
                                                         $
               স্থাবেজনাপ নামহাতা,
                                                         ঞ
                বীরেন্দ্রনাথ সেন গুপ্ত, ১৭ ডাফ্ট্রীট,
                                                         Ø
```

**6**2 1

# বঙ্গীয়-সাহিত্য-পরিষৎ

# চতুর্দ্দশ সাংবৎসরিক কার্য্যবিবরণী

বঙ্গীয়-সাহিত্য-পরিষৎ চতুর্দশ বংসর অতিক্রম করিল। নানা কারণে এই বংসর পরিষদের ইতিহাসে অরণীর হইবে। আলোচা বর্ষে পরিষদের সভ্যসংখা। আট শতের অধিক হইরাছে, পরিষদের বার্ষিক আর প্রায় পাঁচ হাজার টাকার নিকট দাঁড়াইরাছে; পরিষদের পত্তি হা বিষয়গোরবে ও চিত্রাদি সহযোগে স্থাগাণের অধিক শ্রদাম্পদ হইরাছে। বাঙ্গালা ভাষার প্রাচীনতম গ্রন্থ প্রচারধারা পরিষৎ বাঞ্গালা সাহিত্যের ইতিহাসে নৃত্রন পরিছেদ যোগ করিয়াছেন। মুরশিদাবাদে বঙ্গীয়-সাহিত্য সন্মিলনের অধিবেশনে পরিষদের বছদিনের আকাজ্জা বছবিত্ব অতিক্রম করিয়া এ বংসর পূণ হইরাছে। আর সকলের উপর, পরিষৎ এবার আপনার অধিষ্ঠানের উপযোগী স্থানর ভবন নির্মাণে সমর্থ হইরাছেন।

স্ভ্য-সংখ্যা । বংসরারন্তে পরিষদের সভা সংখ্যা ৭৮৪ জন ছিল, যথা ...
আফীবন সভা ---- >
বিশিষ্ট সভ: ---- >
বিশেষ সভা ---- ৫
সাধারণ সভা ---- ৬৯৯
কলিকাতা ---- \*
১৯৯

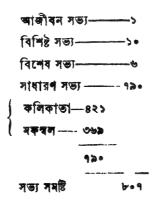
বছকাল চাঁদা অনাদায় সত্ত্বেও বাঁহাদের নাম সভা-ভালিকায় প্রকাশিত হ্**ইতেছে**, এরপ সভা

আলোচ্যবর্ষে আজীবন ও বিশিষ্ট-সভ্যের সংখ্যার কোন পরিবর্ত্তন হর নাই। শ্রীরুক্ত বাণীনাথ নন্দী মহাশর ১৩শ বার্ষিক অধিবেশনে কার্য্য-নির্বাহক সমিতির প্রস্তাবে বিশেষ

<sup>\*</sup> গত বর্ষের পঞ্জিকার ভ্রমক্রমে ৩১· স্থলে ৩০৯ জলের নাম প্রকাশ হইরাছিল :

সভ্য নিযুক্ত হওয়ায় বিশেষ সভ্যেয় সংখ্যা একজন বাড়িয়াছে। কলিকাভাবাসী সাধারণ সভ্যেয় মধ্যে ৯ জনের মৃত্যু হইয়াছে, পদভ্যাগ বা চাঁদা জনাদায় হেতু ৯৫ জনের নাম উঠিয়াছে, ৯ জনের নাম বাসস্থান পরিবর্তনে কলিকাভার তালিকা হইতে মক্ষণের তালিকায় গিয়াছে। ৫৭ জন সভ্য নৃতন নির্কাচিত হইয়াছেন ও৮ জনের নাম স্থান পরিবর্তন হেতু মক্ষণের তালিকা হইতে কলিকাভার তালিকায় আসিয়াছে। বর্ষারছে কলিকাভাবাসী সভ্যেয় সংখ্যা ৩৮৯ ছিল, এই সকল কারণে বর্ষশেষে সংখ্যা ৪২১ জন দাড়াইয়াছে। ঐয়প মক্ষণের সভাগণের মধ্যে ৫ জনের মৃত্যু হইয়াছে, ২০ জনের নাম পদত্যাগাদি হেতু ভোলা গিয়াছে, ৮ জনের নাম কলিকাভার তালিকায় গিয়াছে। ৮৪ জন সভ্য নৃতন নির্কাচিত হইয়াছেন ও ৯ জনের নাম কলিকাভার তালিকা হইতে মক্ষণের তালিকায় আসিয়াছে এবং ১৯ন নৃতন সভ্যেয় মৃত্যু হইয়াছে। বর্ষারছে সভ্যসংখ্যা ৩১০ ছিল, বর্ষশেষে ঐ সকল কারণে ৩৬৯ দাড়াইয়াছে।

বাঁহারা পুর্বে কোন সময়ে পথিবদের সভা ছিলেন, অথচ বছদিন পুনঃ পুনঃ প্রার্থনা সদ্তেও চাঁদা দেন নাই, এ৯প অনেকগুলি সভাের নাম পরিষদের বার্ধিক বিবরণীতে সভাতালিকা মধ্যে বংসর বংসর প্রকাশিত হইরা আসিতেছিল। প্রক্রতপক্ষে পরিষদের সহিত ইহাদের কোনরূপ সম্পর্ক ছিল না, ইহারা চাঁদাও দিতেন না, পরিষদের প্রকাশিত পত্রিকাদিও পাইতেন না। গত বর্ধের সাহিত্য পরিষৎ পঞ্জিকা মধ্যে কলিকাতার তালিকার শেষভাগে এইরূপ ২৪টি নাম ও মফ্সলের তালিকার শেষভাগে ৪৫টি নাম ছিল। আলোচাবর্ধে কার্যা নির্বাহক সমিতি এইরূপ নাম রাথিয়া সভ্যতালিকা ক্ষীত করা অসুচিত বােধে সেই নামগুলি অর্থাৎ মােটের উপর ৬৯টি নাম তুলিয়া দিয়াছেন। স্থেবের বিষয় যে এতগুলি নাম তুলিয়া দেওয়া সত্রেও পরিষদের সভ্যসংখ্যা সমষ্টিতে হাস পায় নাই। আলোচাবর্ষের শেষে সভ্য সংখ্যা এইরূপ দাড়াইয়াছেঃ —



ফলে নি:সম্পর্ক ব্যক্তির নাম সমেত সাধারণ সভোর সংখ্যা কলিকাতা ও মক্বলে একবোগে বর্বারস্তে ৭৬৮ ছিল ; ৬৯ জন নি:সম্পর্ক ব্যক্তির নাম তুলিরা দিয়াও বর্ধশেৰে সাধারণ সভ্যের সংখ্যা ৭৯০ জন হইরাছে। বলা বাছলা, সভ্য সংখ্যার এই বৃদ্ধি পরিষদের পক্ষে অতীব আনন্দের বিষয়।

এতখাতীত বর্ষারক্ষে পরিষদের ছাজ্রসভোর সংখ্যা ৪১ ছিল, বর্ষশেষে ৬২ হইরাছে। ছঃধের বিষর ছাত্র সভাদের মধ্যে অনেকেই নামে মাত্র সভা আছেন; বাহারা পরিষদের উদ্দেশ্র সাধনে কিছুমাত্র সাহায্য করেন না, তাঁহাদের নাম রাখা হইবে কিনা আগামী বর্ষে তাহা বিবেচ্য।

মৃত সভ্যগণ--- আলোচাবর্ষে নিমোক্ত সভাগণের মৃত্যু হইয়াছে, যথা :--

কলিকাতা— ১ ৺অমুকুগচক্র শেঠ, ২ ৮ অমরক্ষ মিত্র, ৩ ৮ আগুতোর ভট্টাচার্য্য এম্ এ, ৪ ৮ নগেক্সকৃষ্ণ মিল্লক, ৫ ৮ নৃত্যগোপাল বিখাস, ৬ ৮ রার পশুপতিনাথ বস্থু, ৭ ৮ প্রায়র চক্র রার এম্ এ, বি এল, ৮ ৮ মন্মধনাথ সেন ও ৯ ৮ কুমার সতীশচক্র সিংহ।

মফস্বল—১ ৮রুঞ্ধন মুখোপাধাার এম্ এ, বি এল, ২ ৮নগেক্সনারায়ণ স্বাচার্যা চৌধুরী বি এ, ৩ ৮মহস্মদ মেহেক্সনা, ৪ ৮রাজকৃষ্ণ কার চৌধুরী, ৫ ৮নলিডমোহন বন্দ্যোপাধ্যার ও ৬ মংশচক্র সরকার।

পরায় পশুপতিনাথ বস্তু রাহাতুর। দর্কবিধ দংকর্মে পশুপতি বাব্ব অন্ধ্রন্থ ছিল। আন্তরিক অনুরাগ ও উৎসাহের সহিচ তিনি যাবতীয় দেশহিতকর কর্মের বাগ দিতেন। সাহিত্য, সমাজসংস্কার প্রভৃতি দকল আলোচনাতেই তিনি অগ্রসর হইতেন ও তাঁহার উৎসাহে অপরকে উৎসাহিত করিতেন। সাহিত্য-পরিষদের প্রতি তাঁহার অত্যন্ত ক্ষেত্র ছেহ ছিল। তাঁহার অকাল মৃত্যুতে বল্পীয়-সাহিত্য পরিষৎ একজন বন্ধ্ হারাইয়াছেন।

শকুমার সতীশচন্দ্র সিংহ বাহাতুর কালির বিখ্যাত রাজবংশের উজ্জন প্রদীপ ছিলেন। চিত্তের ঔদার্যা ও উল্লভ অন্তঃকরণ তাঁহার সাভাবিক অলকার ছিল। ভারত সঙ্গীত-সমাজের প্রতিষ্ঠান্ন ও উল্লভিকলে তিনি প্রচুর পরিশ্রম করিয়াছিলেন। তিনি 'ক্লাকান্তের উইল' গ্রন্থের নাটকাকার দিয়া গিয়াছিলেন, তাঁহার মৃত্যুর পর সেই নাটক সঙ্গীত-সমাজ কর্ত্ব অভিনীত হইয়াছে।

শক্ষাধন মুখোপাধ্যায় বাক্ষাক। সাহিত্যের প্রতিষ্ঠাবান লেখক ছিলেন। বছদিন হইতে তিনি থিওসফিতে অফুরক্ত ছিলেন ও থিওসফি সভার অন্তত্তন প্রধান সভা ছিলেন। তাঁহার অধ্যাত্মতত্ত্বটিত বছ প্রবন্ধ বহু প্রক্রিকার প্রকাশিত হইয়াছে। সাহিত্য-পরিষদের প্রতি তাঁহার অফুরাগের নানা নিদর্শন পান্ধা গিয়াছে।

শনগেন্দ্রনারায়ণ আচার্য্য চৌধুরী সমননিংহ মুক্তাগাছার বিধ্যাত ক্ষমিদার বংশের অন্ততম উজ্জন রড় ছিলেন। চরিত্রগুণে ও দানশীলতায় তিনি অর বয়সেই সমাজ মধ্যে প্রতিষ্ঠা লাভ করিয়াছিলেন। সাহিত্য-পরিবদের গৃহনিশ্বাণ তহবিলে দান বারা

পরিষদের প্রতি অনুরাগের পরিচয় দিয়াছিলেন। তাহার অকাল মৃত্যু পরিষদের শোকের কারণ হইয়াছে।

শ্রুকুলচন্দ্র শেঠ—ইনি কলিকাতার আদিন অধিবাদী সপ্তথান হইতে আগত শেঠ বদাকগণের বংশধর। ইনি নাবাল্য দাহিত্যপ্রিয় ও দাহিত্যানুরাগী ছিলেন, প্রাচীন ভবাহসন্ধানে ইহার অহুরাগ ছিল। ইহার পাঠপ্রা অতিমাত্ত প্রবল ছিল, আধিকাংশ সময়ই ইনি মেটকাফ্ হলে, পরে ইম্পিরিয়াল লাইত্রেরিতে কাটাইতেন। অল্ল বন্ধসেই ইহার মৃত্যু হইয়াছে সৃত্যুর বৎসরাধিক পূর্বে হঠাৎ বৎসর্থানেক ইনার বাক্রোধ হইয়া বার; দে সমরেও ইহার পাঠপ্রা কমে নাই। দাহিত্য-পরিষদের প্রতি ইহার প্রগঢ় প্রহা ছিল, ইহার মৃত্যুতে পরিষদের একজন হিত্রী সভ্যের অভাব হইয়াছে।

ভজাশুতোষ ভট্টাচার্য্য এম, এ,—আশু বাবু পঠদশা হইতে সাহিত্য চর্চার
নিযুক্ত ছিলেন। শেষে ডেপুটী ম্যাজিট্রেট হইয়া রাজকার্য্যের শুরুভারের মধ্যেও তাঁহার
সাহিত্যসেবা বন্ধ 'ছল না। তিনি স্থকবি ও স্থলেথক ছিলেন। ভরাজরুক্ষ রায়ের বীণা
নামক মাসিক পজিকার, 'নবজীবনে' 'প্রচারে' 'সাহিত্যে', 'অনুসদ্ধানে' তাঁহার লিখিত
উৎক্রত অনেকগুলি কবিতা প্রকাশিত হইয়াছিল। তিনি একজন স্বাধীনচেতা রাজ
কর্মাচারী ছিলেন: বাঁহাদিগের সহিত তিনি প্রিচিত ছিলেন, তাঁহারা সকলেই তাঁহার
সরল শাস্ত স্থভাবে মুগ্ধ ছিলেন। তিনি পরিষদের অল্পনিবর সভ্য হইলেও চির্দিন ইহার
প্রতি প্রদায়িত এবং ইহার উর্লিত কামনা করিতেন।

শনগেন্দ্রের মল্লিক—ইনি শ্রামপুকুরের স্থবিথাত শিবশন্ধর মল্লিক মহাশরের বংশধর এবং নিজে একজন কতবিস্ত ও হাই-কোর্টের পদন্ত কর্মচারী ছিলেন, জনেক সংকর্মে ইহার যোগ ছিল এবং সাহিত্য-পরিষদের প্রতি ইহার শ্রদ্ধা ও সেহ ছিল।

শ্বত্যগোপাল বিশ্বাস ---ইনি একজন সাহিত্যানুরাগী পরিষদের হিতৈত্বী সভা ছিলেন।

শ্বসমচন্দ্র রায় এম্ এ, বি এল্, — কলিকাতার বিখবিদ্যালরের এম্ এ, পরীকার সৃষ্টি হইলে যাহারা প্রথম সেই পরীকা দেন, ইনি তাঁহালের মধ্যে একজন। প্রসম বাবু একজন বিশান ও বিদ্যাসুরাগী ছিলেন; পরিষদের প্রতি ইহার বিশেষ শ্রদা ও কেইছিল।

ভাষাথনাথ সেন,—এই ব্ৰক কৰিব অকাল মৃত্যুতে বল-সাহিত্যের ক্ষতি হইরাছে বলিতে পারা যায়। রবীজনাথের প্রবৃত্তিত পদ্ধার যে সকল ব্ৰক কৰি গীভ রচনার নিপুণতা অর্জন করিয়াছিলেন, মর্মাণনাথ তাঁহাদের মধ্যে অক্সভম। ম্মাণনাথ আর বন্ধনেই বিশ্ববিদ্যালয়ের বি, এ, পরীক্ষার উত্তীর্ণ হন এবং পিভারই নাার স্ক্তাবপূর্ণ কবিতা রচনার পক্ষম হইয়াছিলেন। ইহার পিভা স্থপ্রসিদ্ধ করাসীভাষাবিৎ স্ক্রবিশ্বিদ্যাণ সেন। এ যুক্তের অকাল মৃত্যুতে সাহিত্য-পরিষৎ বিশেষ ছঃবিতঃ।

শ্বস্থাদ মেত্রেক্সা —ইনি একজন প্রসিদ্ধ বস্তা ছিলেন; সরল শুদ্ধ ভাষার অনর্গণ বক্তৃতা করিছে ইঁহরে মছুত ক্ষমতা ছিল। ইনি মুস্লমান ধর্ম প্রচারক ছিলেন; দেশের সকল সংকর্মে জাতিধন্ম নির্কিশেষে ইনি যোগদান করিতেন এবং তত্তৎ কার্যোর উন্নতির জনা যথেষ্ট পরিশ্রম করিতেন। মুস্লমান শিক্ষা সমিতির উন্নতির জন্য এবং বক্ষার মুস্লমানগণের মধ্যে শিক্ষা বিস্তারের জন্য জীবন উৎস্বা করিয়াছিলেন। দেশে দেশে গ্রামে গ্রহুতা করিয়াইনি স্বন্ধাতিকে প্রবেধিত করিতেন, পরিষদের প্রতি ইছরে যথেষ্ট শ্রদ্ধা ও সেহ ছিল।

তরাজকুনার রায় চৌধুরী এম, এ,—ইনি একজন স্থাসিদ্ধ তেপ্ট ইন্স্পেটর অফ্ স্বল ছিলেন। ইহার রাচত অনেকগুলি পাঠা পুত্তক অংছে। ইহার প্রণীত 'অর্থ বাবহার' গ্রন্থ সাহিত্য সমাজে বিশেষ প্রতিষ্ঠা লাভ করিয়াছিল বান্ধালার সামাজিক ইতিহাসে মহেশপুরের রাম চৌধুরীগণ বিশেষক্ষপে পরিচিত। রাজকৃষ্ণ বাবু এই বংশের জনৈক বংশধর ছিলেন। পরিষৎ তাঁহার বিশেষ আদরের বস্তু ছিল।

ভমতেশচনদ্র সরকার —রক্ষপুর নিবাদী একজন নীরব সাহিত্যসেবী ছিলেন। ইনি নিজের জ্ঞান-পিপাদা চরিতার্থ করিবার জন্ত বে সকল পুরাতত্ত্বে আলোচনা করিয়া গিয়াছেন, তাহার বিবরণ কথন সাধারণে প্রকাশ করিতেন না। ইঁহার পরলোকগমনে রক্ষপুর সাহিত্য-পরিষদের বিশেষ ক্ষতি হইয়াছে।

ভললিতমোহন বন্দ্যোপাধ্যায় প্লিদে কাজ করিলেও বাঞ্চালা সাহিত্যে অমুরক্ত ছিলেন। তাঁহার লিখিত কবিতা গ্রন্থ 'রাধিকা' তিনি পরিষদে উপহার পাঠাইরাছিলেন ও সেই সঙ্গে পরিষদের প্রতি শ্রদ্ধা দেখাইবার জন্ত পরিষদের তহবিলে একশত টাকা দান করিয়াছিলেন।

মৃত সাহিত্যসেবকগণ ঃ --- বাঁহার। সাহিত্য-পরিষদের সভ্য না হইরাও সাহিত্য সেবা ধারা প্রতিষ্ঠা লাভ করিয়াছেন, সাহিত্য-পরিষৎ তাঁহাদেরও মৃত্যুতে শোক সম্বপ্ত হইয়াছেন।

ভকালীপ্রসন্ন কাব্যবিশারদ 'হিতবাদীর' সম্পাদকরণে বঙ্গদেশে সর্বজন-পরি-চিত ছিলেন। এক সময়ে তিনি পরিষদের উৎসাহী সভ্য ছিলেন। পরিষৎ বধন শোভা- ৰাজার রাজবাড়ী হইতে স্থানাস্তরিত হন, দেই সময়ে কাব্যবিশারদের সহিত পরিষদের সম্পক বিচ্ছিন্ন হয়। হিতবাদী পত্রকে তিনি মুমুর্য অবস্থা হইতে রক্ষা করেন এবং দেশের মধ্যে উহার শক্তির প্রতিষ্ঠা করেন। তাঁহার প্রকাশিত বিস্থাপতির পদাবলী প্রভৃতি তাঁহার সাহিত্য পরিচালনের পরিচয়। তাঁহার অকাল মৃত্যুতে তাঁহার স্থাদেশ বস্তুতই ক্ষতিগ্রাপ্ত ইয়াছে।

খদামোদর মুখোপাধ্যায় একজন প্রবীণ সাহিত্য-সেবক ছিলেন; পরিষদের সভা না হইলেও তিনি পরিষদের অধিবেশনে উপস্থিত হইতেন এবং পরিষৎ উট্টোকে সভাপতিত্বে বরণ করিয়া সম্মানিত হইতেন। তাঁহার লিখিত বহুসংখ্যক উপস্থাস তাঁহাকে সাহিত্য সমাজে প্রতিষ্ঠিত করিয়াছিল: তাঁহার প্রকাশিত গীতা গ্রন্থ তাঁহার নিটা, শ্রহ্মা ও শ্রমশীলতার পরিচয় দিয়া তাঁহার নাম স্মরণীয় রাখিবে।

ভব্রহ্মবান্ধব উপাধ্যায়ের মূর্ত্তি ও কণ্ঠনর সাহিত্য-পার্রবদের অপরিচিত ছিল না। 'সন্ধা' পত্রিকার সম্পাদকরূপে তিনি বাঙ্গালা সাহিত্যের সহিত আত নিকট সম্পকে আসিয়াছিলেন; ঐ পত্রিকার রাজনীতির সহিত পরিবদের কোন সম্বন্ধ নাই এবং তি নি যে ভাষা আশ্রম করিয়া ঐ পত্রিকায় আপনার বক্তব্য প্রকাশ করিতেন, তাহাও দেশ কাল পাত্রোচিত ছিল কিনা, তাহা বিচার্যা হইতে পারে। কিন্তু খাঁটি বাঙ্গালা ভাষা, যে ভাষায় আমরা সর্বাদা কথা কহি, নেই ভাষার পরাক্রম কতদ্র, সেই ভাষার শক্তিতে জনসঙ্গ কতদ্র বিচলিত হইতে পারে, তাহা তিনি যেমন প্রতিপন্ন করিয়া গিয়াছেন, তাহা তৎপুর্বেক কোনোই।

শমহারাজ বাহাতুর সার যতীন্দ্রেমাহন ঠাকুর --আধুনিক বাঙ্গালা সাহিত্যের বৈশব সনয়ে বাঁহারা সেই শিশু সাহিত্যের বন্ধ ও সহার ছিলেন, দ্বহারার সার বতীক্রমাহন ঠাকুর তন্মধ্যে অগ্রণী ছিলেন বলিলেও অত্যক্তি হয় না। ধনে মানে পদগোরবে তিনি সমাজের শীর্ষস্থানীর ছিলেন, কিন্তু বাঙ্গালা সাহিত্য তাঁহার নিকট যে সমাদর পাইখাছে তাহা ভূলিবার নহে। মাইকেলের 'তিলোভমাসম্ভব কাব্য' ও অমৃতাক্ষর ছল্কের প্রবর্তনার সহিত তাঁহার নাম বিজড়িত আছে। আধুনিক বাঙ্গালা নাটকের ও নাটকাভিনয়ের ইতিহাসেও তাঁহার নাম শ্বরণীর হইবে। তিনি শব্ধ বাঙ্গালা গ্রন্থ রচনা করিরাছেন; তাঁহার র'টত অনেক গান বছকঠে গীত হইরা পাকে। বাঙ্গালা গ্রন্থ তিনি শেষ দিন প্রান্ত আদরের সহিত পড়িতেন, এবং বাঙ্গালা সাহিত্যের প্রচুর আদের করিতেন। বঙ্গীয়-সাহিত্য-পরিষদের সভ্য না হইলেও তিনি পরিষদের পরমবন্ধ ছিলেন। পরিষদের গৃহনিশ্বাণ তহবিলে তাঁহার এক হাজার টাকা দানই তাহার প্রস্কুট প্রমণে। সাহিত্য পরিষণ্ড গুরা জান্তব বিশেষ আহ্বান করিরা তাঁহার মৃত্যুতে শোক প্রকাশ করিয়াছেন এবং তাঁহার শ্বতিরক্ষার্থ বাবস্থার সম্বন্ধ করিয়া তাঁহার নিকট ঋণ মোচনের জন্ম করিছাছেন এবং তাঁহার শ্বতিরক্ষার্থ বাবস্থার সম্বন্ধ করিয়া তাঁহার নিকট ঋণ মোচনের জন্ম করিছাছেন।

কাৰ্য্য-নিৰ্ব্বাহক সমিতি-- আলোচা বৰ্বে নিম্নলিখিত ব্যক্তিগণ কাৰ্য্য-নিৰ্ব্বাহক সমিতির সভ্য ছিলেন,---

মাননীর বিচারপতি প্রীযুক্ত সারদাচরণ মিত্র এম্ এ, বি এল্—সভাপতি।

আগতোৰ মুখোপাৰণার সরসতী এম্ এ; ডি এল্,

ংক. আর, এ এস, সহকারী সভাপতি

### শ্রীষ্ক্র রবীক্র নাথ ঠাকুর।

- , রায় যতীজনাথ চীধুরী এম্ এ, বি এল্। - শ্রীষক্তর মেজু সুক্তর জিবে দী এম এ- -- সম্পাদক ।
  - " ব্যোমকেশ মন্তফী সহকারী সম্পাদক :
  - " মন্মথমোচন বস্থ বি, এ, "
  - " হেনচক্র দাস গুপ্ত এম এ " "
  - " নগেন্দ্রনাথ বস্থ-পত্রিকা-সম্পাদক:
  - " शीरतस्त्रनां मे पछ राषा छत्र व्याप्त व्याप्त वि वान् -- धनत्रक्षक ।
  - " বাণীনংগ নন্দী---গ্রন্থ রক্ষক।
  - ্ৰগেক্তনাথ মিত্ৰ এম্- ছ- ছাত্ৰসভা পরিদৰ্শক।

#### নিৰ্বাচিত সভা -

মহামহোপাধ্যায় ভীয়ক্ত সংশিচক্র বিষ্ঠাভূষণ এম্ এ.।

- "ফুরেশচক্র সনাজপতি।
- কুমাব " শরংকুমার রায় এম্ এ।
  - " বিহারীলাল সরকার।
  - " रेभरलमहत्त्र मञ्जूमहात् ।
- বায় " নৈকুণ্ঠনাথ বস্থু বাহাতর।
  - " যোগে<del>ল</del>চেল বস্থাৰি এ
  - " চাকচক্র বস্তু।

#### মনোনীত সভা

चै युक्त कौरवाम श्रमाम विश्वावित्नाम अम अ।

- " অমূল্যচরণ ঘোষ বি<mark>স্তাভূষণ</mark>
- " অমু এক্ষণ মল্লিক বি, এ**ল**
- " নরেশচন্দ্র সেন **গুর** এম্ এ, বি এল্ :

चारलाहायदर्व कार्या-निर्वाष्ट्रक मिण्डित >७ वि व्यथित्यम्न इटेब्राहिल।

ত্রেশাদশ বার্ষিক অধিবেশন, --- >৩১৪ সালের ২১ পে বৈশাথ শনিবার অপরাত্রে কেনারেল এসেম্ব্রিস ইম্টিটীউসন হলে পরিষদের অয়োদশ বার্ষিক অধিবেশন হইরাছিল।

সভাপতির অমুপস্থিতিতে মহামহোপাধ্যায় এযুক্ত সতীশচক্স বিদ্যাভূষণ মহাশন্ন সভাপতির আদন গ্রহণ করেন। বার্ষিক সভার নির্দিষ্ট কার্য্য ও পরবর্ত্তী বৎসরের কার্য্য-নির্বাহক সমিতির গঠনের পর প্রীযুক্ত অমৃত্যচরণ ঘোষ বিদ্যাভূষণ মহাশন্ত্র, "১৩১৩ সালের বাঙ্গালা সাহিত্যের বিবরণ" পাঠ করেন।

माधात्रण व्यक्षिरत्रणान,--- गंड वर्र्सत्र माधात्रण मामिक व्यक्षिरवर्णान, यथा--

)। ) ना चावा वृद्धितात ---

প্রবন্ধ

'বঙ্গের পুরাবৃত্তের উপকরণ' শ্রীযুক্ত নগেক্তনাথ বস্থ।

২ ৷ ১৯ শে শ্রাবণ রবিবার ---

প্রবন্ধ—'>) ঘশোহরের নূর উল্যা খাঁ ও মির্জ্ঞানগর—শ্রীযুক্ত অধিনীকুমার দেন।

- (২) আয়ুর্কেদে অন্থিগণনা— শ্রীযুক্ত ছগানারায়ণ সেন শাস্ত্রী
- ৩। ৭ই ভাজ ববিবার--

প্রবিদ্ধ — শঙ্করাচার্য্য ও তৎসম্বন্ধে সমগু জ্ঞাতব্য বিবর্ণ (পূথমাংশ) শ্রীষ্ক্র সম্প্রাচরণ ঘোষ বিস্তাভূষণ।

- ৪। ২২ শে ভাজ-—রবিবার—ঐ --/ দ্বিতীয়াংশ) ঐ
- ৫ ! ৫ই আখিন রবিবার---

প্রবন্ধ — (১) বোড়শ শতাকীতে আদি গঙ্গাতীবে বাঙ্গালার সভাতা—শ্রীয়ক্ত পঞ্চানন বন্দ্যোপাধ্যায় বি এ,

(২) শিবরামের ভাম শাসন---

ही युक्त जा भागम पर का भाभाभाभा वि ज,

- ভ। ৮ই অগ্রহায়ণ বনিবার, প্রক্ত --(১) দশহরার উৎপত্তি, (২) হস্তালিক্সন
  - (৩) वाष्ट्र (मरभत्र छहे न्याहीन त्रास्त्र वः भ

শ্ৰীযুক্ত শিবচন্ত্ৰ শীল।

- (৪) মালয় উপদ্বীপের মৃগায় মৃ্দ্রা ও ভক্ষশিলায় তায়লিপি ভ্রীয়ৃক্ত রাধালদাস বল্লোপাধ্যায় বি এ,
- ๆ। ২০ শে পৌষ রবিবার—
  - পবন্ধ --(১) বাঙ্গালায় বৈদেশিক শব্দ প্রবেশ ই।যুক্ত হুর্গানারায়ণ দেন শাস্ত্রী
    - (১) বাঙ্গাল। নামরহস্ত—গ্রীব্যোমকে**শ মুন্তফ**ী
- ४१ ८० ८भीव ब्रेविवां व

#### ৺মহারাজ বতীক্রমোহন

ঠাকুরের মৃত্যু উপলক্ষে অধিতবশন স্থগিত হয়।

১৯ শে মাখ---রবিবার স্থগিত অধিবেশন

. প্রবন্ধ—(১) সন্ধি –শ্রীযুক্ত শ্রীনাথ সেন।

(১) সপ্তগ্রাম-প্রীযুক্ত রাখালদাস বন্দোপাধাার

#### ৯। ৪ঠা ফাল্কন রবিবার

প্রবন্ধ (১) আয়ুর্বেদে অন্থি-সন্ধি—ত্রীবৃক্ত ছর্গানারায়ণ দেন শান্ধী

ং: মোসলমান নামতত্ব—গ্ৰীপন্মনাথ ভট্টাচাৰ্য্য বিস্থাবিনোদ এম্ এ

(৩) বিক্রমপুরে চাঁদ রায় ও কেদার রায়---

শ্ৰীযুক্ত যোগেক্তনাথ গুপ্তা

#### ১০ ২বা চৈত্র রবিবার---

প্ৰস্ক (১) বাঙ্গালার আদিগ্ৰন্থ — জীযুক্ত নগেজনাথ বস্

- २) দমগ্रন্থীর চৌতিশা— এীযুক জীবেজকুমার দত্ত
- (७ (वन्हिस्तातत कृत्य-श्रीय्क रश्मत्य नाम अध धम् ध.
- (8) विक्रमभूत अक्षरणत (थना-- श्रीवृद्ध विस्तारमध्य मान अध,

দেখা যাইতেছে যে পঠিত প্রবন্ধের মধ্যে অধিকাংশই ইতিহাস প্রত্নতত্ত্ব ও ভাষাতত্ত্ব ঘটিত।

শংগদিন বাতীত এই সকল অধিবেশনে অন্তান্ত কার্য। ইইরাছিল। দিতীর অধিবেশনে প্রবন্ধ-পাঠক নর-কলাল প্রদর্শন করিয়া আযুর্বেলাক অস্থিসমূহের নামোল্লেথ করেন, ও আর্থুনিক অন্থিবিজ্ঞার সহিত আয়ুর্বেলের কতদ্ব মিল আছে তাহা দেখান। এই অধিবেশনে পঠিত পবন্ধটি পরিভাষা গঠনে সাহায় করিবে। উহা পজিকার ১৪শ ভাগ ২য় সংখ্যায় প্রকাশিত ইইরাছে। তৃতীয় ও চ চূর্থ অধিবেশনে প্রবন্ধ পাঠক শল্পরাচার্য্য সম্বন্ধে যাবভীয় জ্ঞাভবা সঞ্চলন করিয়া পরিষংকে উপহার দেন। এই প্রবন্ধ প্রচুর পরিশ্রমের ফল। চ চূর্থ অধিবেশনে হাজিপুরে গলাগর্ভে আনিছত এবং পরিষদের অন্তর্জন সভা শ্রীযুক্ত বসম্বন্ধন রাম মহাশয় কর্তৃক আনীত একটি গোলা প্রদর্শিত হয়। ঐ গোলার উপর একটি লাম খোলাই আছে। পঞ্চম অধিবেশনে প্রথম প্রবন্ধের পাঠক আদি গলাভারে ও ফুল্বন্ধনে আবিষ্কৃত ইলিয়াস্ সাহ, সেকেলার সাহ এবং ছলেন সাহ প্রভৃতি সম্রাট্দিগের কতকশুলি রোপ্যমুদ্ধা এবং অন্তান্ত জব্য প্রদর্শন করেন। অন্ত প্রবন্ধের পাঠক কটকে আবিষ্কৃত শিবরাজার তাম্রশানন দেখাইয়া প্রদর্শন করেন। এই শিবরাজের নাম পূর্বের পাওয়া বায় নাই। যঠ মধিবেশনে শ্রীযুক্ত রাধানদাস বন্দোপাধ্যায় মালয় উপদীপে প্রাপ্ত বৃদ্ধের ও বোধিসন্ধের মৃত্তির

উল্লেখ করিয়া তক্ষশিলার প্রাপ্ত একথানি তাত্রক্ষলক প্রদর্শন করেন। ঐ তাত্রকলকে মেধিয়ক্ নামক বাক্তি ও তাঁহার পত্নী কর্তৃক কুপ প্রতিষ্ঠার উল্লেখ আছে। রুদ্রদাম ও রুদ্রদিংহ নামক প্রাণ্ডীন শকরাজার নামান্ধিত মুদ্রাও এই অধিবেশনে রাপাল বাবু কর্তৃক প্রদর্শিত হয়। অষ্ট্রম অধিবেশনে মহম্মদ ধায়রাম আনাম সাহেব একটি ধোদিত লিপির প্রতিলিপি পাঠ করেন।

বিশেষ অধিবেশন।

১। ২৫ শে জৈষ্ঠ রবিবাব

জৈন সম্প্রদারের ধর্মপ্তক মুনি মহারাজ ধর্মবিজয়ী নিমন্ত্রিত হটয়া সভাপতির আসন গ্রহণ করেন ও শ্রীযুক্ত অম্লাচবণ ছোষ বিস্তাভূষণ "জৈনধর্মের ইতিহাস" সম্বন্ধে প্রবন্ধ পাঠ করেন :

২। ৮ই ভাক্ত রবিবার - -

শীর্ক্ত অধিকাচরণ সেন এম্ এ. বি এল্, আই. সি, এস্, সহাশর "ঋণ্ডেদ ও ঋণ্ডেদীর ধর্মা নামে বৈদিক প্রবন্ধ পাঠ করেন।

০। **৩রা ফাস্কুন শনিবার**, ৮মহারাজ যতীন্ত্রের সন্মানার্থ এই বিশেষ অধিবেশন আছেত হয়। মাননীয় সভাপতি মহাশয় সমং উপস্থিত ছিলেন শ্রীযুক্ত বো মকেশ মুন্তফী "মহারাজ ষতীন্ত্রমোহন ও বঙ্গ সাহিত্য" নামক প্রবন্ধ পাঠ করেন। অশাস্ত সভাগণ মহারাজের বিবিধ শুণগ্রাম ও কীত্তিকলাপের বর্ণনা করেন। পরিষৎ মহাবাজের শ্বতি রক্ষণে বাবজা করিবেন, এইজপ সম্ভ্রা করেন।

পরিষ্থ কার্য্যালয় —কার্যা-নির্কাহক-সমিতিব অনুমতিক্রমে কার্যালয়ের একাংশ বছদিন গরিয়া সিকদারবাগান বান্ধব লাইব্রেরী কর্তৃক অধিকৃত থাকায় পরিষদের অনেকগুলি অধিবেশন গানান্ধরে ঘটয়াছিল। জাতায় শিক্ষাপরিষদের বছবাজার ট্রীটের বাড়ীতে মাসিক অধিবেশনশুলি বসিয়াছিল। এজন্ত শিক্ষাপরিষদের কর্তৃপক্ষণণ সাহিত্য-পরিষদের ক্রন্তজ্ঞতাভাকন। কলিকাতা ইউনিভার্সিটি ইন্ষ্টিটুট ও জেনারেল ংসেম্রিজ বিভালয়ের কর্তৃপক্ষও বিশেষ অধিবেশনের জন্তু তাঁহাদের হল ছাড়িয়া দিয়া পরিষৎকে অনুগৃহীত করিয়াছিলেন। বান্ধব লাইব্রেরী হরা আখিন তারিধ পর্যান্ত পরিষদের কার্যালয়ে অবন্ধিত ছিল।

বৎসরের আরক্তে শ্রীশন্দ্রসেবক নন্দী মাসিক । ৫১ টাকা বেতনে লেথক নিযুক্ত হন। বংসব শেষে তাঁহাকে অবসর দেওয়া হইয়াছে।

বংসরের শেষ ভাগে লাইত্রেরীর তালিকা প্রস্তুত করিবার জপ্ত একজন অস্থায়ী লেখক মাসিক ১২ বেতনে নিযুক্ত হুইয়াছেন, তাঁহার কার্য্য এখনও চলিতেছে।

বিশেষ সভ্যগণের কার্য্য—১৩১৩ সালের শীতকালে বিশেষ সভ্য শ্রীযুক্ত পঞ্চানন বল্যোপাধ্যায় বি, এ, মহাশয় পরিষদের নিয়োগক্তমে একজন ফটোগ্রাফার সহ উওররাঢ়ের কিয়দংশ অমণ করিয়া নানাবিধ তথ্য সংগ্রহ করিয়া আনেন। তাঁহার সঙালত বিবরণ পজিকার প্রকাশিত হইয়াছে। পঞ্চানন বাবু স্বেষণাপূর্ণ প্রবন্ধাঠাদি ছারা পরিষৎকে উপক্ত করিয়াছেন। অন্যান্য বিশেষ সভ্যগণ পঞ্চানন বাবুর অক্করণে পরিষদের সাহায্য করেন, ইহাই প্রার্থনীয়।

ছাত্র সভ্যগণের কার্য্য -- কংগক বংসর হইতে সাহিত্য-পরিষৎ কঠিপর ছাত্র সভ্য নিযুক্ত করিয়া আসিতেছেন। আলোচ্য বর্ষে শ্রীযুক্ত থগেন্দ্রনাথ মিত্র মহাশরের অধ্যক্ষতার ছাত্র সভ্যেরা প্রকৃতপক্ষে কাজ করিতে প্রবৃত্ত হইরাছেন। একজন চাত্র সভ্য পূর্ববঙ্গে প্রচলিত নানাবিধ গ্রাম্য খেলার বিবরণ সংগ্রহ করিয়াছেন এবং সেই বিবরণ প<sup>্</sup>রকার প্রকাশবোগ্য বিবেচিত হইরাছে। আশা করা যায় এই দৃষ্টান্ত অপর ছাত্র সভ্যগশকে উৎসাহ দিবে এবং আগামী বংসর তাঁহারা পরিষৎকে সাহায্য করিতে পারিবেন। এ বংসর ছাত্র সভ্যবের কুত্র কাথ্যের বিবরণ পরিশিষ্টে প্রকাশিত হইল

শাখা স্মিতির কার্য্য—শাখা স্থিতির মধ্যে শক্ষ-স্থিতির কার্য্য এ বংসরেও মাধক অগ্রসর হয় নাই বৈজ্ঞানক পারভাষা সক্ষলনের কার্য্য বছকাল হইতে স্থপিত আছে। এ বংসর পূজার পূর্বে ২ আখিন তাারপে বৈজ্ঞানক পারভাষা সক্ষলন বিষয়ে পরামশের জন্ম বিবিধ বিজ্ঞান শাস্তে অভিজ্ঞ ব্যক্তি দগকে আহ্বান করিয়া এই কংগ্রে পূনরার প্রবৃত্ত হইবার উল্প্রোগ করা হয়। ঠিক সেই সময়ে কলিকাতা সহরের উত্তর্গঞ্জে পূলিশের হালামা উপস্থিত হওয়ায় সেই অধিবেশনে অধিকাংশ আহ্ত ব্যক্তি উপস্থিত হওয়ায় সোনাল বাহাত্র, ডালোর রাধাগোবিন্দ কর, রায় যতিকাশ্ব চৌধুরী প্রভৃতি যে কয়্সন উপস্থিত হইয়াছিলেন তাঁহারাও কোনরূপ মীমাংসায় উপস্থিত হইতে পারেন নাই। তদবধি এ বিষয়ে আর কোন চেন্তা হয় নাই।

প্রস্থান সমিতি এছ গ্রাণ-সমিতির কোন আধ্বেশন আবশাক হয় নাই লালগোলার রাজা প্রীয়ক্ত যোগেক্ত নারায়ণ রায়ের অর্থ সাহাযো প্রীয়ক নগেক্ত নাথ বস্থ কর্তুক সম্পাদিত শূন্যপুরাণ এই বৎসর প্রকাশিত ও সভ্যগণকে বিনা মূল্যে বিভরিত হইয়ছে: এই গ্রন্থখনি প্রকাশ করিয়া সাহিত্য-পরিষৎ বিশেষ আনন্দলাভ করিয়াছেন। সাহিত্য-পরিষৎ পত্রিকার চতুর্থ বর্ষে মহামহোপাধ্যায় হরপ্রসাদ শাল্রী মহাশম এই পুত্তকের আবিকার বার্ত্তা প্রচার করেন। পত্রিকার পরিষ্ঠা বাহার করেন। পত্রিকার আবিকার বার্ত্তার্থ প্রথকের পরিশিষ্ট বাহির করেন। পত্রিকার অয়োদশ ভাগে পশ্তিত বিনাদবিহারী কাব্যতার্থ প্রতকের রচয়িতা রামাই পশ্তিতের বিবরণ প্রকাশ করেন: এসিয়াটিক সোসাইটির একথানি পূথি ও নগেক্ত বাবুর একথানি পূথি অবলম্বন করিষা এই গ্রন্থ প্রাচীন। এমন কি, আবিদ্ধত বাহালা গ্রন্থ সম্ভের মধ্যে এই গ্রন্থকেই স্ব্রাপেক্ষা প্রাচীন মনে করিতে পারা বাম।

কিংবদন্তী অনুসারে রামাই পশুত বৌদ্ধ রাজা ধর্মপালের সময় বিশ্বমান ছিলেন। এই প্রশ্ন তাঁহার রচিত হইলে ইহাকে প্রায় সহস্র বৎসরের প্রাচীন পুত্তক বলা বাইতে পারে।
ইহাতে ধর্মপুজার পদ্ধতি আছে, কিন্তু লাউসেনের কোন প্রসন্ধ নাই। তৎকালে প্রচলিত
বিক্লত বৌদ্ধধর্মের পরিচর এই প্রস্থে বেমন পাঙ্রা যায়, তেমন আর কিছুতে পাওরা যায়
না। বালালা ভাষার প্রাচীন রূপ নির্পণেও এই গ্রন্থ প্রচর সাহায্য করিবে।

নগেন্দ্র বাব্র সম্পাদনে নরহরি চক্রবর্তীর প্রণীত 'নবন্ধীপ পরিক্রমা' মুক্তিত হইতেছে। লালগোলার রাজা বাহাত্রের মর্থ সাহায্যে এই গ্রন্থ আগোনী বৎসর প্রকাশিত হইবে।
ইহার প্রকাশে শ্রীটেডনাের সমসামারক ঐতিহাসিক ও ভৌগোলিক বছ তথ্য জানা
বাইবে।

শ্রীযুক্ত নগেন্দ্রনাথ গুপ্ত সম্পাদিত বিশ্বাপতির পদাবলী এখনও ছাপা শেষ হয় নাই।
মূল পুঁণির অভাবে মাননীয় বিচারপতি আগুতোষ মুখোপাধায় মহাশয়ের সম্পাদিত
কাশীদাসী মহাভারতের সম্পাদন কার্যা অগ্রসর হইতে পারে নাই:

কবিকরণের গৃহস্তালখিত চণ্ডীগ্রন্থ অবলঘনে ঐ পুশুকের মৃদ্রণ কার্য। আরম্ভ হটরাছ।
ঐীযুক্ত দীনেশচন্দ্র সেন ইহার সম্পাদকত। করিতেছেন। মৃল পুঁথিখানি পরিষদের
হস্তগত হটরাছিল ও পরিষৎ উহা উচিত মৃলো ক্রমের আদেশ দিয়াছিলেন; কোন কারণ
বশতঃ আপাততঃ পুঁথিখানি হস্তাস্তরিত হটয়াছে। কুমার ঐাযুক্ত শরৎকুমার রায় এই
গ্রন্থকাশের বায়ভার গ্রহণ করিয়াছেন।

ঐতরের আহ্মণের অফুবাদাংশের ছাপা শেব হইরাছে। ভূমিকা ও নির্ঘণ্টাদি মুদ্রিত হইলেই এই গ্রন্থ আগামী বৎসংর প্রকাশিত হইবে। কুমার শরংকুমার এই গ্রন্থেরও ব্যয়ভার গ্রহণ করিয়াছেন।

কুমার শরৎ কুমারের অর্থ সংহায়ে পণ্ডিত শ্রীর্ক্ত বিধুশেশর শাল্রী কর্তৃক শতপথ ব্রাহ্মণের অমুবাদ কার্য অনেকটা গ্রাসর ২ইরাছে। শান্তই ছাপা আরম্ভ হইবে। এই বৃহৎ গ্রন্থ প্রকাশে দীর্ঘ সময় আবশ্যক। প্রকাশ হইকে এই গ্রন্থ পরিষদের গৌরব বৃদ্ধি করিবে সন্দেহ নাই।

লালগোলার রাজা বাহাছরের এর্থ সাহায্যে শ্রীভাষ্যের বঙ্গান্তবাদও বছদুর অপ্রসর হইরাছে। পণ্ডিত তুর্গাচরণ সাংখ্যতীর্থ ইহার অন্থবাদক। এই প্রছেরও ছাপা শীদ্র আরম্ভ হইবে।

আলোচ্য বর্ষে পত্রিকার অতিবিক্ত সংখ্যা স্বরূপে প্রীযুক্ত রাথালদাস বন্দ্যোপাধ্যার সকলিত "শকাধিকার কাল ও কণিছ" নামক পুত্তিকা প্রকাশিত হইরাছে। এথানি বালালা সাহিত্যের ঐতিহাসিক গ্রন্থগুলির মধ্যে উচ্চস্থান পাইবে সন্দেহ নাই। শকরাজ্ব গণের মুজা ও তাদ্রশাসনাদির হাজ্টোন প্রতিকৃতি থাকার এবং ঐ রাজাদের সম্বন্ধে আজি পর্যন্ত আবিষ্কৃত বাবতীর বৃত্তান্ত সকলিত হওরার গ্রন্থথানি উপাদের হইরাছে।

অধ্যাপক বোগেশচন্দ্র রার বাঙ্গালা গ্রামাশন্দের তালিকা সংগ্রহ করিয়া বৈজ্ঞানিক প্রণালীমতে কোবগ্রন্থ রচনা করিয়াছেন। পরিষৎ কর্তৃক ঐ গ্রন্থ প্রচারের জন্য সম্পাদকের সহিত তাঁহার কথাবার্ত্তা চলিতেছে। বাঙ্গালা ভাষার সর্বাঙ্গ-সম্পূর্ণ অভিধান সঙ্কলন পরিষদের জনাত্ম উদ্দেশ্য। এই গ্রন্থখানি সেই উদ্দেশ্য সাধনে জমুকুল হইবে।

বৃহকাল ধরিয়া সপ্তথান বছদেশের প্রধান ও প্রাসিদ্ধ নগর ছিল। সেই সপ্তথামের পুরাতিত্ব সঙ্কলনে এ পর্যাপ্ত কোন চেষ্টাই হর নাই। শ্রীযুক্ত রাখালদাস বন্দ্যোপাধ্যারের বত্বে এ সন্ধন্ধে ধাহা আবিষ্ণত হইয়াছে প্রাচীন ভগাবশেষের হাক্টোন চিত্র সহ তাহার বিবরণ মাগামী বৎসর প্রকাশের ব্যবস্থা হউতেছে।

পূর্ব্ব পূর্ব্ব বংসরের নাায় এ বংসরেও পরিষদের পরম বন্ধু শ্রীযুক্ত রাজা নোগেন্দ্রনারায়ণ প্রাচীন গ্রন্থ প্রকাশার্থ ৩০০, দান করিয়াছেন

গৃহনিশ্মাণ সমিতি ও গৃহনিশ্মাণ-পরিষদের নিজ গৃহ নিশ্বাণ পরিষদের পক্ষে এ বৎসর সক্ষপ্রধান ঘটনা। ১৩০৬ দালের শেষভাগে পরিষৎ ষথন শোভাবাজারের রাজ-বাটী হইতে বাহির হইয়া আদেন, সেই সময়ে ৮রজনীকান্ত গুপ্ত প্রমুধ কভিপন্ন ব্যক্তি কাশীমবাজারে গিয়া মধ্যাত্র শ্রীযুক্ত মণীক্রচক্রের নিকট পাঁচ কাঠা ভূমি ভিক্ষা করিয়া আনেন। কিছুদিন পরে ভিক্ষার পরিমাণ আরও কিছু বাড়াইরা প্রায় সাতকাঠা ভূমি মহারাজ কর্ত্ক রেজেপ্টারী দান-পত্তের দারা পরিষদে অপিত হয়। ঐ ভূমি এতদিন ধরিয়া পড়িয়া ছিল। নানা কারণে পরিষৎ গৃহনিখাণ আরম্ভ করিতেই পারেন নাই। মার্টিন কোম্পানি পরিষদের মন্দিরের যে নক্সা প্রস্তুত করিয়াছিলেন তদমুসারে তাঁহারা প্রায় ২৮০০০ টাকা এপ্রমেট দেন। ঐ এপ্রিমটের বার পরিষদের পক্ষে ত্র্বহ হইয়াছিল। আলোচা বর্ষের আরম্ভে পরিষৎ ৩৫০ মূলো ঐ নক্সার স্বন্থ মাটিন কোম্পানীর নিকট ক্রের করিয়া লয়েন এবং নক্সাও অমুষাধী গৃহ নির্মাণার্থ সংবাদপত্তে বিজ্ঞাপন দিয়া টেণ্ডার আহ্বান করেন। কণ্ট্রাক্টার জীযুক্ত করুণাময় গঙ্গোপাধ্যায়-দত টেণ্ডার স্বীকৃত হয়। গাকুলী মহাশয় ১৮০০০, টাকা বায়ে মন্দিরের নিয়তল ও বিভীয় তলের সন্মুধভাগে শাইত্রেরীর জন্ত একটা হল প্রস্তুত করির। দিতে সম্মত হন। পরিষদের সম্পাদক এক भवतम नानरभानात ताकावाराइरतत निक्षे शृहनियांभार्य जिकाली इहेशाहिरान । श्रु कार्डिक बारम कानीयवाकारत माहिला-मियान উপनत्क পतियरमत्र मन्नामक रमधारन সেইথানে শ্রীযুক্ত রাজা বোগেক্রনারারণ রার বাহাত্র সম্পাদকের উপস্থিত ছিলেন প্রার্থনা পুরবের আশা দেন। তাঁহার অভিপ্রায় মতে সম্পাদক বিতলব্যাপী বৃহৎ হলের এষ্টিমেট তৈয়ার করাইয়া তাঁহার নিকট প্রেরণ করেন। বিতল জুড়িয়া হল তৈয়ার করিতে >••६৮. এष्टिमि इत्। देव्या मारमत्र २०८म जातिरथत कार्या-निर्वाहक मिक्टिज भतिरथ मन्नामक ब्रामा वाराष्ट्रतब शव शांठ कतिबा कानारेलन व के ১००६४ होका मनुमन লালগোলার রাজা বাহাছর একাকী প্রদান করিবেন। কার্যা-নির্কাছক সমিতি মহানন্দে

রাজা বাহাগ্রের এই রাজোচিত দান গ্রহণ করিয়াছেন এবং ছিতলের হলের নক্সা ৫ স্থত করিয়া তদকুসারে ছিতল গৃহ নিশাণেয় জন্য কণ্ট্রাক্টার করণা বাবুকে আনদেশ দিয়াছেন।

পরিষৎ মন্ত আহলাদের সহিত সহর ও মফসলের যাবতীয় সভাগণকে বিজ্ঞাপন করিতেছেন যে, এই দিতল মট্টালিকার নিম্মাণকাথ্য প্রায় সমাপ্ত হইরাছে। পুর সম্ভব, নৃতন বর্ষের আয়াঢ় মাদে পরিষৎ নিজ গৃহে প্রবেশ করিতে সমর্থ হইবেন।

দ্বিতল গৃহ নিশ্বাণ পরিষদের পক্ষে এতদিন আশার অতীত ছিল। পরম হিতৈষী রাজা বাহাত্রের অসামান্য অমুগ্রহে সেই আশা পূর্ণ ১ইতে চলিল। কিছ এ বিষয়ে পরিষদের সভ্য ও বন্ধুগণের নিকট পরিষৎ এখন ও সাহায্য প্রত্যাশা করেন। জলের এবং আবোর ব্যবস্থা বং গৃহসজ্জা আগবাৰ প্রভৃতি লইয়া অন্যুন ২৬০০০ টাকার কমে নৃতন शृह मुच्लूर्व इहेरव ना। जानरशालांत त्रांका वाशांत्र এवः अनााना वसूत मान मरस्ड এখনও পাচ ছয় হাজার টাকা পরিষদের আবশ্যক হইবে, এবং ঐ টাকার জন্য গৃহে প্রবেশ কালে পরিষং কণ্ট্রাক্টরের নিকট ঋণী থাকিবেন । নবমন্দিরে প্রবিষ্ট ইইরা নবোৎসংছে कार्या आवस्त्र कवित्रा পविषय नृष्ठन क्षावन लाख करवन हेश एए। थरळ याशवा हेस्स करवन, তাহারা সত্তর এই ঋণ মোচনের জনা পরিষদের যথাশক্তি সাহায়া করুন, কার্যা- নর্বাহক সমিতি সর্বসাধারণের নিকট এই প্রার্থনা কারতেছেন কলিকাতা সহরের উত্তরাঞ্চল স্কাসাধারণের মিননের জনা অথব। সভা স্মিতির জনা কোন উপযুক্ত স্থান নাই। পার্ষদের এই দ্বিতল গৃহ নিম্মিত হইলে কালকাতা নগরের একটি অভাব দূর ১ইবে: এই নিমিত্ত পরিষৎ সহরবাদিগণেরও সহাত্ত্তি প্রভ্যাশা কারতে পারেন। বস্থমতী পাত্রকা পরিষদের মট্টালিকার চিত্র সহিত পরিষদের সংক্ষিপ্ত উতিহাস প্রকাশ করিয়া সর্বসাধারণকে গৃহনিশাণে সাহায়া করিতে অহুরোধ করিয়াছেন, এজনা 'বস্তমতী' পরিষদের কৃতজ্ঞতাভাবন।

সাহিত্য-পরিষ্থ-পত্রিকা--নগেজ বাবুর সম্পাদকতার পাংষ্থ-পত্রিকার তিন সংখ্যা এবং একথানি অতিরিক্ত সংখ্যা এ বংসর বাহির হইয়াছে। চতুর্থ সংখ্যা প্রকাশে বিলম্ব ঘটিয়াছে। সভ্যগণ তজ্জন্য ক্ষমা করিবেন। প্রবন্ধের উপকারিতা বৃদ্ধির জন্য পত্রিকার বহু পরিমাণে হাফ্টোন্ চিত্রের সন্ধিবেশের ব্যবস্থা করা হইয়াছে ও ভবিষ্যতে হইবে। পন্নিবদের সভ্য প্রীযুক্ত রাখালদাস বন্দ্যোপাধ্যার পত্রিকা সম্পাদককে সাহায্য করিয়। কভজ্জভার পাত্র হইয়াছেন। আগামী বংসর হইতে জন্যতম সহকারী সম্পাদককে পত্রিকা ও গ্রন্থাবলী ব্যাসময়ে প্রকাশের ভ্রাব্যারণের ভার দেওয়া হইবে, পরিষ্ণ সম্পাদক এইরূপ ব্যব্যা করিয়াছেন। এই নৃত্ন ব্যবস্থার পত্রিকা ও গ্রন্থ প্রকাশে অর্থা বিলম্ব ঘটিবে না, এইরূপ আশা করা যায়। পত্রিকার প্রকাশিত প্রবন্ধাদি ক্রমশই পরিষ্ণের উদ্দেশ্ত জন্ম্বারী ও গৌরবকর হইতেছে; ভজ্জনা প্রকা-সম্পাদক ও প্রবন্ধ গেথকগণ পরিষ্ণের ক্তজ্জভাভাজন।

পাঠাগার—পরিষদের পাঠাগারে পূর্বের ন্যার সংবাদ-পত্ত ও সামন্ত্রিক পত্তাদি আসিতেছে এবং স্থানীয় অধিবাসীরা প্রত্যহ অপরাক্ষে পাঠাগারে বুসিরা ঐ সকল পত্তিকা অধ্যয়নের স্থবিধা ভোগ করিয়া আসিতেছেন। পরিষদের নৃতন গৃহে পাঠাগার স্থানীর লোকের পক্ষে আরও হিতকারী হইবে, সন্দেহ নাই। সিকলারবাগান বান্ধব পুস্তকালয় এ বংসরের করেকমাস পর্যন্ত পরিষং গৃহে বর্ত্তমান ছিল। তজ্জনা ঐ লাইব্রেরী সংস্কৃষ্ট বার্ক্তিগণ্ড পরিষদের পাঠাগারে উপস্থিত হইয়া অধ্যয়নাদিব স্থবিধা পাইয়াছেন।

পুষ্ঠিক লিয় — শালোচা বর্ষের শেষে পরিষদের পুস্তকালয়ে পুস্তকের সংখ্যা ও পুথির সংখ্যা ৪০৬ হইয়াছে। বর্জমান কার্যালিয়ের স্থানাভাব হেডু পুস্তকালয়টি অভায় বিশৃশ্বলভাবে রাহয়াছে। বর্জমান অবস্থায় এই অভাব দূর করিবার উপায় নাই। বর্ষশেষে একঞ্চন বেতনভোগী লেখক নিযুক্ত করিয়া পুস্তকশুলিয় নৃতন তালিকা সঙ্গলনের কিছু চেষ্টা হইয়াছে। কিন্তু নৃতন বাড়ায় বড় হলে স্থান প্রাপ্তি পর্যান্ত পুস্তকালয়ের সমুচিত ব্যবস্থা ও সম্পূর্ণ তালিকা সঙ্গলনের স্থবিধা হইবে না। এই স্থানাভাব হেডু পূর্ব্ব পূর্ব্ব বংসরের মত পূথি সংগ্রহে এ বংসর চেষ্টা ঘটে নাই। তবে অনেকশুলি অভি প্রাচীন মৃত্তিত পুস্তক ক্রীত বা সংগৃহীত হইয়াছে। তলাধ্যে শ্রীয়ামপুরের মিশনারীদের বঙ্গে প্রকাশিত কৃত্তিবাসী রামায়ণ ও কাশীদাসী মহাভারতের প্রথম মৃত্তিত সংস্করণের উল্লেখ করা যাইতে পারে। বঙ্গদেশের বিবিধ বিবরণ জানিবার জন্য গবর্ণমেণ্টের প্রকাশিত ইংরেজি রিপোর্ট শুভুতি জনেক সংগৃহীত হইয়াছে। পরিষদের সভাগণ এবং তছিয় গ্রহণেকগণ বে সকল পুস্তক পরিষৎকে উপহার দিয়াছেন তাহার তালিকা পরিশিষ্টে প্রকাশিত হইল।

দান প্রাপ্তি—পরিষণের প্রতি সাধারণের শ্রন্ধা দিন দিন বৃদ্ধি লাভ করিতেছে, দান প্রাপ্তিতেই ভাহার বিশেষ পরিচয় পাওয়া বায়। এ বিষয়ে পরিষণকে বাঁহারা অমুগ্রহ করিয়াছেন, লালগোলার রাজা শ্রীষ্কু যোগেন্দ্রনারারণ রায় তাঁহাদের মধ্যে অগ্রগণা। গৃহ-নিশ্মাণ তহবিলে সাহায়ার্থে তাঁহার অসামান্য অমুগ্রহের উল্লেখ পূর্বেই করা হইরাছে। বর্ষে বর্ষে তিন শত ট কা প্রদান করিয়া তিনি পরিষণ কর্তৃক প্রাচীন গ্রন্থাবলী প্রকাশ পরিষদের সাধ্য করিয়াছেন। পরিষদের বায় বেরপ বাড়িয়া যাইতেছে তাহাতে রাজা বাহাছরের এই অমুগ্রহ না থাকিলে পরিষদের যাহা প্রধানতম কর্ত্তব্য সোধনেই ক্রাটি ঘটিত। আর যে সকল বদান্য ব্যক্তি পরিষণ কর্তৃক বিবিধ সন্তান্থ প্রচারের ব্যরভার বহন করিয়াছেন তাঁহাদের নাম যথাস্থানে উল্লিখিত হইয়াছে। এই সকল অক্সন্তিম বন্ধুগণের নিকট সম্ভিত কতজ্ঞা প্রকাশ পরিষদের পক্ষে অসাধ্য। গৃহনিশ্মাণ তহবিলে বে সকল মহান্ধা সাহায়ে প্রতিশ্রুক ইইয়াছিলেন, তাঁহাদের প্রতিশ্রুক্ত অর্থ এ বৎসর অনেক আদায় হইয়াছে। যাহাদের এখনও আদায় হয় নাই, জাশা করা যায়, আগামী বর্ষে সত্বর প্রতিশ্রুক্ত পালন করিয়া তাঁহারা পরিষণকে ক্রজ্জভাপানে আবদ্ধ করিবেন।

পরিষদের প্রতি সর্ব্যাধারণের অন্ত্রাগ বে ক্রমেই বাড়িতেছে তাহার পরিচর নানারপে পাওয়া গিরাছে। পরিষৎ বৈদিক গ্রন্থ প্রচার করিতেছেন গুনিরা শ্রীষ্কু ঝতেজনাথ ঠাকুর মহাশর ঐ কার্য্যের মাহায্যের জন্য পনর টাকা সম্পাদকের নিকট পাঠাইরাছেন। এবং পণ্ডিত শ্রিষ্কু শিবনাথ শাস্ত্রী মহাশর আপন চেষ্টার ৮০, টাকা সংগ্রন্থ করিয়া মাইকেল মধুসদন দত্তের কোনরূপ স্থতিচিত্র স্থাপনের ব্যব্যার জন্য পরিষদের হত্তে ঐ টাকা অর্পণ করিয়াছেন। পরিষদের নৃতন মন্দিরে বাঙ্গালার সাহিত্যসেবিগণের কোন না কোন স্থতিচিক্ত স্থাপিত হর ইহা সর্বতোভাবে প্রার্থনীয়। করেকথানি তৈলচিক্ত ইতিমধ্যেই কার্য্যালয়ের প্রাচীর অলঙ্কত করিতেছে। ৮২েমচন্দ্র বন্দ্যোপাধ্যায়ের স্থাতরক্ষণ সমিতি কবিবরের যে পার্যাল মুর্ত্তি গঠন করাইয়াছেন তাহাও পরিষদের নৃতন মন্দির শোভিত করিবে এরূপ সম্ভাবনা আছে। মাইকেল মধুস্থদনের স্থতিচিক্ত সেই মন্দিরে স্থাপিত হয় ইহা সর্ব্যতোভাবে প্রার্থনীয়।

. কলিকাতা বিশ্ববিদ্যাণয় তাঁহাদের প্রকাশিত কোন কোন গ্রন্থ পরিষদে দান করিয়া আদিতেছেন এবং বালালার এসিয়াটিক সোসাইটি তাঁহাদের প্রকাশিত বহুম্লা পত্তিকাদি পরিষদে নিয়মিতরূপে দান করিতে সম্মত হইয়া পরিষৎকে ক্তক্ততাপাশে বদ্ধ করিয়াছেন বিশ্ববিদ্যালয় ও এসিয়াটিক সোসাইটি উভয় সনাজেরই বর্ত্তমান অধ্যক্ষ সেই মাননীয় বিচারপতি শ্রীযুক্ত আশুতোষ মুখোপাধ্যায় মহাশয় এজন্য পরিষদের ক্রক্তক্ততাভাজন।

আয়-ব্যয় বিব্রণ—পরিষদের আর বৃদ্ধিও পরিষদের প্রতি সাধারণের সহায়ভৃতি বৃদ্ধির অন্ততম পরিচর। আলোচ্য বর্ষে পরিষদের সাধারণ তহবিলে সর্বপ্রকারে ৪৮৮১ ০ টাকা আর ও ৪৮৮৫।০০০০ টাকা বার হইরাছে। গত বর্ষ শেষে উদ্ভ ২৩০৮০/ যোগ করিলে আলোচ্য বর্ষের শেষে সাধারণ তহবিলে ২৪৬॥৮০০ টাকা উদ্বৃত্ত দেখা যায়। সাধারণ তহবিলের এবং অপরাপর বিশেষ তহবিলের আয়-ব্যন্ন বিষরণ পরিশিন্তে প্রকাশিত হুইল। শ্রীযুক্ত গৌরীশঙ্কর দে ও শ্রীযুক্ত ললিতচক্র মিত্র মহাশরেরা যত্নপূর্বক পরিষদের আয়-ব্যন্ন হিসাব দেখিরা দিরাছেন, তজ্জন্ত তাহারা ক্রতক্ততার পাত্র।

গত বৎসর কার্য্য বিবরণীর পরিশিষ্টে পরিষদের বর্ষশেষের দেনা পাওনার একটি বিবরণ প্রথম বাহির হইরাছিল। তাড়াতাড়ি সকলিত হওরার ঐ বিবরণ সম্পূর্ণ বিশুদ্ধ হয় নাই। এবংসর কার্য্য বিবরণীর পরিশিষ্টে যে দেনা পাওনার বিবরণ প্রকাশিত হইবে, তাহাতে অগুদ্ধির সম্ভাবনা অর। পরিষদের হিসাব রক্ষক কর্মচারী সম্পাদকের আদেশে বিশেষ যদ্ধে উহা প্রস্তুত করিয়াছেন। এই বিবরণে দেখা যাইবে পরিষদের সভ্যগবের নিক্ট এখনও অনেক টাকা পাওনা রহিয়াছে। তাঁহারা যদি এই টাকা শোধ করিয়া দেন, তাহা হইকে পরিষৎ অনুস্ইতি হইবেন তাহা বলা বাছল্য।

আগামী বংসরের জন্ত কার্য্য-নির্জাহক সমিতি যে আন্ধ-ব্যয়ের বজেট প্রস্তুত করিয়াছেন, তাহা পরিশিষ্টে যথা স্থানে ক্সষ্টব্য। শাখা সভা—গত বৎসবের সাহিত্য-পরিষৎ পঞ্জিকার রক্ষপুর, ভাগলপুর এবং রাজসাহী এই তিন জেলার অবস্থিত লাখা সাহিত্য-পরিষদের সংশিপ্ত কার্য্য-বিবরণ প্রকাশিত হইরাছিল এবং মৈরমনসিংহে প্রতিষ্ঠিত লাখার বিষর বিজ্ঞাপিত হইরাছিল। ঐ সকল শাখার এবংসবের কার্য্য-বিবরণ যথাস্থানে প্রকাশিত হইল। রক্ষপুরের সাহিত্য-পরিষৎ মূল সভার অফুকরণে একখানি জৈমাসিক পজিকা প্রকাশ করিতে প্রবৃত্ত ইটরাছেন। ঐ পজিকার সভাগণের সংগৃহীত বিবিধ স্থানীর তথা এবং স্থানীর সাহিত্যের বিবরণ বাহির হইতেছে। কালজ্বমে এই পজিকা উত্তর বঙ্গে সমাজ ও সাহিত্যের ইতির্ক্ত সঙ্গনে প্রচুর সাহায্য করিবে। রক্ষপুর শাখা মূল সভাকে আদর্শ ধরির। যে পথে অগ্রসর হইরাছেন অন্ত সভাগুলিও সেই পথ অফুসরণ করিরা রুতিত্ব লাভ করেন ইহা বাঞ্জনীয়।

আলোচ। বর্ষে কাশীমবাক্ষারে যে প্রাদেশিক সাহিত্য-সন্মিলন হইরাছিল সেই সন্মিলন ভক্ষের পর মহারাজ প্রীযুক্ত মণীক্রচন্দ্র নন্দীর প্রস্তাবক্রমে এবং প্রীযুক্ত মণিনোহন সেন ও প্রীযুক্ত বৈকুন্তনাথ সেন মহাশন্তদের সমর্থনে মুরশিদাবাদে বলীয় সাহিত্য-পরিষদের একটি শাথা সভা স্থাপিত হইরাছে। নানা কারণে ঐ শাথার কার্যা এখনও আরক্ষ হয় নাই। কিন্তু মহারাজ মণীক্রচন্দ্র পরং যাহার উল্পোগী সেই শাথা সভার স্থায়িত্বে ও সফলভার সন্দেহের কোন হেতু নাই

বঙ্গায় সাহিত্য-সন্মিলন বঙ্গাম সাহিতা সন্মিলনের প্রথম অধিবেশন আলোচ্য বংসরে একটি অরণীয় ঘটলা। কয়েক বর্ষ হইতে সাহিত্য-পরিষৎ এইরূপ সাহিত্য সন্মিলনের কল্পনা করিতেছেন, কিন্তু নামা বিল্ল উপস্থিত হওমায় কল্পনা কার্য্যে পরিণত হয় নাই ১৩১২ গালের শেষে এীযুক্ত দেবকুমার রায় চোধুরীর উল্পোচে বরিশালে সাহিত্য-সন্মিলন আছেত হয়। সাহিত-পরিষদের বহু প্রতিনিধি বরিশালে উপস্থিত হুইয়াছিলেন, কিন্তু রাজ-নিগ্রহে রাজ-নৈতিক প্রাদেশিক সমিতির অধিবেশন ভঙ্গ হুইলে. সাহিত্য সন্মিলনেরও অধিবেশন আপনা হইতে বন্ধ হইয়া যায়। ১৩১৩ সালে বহয়মপুরে ে প্রাদেশিক রাজনৈতিক অধিবেশনের সমন্ত্র সাহিত্য সন্মিলনের পুনরান্ত উদ্ভোগ হইন্নছিল। मुत्रनिमावामवाभीतम्त महत्यात्म माहिला-शतिष्य अवः উत्काशलात शहन करत्न এवः মুরুলিদাবাদের পক্ষ হইতে খ্রীযুক্ত চক্তদেশ্বর মুপোপাধারে এবং সাহিত্য-পরিষদের পক্ষ হুইতে পরিষৎ সম্পাদক শ্রীযুক্ত রামে**ল্রন্থ**নর ত্রিবেদী এতত্ত্তরের স্বাক্ষরযুক্ত পত্র দারা বঙ্গের ধাৰতীয় সাহিত্যদেবী ও সাহিত্যভক্তগণকে নিমন্ত্রণ করা হয়। মহারাজ মণীক্রচক্র নন্দী বাহাছর বএই সন্মিলনের প্রধান উ.স্থাগকারী ছিলেন । অকস্থাৎ তাঁহার পুত্র বিরোগে বহরমপুরের, অভার্থনা সমিতি ও বিজীয়-সাহিত্য-পরিষৎ একবোগে সাহিত্য-সম্মিলন আপাততঃ স্থগিত রাখা উচিত বিবেচনা করেন: এই গুর্ঘটনার পর সাহিত্য-পরিষৎ পুনরাম দক্ষিণনের উত্তোগে দাহদী হন নাই। গত পুজার ছুটার

অব্যবহিত পূর্বে মহারাজ মণীক্রচক্র নন্দী মুরশিদাবাদে সাহিত্য-সন্মিলন পুনরাহ্বানের সংকর জানাইয়া পরিষৎ সম্পাদককে পত্র লেখেন এবং পরিষৎ-সম্পাদকের সহিত পরামর্শ করিয়া সন্মিলনের উদ্যোগে প্রাবৃত্ত হল। স্থামাপুদার মব্যবহিত পূর্বে ১৭ই এবং ১৮ট কার্ত্তিক তুইদিনে সন্মিলনের অধিবেশন ধার্যা হয়। পূজার ছুঁটা আসিয়া পড়ার গমর অভাবে সাহিত্য-পরিষদের প্রতিনিধি প্রেরণে অবকাশ ঘটে নাই কিন্তু সাহিত্য-পরিষদের বহু সংখ্যক মাঞ গ্ৰা সভ্য নিম্ল্লিত হুইয়া সাহিত্য-সন্মিলনে উপস্থিত হুইয়াছিলেন। প্রধানতঃ তাঁহাদেরই পরামশে ও ষত্ত্বে সন্মিলনের কার্য্য স্থানিকাহিত হইরাছিল। কাশ্যবাভার রাজবাটীতে নিমন্ত্রিত বাজিগণের বাসন্তান নির্দিষ্ট চর ও রাজবাটীর স্থাজিত প্রাথমের সন্মিলনের অধিবেশন ঘটে। সুরশিদাবাদের অভ্যর্থনা-সমিতির সভাপতি শ্রীযুক্ত মহারাজ মণীজ্ঞচক্র নন্দীর ঐকান্তিক যত্ন ও পরিশ্রমই **এট সম্মিলনের সফলতার মল. ভাতা সকলেই স্বীকার ক**রিবেন। মহারাজের নেতৃত্বে মুর শিদাবাদ কর্ত্তক অভিথি সংকারের সমারোহ নিমন্ত্রিত সভ্যগণের মনে চির্দিন জাগ্রক থাকিবে: মহারাজ স্বভার্থনা সমিতির সভাপতিরূপে যে প্রবন্ধ পাঠ করিয়া সভার কার্যা আরম্ভ করেন, উহাতে বিশেষভাবে বঙ্গীয়-সাহিত্য-পরিষদের গৌরব থাপন হইরাছিল। সাহিত্য-পরিষৎ যে মহারাজের একা ও অনুরাগ আকর্ষণে সমর্থ হইয়াছেন তালা নিরভিশয় লাখার বিষয়। এীযুক্ত রবীক্তনাথ ঠাকুর মহাশয় বঙ্গীয় সাহিত্য-সন্মিগনের এই প্রথম অধিবেশনে সভাপতির আসন অলক্ষত করিয়াছিলেন, ইহা সর্বত্যেভাবে সঙ্গতই ইইয়াছিল। এবীল বাবুই প্রথমে এইরপ সাহিত্য-সন্মিলনের আবশ্বকতা পরিষদের সম্বাধে উপস্থিত করিয়াছিলেন: তাঁহারট নেতৃত্বে সাহিত্য-স্মিলন যে স্পুপণে চালিত হইয়াছে ভাহা বলা অনাবশুক। সভাপতির অভিভাষণের পর পরিষৎ সম্পাদ ম প্রায়ক রামেক্রফুলর জিনেদী সাহিত্য-স্থিলনের উদ্দেশ্ব সম্বন্ধে একটি প্রবন্ধ পাঠ করেন: তৎপরে এষুক্ত ইন্দ্রনাথ বন্দোপাধ্যার প্রমুখ স্থাগিণ প্রবন্ধ পাঠ ও বক্ত তাদির দ্বারা সাহিত্য-সন্মিলনের উদ্দেশ্ত আরও স্পষ্ট করিয়া দেন। বাঙ্গালার প্রায় সকল জেলা হইতে সাহিতাদেবকেরা এই সন্মিলনে উপস্থিত হইয়াছিলেন। আগাখী. ৰংসর রাজসাহীতে সাহিত্য সন্মিলনের অধিবেশন হটবে এইরূপ স্থির হট্যাছে। স্থনাম-প্রাসন্ধ নাটোরের মহারাজ টেলিগ্রাম স্থানা রাজসাহীর প্রতিনিধিগণকে আগামী বর্ষে রাজসাহীতে সাহিত্য-সন্মিলন আহ্বানে অনুরোধ পাঠাইয়াছিলেন । আশা করা যায়, व्याशामी वर्ष बाधमाशीत व्यवित्यमन मन्त्र्वजाद मक्त इकेटव ।

সর্বাপেকা আনন্দের বিষয় এই যে সাহিত্য-সন্মিলনে যে সকল প্রস্তাব গৃহীত হইরাছে, তাহার সকল শুলিই বঙ্গীয়-সাহিত্য-পরিষদের উদ্দেশ্রের ও কার্যোর অনুকূল। সাহিত্য-পরিষৎ যে কার্যাভার স্বহুতে গ্রহণ করিয়াছেন ও যে কর্ত্তব্য সমাধানের জল্প বলের জেলায় জেলার শাধা-সভা স্থাপন-করিতেছেন, বঙ্গীয়-সাহিত্য-সন্মিলনও সেই সকল

কার্ব্যের জন্মই সর্ব্যাধারণকে আহ্বান করিয়াছেন। সন্মিলনে গৃহীত প্রস্তাবগুলির মধ্যে এঞ্টি প্রস্তাব বিশেষ ভাবে উলেথ যোগা। সন্মিলন বঙ্গদেশের জাতীয় ইতিহাস সঙ্গলনের জন্ম ও জাতীয় কীর্স্তিকলাপ রক্ষার জন্ম একটি 'সারস্বত ভবন' স্থাপনের প্রস্তাব করিয়াছেন। ১৩১৩ সালের কলিকাভার শিল্প প্রদানীতে সাহিত্য-পরিষৎ যে ক্ষুদ্র সাহিত্যিক প্রদানী বুলিয়া সাধারণের উৎসাহ আকর্ষণ করিয়াছিলেন, সেই প্রদানী হইতেই এই প্রস্তাবের উৎপত্তি। পরিষৎ সম্পাদক সাহিত্য-সন্মিলনে ঠাহার প্রবন্ধ মধ্যে এইরূপ সাবস্বত মন্দির স্থাপনের আবস্তাকভা প্রদর্শন করেন। প্রসিদ্ধ ঐতিহাসিক শ্রীযুক্ত অক্ষয়কুমার মৈত্রেয় মহাশম্ব যে অসামান্ত বাগ্মিতার পরিচয় দিয়: মন্মম্পানী ভাষায় এই সারস্বত ভবন প্রতিষ্ঠার জন্ম সন্মিলনকে উৎসাহিত করেন, ভাষা উপন্তিত সভাগপ বছদিন স্মরণে রাখিবেন। বঙ্গীয়-সাহিত্য-শন্ধিলনের কার্যাবিবরণী বহরমপুর হইতে যথাসময়ে প্রকাশিত হইবে। মহারাজ নগীজ্ঞকন্তের পঠিত অভাগনা প্রক্ষা ও সন্মিলনে গৃহীত প্রতাশিত হইবে।

উপাস্ংহার — উপাংহারে বঙ্গায় সাহিত্য পরিষদের সভা ও হিতাক: ক্রুলী বন্ধুগণের প্রতি কার্যা-নির্মাহক সমিতি সাধনর নিবেদন করিতেছেন, বে এই পঞ্চদশ বর্ষমাত্র বন্ধর সভার ক্রটী সকল মার্ক্তনা করিয়া তাঁহারা এই সভাকে উৎসাহ ও উপদেশ দারা সাহায্য করেন। সাহিত্যাপরিষৎ অন্ত নবনিামত শোভন অট্যালিকায় আপনার বাস্তৃহ প্রতিষ্ঠা করিয়া নৃত্তন উন্তম ও উৎসাহের সহিত কর্মক্রেকে প্রবিষ্ঠ হইতে চালয়াছে, ভাষা সাহিত্যাপরিষদের পক্ষে লাঘার বিষয়। যাঁহারা সাহিত্যা-পনিবদের সম্পর্কে আসিরাছেন, তাঁহারা সাকার করিবেন যে ইহার জীবন নিভান্ত বার্থ হয় নাই বাঙ্গালা ভাষার ও বাঙ্গালা দাহিত্যের হিত্সাধনে ও উর্লাভ সাধনে সাহিত্যা-পরিষৎ যে সঙ্গলতা লাভ করিরাভেন, তাহা তাঁহার পক্ষে লাঘার বিষয়। সাধারণের সহাত্মভূতি ও প্রদা ও অন্থ্রাত্ম উত্তরোত্তর বৃদ্ধি পাইতে থাকিলে অচিরে বঙ্গায়-সাহিত্যা-পরিষৎ বাঞ্গালী ভাতির গৌরবের হেতৃ হইবে এবং বঙ্গালা আছে যে বঙ্গায়-সাহিত্যা-পরিষদের নৃত্তন মন্দির জাতীয় শিক্ষা গাছায়া করিবে এবং আলা আছে যে বঙ্গায়-সাহিত্যা-পরিষদের নৃত্তন মন্দির জাতীয় শিক্ষা ও জাতীয় দীক্ষা লাভের মন্দিরে কালক্রমে পরিণত হইবে।

বঙ্গায়-সাহিত্য-পরিষং কার্য্যালয় ১৩৭।১ কর্ণওয়ালিস্ খ্রীট, কলিকাতা ২৭শে বৈশাথ, ১৩১৫। শ্রীরামেন্দ্রস্থলর ত্রিবেদী, সম্পাদক

### পরিশিষ্ট।

# বিনিমরে প্রাপ্ত সাময়িক পত্রের তালিকা।

Daily-->: Amrita Bazar Patrika. २ Indian Mirror. © | The Hindu-Patriot. 8 | 四町 |

Bi-Weekly-e + Bengalec. • 1 The Indian Empire.

সাপ্তাহিক। १। বঙ্গবাসী। ৮। সঞ্জীবনী। ৯। বস্থনতী। ১০। হিতবাদী।
১১। সময়। ১২। আনন্দবাজার-পত্রিকা। ১০। বঙ্গত্রি। ১৯। প্রস্ন।
১৫। মিহির ও স্থাকর। ১৬। হিন্দুয়ান। ১৭। হিন্দুরঞ্জিকা। ১৮। বরিশালহিতৈবী। ১৯। বর্জমান-সঞ্জীবনী। ২০। মেদিনী-বাজব। ২১। এডুকেশন
পোজেট। ২২। সোলতান। ২০। হাওড়া-হিতৈবী। ২৪। ঢাকাপ্রকাশ।
২৫। বীরভূম হিতৈবী। ২৬। The Indian Nation. ২৭। Reis and Rayyet.
২৮। Unity and Minister. ২৯। The Indian Messenger. ০০। The Telegraph. ৩১। পরিদশক। ৩২। পল্লীবার্জা। ৩৩। সরাজ। ৩৪।
Motherland. ৩৫। The Punjab Times. ৩৬। World's Recorder.

#### পাক্ষিক।-৩৭। উরোধন। ৩৮। ধর্মতব।

মাসিক। ৩৯ |—Journal of the Asiatic Society of Bengal. ৪০। Calcutta University Magazine. ৪১। Bengal Review. ৪২। Journal of the Mahabodhi Society. ৪০। The Bangabasi Magazine. ৪৪। তত্বোধিনী-পিত্রকা। ৪৫। ভারতী। ৪৬। জন্মভূমি। ৪৭। বলদন্দন। ৪৮। নব্যভারত। ৪৯। বাণী। ৫০। আর্যভূমি। ৫১। আলোচনা। ৫২। ভিষক্দর্পণ। ৫৩। বামাবোধিনী-পিত্রকা। ৫৪। ইন্দিরা। ৫৫। সাহিত্য-সংহিতা। ৫৬। সাহিত্য। ৫৭, ক্রবক। ৫৮। প্রীগৌরবিফুপ্রিয়া-পত্রকা। ৫৯। বিভোদয়। ৬০। দারোগার দপ্রর। ৬১। সঙ্গীত প্রকাশিকা। ৬২। অহুর। ৬৩। হিন্দু-পত্রিকা। ৬৪। পূর্ণিমা। ৬৫। আর্তি। ৬৬। শিল্প ও সাহিত্য। ৬৭। ইসলাম্-প্রচারক। ৬৮। দেবনাগর। ৬৯। পরিচারিকা। ৭০। কল্যাণী। ৭১। বৌদ্ধ-পত্রিকা। ৭২। পদ্মা। ৭৬। আর্চনা। ৭৯। মিত্রগৌধিনা। ৭৫। মহিলা। ৭৬। উপাসনা। ৭৭। কম্লা। ৭৮। আর্চনা। ৭৯। মিত্রগৌধিনা ৮০। বাচার। ৮৪। সাহিত্য-পরিষধ-পত্রিকা—রঙ্গপুর শাখা।

# উপহার প্রাপ্ত পুস্তক ও উপহারদাতৃগণ।

শ্ৰীযুক্ত অধিলচক্ৰ পালিত মেঘদুত। উইলকিন্দ প্রেস—রাখী কঙ্গ । ত্রীযুক্ত ঋতেক্রনাথ ঠাকুর ্ছেমজ্যোতি, ৮বলেক্রনাথ ঠাকুরের গ্রন্থাবলী।

মৃন্শী সেও আবছল জকার মদিনা শরীকের ইতিহাস, ইসলাম চিত্র। প্রীযুক্ত কাতিক চক্র দাদ গুপ্ত আমার দেশ, লিসিদাদ !

- কালিদাস মুখোপাধ্যার-স্কা।
- कानी अमन (मन ७४ वजी म कवि ( अपूर्व ४७ )।
- ক্লঞ্চাদ বসাক বেভিক।
- কেলারনাথ দাস গুল্ল- A Report of the Calcutta Industrial Exhibition.
- কেদারনাথ মজুমদার -- ময়মন[সংহের বিবরণ।
- ক্ষিতীশ চন্দ্ৰ চক্ৰবৰ্ত্তী-- চৈডন্ত বিকাশ, ক্ষতি কি 🤋

Army Regulations, India; Vol I pt II.

ত্রীমতী গিবিক্রমে। (এনী দার্গা দিয়াগা ।।

### প্রীয়ক্ত জীবেক্সকমার দর - অঞ্চল।

- ্রোতিরিক্রনাথ ঠাকুর- াপকটেটাদের উপদেশ।
- ক্রোতিশ্চন চট্টোপাধ্যার কলিকাতা গোপামিগণের গোরক্ষক।
- তারকনাণ বিশ্বাস-- তারকনাণ গ্রন্থাবলী। ৫ম. ৬ ছ ও ৭ম ভাগ )।
- দক্ষিণারগুন মিত্র মজুমদার-ঠাকুরমার ঝুলি।
- দেবেলচন্দ্র রায়--- জ্যোতির্মায়ী, বিন্ধাবাসিনী।
- थगानक मश्चात्रजी---धगानक श्रष्टावनी।
- পণ্ডিত নকুলেশ্বর বিভাভ্যণ--কুমুদানন্দ উপস্থাস।
- নগেব্ৰনাথ বস্ত্ৰ--কাৰ্ছ-সন্মিলন বাগেরহাটে পঠিত )।
- এন, কে, দাস-- লক্ষণ ভাষা।
- পদ্মনাথ ভট্টাচার্য্য িস্তাবিনোদ -- রসায়ন।
- প্রস্থন সম্পাদক---গীত স্তোত্ত
- ৰসভক্ষার লাহিডী সাধু সঙ্গীত।
- বসস্তর্ভন রায়---(বদান্ত দর্শন।
- বিধৃভূষণ বস্থ-- সভী লক্ষী।
- বিহারীলাল মুখোপাধ্যায় -বিরাম সঙ্গীত or The Lays of Rest.
- ব্যোমকেশ মৃত্তকী-নারখন্ত স্বাৰ, In memoriam-Bankim Chandra.

- " মধুস্দন ওঝা--- বৈদিক কোষঃ :
- ্ল ম্বাধ্যোহন বস্থ-কৃষক ও শ্রমজীবি, প্রস্নাঞ্জী।
- ু সুণীক্র প্রসাদ সর্বাধিকারী- প্রফুল নিশাল্য।
- ু রাম যাদবচন্দ্র চক্রবর্ত্তী বাহাহর-কুলশান্ত্রদীপিকা।
- ু বুমণীমোহন খোব মঞ্জরী।
- ু পণ্ডিত রাক্ষেক্রনাথ বিভাভূষণ- কালিদাস ও ভবভূতি, দত্তক বিধি বিচার।
- ু রাধাকান্ত রায়—মহেশ বাবুর প্রশ্নের উ**ত্ত**র :
- ু রামপ্রাণ শুপ্ত ব্রতকণা

Home Department, India Govt.

রামেজস্থন্দর জিবেদী ব্যাকরণ দপণ, কাচন্ত জাতি-ছত্ত নির্ণয়, পরমার্থ বিষয়ক গ্রন্থাবদী, জন্ম উচ্চাস, রাসরসামূত, বন্ধের প্রাহ্মণ রাজবংশ, অমর, প্রবাদ সংগ্রন্থ (প্রাচীন) ধনবিজ্ঞান, কালোপাথান, জ্ঞান প্রভা, হিন্দুধ্যা। Sanskrit Word book, Report—National Council of Education, Convocation Address of the Honble Mr. Justice Mukherjea, Malavikagnimitre, On a Complete Investigation of a phenomenon taking place beyond the critical angle, The Partition Agitation explained, Oncokool Chandra Mukherjea—a memoir, Proceedings of the Bethune Society 1882-83-84, Paper on the and revenue system of B. India, A Monograph on the gold and silver work in the Bengal Presi-

	denc	V.		
ই <b>াযুক্ত</b>	লক্ষণ মজুমদার			চট্গ্ৰামী ভাষ
19	ললিভকুমার বন্দ্যোপাধ্যা	म		নীতিকথা।
19	ললিতমোহন জ্যোতিভূমি	[6]	• • •	চাকার নবাবপুরস্থ লক্ষীনারায়ণ ক্রিউর আরতি গান।
27	শরচেন্দ্র লাহিড়ী		•••	বারেক্ত কুলীন'দগের বংশাবলী।
30	मिनिन वटकार्शाशाञ्च	• • •	•••	इन्दुराना, Social reform in Bengal.
20	খ্রামন্থনার দাস	• •		Hindi Scientific Glossary.
,,,	श्रीभावस हटहि। शाधाम			শিবাচার্য্য ঠাকুর।
	मजीमहत्र हरष्टे। भाषात्र	• • •	• • •	বীরপুঞা।
n	मडाङ्क्ष वस्कारायायाव		• • •	Misunderstood.
**	সত্যেন্দ্ৰনাথ দত্ত			হোমশিখা
23	হুবেক্রকুমার স্কাধিকারী			শ্রীমন্তগবদগীতা (অহক্রমণিকা)
	এস, সি, সরকার		• • •	Meghadutam.
	s Government.	•••	•••	Descriptive Catalogue of Sanskrit Manuscripts
Regist	rar, Calcutta Univers	sity	•••	Minutes for 1906, Calendar for 1907a.

Medicine of Ancient Indi.

# ১৩১৪ সালের আয়-ব্যয় বিবরণ।

চাঁদা ৪২৫৮ বেজন >০৭৬৮ প্রবেশিকা ১২৭ কমিশন ৪২০/ পুত্তক পত্রিকা বিজয় ৫৬৮ বাটা ভাড়া ৪ বিবিধ ত টাল্ল ৪০০/ এককালীন দান ৩০৫ মালোক - ৭৪৮ ৩০০/ এইণ মানামত ১০৫ মালোক - ৭৪৮ ৩০০/ আহল মানামত ১০৫ দন্তব সরস্ভামা ৩০০/ মালোক ১০০০/ আহল মানামত ১০৫ দন্তব সরস্ভামা ৩০০/ ১৯৯০ মালামত ১০০০ মালাম ৪৮০০ দন্তরী ৩৯০০ ১০০০/ বর্ত্তমান বর্ষের মাল্ল ৪৮০০ দন্তরী ৩৯০০ ১০৯০/ বর্ত্তমান বর্ষের মাল্ল ৪৮৮১০ আহ্বাকা মূল্ল ১০৯০/১০ বর্ত্তমান বর্ষের বাল্ল ৪৮৬০।০০ আহ্বাকা মূল্ল ২০০০/১০ উদ্ভূত্ত হন্তমান পরিদ্দুল ১০০০/১০ বর্ত্তমান বর্ষের বাল্ল ৪৮৬০।০০ আহ্বাকা মূল্ল ২০০০/১০ উদ্ভূত্ত হন্তমান পরিদ্দুল ১০০০/১০ আই হিসাবে পরিদ্দুল ১৯০০/১০ আই হিসাবে পরিদ্দুল ১৯০০/১০ আই হিসাবে পরিদ্দুল ১৯০০/১৫ আই মালাম ৩০০০/১৫ আই মালাম ১৯০০/১৫ আই মালাম ১৯০	
প্রবেশিকা ১২৭ লোউন্স ৪১৪। পুরুক পজিকা বিজয় ৫৬। বিবিধ তীয়ন্ধ ৪২০/ এককালীন দাল ৩০০ আলোক ৭৭। হাওলাভ ১০৫ বিবিধ বাম ১০৯৮/১ প্রহণ আনমন্ত ১০৫ দপ্তব সরপ্রমা ৩০ ৮/১ মানবাব ১১০৮/১ বিবিধ বাম ৩০০ ৮/১ কাগল ৪৮০। মূদ্রণ ১৮৯৮/০ বর্জনান বর্ষের আর ৪৮৮১০ দপ্তর সরপ্রমা ৩০ ৮/১ কাগল ৪৮০। মূদ্রণ ১৮৯৮/০ বর্জনান বর্ষের আর ৪৮৮১০ দপ্তর সরপ্রমা ৩০০৮/১ বর্জনান বর্ষের বাম ৪৮৮১০ দপ্তর স্কল্ ১০০৮/১ বর্জনান বর্ষের বাম ৪৮৮১০ ভাহাবলী মূদ্রণ ১০০৮/১০ বর্জনান বর্ষের বাম ৪৮৮১০ প্রহাবলী মূদ্রণ ২০০৮/১০ বর্ষির মূদ্রণ ২০০৮/১০ ব্রুমের প্রিদ্ধির ২০০৮/১৫	<b>5∥•</b> ∕
পুত্তক পদ্রকা বিক্রয় ৫৬০০ বাটা ভাড়া ৪ বিবিধ তালাক ৮৭০০ প্রক্তরালীন দান ৩৩৫ ন্ধালোক ৮৭০০ প্রহল নামত ১০৫০ কর্মের তিত্ব স্থান বর্ষের বার ৪৮৮০০ কর্মান বর্ষের বার ৪৮৮০০ কর্মান বর্ষের বার ৪৮৮০০ কর্মান বর্ষের বার ৪৮৮০০ ক্রিমান বর্ষের বার ১৯৮০০ ক্রিমান বর্মান ক্রিমান বর্মান ক্রিমান বর্মান ক্রিমান বর্মান ক্রিমান ক্রিমান ক্রিমান ক্রিমান ক্রিমান বর্মান ক্রিমান ক্রিমান ক্রিমান ক্রিমান ক্রিমান ক্রিমান ক্রিমান ক্রমান ক্রিমান ক্রমান	B •
বিবিধ  এককালীন দান  ৩০৫  আলোক  - পাল  হাওলাত  ১.৫. বিবিধ বাম  ১০৯৮/১  গ্রহণ  আনামত ১০৫  দেশ্বন সরস্কামী  ৩০০৮/১  শুলক সুক্রণ ১৮৭ ১০  দুল্লী  ৩৯০০  ১০০০/১  বর্ত্তমান বর্ষের বাস্ত্র  ৪৮৮০০  বর্ত্তমান বর্ষের বাস্ত্র  ১০০০  ১	/•
এককালীন দাল তথা আলোক - ৭ গল হাওলাভ ১.৫. বিবিধ ব্যন্ত্র ১৩৯৮১ গ্রহণ আনামত ১০৫ লথান সাজ্য ৩৭ লা ১০৬৮১ গ্রহণ আনামত ১০৫ লথান ব্যাল ১০৬৮১ গ্রহণ ব্যাল ব্য	
হাওলাত ১.৫. বিবিধ বাস্ত্র ১৩৯/১ গ্রহণ স্থানামত ১০৫. সাম্ভাবন ১১৩৮/১ আনামত ১০৫. সংস্থান বাস্ত্র প্রক্রম ১০০৮/০ বর্ত্তিয়ান বর্ষের আয় ৪৮৮১০ তির্বিধ আরু ৪৮৮১০ বর্ত্তিয়ান বর্ষের আয় ৪৮৮১০ তির্বিধ মৃত্রন ১০০৮/১ ইছুত্ত ২৪৬৮/১০ বর্ষির মৃত্রন ২০০৮/১০ বর্ষির বাস্ত্র ৪৮৩৫০/১০ গ্রহারলী মৃত্রন ২০০৮/১০ বর্ষির বাস্ত্র ৪৮৬৫০/১০ গ্রহারলী মৃত্রন ২০০৮/১০ বর্ষির মৃত্রন হলার ২০৮০/১০ বর্ষির মৃত্রন হলার ১০০৮/১০ বর্ষির মৃত্রন ব্যার ২৭৮০ শৃত্রক থ্রিদ ১২৭/০ শৃত্রক থ্রিদ ১২৭/০ শৃত্রক থ্রিদ ১২৭/০	۰ <i>د</i> ا
গ্রহণ আনমান্ত ১০৫১ দহর সরঞ্জামী ৩০ ৮/১ আনমান্ত ১০৫১ দহর সরঞ্জামী ৩০ ৮/১ শতিকা মুজণ ১০২৮/১ শতিকা মুজণ ১০২৮/১ শতিকা মুজণ ১৮৯॥/০ ইকঃ হিছু স্ব ২০০৮/০ বর্ত্তমান বর্ষের আয় ৪৮৮১০ দহরী ৩৯৮/০ বর্ত্তমান বর্ষের আয় ৪৮৮১০ দহরী ৩৯৮/০ বর্ত্তমান বর্ষের আয় ৪৮৮১০ ভালমান্তল ১০৬৮০ ইত্ত ২৪৮৮/১০ বর্ষিণ মুজণ ২৯০৮/১০ বর্ত্তমান বর্ষের বায় ৪৮৬৫।০/১০ প্রস্থাবলী মুজণ ২৯০৮/১০ বর্ত্তমান বর্ষের বায় ৪৮৬৫।০/১০ শতির্ক্ত বায় ২৭৮০ এই হিসাবে পরিদৃষ্ট হউল ও পরীক্ষায় গুলুক ধরিদ ১২৭/০ শ্রীগোরীশঙ্কর দেন প্রস্থাবী ১৮০।১৫	
আন্দানত ১০৫২ দন্তব সরঞ্জানী ৩০ ৮/১  দন্তব সরঞ্জানী ৩০ ৮/১  শক্তিকা মুদ্রল ১০০২৮/১  কাগজ ৪৮০।০  মুদ্রল ১৮৯॥/০  কাগজ ৪৮০।০  মুদ্রল ১৮৯॥/০  কাগজ ৪৮০।০  মুদ্রল ১৮৯॥/০  কাগজ ৪৮০।০  মুদ্রল ১৮৯॥/০  কাগজ ৪৮৮১ লাগজ ৪৮৮১ লাগজ ১৮৯॥/০  কাগজন বর্ষের আর ৪৮৮১ লাগজন ১০৯।০  কাগজন বর্ষের আর ৪৮৮১ লাগজন ১০৯।০  কাজনান বর্ষের বার ৪৮৯৫।০/১০ প্রস্থাবলী মুদ্রল  কাজনিক বার ২৭৮০  কাজনিক বার ২৭৮০  ক্রিলোরীশঙ্কর দে।  ক্রিলোরীশঙ্কর দে।  কাগ্রিল ১২৭/০  ক্রিলোরীশঙ্কর দে।	
ক্ষানমত ১০৫২ দপ্তব সরপ্তামী ৩০ ১০১৯/১  ৪৮৮১।০ কাগজ ৪৮০।০  মুদ্রণ ১৮৯॥/০  ইক: ছবি ও ব্লক  গত বংশ্বর উদ্ব ২০০৬৯/০  বর্ত্তনান বংশ্বর আয় ৪৮৮১০  বর্ত্তনান বংশ্বর আয় ৪৮৮১০  বর্ত্তনান বংশ্বর বার ৪৮৬৫।৯/১০  বর্ত্তনান বংশ্বর বার ২৭৮০  ক্রান্তনান বংশ্বর বার ২৭৮০  ক্রান্তনান ১২৭/০  ক্রান্তনান ১২৭/০  ক্রান্তনান মুদ্রক থবিদ ১২৭/০  ক্রান্তনান ক্রান্তনান ১৮০।১৫	
পতিকা মুদ্ৰণ ১০০২৮/১  নগজ ৪৮০।০  মুদ্ৰণ ১৮৯॥/০  ইকঃ ছবি ও ব্লক প্ৰস্তুত ও মুদ্ৰণ ১৮৭ ০/১০  বৰ্ত্তমান বৰ্ষের আয় ৪৮৮১ ০  বৰ্ত্তমান বৰ্ষের বায় ৪৮৮১ ০  বৰ্ত্তমান বৰ্ষের বায় ৪৮৬৫।০/১০  বিবিধ মুদ্ৰণ ২৯০॥১০  অতিবিক্ত বায় ২৭৮০  অতিবিক্ত বায় ২৭৮০  ত্ৰ্তমান বিদ্যাল ১২৭/০  শুদ্ধ দেখা গোল। পুন্তক ধ্রিদ ১২৭/০  শুদ্ধবা ১৮০।১৫	
নিচ্চাত কাগজ ৪৮০।০  মূদ্রণ ১৮৯॥/০  কৈঃ ছবি ও ব্লক  গত বৰ্ষের উদ্বু ২৩০৬৯/০  বর্ত্তগান বর্ষের আর ৪৮৮১০  কর্ত্তগান বর্ষের আর ৪৮৮১০  কর্ত্তগান বর্ষের বার ৪৮৬০।০/১০  কর্ত্তগান বর্ষের বার ৪৮৬০।০/১০  কর্ত্তগান বর্ষের বার ৪৮৬০।০/১০  ক্রিমান বর্ষের বার ২৭৬০  ক্রেমান বর্ষের কাল ২৭৬০  ক্রিমান ব্যালিকার কাল ২৭৮০  ক্রিমান ব্যালিকার কাল ১২৭/০  ক্রিমান ব্যালিকার কাল ১২৭/০  ক্রিমান ব্যালিকার কাল ১২৭/০	
কৈঃ  গত বংশ্বর উদ্ধ ২০০৮/০ বর্ত্তনান বংশ্বর আয় ৪৮৮০ ০  ক্রান্তনান বংশ্বর আয় ৪৮০০ ০  ক্রান্তনান বংশ্বর আয় ৪৮০০ ০  ক্রান্তনান বংশ্বর আয় ৪৮০০ ০	3.
কৈঃ  গত বধের উদ্ধ ২০০৬৯/০  বর্তুমান বর্ধের আয় ৪৮৮১০  বর্তুমান বর্ধের বার ৪৮৬৫।৯/২০  বর্তুমান বর্ধের বার ৪৮৬৫।৯/২০  ইদ্ভ ২৪৬৬/১০  তর্তু হিসাবে পরিদৃদ্ধ হউলা ও পরীক্ষার প্রস্তুক ধরিদ ২২৭/০  শ্রীগোরীশঙ্কর দে।  দপ্তরী ১৯০৭১০  ত্রুত্ব বার ২৭৮০  শুক্তক ধরিদ ২২৭/০  শুক্তক ধরিদ ২২৭/০	
গত বৰ্ষের উদ্ধ ২৩০৮/০ বর্ত্তমান বর্ষের আয় ৪৮৮১০ তির্মান বর্ষের আয় ৪৮৮১০ তির্মান বর্ষের আয় ৪৮৮১০ তির্মান বর্ষের বায় ৪৮৬০।০/২০ বর্ত্তমান বর্ষের বায় ৪৮৬০।০/২০ তির্মান বর্ষের বায় ২৭৮০ ত্রাহিদাব প্রিদৃষ্ট হউল ও পরীক্ষায় গুলুক লাম ৩০৭॥/১ ত্রুমান বিদ্যালি প্রস্কুমান ব্যাম ১৮০।১৫	
নত ব্ৰের ভার ১৮৮১ ০ দথরী ৩৯।০/০ বর্ত্তমান বর্ষের আর ১৮৮১ ০ ডাকমান্তল ১০৬।০ ১০০২৮/১০ বর্ত্তমান বর্ষের বার ৪৮৬৫।০/২০ গ্রন্থাবলী মূদ্রণ ২০২৮৮/১ উদ্ভ ২৪৬॥১/১০ বিবিধ মূদ্রণ ২৯০॥১০ এই হিসাবে পহিদ্দুই হইলা ও পরীক্ষার গুল্ডক লার ৩০৭॥/১ শুদ্ধ দেখা গেল। পুলুক থ্রিদ ১২৭/০ শ্রীগোরীশঙ্কর দে। দপ্তরী ১৮০।১৫	
বর্ত্তমান বর্ষের সায় ৪৮৮১	
বর্ত্তমান বর্ষের বায় ৪৮৬০।০/১০ প্রস্থাবলী মুদ্রণ হ৯০॥১০ উদ্বৃত্ত ২৪৬॥১/১০ বর্বিধ মুদ্রণ ২৯০॥১০ এই হিসাবে পরিদৃষ্ট হউল ও পরীক্ষায় গুলুক লালয় ৩০৭॥/১ শুদ্ধ দেখা গেল। পুসুক ধ্রিদ ১২৭/০ শ্রীগোরীশঙ্কর দে। দপ্তরী ১৮০।১৫	
বর্ত্তমান বর্ষের বার ৪৮৬৫।৵৴৽ প্রস্থাবলী মৃদ্রণ ৫৩২৮৯/১ উদ্বৃত্ত ২৪৬॥১/১০ ববিধ মৃদ্রণ ২৯০॥১০ এই হিসাব পরিদৃষ্ট হটল এ পরীক্ষার গুলুক লার ৩০৭॥/১ শুদ্ধ দেখা গেল। পুলুক ধরিদ ১২৭/০ শ্রীগোরীশঙ্কর দে। দপ্তরী ১৮০।১৫	
উদ্ত ২৪ খা <sub>ন</sub> বিবিধ মূজন ২৯ গা> অভিরিক্ত বায় ২৭ ১০ এই হিসাবে পরিদৃষ্ট হউল ও পরীক্ষায় গুলুক লব ৩০ ৭॥/১ শুলুক ধরিদ ১২৭ /০ শ্রীগোরীশঙ্কর দে। দপ্তরী ১৮ ০ ১৫	/50
তথ্ বিসাব পরিদৃষ্ট হটল ও পরীক্ষার গুলুক বার ২৭৮০ এট হিসাব পরিদৃষ্ট হটল ও পরীক্ষার গুলুক বরিদ ১২৭/০ শ্রীগোরীশঙ্কর দে। দপ্তরী ১৮০১৫	
এই হিসাব পরিদৃত্ত হটল ও পরীক্ষায় গুলুক লব্ধ ৩০ ৭॥/১ শুদ্ধ দেখা গেল। পুস্তক ধরিদ ১২৭ /০ শ্রীগোরীশঙ্কর দে। দপ্তরী ১৮০।১৫	
শ্রীগোরীশঙ্কর দে। দপ্তরী ১৮০।১৫	
জীলনিতচন্দ্ৰ মিত্ৰ। ৩০৭৪/১৫	
ভিগাৰ বক্ষকভ্ষ। হাওলাক ভ৪ ho	/4
:৫ই বৈশাণ্১০৮৫ শোধ ৫২	
All of 35 No.	
শ্রীসারদাচরণ <sup>হ</sup> ত্র	
সভাপতি "উঃপ্র'ণ	
8৮ <b>৬€</b> 1₀∕১	<b>'&gt;</b> •

শ্রীরামকমল সিংহ হিসাব-রক্ষক শ্রীহীরেক্সমাণ দত্ত

### সাহিত্য-পরিষৎ-পঞ্জিকা

# ১৩১৫ সালের আত্মানিক আয়-ব্যয়।

আয়		ব্যয়	
<b>हैं।</b> ज	82 • • \	বেতন ও এলাউন্স	>400
<b>প্ৰবে</b> শিকা	200	বাড়ী ভাড়া ট্যাক্স ও আনোক	84 *.
এককালীন দান	٥٠٠٠	ক্ষিশন	60
পুন্তক বিক্ৰম	e • \	পত্তিক। মুদ্ৰণ	>000
		গ্ৰন্থ বুজ গ	400
	896.	বৈধি মুদ্ৰণ	<b>७•</b> ०,
		বি <sup>:</sup> বধ ভাকসাশুল	8 • •
		विविध वाध	₹ • •
		পুঞ্জক ক্ৰয়	200
		দপ্তরী	> 0
		ছাতা গভাদের সভা আহ্বান	•
		পারিতোধিক প্রভৃতি	a ,
			a: e.,

**बिहारमञ्जूषकत जिर्**वभी

স্ম্পাদক।

# পরিষদের দেনা পাওনার বিবরণ।

পাওনা		(দন)—	
চাঁদা •	6040	১৩১০।১ ফাল্পন, ৬(১মচন্দ্র স্মৃতি	
কলিকাতা ৩০৩৫	<b>[] •</b>	তহবিল ২ইতে গৃহীত হাওলাভ	500.
মফুস্থ ২৮৪৫	0   0	১৩০৯।১৯শে বৈশাৰ	
***************************************	-	মহারাজ শ্রীযক্ত নুপেন্দ্রনাবারণ ভূপ	
€20€	9	বাহাহুবেব আজীবন সভারূপে	
419		প্রদান সাহা ও বী ভহবিল	
সভোর মৃত্যু হওয়ায় ১৩২১		হইতে হাওলাত লওয়া হয়	
ব্লেছাই ১৬৩		২৩১৩ - পুন্তক বিক্তন্ন বাবত	800/
পদত্যাগ করায় ১৬৯॥০		গীতায় ঈশ্বরবাদ, গৌরপদ ভরক্ষিণী	
নাম তৃলিয়া দেওয়ায় ৪১১॥০		ন্বাবস্থিক প্রপাণিক বিক্র	
	rea .	ভহবিল হুইতে গুৱাত হাওলাত	₹••/•
প্রবৈশিকা		श्रीयुक्त नधुरूपन व्यक्तिकाती	
পত্তিকার মূল্য	**	অনাদি মঙ্গলের পাওলিপি	50/
क्षीयुक शैरवक्तनाथ मरहः	€8	প্রস্তুত করার বাকী ১৫১	
मः शैंखात्र के संज्ञान विकृत्य			
किः शिः <b>ध</b> त्रह—		गायरणंत्र शांभा	
গৃহনিৰ্মাণ ভহৰিল	"	3 0	
স্থানসাম ওখাবল ১৯০১:১৭ আগ্রন্থ, গরিষদের		গৃহনিশ্বাণ ভহবিল হঠতে হ:ওলাভ	
সাধারণ জহবিল ২ইতে		১৩১৩ দালে, যাভকা <b>নি</b> য়া <b>র</b>	
১৩১০ ৯ই মাথ রাখালচন্দ্র	,9 /	বার লাইবেরী হইতে প্রেরিত চাদ্য	0
তেত্ত নহ শাব রাবালচন্দ্র সেনের কমিশন, দঃ ৺মাণিক		১৩,৪।১৪ মাখ, দপ্রী বিরাছদিন	,
শীলের টাকা আদাদ		পুতকালয়ের গুতুক বাধাই	
শাংশর ডাকা আদার ১৩১৪!২৯শে পৌষ গৃহনির্ম্বা	: g/ 0	গৰত ৭২ এক বিশ মধো বাকী	84
• •		মাবতল ওয়াহেদ দপ্তরী ঐ পুস্তক	`
টেণ্ডার গ্রহণের বিজ্ঞাপন মূর্ বেললী ৩∙৵		বাঁধাই বাবত ৪৫॥৵৽ এক বল	
	0	< <b>ধ্যে বাকী</b>	>•<
অমৃতবাজার পত্রিকা ৪॥•		শ্রীযুক্ত রাজবল্লভ মিত্র	`
<b></b>	1.	পুস্তক ধরিদ বাবত ৩১ ৩.১৮	
১০১২।৩০ হৈ <b>ত্ত ৮রজ</b> নীকান্ত	•	তাং ২০, বিল মধ্যে বাকী	>•
<b>শুপ্ত তহবিলের হাওলাত</b>		শ্ৰীযুক্ত ব্যোমকেশ মুন্তঞ্চী, একটা	`
मर्पा वाकी	30/30	व्यानभाती थतिम ताने इ २०।৮। ১৪	
শীযুক্ত উমেশচক্র শুপ্ত		তাং ১৫, এক বিল মধ্যে বাকী	>0
নঃ সি <b>দ্দ</b> শলমের বিজ্ঞাপন		কলিকাতা ইলেক্ট্রক সাপ্লাই কোং	,
>• সংখার, :্ হিঃ	२०	১৯০৮ জামুরারী ২৮শে হইতে ১লা	
		<u>এপ্রিল পর্যান্ত লাইটের&gt; বিল বাকী</u>	>411+
	€58F/>•	_ · •	3¢   <sub>0</sub> /•

### (मन

<b>কে</b> র	90616/0
হরিদাস মণ্ডল	
র্যাক প্রস্তুতের দঃ,২৷৫৷০৬ তাং	
: ৪॥১/১০ এক বিলের বাকী	6
>খানি সাইন বোর্ড প্রস্তুতের	
১২ ৪।০ - তাং ৪৭৭৭নং বিল বাকী	্ ৩
৩থানি সাইন বোড বাধাই বাৰত	
হাচাত্ৰ ভাং ৪৯৮ নং বিল বাকী	9
বিশ্বকোষ প্রেস	
কাগজ থরিদের ২০৷১২৷০ : তাং	
४२ नः विरन्त २१४ मत्था वाकी	٩
ঐ প্রেদের ১৩৷১৷০৮ তা॰ পর্যাস্ত	
বিবিধ মুদ্র <b>ের</b> ৪।৪।০৮ তাং	
: विन वाकी	2001
ঐ প্রেসের ১৩শ ভাগ ৩র ও ৪র্থ	
সংখ্যা পত্তিকা মুদ্রণের ৪।৪।০৮	
ভাং ১: নং ১৭•১ নধ্যে বাকা	26
ঐ প্রেসের ১৪শ, ১ম, ২য়, ৩য় ও	
অতিরিক্ত,সংখ্যা প <b>ত্রিক। মুদ্রণে</b> র	
৪।৪।০৮ ভাং ১৭নং বিলের বাকী	>9€√
ঐ প্রেদের কাগজ ধরিদ বাবত	
৮৪০৮ তাং ৪৩নং বিলের ১৫২১	
মধ্যে বাকী	<b>¢</b> 2 √
৮মাইকেল মধুস্দনের জতি	
র <b>ক্ষণের</b> জন্ম অভিত শ্রীযুক্ত	
শিবনাথ শাস্ত্রী মহাশয়ের প্রেরিভ	
টাকা আমানত জমা	Po/
রঙ্গপুর শাখা-পরিষৎ হইতে	
প্রেরিত চাদার টাকা আমানত জ্ব	n 20.
কর্ম্মচারীদের বেতন বাকী	२ १
১৩১৫ সালের অগ্রিম চাদা	,
আদায় কেলিকাডা ও মফস্বল )	৯৬∥∙
	Sa. 0. 1.
_	>6.8%

শ্রীরামেক্সস্থলর ত্রিবেদী সম্পাদক। শ্রীরামকমশ সিংহ হিসাবরক্ষক।

# গৃহনির্মাণ তহবিলের আয়-ব্যয় বিবরণ।

আয়

১৯ ১।১৭ आগষ্ট, পরিষদের সাধারণ তহবিল ২ইতে হাওলাভ ১৯ ২ ২৭ প্রাক্তরারী, ভাযুক্ত মহেক্তকুমাব माहा टेठोधुती, ( यानको बाजमारी ) **শ্রীযুক্ত যোগেশ**চন্ত আধকারী, াগোপালনগর, পাবনা) শ্রীযুক্ত তৈলোক্যনাথ গোগামা (বাজুরভাগ, রাজদাহী) ১৯০২:১৭ মার্চ, আযুক্ত তার:েখর ভট্টাচাৰ্যা ( মালদহ ) >||• ১৯০২।১৯ মে, শাষ্ট্র ক্রমে।হন মৈত্র (রাজসাহী / >0 . ১৯০২/৫ জ্লাচ, খ্রীয়ক খ্রীনাথ সেন্*ু*ডেপুটা ম গ্রুষ্টে ভগ্লা ঐাযুক্ত চঞ্জুখণ চলবভী, ভেপুটী माकिएडेहे (इन्नी 31 শ্রীপুক্ত রজনীকান্ত চট্টোপব্যায়, মূলেফ, ১৯০২ার নভেম্বর জীয়ক্ত কেদারনাথ মান ( লালোর পো: গোবিন্দপুর) ১৯০২।২৬ নভেম্বর, ৮ব্রাজা আগুতোস নাপ রায় (কাশিমবাজার ১৯•৩।৩০ এপ্রেল, রাজা ইাযুক্ত প্রভাতচন্দ্র বড়ুয়া (পৌরীপুর) 2:01 ১৯০৩।৪ মে, মহারাজ শ্রীযুক্ত রামচন্দ্র ভঞ্জ দেও বাহাত্র ময়ুরভঞ্জ ) ১৯০৩৷১৪ মে, শ্রীযুক্ত ব্যবিতমোহন মৈজ রাজশাহী) ১৯০৩।২৩ জুন, মহারাজাধিরাজ শ্ৰীৰুক্ত বিজয়টাদ মহাতাপ বাহাছর . २००१२ इंगारे, बीयुक्त अमयनाय মলিক. (পাথুরিয়াঘাটা কলিকাতা) :00 ১৯০৩/৫ অক্টোবর শ্রীযুক্ত ব্রজমাধব मारा ( १।६५ त. बाजगारी )

वस्य

১৯০১ ১৭ আগষ্ট ভূমিদান পত্র দলিলের ষ্ট্রাম্প ক্রয় ১৯০১৷৯ সেপ্টেম্বর ভূমিনান পতা রেজেষ্টারী করিবার বায় ১৯০২।২০ জুলাই শ্রীযুক্ত যোগেক্তনাথ ঘোষ ম্যানেকার, কাশিমবাভার রাজ-এপ্টেট কলিকাতা পাপ্তভূমি হইতে প্ৰজা উঠাইৰার ক্ষতি-পুরণার্থ দান . ৯ - ৪ ১৯ ডিদেশ্বর শ্ৰীযুক্ত প্ৰসাদদাস বছাল (कांग्लानीत काशक नः ० 8२ ९७२ >: o:--- >> 列州) ৩০০০ টাকার এক কেতা নং ০১৯০৩৬ (১৯০০--১১ সাল ) ১০০০, টাকার এক কেভা নং ০৩৬১২৭ ( ১৯০০–-১১ ) ৫০০ টাকার এক কেতা মোট ৪৫০ 🔍 টাকার ৩ কেতা ক্রম করিবার জক্ত কাগকের मुना गर्धा जिक्का छेन्छे वास्त লগদ দেওয়া হয় 881-5%-ভ্যাণিকলাল শীল মহাশ্রের নিকট ৫০ আদায়করার কমিঃ মাঃ রাধালচক্ত শেন ₹#• ট্রামভাড়া মাঃ ঐ ২৮ চৈ এ ১৩১৩, পরিষৎ ভছৰিলে হাওলাত দেওয়া যায় ২১ সেপ্টেম্বর,১৯•৭। বাড়ীর নস্থার মূল্য বাবত দেওসা ধার বাড়ীর টেণ্ডার গ্রহণের বিজ্ঞাপনের সূল্য

> 48 cH .

বে**ল**লী

অমৃতবাজার পত্তিকা

আয়।			ব্যয়।
<b>८</b> इ	·· ·· >@8@	· (等第··· ······	٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠٠
শ্রীষুক্ত কেদারেশ্বর আচার্যা (বে	गयालियः ८	.24	
" নগেন্ত্ৰনাথ ভটাচাৰ্যা,	رد <u>ق</u>	কণ্ট্রাক্টারকে দেও	321
" রাখালচরণ মণ্ডল,	A >6/	যায়	
" ठक्ताथ ५०,	@ >\	11#	<i>₽</i> <b>७०३</b> ,∕ •
	ल २	३८० (क <b>्</b> क्रेश्रेय)	200
" মনোমোংন মজুমদার,		৭ই মাৰ্চ	७७३३८७
(গোবিন্দপুর, বাজশাহা		, >>ई खे	>> <b>も</b> トロッ/ >
" রাজেখর জুম্দার,	<u>ो</u> २/	২৪শে ঐ	2000
" হরিপ্রসাদ নানী,	ā >/	* C7 Olai	>• <b>&amp;</b> > ©
সৌরেক্তমোহন মজুমদার			70670
"নগেলনাণ মজ্যদার,			<b>ょ</b> ゆうみっ/:
" মহেশচন্দ্ৰনানা,	,	1.38 6	
১৯০৪।১ই ফেব্রুম্বারী, ৬		CCT 4 10	১৩৮৪৬।/•
যতীক্রমোহন ঠাকুর কে, পি			
বাহাছর, কলিকাভা	> • • \	नरुश्	: Ob 8 6 / o
১৯০৪৷১০ ফেকেয়ারী রাজা		উদৃত্ত নগদ	•
সিংহ বাহাছর নশাপুর, ( মুশিদা		`	শ্ৰীহী <i>ং ক্ৰ</i> নাথ দন্ত
১৯০৪২০ ফেব্রের ৬ কালাক			
(পাথুরেবাটা, কলিকাতা	3.0.7		ধনরকক।
১৯০৪/২ মে, প্রীযুক্ত লক্ষ্মীনারায়			
দত্ত, ( বাগবাজার কলেকা হা )	,		
্১৯০৪৷২ মে, ভাষুক্ত মাহিনী চৌধুরী ( কলিকাপুর, রাজশাহী			
তারুমা ( কানকাসুম, সাজনাই শ্রীযুক্ত ঠাকুরদাস সাহ। (দীবাপা			
১৯০৪: '০ জুন, পাতৃরাম সাংগ,	( 1 kg		
( গোবিন্দপুর, রাজশাহী :	5.		
১৯০৪।৯ সেপ্টেম্বর শ্রীযুক্ত বিজ্ঞ	्र ज्य भरतष		
শ্রীষ্ক্ত হরিচরণ দত্ত, (দত্তপুক্র	,		
১৯•৪।১ <b>৫ সেপ্টেম্বর,</b> শ্রীযুক্ত রে			
মজুমদার, ভাকমগুপ, রাজশার			
ত্রীযুক্ত ব্রজনাথ সাহা, জামনগর			
<b>बीक्क ऋदिस्ता</b> थ माहा तोधूदी		•	
( मानकी, ताखभाशी )	· 🔍		
১৯•৪ ৯ অক্টোবর, শ্রীযুক্ত অম			
नान (ठोधूबी ( वांकूड़ा )	>/		

>01884OC

#### আয়।

#### আয়।

জমা জের ·#5668 শ্ৰীযুক্ত গগনেজনাৰ ঠাকুর e... রাজা শ্রীযুক্ত নরেন্দ্রলাল খাঁ বাহাছর ♦हे माथ, ১৩১৩ ⊌मानिकनान मीन ২৮ টেজ, ১৩১৩ শ্রীযুক্ত সারদাণান্ত কান্ত-গির,ৰার লাইত্রেরী,সাতক:নিয়া, চট্টগ্রাম 📞 ৯ মান, ১৩১৩, হাওলাত -- পরিষৎ তহবিল ৩৯/০

292-Ba/0

মাট আর

কুমার শ্রীযুক্ত শরৎকুমার রায় এম্, এ,

দীবাপতিয়া

श्रुष

>€8₹./8

क्या (क्यू 12224/8 শ্ৰীযুক্ত হীরেন্দ্রনাথ দত্ত বেদান্তরত্ব ২০০১ এীযুক্ত রাম বতীক্রনাথ চৌধুরী এবং •৩৬১২৭ নং কোম্পানীর কাগজ বিক্রম খরচা বাদে মায় श्रुप 8186ho/1 ১৩১৪.২৯শে পৌষ, হাওলাত, পরিষৎ ৭৮/•

হাওলাত প্রীবৃক্ত হীরেন্দ্রনাথ দত্ত ১৯৮৮/১

মিউনিসিপাল ডিবেঞার

প্রিষিয়াম

>0 € 240

বাদ हेनकम छा। क **रवजन** वारक विकास व কমিশন

> € MI/2

কোম্পানির কাগজ

স্থদ 22/8

e>>/8 રરાઇર

বাদ फिकाउँ है हर हि:

2010/0

रेनकम हारा বিক্রয়ের কমিশন

19 >||9

રરાહર

84410/3

>48208

ৰোট

92224/8

### সাহিত্য-পরিষৎ-পঞ্জিকা

## প্রস্থ-প্রকাশ তহবিল।

#### আর।

ব্যব্ধ

গ্রন্থ প্রকাশ সমিতির সম্পাদক।

লালগোলার রাজা 🕮 যুক্ত	বোগেন্দ্রনারায়ণ	এক হাজার শৃত্তপুরাণ প্রকাশের গ	<b>র</b> চ
রার বাহাগ্রের নিকট হই	তে প্ৰাপ্ত দাহায্য	মুজ্রণ ২২ কর্মা ৪॥॰ হি:	766
১ %১৪, ২৯শে পৌষ	٥٠٠٠	यगाउँ मूजन	210
	0.0	२२ त्रिम काशक थतिन 8√ हिः	9•4•
	`	মলাটের কাগঞ ৭ দিন্তা	9、
टेक:		শ্ভপ্রাণ মূল পুঁথি	
ৰৰ্ত্তমান বৰ্ষের আন	900	নকলের বাষ	8
গত বর্ষের উদৃত্ত	989h/	দপ্তরী	>9\
`	•8 ÷h/	কাগজাদি আনিবার মুটে ভাড়া	3/
বর্ত্তমান বর্ষের ব্যন্ত	@>•<	गम्भानक २२ कया ८ हिः	<b>bb</b> \
	່ ອອລທ∕ ∗		030/
<b>७</b> वृ ख	000W/ #	শ্ৰীরামকমল সি	₹,
		হিসাব ব্লক্ক	1
		श्रीमाश्रम नाथ व	স্থ্,

উদ্ত ৩০০৮/০ মধ্যে গ্রন্থ-প্রকাশ সমিতির সম্পাদক শ্রীযুক্ত নগেন্দ্রনাথ বস্থ
মহাশবের নিকট ৩০৮/০ এবং পরিষৎ-সম্পাদক শ্রীযুক্ত রাখেন্দ্রস্কার জিবেদী মহাশব্দের
নিকট ৩০০ তিনশত টাকা মজুত আছে:

## এরজনীকান্ত গুপ্ত স্মৃতি-রক্ষণ তহবিল।

পাওনা।	দেনা।		
বাক্ষরিত চাঁদার হিসাব :— শ্রিষুক্ত অক্ষয়কুম'র বডাল ্ল সভীশচন্দ্র শাল চৌধুরী ্ল নগেন্দ্রনাথ বস্থ	21 21	১০১২।০০ <b>শে চৈতা</b> ভারিথে ৮ র <b>জনী কার</b> গুপ্তের হৈল চি <b>তা প্র-িটা করে ব্যয়</b> নিকাঃহার্থ পরিষদের সংখারণ ভহবিল হ <b>ং</b> তে	
•" (शादिक्षवान एउ	31	ুহাওণাঃ লওয়াহয় ১•/১•	
মহামহোপ'ধার গ্রুক হর প্রসাদ শাস্ত্রী শ্রুকু কেদার নাথ বস্থ	4	ভীরামক্ষল সিং <b>হ</b>	
ু স্থরেশচন্দ্র স্নাজপতি ু ব্যোমকেশ মৃত্তকী ——	31	হিসাব রক্ষক.	

# ছাত্র-সভার কার্য্য-বিবরণ।

শ্ৰীযুক্ত রবীক্তনাথ ঠাকুর যথন পরিষদের কার্য্যে সহায়তা করিবার জন্ত ছাত্র-সমাঞ্চকে আহ্বান করিমাছিলেন, তাহার পার কতিপর বংসব অতিবা হত হইরাছে। তিনি বে আশা শইরা ছাত্রগণের নিকট উপস্থিত হইয় ছিলেন, সে আশা সমাক ফলবতী না হইলেও. পরিষদের ছাত্র-শার্থা যে থারে ধারে কার্য্যে অগ্রসর হইতেছেন, তংসম্বন্ধে সন্দেহ নাই। দেশের সমগ্র क्षिनिराय छे भव लारक व विकास अपूर्व । श्री श्री श्री विकास वितास विकास व কাহিনী ও রীতিনীতি, যাহার মধ্যদিয়া বঙ্গভাষার শৈশব অবস্থার একটা আভাগ পাওয়া ষায়, তাহা স্থানিবার জন্য তেমনি আগ্রহ সর্বতা পারলক্ষিত হইতেছে। এই সকল কাহিনী বা মাচার-পদ্ধতির সঙ্কণন করিতে হইলে, ছাওদিগের সাহায্য একান্ত আবশ্রক। বহুভাষার দীনতা অপনোদন করিতে হইলে, বিভিন্ন জেলার প্রচলিত গ্রামা শক্ত লিকে উদ্ধার করিতে হটবে। এ বিপুল কার্যোও বহুসংখ্যক ছাত্রের সহায়তার প্রয়োজন; স্তরাং পরিষদের ছাত্র-শাথা যাহাতে প্রকৃত কার্যক্ষম ও উন্নতিশীল হটতে পারেন. দেরপ वावका कता পরিষদের কর্তৃপক্ষ ও হিতৈষিগণের একান্ত কর্ত্তবা বলিয়া মনে হয়। সাহিত্যের সেবা যতই গৌরবজনক ২উক না, প্রাচীন সাহিত্যের উদ্ধার, গ্র মাকথার সংগ্রহ ইঙাাদি কার্য্য যে সকল শ্রেণীর ছাত্তের বুদ্ধি গতির অনুকূল নহে, তাহা স্বাকার করিতেই হইবে এই অপেক্ষাক্ষত নারস বিষয়গুলিকে আন্দোদপ্রদ করিবার জন্য যে কি উপায় অবলম্বন করা উচিত, তাহা চিস্তা করা অবেশ্রক এবং আগামী বর্ষের কার্য্যপ্রণালী বেন এই लक्षा व्यवस्थान পরিচালিত হয়, ইহাই আমার ইচ্ছা। এবার বর্ষারস্তে ৪১ জন ছাত্র সভা ছিলেন। বর্ত্তমান বর্ষে ২১ জন সভাশ্রেণিভুক্ত হইয়াছেন। অতএব বর্ষশেবে ছাত্র সভ্যের সংখ্যা ৬২। কলিকা হার ছাত্র-সংখ্যার তুলনায় এ সংখ্যা নিতান্ত অকিঞিৎকর। ইহার মধ্যেও আবার অতি অল্প সংখ্যক ছাত্রই প্রকৃত নিষ্ঠাবান। গড়ে ৮ জন মাত্র ছাত্র সভ্য প্রতি অধিবেশনে উপস্থিত থাকেন। ইহা হইগেও আলোচ্য বর্ষে আমরা কিছু কাষ কবিতে পারিয়াছি বলিয়া আমার বিখাস। ছাত্র সভাগণকে নিমলিখিত কার্য্যের মধ্যে ষে কোনও একটিতে যথাশক্তি পরিশ্রম করিবার জন্য অনুরোধ করা হয় এবং তৎসম্বন্ধে यथानाथा भनामर्भ (ए७मा इहेमा थाटक।

- ১। পু'बि সংগ্রহ। ২। বল্লেশের সর্কবিধ ভব্য সংগ্রহ। ববা-
  - (क) গ্রাম্য-শব্দ।
  - (४) थवहम ।
  - (গ) খেলার তথ্য।
  - (ब) ব্ৰভকণা, ছড়া ইত্যাদি।
  - (e) ভাষা-তক্ষে উপৰোগী সাম**্বী**।

আলোচ্য বর্ষে (৩২ শে প্রাবণ হইতে) ছাত্রসভার ৬টি অধিবেশন হইরাছে। প্রকৃত কর্দ্মনিষ্ঠ সভ্যের সংখ্যা বৃদ্ধি করিবার প্রয়োজন হইবে এই সকল অধিবেশনে সাধারণ ও ব্যক্তিগতভাবে ছাত্র সভ্যগণের স্ব ব কার্যপ্রশালী স্থকে তাঁহাদিগকে পরামর্শ দেওয়া হইরা থাকে। সম্পাদক মহাশার ও অন্যান্য বহুদর্শী সভ্যগণ সমরে সমরে ছাত্র সভ্যগণকে উপদেশ ও উৎসাহ দিয়া থাকেন। ছাত্রগণ বে বে কার্যের ভার প্রহণ করেন, মধ্যে মধ্যে তাঁহাদের কার্য্যকলাপ পরিদর্শকের নিকট তাঁহায়া উপস্থিত করিয়া থাকেন। এবৎসর ছাত্রশাথার অন্যতম সভ্য প্রীযুক্ত বিনোদেশর দাস গুপ্ত বি, এ, "বিক্রমপুর অঞ্চলের থেলা" নামক একটি মনোজ্ঞ প্রবন্ধ রচনা করেন। পরিষদের সাধারণ মাসিক অধিবেশনে ঐ প্রবন্ধ পঠিত হইয়াছিল এবং উপস্থিত সভ্যরন্দ সকলেই প্রবন্ধটি উপভোগ করিয়াছিলেন। একজন ছাত্রসভ্য করেকটি ব্রতকথা সংগ্রহ করিয়াত্রন। তাঁহার প্রবন্ধটিও বেশ স্থপাঠ্য হইবে আশা করা যায়। মার একজন ছাত্রসভ্য বর্দ্ধমান অঞ্চলের গান, গ্রাম্যকথা, বৃক্ষ-লতাদির নাম ইত্যাদি অনেক জ্ঞাতব্য বিষয় সঙ্কলিত করিয়াছেন। ভরসা করি, এই হুইটি প্রবন্ধ আমরা স্বরই স্বর্ধ-সমক্ষে উপস্থিত করিছেত পারিব।

পরিশেষে আমার বক্তবা এই যে, পরিষদের কার্যা ছাত্রবন্ধুগণের বাহাতে সমধিক চিত্তা-কর্ষক হর এবং ছাত্রশাধা বাহাতে প্রকৃত কর্মশীল হইতে পারেন, তাহা পরিষদের কর্তৃপক্ষ-গণের বিশেষ ভাবে চিন্তনীয়। আমাদের যে সকল সাহিত্যসেবী সভ্য সাহিত্য সংক্রান্ত বিশেষ বিশেষ কার্য্যে ব্যাপ্ত আছেন, ঐ সকল কার্য্যে সহকারী স্বরূপে হুই বা ততােধিক ছাত্রসভ্যগণকে বদি গ্রহণ করেন, তাহা হইলে ছাত্রগণের অস্থ্রাগ ও কার্যপ্রগালীতে জ্ঞান বর্দ্ধিত হর সন্দেহ নাই। মধ্যে মধ্যে কথােপকথন-সমিতি (Conversazione) ইত্যাদিতেও বিশেষ কল দশিতে পারে। এই সকল কথােপকথনসমিতি উপলক্ষে আমরা বিশিষ্ট সাহিত্যসেবিগণকে নিমন্ত্রণ করিতে পারি—তাঁহাদের উপদেশে ও দৃষ্টান্তে ছাত্র সভ্যগণের সাহিত্যায়রাগ বর্দ্ধিত হইবে।

ওব্না বৈশাপ, ১৩১৫ কলিকাতা শ্রীখগেন্দ্রনার্থ মিত্র ছাত্র-পরিদর্শক, বন্ধীর-সাহিত্য-পরিবদ

# ১। রঙ্গপুর শাখা পরিষদের কার্য্য-বিবরণ।

জালোচ্য বর্ষের শেষে এই শাখা-পরিবদের সভ্য সংখ্যা ১৬৯ জন ছিল; তন্মধ্যে ৬ জন বিশিষ্ট সভ্য ৭ জন বিশেষ সভ্য ৭৪ জন প্রথম শ্রেণীর সভ্য, ৮১ জন দ্বিভীর শ্রেণীর সভ্য ও ১ জন ছাত্র সভ্য ছিলেন। এই বর্ষে প্রথম শ্রেণীর সভ্য ৮মহেশচক্র সরকার মহাশদৈর পরলোক গমনে শাখা পরিবৎ জ্বভাস্ত ছংখিত।

রাজকীয় বিধি অমুসারে রক্ষপুর সভাধিবেশন করার অধিকার হইতে কিছুকালের জন্ত বঞ্চিত থাকার আলোচ্য বর্ষের ১৯শে শ্রাবণ শাখা-পরিষদের দ্বিতীয় সাংবৎসরিক অধিবেশন হয়। ৮ই ভাত হইতে আলোচ্য বর্ষের বর্ষ গণনা আরম্ভ হয়। এই বর্ষে, শাখা-পরিষদের মোট ৮টী মাসিক অধিবেশন হইরাছিল। এই অধিবেশন শুলিতে নিয়লিখিত প্রবন্ধশুলি পঠিত হইরাছিল:

- ১ম। (ক) মেয়েলী সাহিত্য- এবজন্তুনর সাল্ল্যান সরস্বতী, এম, আর এ, এস।
- (খ) মহিলাত্রত শ্রীগেরীক্রমোহন মৈত্রের। এই অধিবেশনে শ্রীযুক্ত মৃত্যুঞ্জর রায়চৌধুরী মহাশরের সংগৃহীত 'আহম' রাজগণের পাঁচটী রোপ্য মুক্তা প্রদর্শিত হয়।
  - ২য়। (ক) সর্বনাম ভত্ত-শ্রীক্ষিকাচরণ ভটাচার্যা শাস্ত্রী।
  - ( थ ) नांटोारत्रत्र श्राठीन कवि-श्रेहदरशांशान नाम कूछू।

এই অধিবেশনে ঐীযুক্ত মৃত্যুঞ্জর রায়চৌধুরী মহাশয় কর্তৃক সংগৃহীত একটা অর্থ মুক্তা প্রদর্শিত হর।

৩য়। এই অধ্ধবেশনে কোনও প্রবন্ধ পঠিত হয় নাই।

৪র্থ। রঙ্গপুরের মহাম্মদীয় তীর্থ ও ইস্মাইল গাঞ্চীর বিবরণ

श्रीक्रातकातक वामरावेश्वी ।

€ম। বঙ্গে আহ্মণ আগমন (প্রথমার্ক)

শ্ৰীকালীকান্ত বিশাস।

এই অধিবেশনে ী জগদীশনাথ মুখোপ্যাধ্যার মহাশরের সংগৃহীত বঙ্গপুর সহরের নিকটবন্তী ভাষকাট মস্জাঁধের শিলালিপির আদশ পদশিত হয়।

৬ঠ। বঙ্গে অংকাণ আগমন (শেষার্ক্ষ)

ঐকালীকান্ত বিশ্বাস।

৭ম। কথা ও ছিকা প্রীপঞ্চানন সরকার এম্, এ, বি, এস্।

**৮ব। নিমগাছির ভাত্রশাসন** 

শ্ৰীকালীকান্ত বিখাস

( नचन (नन (नन धन्छ )

গত ১১ই আবাড় শাথা পরিষদের ভৃতীয় সাংবৎসরিক অধিবেশন হইরাছিল। এই অধিবেশনে সভার কর্মচারী ও কার্য্য-নির্বাহক সমিভির সভাগণ নির্বাচিত হন। আগায়ী বংসরের জন্ম শ্রীষ্ক রাজা মহিমারঞ্জন রারচৌধুরী সভাপতি ও শ্রীষুক স্বরেজনেক রার চৌধুরী এম্, আর, এ, এদ্ সম্পাদক নিযুক্ত হন।

শীষ্ক প্রভাতকুমার মুখোপাধাায় ও শীষ্ক পঞ্চানন সরকার এম্. এ, বি, এল্, মহাশগ্রহের সম্পাদকভার চণ্ডিকাবিজর কাণ্ডোর মূল্ল-কার্যা করেন্ত হইরাছে শান্তই পুস্তক প্রকাশিত হইবে বলিয়া আশা করা যাইতে পারে। শ্রীষ্ক পঞ্চানন সরকার মহাশন্ত উত্তর বঙ্গের দ্বিল শাখা পরিষদের শক্ষ হইতে প্রস্তুত করিতেছেন। শ্রীষ্ক পূর্ণচন্দ্র রায়চৌধুরী মহাশন্ত বীয় পিতৃদেবের শ্রণার্থ যে "কাশীচন্দ্র" রন্তি দান করিতেছেন, শহা তিন বৎসর হইল শাখা সভার নিকট গজিত আছে। আগমী বৎসরে টাকা সংগৃথীত হইবে একথানি গ্রন্থ প্রকাশিত হইবে বলিয়া ছির হইয়াছে। কাকিনা রাজের স্বীক্রত পুরস্কার লাভের জন্ম লিখিত কেবল একটী মাত্র প্রশ্ব শাখা পরিষদের হস্তগত হ্যাছে। এই প্রবন্ধ এখনও পরীক্ষিত হয় নাই

আলোচ্য বর্ষে সাধারণ তহাবলে নোট আয় ্রেণ্/১৫ ও মোট বায় ৬৫৫॥১০ এবং বিশেষ তহবিলে মোট আয় ২০৯৮১০ ও নোট বায় ২০৯৮১০।

শাখা প'রষদের পুমকাগারে অক্তান্ত পুসকের মধ্যে এ পর্যান্ত হস্তলিখিত ভূই শত খানি পুঁথি সংগৃহীত চইয়াছে।

শাখা-সভার মুখপত্র এঞ্চপুর শাখা-সংহিত্য-পরিষৎ পত্রিকা দিভীয় বর্ষের তৃতীয় সংখা! পর্যান্ত বা হর হত্যাছে এই পাত্রকা অভান্ত কাল নগোই সাহিত্যিকগণের নিকট বেরপ সমাদর লাভ করিয়াছে, তাহা শাখা গরিষদের পক্ষে অভান্ত গৌরবজনক : আগামা বর্ষ হইতে চিত্র প্রভৃতি হারা উত্তর বঙ্গের জ্ঞাতবা বিষয়গুলি যাহাতে সাধারণকে জ্ঞাত করান যাইতে পারে সে বিষয়ে চিন্তা করা হইবে।

হিন্দু রঞ্জিকা, রক্ষপুর 'দক্প্রকাশ, বঙ্গদশন, জাহনী ও সাহিত্য সংহিত্যর সম্পাদক-গণ বিনা মূল্যে তাঁহাদের পত্রিকা শাখা পরিষৎকে দিয়া আসিতেছেন । এই জন্ত শাখা পরিষৎ তাঁহাদিগের নিকট আন্তরিক ক্লভক্ততা প্রকাশ করিতেছেন। এতম্ব তিরেকে শ্রীযুক্ত অরদাপ্রসাদ সেন, শ্রীযুক্ত প্রমথনাথ মূন্দি, শ্রীযুক্ত যোগেক্রনারায়ণ রারচৌধুরী, শ্রীযুক্ত শরচক্র সিংহরায়, রায় শ্রীযুক্ত শলিকাদাস দত্ত বাহাত্র ও কুমার শ্রীযুক্ত শরৎকুমার রায় এম, এ, মহাশয় নানা কারণে শাখাপরিষদের ক্লভক্ততা ভাজন হইয়াছেন।

# ২। ভাগলপুর শাখা সভার

### ভৃতীয় সাংবৎসরিক সংক্ষিপ্ত কার্য্যবিবরণ।

আলোচ্য বর্ষের শেষে শাখা পরিষদের সভা-সংখ্যা পঞাশজন ছিল। তন্মধাে ও জন বিশিষ্ট্ এবং ৫ জন বিশেষ সভা। এই এর্ষে দ্বিতীয় সাংবংদরিক অধিবেশন ও পাঁচটী মাসিক অধিবেশন হইয়াছিল।

দিতীয় সাংবৎসরিক অধিবেশনে শ্রীযুক্ত হরেক্সলাল রায় মহাশয় সভাপতি নিকাচিত হন প্রথম সাংবৎসরিক কার্য্যবিবরণ পঠিত হইলে অল্লবয়স্থ বালকগণ কর্তৃক শ্রীযুক্ত রবীক্ষনাথ ঠাকুরের "গান্ধারার আবেদন" নামক নাটা অভিনাত হইয়া পরে সভাপতি মহাশয় আবৃত্তি এবং অভিনয়ে পারদর্শী বালকগণকে পুরস্কার বিতরণ করেন। তৎপরে ১৩১৪ সালের জন্য কর্ম্মচারগণ নিযুক্ত হন। শ্রীযুক্ত হরেক্সলাল রায় এই শাখার সভাপতি ও শ্রীযুক্ত নগান্ধনাথ গঙ্গোগাধ্যায় সম্পাদক নির্বাচিত হন।

মাদিক মধিবেশনগুলিতে 'নমুলিখিত প্রবন্ধগুলি নিমুলিখিত সভাগণকর্ত্ক পঠিত ছইয়াছিল:—

- >। কাৰো ইতিহাস ঐ স্বেদ্রনাথ গঙ্গোপাধ্যার।
  ( এই অধিবেশ:ন ৺কালা প্রসর কাবাবিদারদ মহাশধের মৃত্যুতে শোক প্রকাশ করা হয়। )
  - २। जानक्ष्में जीनग्रथनाथ वटकारशासास वि ४०,।
  - ৩। মঠাপ্রিত সন্নাদী সম্প্রদায়— জীনরেশচল সিংহ এম, এ, বি, এল।
  - ৪ কবি ব্রাউনিং 🖺 প্রমণলাল সেন।
  - ে। ভীশ্ব চরিত্র শ্রী প্রভাচরণ বলেলাপাধার এম্, এ, বি, এল্

এই বৎসর কার্ত্তিক মাসে বহরমপুরের সাহিতা সন্মিলনীতে শ্রীষুক্ত অক্ষয়কুমার চট্টোপাধাায়, শ্রীষুক্ত মন্মথনাথ বন্দোপাধাায় ও শ্রীয়ুক্ত মনীক্রনাথ গঙ্গোপাধাায় মহাশয়গণ শাখা পরিষদের প্রতিনিধিপরূপ উপস্থিত ছিলেন। কাশ্মিনাজারের মহারাজ শ্রীষুক্ত মনীক্র-চক্ত নন্দী মহোদ্যের অভিথিসংকার ও সৌজত্যে, স্থানীয় ভদ্র মহোদ্যগণ এবং স্বেচ্ছাসেবক-গণের আন্তরিক যত্নে সক্ষয়ানের প্রতিনিধিগণ মুগ্ধ হুইয়াছিলেন। সন্মিলন হুইতে ফিরিয়া আসার পর মহারাজ বাহাছরের পুত্রবধুর অকাল মৃত্যুতে শোক প্রকাশ ও সহার্ভুতি-স্চক সংবাদ ভার্যোগে মহারাজের নিকট প্রেরিত হয়।

আলোচা বর্ষে শাখাপরিষদের মোট সায় ৫১৫/, মোট ব্যায় ৪৯/০। এই বর্ষের শেষে পুস্তকাগারে মোট ৪০৫ খানি পুস্তক ছিল। আলোচা বর্ষে শ্রীযুক্ত হরিশচক্ত বস্তু মহাশয় কতকগুলি বাঙ্গালা ও সংস্কৃত পুলি শাখা পরিষদে উপহার দিয়াছেন। এই পুলিগুলির পাঠোদারের চেটা হইতেছে, চেটা সফল না হইলে পুস্তকগুলি মূল পরিষদে গ্রেষিত হইবে

ভাগলপুর ইন্টিটিউটের স্থবোগ্য সম্পাদক শ্রীষ্ক্ত অবিনাশচন্ত্র বস্থ, গ্রীষ্ক্ত ভারক নাথ বোৰ, গ্রীষ্ক্ত চারুচন্ত্র বস্থ ও শ্রীষ্ক্ত হরিশ্চন্ত্র বস্থ বহু বহোদরগণ নানা প্রকারে শাখা পরিবৎকে সাহায্য করিয়াছেন, তজ্জন্ত শাখাপরিবৎ উাহাদিগকে আন্তরিক ধন্তবাদ জানাইতেছেন। অর মূল্যে উলোধন দেওরার জন্ত উলোধন পরিচালকগণ শাখা পরিবদের ধন্তবাদার্হ।

সম্প্রতি স্থানীয় কলেজের কর্তৃপক্ষগণ বঙ্গভাষা অধ্যাপনার জন্ত শাখা পরিষদের সাহায্য গ্রহণ করিবেন বলিয়া পরামর্শ করিতেছেন। শাখা পরিষৎ এ বিষয়ে বধাসাধ্য সাহায্য করিতে প্রস্তুত আছেন।

### ৩। রাজশাহী শাখার

### দ্বিতীয় বাষিক সংক্ষিপ্ত কাৰ্য্য-বিবরণী।

আলোচ্য বর্বে এই শাখা পরিষদের সভ্য সংখ্যা ৫০ জন ছিল। এ পর্যান্ত শাখা পরিষদের কোনও স্থানী সভাপতি মনোনীত হরেন নাই। জালোচ্য বর্বে প্রীপুক্ত শশধর রাম এম্, এ, বি, এল্, সম্পাদক ছিলেন। এই বহর্ব শাখা-পরিষদের ছইটী সাধারণ এবং ছইটী বিশেষ অধিবেশন হইয়াছে। প্রথম সাধারণ অধিবেশনে রঙ্গপুর শাখা সভার বাংসরিক অধিবেশনে উপস্থিত হইবার জন্ত ৯ জন প্রতিনিধি নির্বাচিত হন। বিতীয় অধিবেশনে শ্রীযুক্ত শশধর রাম "ভাব ও কর্মা" নামক প্রবন্ধ পাঠ করেন। ছাজদের অনুরোধে এই প্রবন্ধ পরবর্তী সপ্তাহে বিতীয়বার পঠিত হয়। শাখা পরিষদের বিশেষ অধিবেশনে, বহরমপুরের সাহিত্য-সাম্মলনের জন্ত শ্রীযুক্ত শশধর রাম, শ্রীযুক্ত অক্ষমকুমার মৈজের, শ্রীযুক্ত ব্রজস্কর সান্তাল ও রাম শ্রীযুক্ত কৃষ্ণচক্ষ সান্তাল বাহাছর ও ৮ গিরিশচক্ষ লাহিড়ী প্রতিনিধি নির্বাচিত হন।

শ্রীবৃক্ত শশধর রার মহাশর রাজশাহীবাসীর মুথপাত্রস্বরূপ রাজশাহীতে আগামী বর্ষে সন্মিলন আহবান করিবার প্রস্তাব উত্থাপন করেন এবং সর্ব্বস্থাত ক্রমে এই প্রস্তাব গৃহীত হয়। বিতীর বার্ষিক সন্মিলনের সমর নির্ণর ও অন্তর্ভান প্রণালী আলোচনা জক্ত শাখা পরিবদের বিতীর বিশেষ অধিবেশন আহত হইরাছিল।

রাজসাহী সাধারণ পৃস্তকালরের সম্পাদক মহাশর নানা উপারে শাখা পরিষংকে সাহায্য করিলা শাখাপরিষদের আস্তরিক ক্তক্ততা ভাজন হইলাছেন:

## ৪। মরমনসিংহ শাখা-পরিবদের

### था वार्षिक मः कि ख कार्य्य विवत्न । °

গত ১০,৪ সালের বৈগ্র মাস হইতে মরমনসিংহের সাহিত্য-সন্মিলন, "বলীয়-সাহিত্য-পরিষৎ — মরমনসিংহ শাধা" এই নাম গ্রহণ করিরাছেন। বলীয়-সাহিত্য-পরিষদের শাধা-পরিষৎ রূপে পরিগণিত হওয়ার পর, আলোচ্য বংর্ষ এই সভার ছুইটী মাসিক অধিবেশন হয়। এই মাসিক অধিবেশন ছুইটীতে নিম্নলিখিত —সভ্যগণ কর্ত্তক নিম্নলিখিত প্রবন্ধ গুলি পঠিত হইয়াছিল; —

- ১। 'র'এর উড়িক্সা যাত্রা শ্রীমনোমোহন সেন।
- ২ । কবি গলারামের মহারাষ্ট্র পুরাণ শ্রীকেদারনাথ মজুমদার।
  (সাহিত্য-পরিষৎ-পত্রিকার প্রকাশিত প্রবন্ধের প্রতিবাদ)

পণ্ডিত প্রীযুক্ত দীনবৃদ্ধ কাব্যতীর্থ শাখা-পরিষদের পক্ষ হইতে প্রাচীন হন্তলিখিত পূঁথির অহসদ্ধান করিতেছেন। প্রীযুক্ত ললিতক্ষণ খোব, শাখা পরিষদের প্রভিনিধি স্বন্ধপ বহরমপুরের সাহিত্য-সন্মিলনে উপস্থিত ছিলেন। শাখা-পরিষদের সভাপতি প্রীযুক্ত কামিনীকুমার সেন্ মহাশর বর্ষ মধ্যে সভাপতির পদ পরিত্যাগ করেন, তৎপর বর্ষের বাকী সমরের ক্ষপ্ত অক্ত কোন সভাপতি নির্বাচিত হন নাই। "আরতি" পত্রিকার পরিচালকগণ ও 'ইইবেক্সল সোপ-দ্যাক্টরীর' কর্তৃপক্ষগণ নান। উপারে শাখা-পরিষদের উপকার করিয়া শাখা-পরিষদের ক্ষতজ্ঞতা ভাজন হইয়াছেন। আলোচ্য বর্ষে শাখা-পরিষদের সভ্য সংখ্যা জ্বিশ্বন। শ্রীযুক্ত কেদারনাথ মন্থ্যদার এম্, আর, এ, এন্, এই শাখা সভার সম্পাদক।

### বঙ্গীয়-দাহিত্য-দশ্মিলন।

স্থান—কাশীমবাজার রাজবাড়ী, জেলা মুর্শিদাবাদ । ১৩১৪।

১१ই कार्जिक द्रविवाद ७ ১৮ই কার্তিক সোমবার, विश्वहत श्हेर्ड अनदाङ्ग ৫ विका

### (১) कार्य्यथानी।

- ১। মঙ্গলাচরণ গীত।
- ২। **অভ্যৰ্থনা-**সমিতির সভাপতি মহাশর কর্তৃক সমবে<mark>ত সাহিত্যাহুরাগিগণকে</mark> অভ্যৰ্থনা

- ৩। অভার্থনা সলীত।
- ৪। সভাপতি নির্মাচন।

প্রস্তাবক :--- ত্রীবৃক্ত মহারাজ মণীক্রচন্দ্র নন্দী বাহাত্তর

**गमर्बक:---** श्रीयुक्त हक्तरमथत मूर्याशाधाम ( वहत्रशृत )।

সভাপতি :-- শ্রীযুক্ত রবীক্রনাথ ঠাকুর।

- e: সভাপতি মহাশম কর্ত্তক সভার উদ্বোধন ও তাঁহার বক্তব্য।
- ৬। বঙ্গীর-সাহিত্য-পরিষদের সম্পাদক ত্রীবৃক্ত রামেন্দ্রস্থলর জিবেদী এম, এ, কর্ডক বঙ্গীর সাহিত্য-সন্মিলনের উদ্দেশ্ত সম্বদ্ধে প্রবন্ধ পাঠ।
  - ৭। শ্রীযুক্ত ইন্সনাথ বন্দ্যোপাধ্যার কর্তৃক 'ভাষা সংস্কার' বিষয়ক প্রবন্ধ পাঠ।
  - ৮। সভাপতি মহাশ্র কর্তৃক আলোচা বিষয়গুলির বিজ্ঞাপন।

### প্রস্তাব।

>। বাঙ্গলা দেশের বিভিন্ন স্থান হইতে অসুসন্ধান দারা বাঙ্গালার পুরাতদ্বের ও ইতিহাসের উপকরণ সংগ্রহ করা হউক।

প্রস্তাবক: — শ্রীযুক্ত নগেন্দ্রনাথ বস্থ (কলিকাতা)। সমর্থক: —শ্রীযুক্ত বজ্ঞেখন বন্দ্যোগাধ্যার ঐ।

২। বাঙ্গালার বিভিন্ন স্থান হইতে অঞ্সন্ধান করিয়া প্রাচীন বাঙ্গালা সাহিত্যের উদার, রক্ষণ ও প্রচার উদ্দেশে মুক্তিত এবং সমুক্তিত প্রাচীন গ্রন্থ ও লৌকিক সাহিত্য সংগ্রহ করা হউক।

প্রস্তাবক :— শ্রীষ্ক নগেন্দ্রনাথ বস্ত্র (কলিকাতা)
সমর্থক :— শ্রীষ্ক হরগোপাল দাস কুণ্ডু, (রঙ্গপুর)।
শ্রীষ্ক হুর্গাদাস লাহিড়ী (কলিকাতা)।

৩। ৰাঙ্গালা ভাষাৰ উৎপত্তিও গঠনপ্ৰণালী নিরূপণের জন্ত ভিন্ন ভিন্ন স্থানের চলিত ভাষার শব্দ ও ভাহার প্রয়োগ-গীতি সংগ্রহ করা হউক এবং তাহার সাহাব্যে কালালা ভাষার ব্যাকরণ ও অভিধান সঙ্কলিত হউক।

প্রস্তাবক:— শ্রীষ্ক অম্লাচরণ খোষ বিশ্বাভ্ষণ (কলিকাতা)
সমর্থক: — শ্রীষ্ক শরচন্দ্র শাস্ত্রী (কলিকাতা)। শ্রীষ্ক লালমোহন বিশ্বানিধি, ও
লালতকুমার বন্দ্যোপাধা।র, এম্ এ, (কলিকাতা)।

- ৪। বালার ভৌগোলিকতত্ব সংগ্রহের ব্যবস্থা হউক।
   প্রভাবক:—শ্রীবৃক্ত মন্মধ্যোহন বস্থু বি, এ, (কলিকাডা)।
   সমর্থক:—শ্রীবৃক্ত মোহিনীমোহন রার এম্ এ (বহরমপুর)।
- e। দর্শন, বিজ্ঞান, ইতিহাস প্রভৃতি বিষয়ে বঙ্গভাষার বছবিধ সদ্প্রের সঙ্গন করা হউক।

প্রস্তাবক :— শ্রীবৃক্ত রায় সভীজনাথ চৌধুরী এন্ এ; বিএল্ (২৪ পরগণা)। সমর্বক ঃ— শ্রীবৃক্ত পণ্ডিত প্রসরচক্র বিভারত্ব

- " रुतिरमारुन देशक (निनीशा)।
- ও । গ্রীমৃন্সী রসন আলি (কলিকাতা)।
- ৬। বাজালার একটা "সারস্বত ভবন" সংস্থাপিত হউক। এই সারস্বত-ভবনে নিমোকরপ জবাজাত সংগৃহীত হউক এবং পুরাবৃত্ত ও বিজ্ঞানাদি শাল্লের মাসিক উপদেশ প্রদত্ত হউক।
  - (क) প্রাচীন হন্তলিধিত বাদালা পুঁথী।
  - (খ) প্রাচীন মুদ্রিত ও এক্ষণে চুম্প্রাপ্য পুত্তক।
  - (গ) বাঙ্গালা দেশে আবিষ্কৃত ভাম্র-শাসন, খোদিতলিপি, মুদ্রা প্রভৃতি।
  - (গ) জয়দেব, চণ্ডাদাস, ক্লবিবাসাদি **প্রাচীন কবিগণের স্মৃতিচিল্যাদি**।
- (ও) আধুনিক সাহিত্যিক—রামমোহন রায়, বিস্থাসাগর, বৃদ্ধিমচন্দ্র, মাইকেল মধুস্বন দত্ত,হেমচন্দ্র প্রভৃতির প্রস্তর-সূর্ত্তি,চিত্ত,এবং তাঁহাদের হস্তাক্ষর ও বাবহৃত ক্রবাদি।
  - (চ) বলের সাধারণ খ্যাতনামা বাক্তিগণের ঐরপ স্থতিচিত্র।
- ছে) বান্ধালার প্রাচীন শিল্পবিস্থা, স্থপতিবিস্থা, চিত্রবিস্থা, সঙ্গীতবিস্থার যন্ত্রাদি প্রভৃতির নমুনা। প্রাচীন ধ্বংসাবশেষ, প্রাচীন ছুর্গ, স্বট্টালিকা, দেব মন্দিরাদির চিত্র। প্রাচীন কালের ব্যবস্থত বস্ত্র, স্থলভার, তৈজস, সম্ভশস্ত্রাদির নমুনা।
- (ঝ) অবশান্ত্র, জোতিষ, (ফলিত ও গণিত), বিজ্ঞান, ভূতস্ব, দর্শন, সাহিত্য, প্রাণীবৃত্তাস্ক, শরীরতজ্ব, উদ্ভিদ্ধ, যন্ত্রতজ্ব ইত্যাদি বিষয়ের প্রয়োজনীয় দ্রব্য।
  - (ঞ) পূর্ব্বোক্ত বিম্বানিচন্নের রীতিমন্ত ভাবে বাঙ্গালা ভাষার উপদে<del>শ</del>।
  - (ট) গ্রন্থালয়ের পুস্তক সংগ্রহ।
- (ঠ) এই সারস্বত-ভবন প্রতিষ্ঠার জন্ত নিয়লিখিত মহোদয়গণের প্রতি ভার অর্পন করা হউক।

মহারাকা এবুক মণীক্রচক্র নন্দী বাহাছর, রাজা প্রীযুক্ত বোপেক্রনারারণ রার বাহাছর, প্রীযুক্ত বৈকুঠনাথ দেন, প্রীযুক্ত রামেক্রফুলর জিবেদী ও প্রীযুক্ত মণিমোহন দেন।

প্রভাবক : -- প্রীকৃক্ত অক্ষরকুমার মৈত্রের, এম্ এ; বি এল, রাজসাহী।

সমর্থক:—শ্রীযুক্ত ব্যোষকেশ মুন্তফী, কলিকাতা।

- " शकानन वरन्गाशायात्र वि, ज, जे
- " সভ্যচরণ শান্ত্রী 🗳
- ৭। বাদালা দেশের ভিন্ন ভিন্ন কেলার সাহিত্যালোচনার জস্তু বে সকল সভাসমিতি আছে, পূর্বোক্ত সন্তব্যশুলি কার্বো পরিপত করিবার জন্ত তাঁহাদিগকে অনুরোধ করা হউক।

প্রভাবক: — শ্রীবৃক্ত বসন্তক্ষার বস্থা, ... (নদীয়া,)
সমর্থক: — শ্রীবৃক্ত অন্নদাচরণ বেদান্তশান্ত্রী ... (বহরমপুর,)

" ভ্রিকেশ শান্ত্রী ... (ক্লিকাতা,)

৮। প্রতি বর্ষে বালানার ভিন্ন ভিন্ন জেলার 'বলীর-সাহিত্য-স্থানন' আহ্বান ও তাহার ব্যবস্থাদি করিবার লম্ভ একটি মণ্ডলী প্রতিষ্ঠিত হউক। এই মণ্ডলীস্থাপনের জন্ত নির্মাণিত ব্যক্তিবর্গের প্রতি ভার অপিত হউক।

মহারাজ শ্রীষ্ক্ত মণীক্রচক্ত নন্দী বাহাছর, রাজা শ্রীষ্ক্ত যোগেক্তনারারণ রাজ বাহাছর, রার শ্রীষ্ক্ত সেতাবটাদ নাহার বাহাছর, রার শ্রীষ্ক্ত মণিলাল নাহার, শ্রীষ্ক্ত বিজয়টাণ ছথোরিয়া রায় শ্রীষ্ক্ত বৃধসিংহ ছথোরিয়া বাহাছর, শ্রীষ্ক্ত ধনপৎ সিংহ, শ্রীষ্ক্ত গণপৎ সিংহ, থান বাহাছর কল্পে রবিব দেওয়ান সাহেব, শ্রীষ্ক্ত পূর্ণচক্ত মজুমদার, শ্রীষ্ক্ত প্রেক্তনাথ সিংহ, শ্রীষ্ক্ত রামেক্তস্কলের জিবেদী, কুমার শ্রীষ্ক্ত পূর্ণদিন্দারায়ণ রায়, শ্রীষ্ক্ত সরোজকক্ষ বোষ মৌলিক, শ্রীষ্ক্ত শর্চচক্ত মৌলিক এবং শ্রীষ্ক্ত পূর্ণানন্দ হোষ রায়।

প্রস্তাবক: - প্রীযুক্ত বৈকুণ্ঠনাথ সেন বি, এল্, বছরমপুর।

সম**র্থক:— " গিরিশচন্দ্র লাহিড়ী রাজ**সাহী।

. व्यानमध्य त्रात्र कतिनश्रुत्र।

৯। আগামী বৎসর রাজসাহী জেলার বগার-সাহিত্য-সন্মিলনের অধিবেশন হউক।

প্রস্তাবক: --- শীবুক শশধর রার এম্, এ, বি, এল্, রাজসাহী

সমর্থক:-- , অক্সরকুমার মৈজের এম্, এ, বি. এল্, ঐ

" গিরিশচক্র লাহিড়ী ঐ

🛚 " কৃষ্ণচন্দ্র সাল্লাল বাহাছ্র 🕹

> । সাহিত্য-দংসারে স্থপরিচিত ও লক্ষপ্রতিষ্ঠ পণ্ডিত কালীপ্রসন্ন কাব্যবিশারদ, দামোদর বুঝোপাধ্যার ও ব্রহ্মবাদ্ধব উপাধানের অকাল মৃত্যুতে বলীয় সাহিত্য-সন্মিলন আন্তরিক কোভ ও হুংথ প্রকাশ করিতেছেন।

১১। সভাপতিকে ধন্তবাদ।

প্রস্তাবক:--- শ্রীবৃক্ত বৈকুণ্ঠনাথ সেন বি, এল্, বহরষপুর। সমর্থক:-- দলিনীরঞ্জন পশুড (কলিকাডা)

ং। অভার্থনা সমিভির সভাপতি ও সভাদিগকে ধঞ্চবাদ।

**बीवृक्त अन्द्रप्रकृतात रेगरवाह, अम् अ, वि अन्।** 

১৩। সভাপজির উত্তর।

১৪। প্ৰবন্ধ পঠি।

সঙ্গীতের পর সভা <del>ভল</del>।

# (২) অভ্যর্থনা সমিতির সভাপতি यहात्राक शियुक मगीलाहला नन्ती बाहाइटदर्स

বক্তৃতা।

ভভাগত মহোদদ্বগণ,

আনন্দপরিপ্লুত চিত্তে ও কৃতজ্ঞতাপূর্ণ হাদরে আজি আমি প্রাদেশিক সাহিত্য-স্ম্মিলনের প্রথম অধিবেশনে অভ্যর্থনা স্মিতির সভাপতিরূপে মুর্শিদাবাদ্বাদিগণের পক হইতে এবং আমার গৃহে সাহিত্য-স্থিলনের অধিবেশন হইল বলিয়া আমার পক্ষ হইতে ষ্মাপনাদিগকে স্বান্তরিক প্রীতি ও শ্রদ্ধার সহিত স্বভার্থনা করিতেছি। মাতৃভাষার ও সাহিত্যের দেবা উপলক্ষে বঙ্কের ভিন্ন ভিন্ন স্থানের স্থণীগণের এই শুভাগমনে মুর্শিদাবাদ थक इरेन, जामात गृर पवित ररेन, जामि कवार्थ ररेनाम । मूर्निमावामवानी जामामिरशत বে আজি কি গৌরব ও আনন্দের দিন, তাহা বাক্যের ছারা প্রকাশ করা আমার পক্ষে ফুকঠিন। মাতৃদেবায় কাহার না আনন্দ হয় ? এই ভাবে এই দেবার এথম অনুষ্ঠান मूर्णिनावात्म इश्वात्र आमता मूर्णिनावानवानी त्य वित्नवक्रत्भ आनत्नाष्ट्रात्म उल्लेश বলা বাছল্য। , শুভাগত ও সমবেত মহাপ্রাণ সাহিত্যদেবী ও সাংহত্যাহুরাগী মহোদ্রগণ নিজের মনদিরা আমাদিগের চিত্তভাবের পরিচর গ্রহণ করেন ইহাই আমার বিনাত প্রার্থনা।

এই হেমস্তকালের দূর অ্মণের অনে ক ক্লেশ নিশ্চরই আপনাদিগের অনেককে ভোগ করিতে হইয়াছে এবং এই স্থানে অবস্থান কালেও অনেক অস্থবিধা ভোগ করিতে হইবে। আন্তরিক বড়ের ক্রটি না পাকিলেও কার্যোর ক্রটি অনেক সময়ে হয়। আমাদিগের কত त्य व्हां हे हेट्द, जाश अथन हेट्ड असूरमञ्ज नरह। . आमानित्यत्र मकन व्हां कि आपनाता निक श्वरण मार्क्कना कतिरवन। जाकि এथान वन्नरमान विভिन्न नगरवत, विভिन्न श्वारमत বিবৃধ মণ্ডলের সন্মিলন। স্মান্তি সাহিত্যদেশী ও সাহিত্যামুরাগিগণ ভিন্ন ভিন্ন স্থান হইতে এধানে সমবেত হইয়াছেন। আপনারা এখানে বুধা উৎসব করিতে আসেন নাই, একটি মহাত্রত গ্রহণে আসিরাছেন। বাদলা ভাষা ও বাদলা সাহিত্যের পুষ্টি ও উন্নতি সাধন-জন্ত একল সমবেত হইয়াছেন। মাতুষের জীবনে ইহা অপেকা উচ্চতর লক্ষ্য বোধ হয় আর কিছু হইতে পারে না। যাহাতে দেশের হিত, জাতির হিত, সমাজের হিত, তাহার মত পুণ্য কর্ম আর কি আছে ? আজিকার সাহিত্য-সন্মিলনের বে আরোজন, প্রকৃত প্রে তাহা ত মাতার বস্তু মন্দির প্রতিষ্ঠার আরোজন। যদি আমরা মন্দির স্থপ্রতিষ্ঠিত করিতে পারি, যদি মাডার নিভাসেবা ও বার্ষিক উৎসবের ব্যবস্থা করিতে পারি, ভাহা হইলে শুধু चाकि विनदा नरह, वनस्रकान, चनस पूत्र धित्रा चगःथा छक माञ्भात चक्र निवात सन्न, वाहां वाहा चाहा, नांशासूनांद्र त्र छाहां है नहेंद्रा, अहे महानविक मिनत बादत जेननीज इंदेर । अरे मिलत बुकि बातानगीत विस्थितत मिलत अर्थका महनीत ७ शिवज । अरु

বড় পূণ্যাস্থানে অহাবিধা ও ক্লেশ অপরিহার্যা। তীর্থদর্শনে অনেক অহাবিধা ও ক্লেশ আছে, কিছ কোন্ ভীর্থবাত্তী, কোন্ ভক্ত সেই অহাবিধা ও ক্লেশকে মনে হান দের ? আপনারা লক্ষ্যের দিকে দৃষ্টি রাখিরা, অহাতানের মাহাত্ম্য অরণ করিরা, ভরসা করি, সকল অহ্বিধা, সকল ক্লেশ উপেক্ষা করিবেন। আমাদিগের অনিচ্ছার্কৃত সকল ক্রাট উদার ও প্রস্কা চিত্তে মার্জ্ঞনা করিবেন।

বাঙ্গণাদেশের স্থানে স্থানে সাহিত্য-পরিষদের শাখা স্থাপন ও প্রতি বৎসর ভিন্ন ভিন্ন জ্বোর পরিষদের বাৎসরিক মিলনোৎসব অনুষ্ঠানের প্রান্তার আমাদিগের ভক্তিভালন শীর্ক রবীজনাথ ঠাক্র কর্তৃক উত্থাপিত হইরাছিল। তাঁহার সেই ইচ্ছার সার্থকতার জন্ম ছই বার ছই হানে অনুষ্ঠানের উত্যোগও হইরাছিল, কিন্তু প্রভিগবানের অবাদ্যনোধ্যার দিয় কারণে সে চেষ্টা সাঞ্চল্য লাভ করে নাই। শাস্ত্রে বলে—'শ্রেরাংসি বছবিদ্যানি'। মাতৃভাষার জন্ম আমাদিগের এই অনুষ্ঠান যাহাতে স্থায়ী ও সফল হয়, ভজ্জন্য, আন্ত্রন, মঙ্গলমন্ন ভগবানকে সাক্ষী করিরা আমরা সকলে প্রতিজ্ঞাবদ্ধ হই। স্থ্যে ছংখে বিপদে সম্পদে স্থানিনে ছদিনে সকল অবস্থাতেই আমরা আমাদিগের বাঙ্গলা ভাষা ও সাহিত্যের উন্নতি ও গৌরবের জন্য আজ্মোৎস্ট হইনা থাকিব। যদি অন্তর দিয়া সেবা করি, তাহা হইলে আমরা সাঞ্চ্যা লাভ করিবই করিব

বাঙ্গালীর সকল কার্যাই ছজুগে পরিণত হইতে দেখা যায় এবং ছজুগ বলিয়াই এদেশে কোন একটা মহৎ কার্যাের অমুষ্ঠান হয় না কয়েক বংসর হইল এদেশে মনে একটা নৃতন আবেগ আসিয়াছে। সেই আবেগটা ছজুগে পরিণত হয় নাই বলিয়া বাঙ্গালী যেন একটা নৃতন জীবন লাভ করিয়াছে এবং তাহা হইতে বাঙ্গালী আপনাকে ভাল বাসিতে শিখিতেছে এবং সেই কারণে বাঙ্গালা ভাষার উন্ধতির ইচ্ছা ক্ষম অল্ল করিয়া বাঙ্গালীর প্রাণে আসিতেছে। এই জনাই বাঙ্গালা ভাষার ক্রমশঃ উন্নতি দেখা বাইতেছে। পরিবর্ত্তনশীল জগতে একটার স্থানে আর একটা আসিয়া থাকে এবং একটার বিনাশে অন্যটার অভ্যাদয় নৈসর্গিক ধর্ম। বছকাল হইতে আমাদিগের বঙ্গভাষারও সেই প্রাকৃতিক নিয়মামুসারে আকারের পার্থক্য বঙ্গভাষার উৎপত্তিকাল হইতে চলিয়া আসিতেছে। এখন কুস্তকারের চাক খুরিতেছে,—বঙ্গভাষা সেই চাকে। এই খুর্ণায়মান অবস্থায় সাময়িক অমুষ্ঠানাদির বারা কুস্তকারগ্রপী উল্লমশীল ও ভক্ত সাহিত্যসেবীদিগেরণ যত্ন ও নিষ্ঠা অধিকতর্মপে সঞ্জীবিত করিতে পারিলে ভাষা সম্পূর্ণাকার ধারণ করিতে পারে।

নিজের কাজ নিজে না করিলে কখন সক্গতা লাভ হর না। জাগতিক এই নীতির অনুসর্গ করা আমাদিগের অবশ্র কর্ত্তবা। আমরা নিজের কাজ নিজে করিতে শিক্ষা করি নাই বলিয়া সকল কার্বোই আমাদিগের নানা বাধা বিশ্ব উপন্থিত হইরাছে, হইতেছে এবং চিরদিনই হইবে। বর্ত্তমান সময়ে আমাদিগের একটা দোব আমরা দেখিতে পাইতেছি। আমরা সকল কার্বোই উপদেশক হই, সক্লকেই আমরা পরামর্শ দিই, কিছ

কেইই ঐ কার্য্য নিজে অষ্ঠান করি না, কাহাকেও করিতে সাহায্য করি না কিহা করিতেও প্রস্তুত হই না। কোন একটা সংকার্য্যের অষ্ঠান হইলে অষ্ঠাতাকে কোন-রূপে উৎসাহ দান করি না, ক্রটা হইলে আমরা তাহার নিলা প্রচার করি। কোন দৈব প্রতিবদ্ধকে ঐ সদস্ঠানে বাধা ঘটিলে আক্ষানন করিয়া থাকি। আমাদিগের দেশের এই অবস্থা দ্র না হইলে অতি ক্ষুত্র কার্য্যকেও আমরা সম্পূর্ণ অব্যববিশিষ্ট করিতে পারিব না। এইজন্য আমার প্রার্থনা, আমাদিগের পূর্ব্বোক্ত দোষগুলি পরিহার করিয়া নিজের ইচ্ছা ও চেষ্টাকে জাগ্রত করিয়া সমবেত চেষ্টার মাত্তাযাকে উচ্ছা করিবে।

আমাদিগের অক্সকার এই অনুষ্ঠানের নান আমরা "দাহিত্য দক্ষিলন" দিরাছি। সংস্কৃত ভাষার সাহিত্য বলিলে বাহা বুঝার, আজ কাল বাজনা ভাষার দাহিত্য বলিলে তদপেক্ষা আনেক অধিক বুঝার। সংস্কৃত ভাষার সাহিত্য বলিতে কাব্যাদি বা অলকার-শান্ত বুঝার। বাহা কিছুরই সহিত ব্যবহার হয়,সংস্কৃত ভাষার তাহাই দাহিত্য। আমরা কিন্তু বাজলা ভাষার ইংরাজী "লিটারেচার" (Literature) শক্ষের হিসাবে সাহিত্য শক্ষ ব্যবহার করিয়া থাকি।

वित्तभी स्त्रता अवः छात्र उवस्ति अशास्त्र अवास्त्र वात्रकता विवास शास्त्र वात्रका ভাষা ও সাহিত্য অলকালের মধ্যে বিশেষ উন্নত হইরাছে, কিন্তু যেরূপ পৃষ্টি, যেরূপ উন্নতি इहेटन आमारनत शत्क वंशिविकहे स्पर्कात कथा हम, जाहा हहेटज आमता এथन अ वहनृदत রহিরাছি। সাহিত্যের অনেক পথে, অনেক বিভাগে, আমাদিগকে আরও বছদুর অগ্রণর हरेट क्टेट, उटव "बामारनंत्र माहिका" विनिन्ना आमारनंत्र न्माकी कत्रिवांत्र अधिकांत हरेटने अ হুইতে পারে। অনাদের ভাষা ও সাহিত্যের অনেক দীন ডা অংছে; তাং। আমাদিগকে পূর্ণ করিয়া লইতে হইবে। আমাদের সাহিত্যকে পূর্ণ করিবার প্রতিকৃদ অনেকভালি প্রতিবন্ধক বিভাষান আছে। তাহার মধ্যে কতকগুলি বিশ্ব পারিপার্খিক অবস্থাঘটিত; আর কতকগুলি আমাদের আভ্যন্তরিক প্রকৃতিজনিত। বাহা পারিপার্খিক অবস্থার উপর নির্ভর করে, তাহা অতিক্রম করিবার সাধা আপাতত: আমাদের নাই। বে সকল আভান্তরিক বাধা আছে, তাহা ত আমরা অন্তরের সহিত ইচ্ছা করিলেই অতিক্রম করিতে পারি। আমাদের আলভ, ওদাসীভ, জড়তা ও বুথা- স্পদ্ধা ঝাড়িয়া ফেলিয়া, উৎসাহ, উত্তম, আন্তরিকতা ও যতটুকু মতস্ত্রত আমাদের আছে, তাহা লইয়া মাতৃদেবার জন্ত মাতার মন্দিরবারে উপস্থিত হইলে সম্ভবতঃ আমরা কৃতকার্য্য হইতে পারিব। আমাদের সাহিত্যিকগণ এখন যাহা করিয়া থাকেন তাংগ প্রায় উদাসীনরপে। তঁ:হাদিগকে ব্রতথ্যুদ্ধী করিতে হইবে। এই মহৎ ভার সাহিত্য-পরিষদের গ্রহণ করা উচিত এবং ভরুগা कदा वाजक त्य छाहात्राष्ट्रे शहन कतित्वन।

আমাদের ভাষা ও সাহিত্যের অনেক অভাব আছে। অনেক কথা বলিবার সময় আম্রা নিজের ভাষার কথা খুঁজিয়া পাই না; অনেক ভাব ব্যক্ত করিবার উপবেংগী শস্থ বাল্লা ভাষার নাই। এঁরপ স্থলে পরাশ্র ব্যক্তীত আর আমাদের গতান্তর নাই। বাঁছারা মনে ক্রেন বে, অস্তু ভাষা হইতে শব্দ গ্রহণ করিলে মর্ব্যাদার হানি হন, তাঁহানের ত ইহাও মনে করা উচিত বে, জ্বামরা ত জনেক ভাষা হংডে শব্দ গ্রহণ করিবছি। পৃথিবী নির্ভ্ত পরিবর্ত্তনশীল, বিজ্ঞান অমুদিন উরত হইতেছে ও হইবে; বাঁহারা বিজ্ঞানের অমুশীলন ও উরতি করিতেছেন, তাঁহাদের ভাষা হইতে কতকগুলি শব্দ আমাদিগকে গ্রহণ করিতে হই-বেই। ভাষার পৃষ্টির জন্ত ইহা আবশ্রক। ইহাতে আমাদের লক্ষার কারণ কিছু নাই। যাহা নিজের জোরে লইতে পারি তাহা ভিক্ষা নহে। অন্ত ভাষা হইতে যাহা কিছু লইব, তাহা নিজের অধিকার বলিয়া লইব—ভিক্ষাবরূপ নহে। সকল ভাষাই ত ইহা করিয়াছে। এরপ ঝণ গ্রহণে কোন লক্ষা নাই; এরপ না করিলে কোন ভাষারই পৃষ্টি হয় না। সকল ভাষাই এইরপে পরিপুই হইরাছে। আর বে ইংরেজি ভাষা হইতে আমরা এখন শব্দ গ্রহণ করিবছি, সেই ইংরেজি ভাষাও আমাদের শব্দ গ্রহণ করিবা পরিপুত হইতেছে।

আর এক কথা। বিদেশীর সাহিত্যে এমন সকল উপাদের গ্রন্থ আছে, বাহার অফুবাদ আমাদের ভাষার হওয়া উচিত। আপনাকে বড় করিতে হইলে গ্রহণ করিবার শক্তি থাকা আবশ্রক। আগরা কবে কি ছিলাম, সে অহকার করিয়া বসিরা থাকিলে চিশিবে না। পরের কাছে গ্রহণ করিতে পারিলে যে লাভ আছে, তাহার প্রমাণ আধুনিক জাপানী। জ্ঞান বেখানে পাইবে, সেই খান হইতেই গ্রহণ করিবে; আমাদের শাল্পেরও সেই নির্দেশ আছে। অভএব বিদেশীর সাহিত্যের উচ্চ অক্সের গ্রন্থ সকলের আমাদের ভাষার অফুবাদ হওয়া প্রয়োজনীর। বিদেশীর উচ্চ সাহিত্যের অস্থ্রাদ হইবার কোন ব্যবস্থা আমাদের দেশে নাই। ভরসা করা যাউক বে, সাহিত্য-পরিষদ এই ভার গ্রহণ করিবেন।

আমাদের ভাষা ও সাহিত্যের উন্নতির জন্ম আমাদের সকলকেই স্কান্তঃকরেবে।
সাধনা করিতে হইবে। সিদ্ধি সাধকের সোধিনের নহে। কথাটা বলিতে একটু কৃষ্টিত
হইতে হইতেছে, কিন্তু আমাদের অধিকাংশ সাহিত্যসেবী সৌধিন মাত্র। সাধকের সংখ্যা
অতি অরই দেখিতে পাওরা বার। ইহা আমাদের তুর্ভাগা। কিন্তু সৌভাগ্য আনমন
করাও ত আমাদের নিজের হত্তেই রহিয়াছে: ইংরেজি ভাষার একটা প্রবচন প্রচলিত
আছে বে, নিজের কার্য্য বে নিজে করিতে চেটা করে, ভগবান্ তাহার সহায় হইরা
থাকেন। ইহা সত্য কথা। আমরা বধন নিজের কার্য্য নিজের হাতে লইবার চেটা
করিতেছি, তখন ভগবান্ বে আমাদের সহার হইবেন, ইহা নিশ্চর। বংসরে একবার
আমরা স্থিলিত হইরা যে আমাদের সভার হইবেন, ইহা নিশ্চর। বংসরে একবার
আমরা স্থিলিত হইরা যে আমাদের উচ্চ লক্ষ্য আরম্ভ করিতে পারিব, এরপ মনে করা
বার না। এরপ শুকুতর কার্য্যের ভার প্রধানতঃ সাহিত্য পরিবদকে প্রহণ করিতে হইবে
এবং সাধারণভাবে আমাদের সকলকেই প্রহণ করিতে হইবে এবং বে উপার অবশহন
করিলে সেই উদ্ধেশ্ব লাখিত হইবে, তাহা আমাদিগের এই স্থিলনে আলোচিত হইরা
ছির করা হউক। আমাদের এই উদ্ধি বাহাতে সকলতা লাভ করে তৎপক্ষে আপনারা
সকলেই বন্ধনা হউন, অভ্যর্থনা সমিতির সভাপতিরূপে ইহাই আমার বিনীত নিবেধন।
একপে, স্থিলনের সভাপতি নির্বাচিত করিরা আপনারা কার্য্যারম্ভ করন।